

The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ • 34] No. 34 नई विस्ली, शनिवार, अगस्त 24, 1985 (भाद्रपद 2, 1907)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संखलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be third as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union, Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक मेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1985

सं० ए०-35014/1/84-प्रशा० II(ii)--प्रचित्र संघ लोक सेवा श्रायोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में किनष्ठ लेखा श्रधिकारी श्री एम० पीं० माथुर को जो इस समय संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर लेखा श्रधिकारी के पद कार्य कर रहे हैं। 18-7-1985 से श्रागामीं श्रादेशों तक लेखा श्रधिकारी के पद पर नियमित श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एम० पी० जैन क्रवर मचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा आरोप

का० और प्रशि०, प्रशा० मु० और लोक शिकार

पेंशन मंत्रालय का० और प्रशा०्रि केन्द्रीय अन्वेषण्र_{यस्त 1985}

नई दिल्ली, दिन्हें—1—प्रत्यावर्तन होने पर सं० ए-19021/० पु० सेवा (उ० प्र०-1964) पुल्यि श्री श्रार० सी० वीदीय श्रन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिय स्थापना, उप महानिरीश (28753) सा० ग्र० स्कन्ध दिल्ली याखा की सेवाएं कि । 1980 के श्रपराह्म से उत्तर प्रदेश सर्व की ।।पी जाती हैं। दिनांक 5 श्राप्र ।

ंनिदेशक केन्द्रीय प्रन्वेषण सं 3/23/85-त्रण्या कें, विशेष पुलिस स्थापना एनद्ब्यूरो और पुलिस मङ्गर्क मिरांडा को दिनांक 14-6-1985 है
बारा श्री जीं व्यी होने तक प्रति नियुक्ति पर केन्द्रीय प्रन्वेषण
पूर्वाह्न से अप्रीक्षयोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।
ब्यूरो में मिरांडा को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो हैंदराबाद शाखा
तनात किया जाता है।

श्चार० एस० नागपाल प्रणासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

गृह मंम्रालय

पुलिस श्रनुमंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांग 5 जुलाई 1985

सं० 3/8/76 प्रणा०-धि---केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत ग्रान्ध्र प्रदेश के उप-पुलिस ग्रधीक्षक श्री एस० के० मूर्ति ने 31-5-85 (ग्रपराह्न) को केन्द्रीय गुप्तचर अशिक्षण स्कूल, हैदशबाद के उप-पुलिस अधीक्षक के पद का कार्यभार सींप दिया है ।

2. केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद के उप-पुलिस अधीक्षक के पद के कार्यभार से मुक्त होने पर श्री एना के के के मूर्ति की सेवाएं 31-5-1985 (अपराह्न) से पुलिस महा-निदेशक, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद की प्रदान की जाती हैं।

दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० 18/7/85-प्रणा०-।।— केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (णिक्षा मंत्रालय) के अनुसंधान सहायक श्री सत्यपाल ने दिनांक 6 जून 1985 पूर्वीह्न) से पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरों में संपादक हिन्दी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियुक्ति होने के कारण कार्यभार ग्रहण कर लिया है। यह प्रतिनियुक्ति प्रथम घृष्टान्त में एक वर्ष के लिए होगी। विस्त मंत्रालय के कार्यालय श्रापन दिनोक 7-11-85 सं० 1/11/5-III(8/75) के श्रनुसार उनका वेतन निर्धारित किया जायेगा।

एस० के० मलिक महानिदेशक

महानिदेशाल्य

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 1 भ्रगस्त 1985

सं० ई०-32015(1)/278-आर्मिक--1-श्री राजीव रंजन सहाय पुत्र श्रीएस० ग्रार० सहाय (सीधी भर्ती) को 9-7-85 पूपराह्म) से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा वल में स्थानापन्न रूप से के श्री युनिष्ट, बी० एच० ई० एल० भोपाल में तैनात किया जाता है।

सं० ई०-10-13(1)/18/84-क्यामिक-1---प्रतिनियुक्ति
प्रविध के ग्राधा-पर प्रिक्ति होने पर श्री एस० के० शर्मा,
भा०पु० से० (राज न्त १०) ने 31जुलाई 1985 के पूर्वाह्र से महानिरीक्षक (मुख्या) के० औ०सु० घ० नई दिल्ली

दिनांक 2 अगर्

सं० ६०-16013(2)/1 2/85-रे.
पर नियुक्ति होने पर, श्री आई० जै० नागियं — प्रतिनियुक्ति
(आंध्र प्रदेश 74) ने 17 जुलाई, 1985 के ग्रेपि॰ पु० से०
औ० सु० ब० यूनिट, एच० टी० पी० पी०, हर दुआगंज की के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 5 अगस्त 1985

सं० ई०-32015/(3)/8-85-क्षामिक-1---राष्ट्रपति, श्री भूपिव्दर सिंह राणा को, श्रीकृति पर 10 जुलाई 1985 के पूर्वीह्न से 27-8-85 तक की श्रवधि के लिए या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, पूर्णत्या तदर्थ श्राधार पर और अस्थाई रूप से कें अो० सू० ब० यूनिट ओ० एन० जी० सी०, (बी० ओ० पी०) वम्बई, के उप क्षमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय महानिदेशकः/के०औ०सु०ब० भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखा) म . प्र. ग्वालियर दिनांक 2 प्रगस्त 1985

सं प्रणाव एक निव अविप्रमोव 870— महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुठ 840-40-1000 देव रोव-40-1200 में उनके नाम के आगें दर्शायी गये दिनांक से आगाभी आदेश तक पदोन्नत करते हैं।

 ऋम मं०	नाम		पदोन्नति का दिनांक
1.	श्री बी० एक० चौध्ररी	02/333	29-5- 85 (पूर्वीह्न)
2.	श्रीवी०ए स० चव्हान	02/340	28-6-85 (पूर्वीह्न)
3.	श्री श्रार.० पी० श्रीवास्तव	02/420	17-7-85 (श्रपराह्न)
	/- C	/>	

(प्राधिकार---महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) श्रादेश दिनांक 25-5-85, 28-5-85 तथा 16-7-85)

> ह/श्रपठनीय वरिष्ठ उप-महालेखाकार प्रशासन

रक्षा सेवा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई, 1985

सं० प्रशा/1/1173/1जिल्द०-III--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा निम्नलिखिता कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड श्रिष्ट-कारियों को क्मे सेघा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड के (मान रुपए 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के श्राणे दर्शायी गयी तारीख से श्राणी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ऋम ग्रधिकारी का नाम	तारीख
सं०	
ृश्री एस० चिश्वनाथ	01-04-1983
- _{8. श्र} ,चरणजीत लाल	16-04-1984
4. श्री ६प्रकाण	01-10-1984
 कु० ऊषिंहारी रे 	01-10-1984
	01-10-1984

सं० प्रणाणा 1/1173/ रक्षा लेखा सेवा निम्निलिखत कार्-III -राष्ट्रपति भारतीय को (जो प्रतिनियिक्ति पर है जैसा क्लिप्सिनिक ग्रेड श्रधिकारियों नामों के श्रागे लिखी है) उक्त सेवा के किन्छ प्रणासिन ग्रेड प्रवश्ण ग्रेड (मान रूपण 2000-125/2-2250) में स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के श्रागे दर्शायीं गयी तारीखों से श्रनुक्रम निथम के अधीन" श्रागमी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	श्रधिकारी का नाम	तारीख	ग्रभ्युक्ति
1.	श्री रमेण डीं० राव	16-4-84	वित्तीय सलाह- कार महानिदेशक नौसेना परियोजना विशाखापत्तनम
2.	श्री ग्यामल कुमार चौधरी	01-02-85	श्रपण निदेशक (बिस्त) कलकस्ता महानगरीय विकास प्राधिकरण कलकस्ता ।

ए० के० घोष रक्षा क्षेपर महानियंत्रक

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज देहरादून कैन्ट, दिनांज 27 जुलाई 1985

सं० 12/85 ल्याष्ट्रपति महोदय श्री एम० डी० काश्विम को राष्ट्रीय भारतीय मेन्य शालेज, देहरादूत कैन्ट में भूगोत के श्रम्थायीं श्रध्यापक के पद पर दिनोठ 25 जुलाई 1985 (पूर्वीह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं ० 13/85 राष्ट्रभित, महोदय डाक्टर ग्रजय कपूर को राष्ट्रीय भारतीय सेन्य कालेज देहरादून कैन्ट में प्राणी विज्ञान के ग्रस्थायी ग्रध्यापक के पद पर दिनांक 29 जुलाई, 1985 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

> ओ० पी० चौधरी कर्नल/कमांडेंट

श्रम मंत्रासय

कारखाना सलाह सेवा और विज्ञान केन्द्र महानिदिशालय, अभ्यई, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० 15/11/85-स्थापना- -उप-महानिदेशक (विभागाध्यक्ष) बारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई ने श्री हरबस लाल कैला को सहायक निदेशक (औद्योगिक मनोषिज्ञान) के पद पर इस महानिदेशालय के अधीनस्थ वार्यालय राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई में दिनांक 12 जुलाई 1985 (पूर्वाह्न) से नियुक्त विया है।

एस० बी० हेगडेपाटिल उप-महानिदेशक वाणिज्य मंत्रायलय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1985 आयात श्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सैं० 6/1453,84-प्रशासन (राज०)—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का सदस्य और वित्तमंत्रालय राजस्व विभाग में पवेन अपर सचिव के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्रीयुत्त श्री इन्द्र विपाठी भारतीय राजस्व सेवा, ने मुख्य आयात-निर्यात के कार्यालय नई दिल्ली में 27 जून 1985 अपराह्म से अपार मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 24 जुलाई 1985

सं० 6/1556/85-प्रशासन (राज०)/3758— राष्ट्रपति, श्री एस० मनोहरन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (ए० एम० 75) को 5 जुलाई, 1985 के श्रपराह्म से, ग्रगले श्रादेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात, मद्रास के रूप में नियुक्त करते हैं।

> राजीव लोचन मिश्रा मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

नई दिल्लो, दिनांक 31 जुलाई 1985

मं० 1/2/85-प्रशासन (राज०)/3867— राष्ट्रपति, श्रीं एन० डी०टुटेजी, वाणिज्य मंत्रालय में श्रवर सचिव को, अगले श्रादेश होने तक, 7 जून, 1985 के पूर्वाह्म से मुख्य नियंत्रक श्रायात निर्यात कार्यालय, नई दिल्ली में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्द उप मुख्यानयंत्रक, श्रायात निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

म्रोद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं ० ए० 12(539)/66-प्रशासन (राज०)खण्ड-III--राष्ट्र-पति, विकास श्रायुक्त, (लघु उद्योग) कार्यालय में उप निदेशक श्रीद्योगिक प्रवन्ध प्रशिक्षण) श्री ए० एल० खनेजा जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में 24 जून, 1985 के, पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश ने तक, निदेशक, ग्रेड-॥ सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० ए० 19018 (577)/2-प्रशासन (राज०): विकास आयुक्त (ल०उ०) लघु उधोग सेवा संस्थान, विचूर में सहायक निदेशक श्री टी० नटेसन को सेवा निवृत्त की आयु प्राप्त कर छेने पर 31 मई, 1985 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय नई दिल्ली दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ए-17011/29-8/85/ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उपनिदेशक, निरोक्षण लुधियाना के कार्या-लय में भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री राजिन्द्र सिंह को दिनांक 24 जून, 1985 के पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रादेश दिए जाने तक उसी कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (वस्त्र) नियुक्त किया है

> स्रार० पीं० शाही उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

प्रभासन श्रनुभाग-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० ए०-1/1-(194) — प्रवर महानिदेशक पूर्ति प्रौर निपटान (भारतीय पूर्ति सेवा का विरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-2) ग्रीर इस समय स्थानापन्न रूप से क्रांचारी चयन ग्रायोग के सदस्य के रूप में कार्य कर रहै बी० ग्रार० ग्रायंगर, निर्वतन की ग्रायु प्राप्त होने पर 30 जून, 1985 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्ति हो गए है।

> राजवीर सिंह उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहराद्न, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० सी-6230/579/ए०-- निम्निखित अधिकारी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०सि० सेवा ग्रुप "बी" पद), के पद पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से मूल

रूप में नियुक्त किए जाते हैं :--

1.	श्री बी० आर० शर्मा	18-12-83
2.	श्री मेहर चन्द ग्रानन्द	3-6-84
3.	श्री एन०मोहन राज (ग्रनु० जाति०)	3-6-84
4.	श्री एम०एस० एस० पार्टे (भ्रनु० जन जाति)	3-6-84
5.	श्री जी०एस० धुर्वे (ग्रनु० जनर्जात)	3-6-84
	জী'ে	सी० <mark>प्रग्रवा</mark> ल
		मेजर जनरल
	भारत के	महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० एफ़०-8-9-/85-स्था०- प्रद्योहस्ताक्षरी श्री बूगर सिंह भले सहायक श्रीधलेखाधिकारी, ग्रेड-1(सामान्य) की 650-30-740-35-810-द्यं रो०-35-880-40-1000-द्यं रो०-40-1200 रुपए के वेतन मान में, 18 जुलाई, 1985 (पूर्वाह्न), से, श्रगले श्रादेश होने तक, तदर्थ श्राधार पर अभिलेखाकारी (सामान्य) के पद पर एततद्वारा नियुक्ति करते हैं।

उपयुक्त प्रधिकारी का इस तदर्थ नियुक्ति से उनकी नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक अथवा दावा नहीं होगा और इसे उनकी वरीयता के प्रयोजन और अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पातता के लिए माना नहीं जाएगा।

> राजेश परती श्रभिलेख निदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

सं० 1/9/85-एस०-2- महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्निलिखित प्रधान लिपिको/लेखाकारों/विरिष्ठ स्टोरकीपरों को उनके प्रत्ये हे नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेशों तक 650-30-740-35-880-द०रो०-0-960 रुपए के वेतनमान में नियमित आधार पर प्रशासन आधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

कः प्रधान निभिक्षिकाकार/ केन्द्र जहां पर प्रसासन म्राधि-सं० वरिष्ठ स्टोरकोपर का पदोन्न- के बाद कारी के रूप नाम एवं उनकी तैनाती प्रभासन म्राधिकारी में नियुवित का केन्द्र कारी के रूप में की तारी ख तैनात किए गए हैं

श्री पी० के० चटर्जी श्राकाणवाणी 25-6-1985 श्राकाणवाणी, कलकत्ता कोहिमा
 श्री० श्रण्पा राव, श्राकाशवाणी, श्राकाशवाणी, विजयवाड़ा इम्फाल 1-7-1985

2. उपर्यक्त व्यक्तियों ने कालम 4 में प्रत्येक के आगे लिखी तिथियों को प्रभासन आधकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिदेशक **क्**से महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० 6/147/84-एस-2---महानिदेशक, दूरदर्शन, मुख्य ग्रिभयन्ता के कार्यालय ग्रार० एण्ड डी० श्राकाशवाणी, नई विल्ली में प्रधान लिपिक के रूप में कार्यरत श्री मस्त राम को दूरदर्शत केन्द्र, बंगलीर में रुपए 650-960/- के वेतननमान में प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं तथा उन्हें मुख्यालय से दूर उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में दिनांक 4 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अपना पदभार संभाल लेने की अनुमित प्रदान करते हैं।

कशमीरी लाल प्रशासन उपनिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० ए-31014/4/84-ई-1— मुख्य निर्माता, फिल्म-प्रभाग, बम्बई द्वारा श्री बी० खोसला स्थानापन्न छायाकार (का० फि० यु०) को दिनांक 8 प्रक्तूबर, 1982 से छायाकार के मूल पद पर नियुक्त किया जाता है।

एन० एन० शर्मा प्रशासकीय अधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ए०-22012/4/85-कें ० स० स्वा० यो०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर को तबादला हो जाने के फलस्वरूप, डा० बी० सी० धर्मा ने 19 जून, 1985 के अपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 21 जून, 1985 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर के अधीन होम्योपैफिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक (के०स०स्वा०यो०)

नई बिल्ली, दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

सं० ए०-31014/2/81--प्रशासन-- स्वास्थ्य सेव महानिदेशक ने निम्नलिखित दन्त सर्जनों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के ग्रधीन दन्त सर्जन के स्थाई पदों पर स्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है:--

ऋ० नाम/पदनाम सं०	स्थाईकरण की तारीख
1 2	3
 डा० एस०के० सूरी, दन्त सर्जन डा० पी० के० घोष, 	24-5-1977
दन्त सर्जन	3-1-1979

1 2	3
3. डा० (श्रीमित) कमलेश डूडेजा	
दन्त सर्जन	12-1-1982
4. डा० वी० धानीकाचालम,	
दन्त सर्जन	12-1-1982
5. डा० ए० वी० शुक्ला,	
दन्त सर्जन	12-1-1982
 ग्रपीश विश्वास, 	
दन्त सर्जन	12-1-1982
7. डा० कुलदीप कौशिक,	
दन्त सर्जन	12-1-1982
8. डा० (श्रीमति) जेनेट विकर्स,	
दन्त सर्जन	6-2-1982
	पी० के० घई
	उप- निवेशक प्रशासन
	(सी० एण्ड बी०)

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

सं० ए०-19025/2/82-प्र०-III---यूनाइटेड इण्डिया इंक्यूरेंस कम्पनी लि० में सहायक प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त इस निदेशालय के सहायक विषणन श्रिधकारी डा० एस० जे० काम्बले द्वारा दिया गया त्यागपन्न 15-7-1985 (श्रपराह्न) से स्वीकृत किया गया है। जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन

निदेशक प्रशासन कुसे कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई, दिनांक 23 जुलाई 1985

सं० पी० ए०/81(4)/85-म्रार-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित म्रधिकारियों को क्रमांक 16 के श्री के० बी० राजगोपाल के म्रलावा जिनकी नियुक्ति तिथि 4 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) है। वैज्ञानिक म्रधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पर पर 1 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से म्रागमी म्रादेशों तक इसी म्रनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से तियुक्ति करते हैं।

	<u> </u>	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
ক্ষত	नाम	वर्तमान पद
1	2	3
	दीना नाथ श्रार० सी० शर्मा	वैज्ञानिक सहायक/सी वैज्ञानिक सहायक/सी

1 2	3
3. श्री एस० एल० वर्मा	वैज्ञानिक सहायक/सी
4. श्री वी० एस० कामत	वैज्ञानिक सहायक/सी
5. श्री बी० पी० बथीजा	वज्ञानिक सहायक/सी
6. श्री जगदीण सिंह	वैज्ञानिक सहायक/सी
7. श्री एम० भ्रात्माराम	वैज्ञानिक सहायक/सी
8. श्री भ्रार०मणी	वैज्ञानिक सहायक/सी
9. श्री ग्रार० जी० भोगले	वैज्ञानिक सहायक/सी
10. श्री ए० डव्ल्यू० तेरवाडकर	वैज्ञानिक सहायक/सी
11. श्रीमती ए० यू० भानू	वै ज्ञानिक सहायक/सी
12. श्री बी० जी० जाधव	ड्राफ्ट्समैन/सी
13. श्री जी० बी० पाल	वैज्ञानिक सहायक/सी
14. श्री जे० एस० ग्रडसुल	वैज्ञानिक सहायक/सी
15. श्री डी० ग्रार० पन्त	वैज्ञानिक सहायक/सी
16. श्री के० वी० राजगोपालन	वैज्ञानिक सहायक/सी
17. श्री सी० सी० डायस	वैज्ञानिक सहायक/सी
18. श्री ्रिंग बी० देशमुख	वैज्ञानिक सहायक∤सी
19. श्रीमती एम० जे० कुलकर्णी	वैज्ञानिक सहायक/सी
20 श्री पी० एम० मापारा	वज्ञानिक सहायक/सी
21. श्री वी० ए० रामन	वैज्ञानिक सहायक/सी
2.2 श्री के० जी० शिवाले	वैज्ञानिक महायक/सी
2.3. श्रीके० चन्द्रत	वैज्ञानिक सहायक/सी
24. श्री के० जी० वर्गीस	वैज्ञानिक सहायक/सी
25. श्री एस० वैकटरामन	वैज्ञानिक सहायक/सी
26 श्री ए० करमकर	वैज्ञानिक सहायक/सी
27. श्री एस०के० रे	वैज्ञानिक सहायक/सी
28. श्री श्रार० एन० शर्मा	वैज्ञानिक सहायक/सी

एम**ः** डी० गाडिंग उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग कय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-- 400001दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० क० भं०नि०/2/111/83-प्रशा०/5231—इस निदेशालय की तारीख 19 जून, 1985 की प्रधिसूचना संख्या कभंनि/2/1 (11)/83-प्रशा०/17864 कें क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने निदेशालय के स्थायी भंडारी श्रीपी० सी० शर्मा को इसी निदेशालय में श्रीर श्रागे दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1985 तक श्रथवा श्रगले आदेश होने तक पहले समाप्त होने वाली श्रवधि के लिए सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 31 जुलाई 1985

सं० क्र॰भं०नि०41285-प्रशा०/5408-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री पी० सी० मथाई को इसी निदेशालय में दिनांक 20-4-1985 (पूर्वाह्म) से 15-7-1985 (श्रपराह्म) तक 650-30-740-

35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतन मान में सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त किया है । यह नियुक्त सहायक भंडार श्रिधकारी श्री एम० राजू के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रविध के लिए छुट्टी प्रदान की है ।

पी० गोपालन, प्रणासन ग्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसन्धान संगठन श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० ग्रं० उ० कें०/स्था०/3/19/85—िनिवेशक ने निम्निलिखित पवाधिकारियों को ग्रन्तिक विभाग के श्रन्तिरिक्ष उपयोग केन्द्र श्रहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के श्रागे दिए गए पद पर तथा दी गई तारीख के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	दिनांक	पद जिस् नियुक्त गए	
1. श्रीपी०	सी० शाह	8-5-85	सहायक भ्रधि	
2. श्रीके०	पी० जी०नायर	28-6-85	-	प्रशासन प्रकारी

के० एस० कृष्णन प्रशासन श्रधिकारी,(II)स्था०

विज्ञान श्रीर प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारतमौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

सं० ए०-12026(1)/1/80-ई-1—-राष्ट्रपति भारतीय सिविल लेखा सेवा के श्री एस० सी० माथुर को दिनांक 12 जुलाई, 1985 के श्रपराह्न से दो वर्ष की श्रवधि के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग में, सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क (राजपितत) में प्रतिनियुक्ति पर वित्त श्रिधकारी (वेतनमान ६० 1500-60-1800-100-2000) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० दास, मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ए०-32014/3/84-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के श्री पी० वाई० खाडकीकर, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, श्रौरंगाबाद को दिनांक 12-11-84 (श्रपराह्न) से छः मास की श्रवधि के लिए श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, रुपए 650-1200 के वेतनमान में सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं श्रौर वैमानिक संचार स्टेशन के शोद में तैनात करते हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1985

सं० ए-12025/2/84-ई० एस०--संघ लोक सेवा म्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति सर्वे श्री एल० ए० महालिंगम ग्रीर जयवीर सिंह की दिनांक 28-6-85 से मन्य भादेश होने तक रुपए 1100-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ उडन योग्यता म्रिधकारी (समृह "क,, पद) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> वी० जयचन्द्रन उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुल्क वडोदरा, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० 5/1985—श्री पी० एम० सांगवी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन श्रौर सीमा णुल्क (वर्ग "ख") बारडोली रेंज, मण्डल-III, सूरत बद्धावस्था में पेन्शन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1985 के श्रपराह्न से निवृत्त होने वाले हैं।

सं० 6/1985—श्री के० के० चक्रवर्ती, स्कीपर, सीमा शुल्क, (वर्ग "ख" बलसाड वृद्धावस्था में पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1985 के श्रपराह्म से निवृत्त होने वाले हैं।

ए० एम० सिंहा, समाहर्ता

निर्माण महा-निदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनोक 1 अगस्त 1985

(2) श्री संतोष कुमार को महायक उद्यान निदेशक के नाते उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है ।

(3) उनका प्रारम्भिक बेतन रूपण 775/ उपर्युक्त लिखि स्केल से निर्धारित किया जाना है ।

> पृथ्वी पात्र सिंह प्रणासन उपनिदेशक

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० 85/एम । डब्ल्यू०)/964/57—सर्वसाधारण की सुचना के लिए एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने पहियों एवं धुरों के उत्पादन के लिए एक नई उत्पादन इकाई की स्थापना की है जिसका प्रभार एक महाप्रबन्धक के प्रधीन होगा जिसका मुख्यालय येलाहन्का, बैंगलूर में होगा। इस नयी उत्पादन इकाई का नाम "पहिया एवं धुरा कारखाना" होगा।

ए० एन० षांचू, सचिव, रेलवे बोर्ड

उद्योग भीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और जम्मू व काश्मीर बादर्स कार्पोरेणन श्राइवेट लि:मटेड के विषय में।

श्रीनगर, दिनांस 13 मार्च 1985

मं० पी० सी० 256-534- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जम्मू च काण्मीर बादसँ कार्परिशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० के० सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, जम्मू घ काश्मीर

कम्पनी त्रिधिनियम, 1956 दक्षिण भारत मानियूर इंडस्टींज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1985

सं 880/टी ए-111/560--कम्पनी ब्रधिनियम, की धारा 560 (5) के अनुसेरण में एतद्वरा सूचना दी जाती है कि दक्षिण भारत मानियूर इंडस्ट्रीज प्राईवंट लिमिटेड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

शम्पनी अधिनियम, 1956 सुफाला फाइनान एण्ड चिट फण्ड ट्रेंडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 1 अनस्त 1985

सं 1293/टी० ए०-III/560 · कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदहारा सूचना दी जाती हैं कि सुफाला फाइनों। एण्ड चिट फण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड धानाम आज रिजस्टर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो। गई है।

कम्पनी ब्रधिनिथम, 1956 ओम कृष्णा सुलसी राम चिट फंड कंपनी प्राईवेट लि॰के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1985

मं० 1642/टी ए० III/ 560 - - कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण के एतद्द्वारा सूचता दी जाती है कि ओम कृष्णा सुलसी राम चिष्ट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विविद्त हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम, 1950 विजय मार्कीटिंग एंटरप्राइसेंस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

,__,_,_, ... ·

हैदराबाद, दिनांक 1 श्रगस्य 1985

सं० 2026/टी ए० III/ 560 -- कम्पनीं अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि विजय मार्केटिंग इंटरप्राइसेश प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 सुरेश चिट फण्डस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

सं० 2107/टी ए०-III/560--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि सुरेण चिट फंडस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित है। गई है।

> गत्य प्रकाश नायल कम्पनियों का रिजस्ट्रार प्रान्ध्र प्रदेश, हैरदराबाद

कम्पनी श्रधिनिथम, 1956 और इंडियन कलोक मैन्युफैक्चरिंग व्यम्पनी लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1985

सं० 10465/560(5)—- कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि इंडियन कलोक मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> एस० दासगुप्ता कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

श्रायकर श्रपीलीय अधिकरण बम्बई-20, दिनांक 24 जुलाई 1985

सं० एफ 48/ए डी/ए टी/85—-श्री एस० वी० नारायणन, श्रायकर श्रपीलीय श्रिष्ठकरण बम्बई के अध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें इस कार्यालय की श्रिष्ठसूचना कमांक एफ० 48/एडी/एटी/85 दिनांक 27 मार्च, 1985 द्वारा 1 अप्रैल, 1985 से, 3 माह की श्रष्ठधि के लिए श्रस्थाई हैसियत में तर्द्य श्राधार पर श्रायकर श्रपीलीय श्रिष्ठकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापक रूप से ज.री रखा गथा था को, दिनांक 1 जुलाई, 1985 से और 2 माह की श्रष्ठि के लिए श्रथखा उक्त पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकरण की उसी हैसियत में बनें रहने की श्रनुमति प्रदान की जाती है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इससे श्री एस० वीं ० नारायणन को उकत श्रेणी में नियमित नियुक्ति का श्रधिकार प्राप्त नहीं होगा । उनके द्वारा इस श्रेणी में तदर्श श्राधार पर की गई सेवा की गणना ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए श्रथवा श्रागामी उच्च वर्ग में पदोन्नति हेतु पावता के लिए नहीं की जाएगीं।

> टी० डी० सुग्ला श्रध्यक्ष

प्रकृष बार्च 😅 हो . युव्य प्रकृत 💳

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

बार्च प्रक्रमा

कार्यांचय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
अम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14621/84-85—मृतः मुद्ये, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन पक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० पलेट नं० 54, जो, 5वीं संजिल, इसांरत नं० 34, सिन नगर, नेक्स्ट इंडियन प्रायील नगर, जे० पीं० रोड प्रंघेरी (प), बस्बई—58 में स्थित है (प्रते इससे पाबद प्रमुक्ती में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणित है) और जिब्बा करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 17~11—1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के स्वयमान शितफल के लिए जन्तरित की गर्ड हैं और मूओं यह विस्वास करने का कारण है कि यभापतोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रण्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में असी करने या उक्तने अवले में त्विका के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या करना आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने से सविभा के लिए:

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, खबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बर्धीन किस्तिसित स्यक्तियों अधार :--- 2 --- 206GI/85

- (1) श्रो चितरंजन सी० पटेल । (ग्रन्तरक)
- (2) एन० कुटार और सिल जे० कटीर। (श्रन्टारती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त शक्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान्त की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अस्तियों में सिन्ही व्यक्ति प्रवास:
- '(ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलाकरण :---इसमें प्रयुक्त क्यां और पतों का को स्थला कि भिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में दिया गया है।

ann d

फ्लेट नं० 54, जो 5वीं मंजिल, इमारत नं० 34, मिष्पं नगर, नेकस्ट टू इंडियन श्रायल नगर, जे० ती० रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसुषी जैसा कि कि के सं० अई-4-37ईई-14621/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 4-7-1985

नोहर 🛭

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक कायकार जायुक्त (निरीक्षण)

म्रजिन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांफ 2 जुलाई 1985

निदेण सं० ग्रर्ह $-\cdot 2/37$ ईई/14146/84-85—ग्रतः मुझ, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । शीप नं । 4-ए, निर्मल श्रपार्टभेंट, जे । पी । रोड़ श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इस से उपावद्ध श्रमुम् में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269त, ख के श्रिधीन स्थित सक्षम श्रिधिकारी के वार्यालय नवम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पर्वोद्धि सम्पत्ति के अचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय कां, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 10?? (192? का 11) या जुक्त अधिनियम, या धनकर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (31) श्रो सलवादोर लारेन्स डिमेलो ।

(मन्तरक)

(2) कुमारी किरन चन्द रायचन्द शाह।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप नं० 4—ए, निर्मेल झपार्टमेंट, षो० पी० रोड़, श्रंधेरी (प), बस्बई—400058 में स्थित है।

ग्रमुसुकी जैसा कि कन सं० ग्रई-2/37ईई/14146/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

प्रकथ बार्च. टी. एन. एस. - -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पररा 269-व (1) के अजीन संबंहा

मारत करकार

कार्याजन, सहादक मानकर नावकर (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14715/84-85--- अतः मुखे, लक्ष्मण वास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी मं० पलेट नं० 302, च णक्या कोम्रपरेटिव हाउमिंग सोमायटो, लल्लूभाई पार्क रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रोर इसमें उपाबद्ध प्रमुक्ता में ग्रोर पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269%, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारों के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान गैतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्ट सर्विक्त का अवित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस स्रस्मान प्रतिकृत का अन्तरित अविद्यार प्रतिकृत के अविद्यार अनेर अतिरित्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निसिखत उद्देश्य से उपत अन्तरण में निश्वित अम्तरिक कप स कथित नहीं किया गया है:---

- र्के मच्चाद्रभा के हाई जिल्ही बाय की बावत उनक अभिज्ञियन के अभीत कह दोने के अभ्ययक के कवित्य में कनी सहने ना उनके नमने में सुविधा के निए; बीर्ट/या
- (ख) एमि किसी नाय नः रेजिसी प्रति तः अस्य धास्तिहा नते, जिन्हें भारतीय आधा-तः अधिनिमय, १९२२ (1922 का 11) सा उसत अधिनिमय, सा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें जाती रही एक्का अधिन स्वा प्राप्ति स्वा किया सामा जातिए जा, जियाने में सुनिका की सिकः

जतः जम, उक्त निर्मानयम की धारा 269-अ के अन्तरण में, में, उक्त निर्मानयम की धारा 269-अ की उपधार (१) के नधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विश्वासागर एस० गुप्ता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीण सुखलाल त्रखारिया।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके **म**धिभोग में सम्पति हैं)।

intratal and a case.

की वह तुथना बारी करके पूर्वोक्त सम्मात्त के अर्थन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस ध्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की नविभि या तत्सम्बन्धी स्थितिकों पर स्वना की तामीज से 30 विन की नविभि, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्सों में से किसी व्यक्तित इतारा;
- (क) इस क्ष्मा के राज्यभ के प्रकाशन की तारीय से
 45 विष के शीवर उक्त स्थावर सम्मिता को हितककथ
 किसी करू के विक्त दुवारा वभोहस्ताक्षरी के पास
 निक्ति मों किए जा सकों हो

"बच्छीकरण:---- इंट्रमें प्रयुक्त करतीं और पर्वो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, बही कर्थ होगा को तस अध्यास में धिया गया है

जन्स्ची

पलेट नं० 302, जो कणक्या कोम्रारिटिव हाउसिंग मीक्तियटो, लल्लूभाई कार्क रोड, ब्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

यनुसूच। जसा कि कम मं० ग्रई-2/37ईई/14715/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 17-11-1984 को राजस्टाई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि हार्रः सहायक प्रायकर प्रायुक्त (विरक्षिण) प्रार्वन रेंज्-2, बस्बई

दिनां ह : 4-7-1985

and the second of the contract of the contract

प्रकल बाह्र . टी . एत . एवं

वारकर मर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेण सं० ग्रई-2/37ईई/14735/84-85—-ग्रतः मुद्ये लक्ष्मण दास

नामकर नींधितनम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें परचाश् 'उच्छ मंचिनिनम' कहा नया हैं), की चारा 269-स के संधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं०, 1403, गेलेक्टिए। श्रपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, श्राफ़ जे० पी० रोड़, वसीवा , श्रेंधेर्र (प) बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इरासे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसार रासरणमा श्राधकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधान वम्बई नियत सक्षम प्राधिकारी के धार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

को पूर्वों अत सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य संकम के स्वयनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, विस्नितिश्वत उद्देश्य सं उदत अन्तरण विविद्य में ■ास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण ते हुई जिली यात्र की वावसा, स्वक्ष बहुँचहित्रण के बनीय कर दोने के बन्तरण के बहुँचरम वो कनी करने वा उक्क वसने में कृतिया में किए; क्रोद/वा
- (व) एंती फिसी नाम ना किसी भग ना कल्य बास्तिकों ना, चिन्हें बारतीय बाय-कर व्यक्तिनम्ब, 1922 (1922 कर 11) ना उक्त व्यक्तिनम्ब, जा भव-कए विधिनम्ब, जा भव-कए विधिनम्ब, 1957 (1957 का 27) से प्रभोद्यार्थ अन्तिरती हुनारा प्रचट नहीं किना क्या था वा किया काना चाहिए था, क्रियाने में सुनिक्ता से निवह;

वतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण वें, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे विभीता विभिन्न विभिन्न के स्थाप क्षेत्र क्ष्म (1) मेन्तर्स ग्रपेक्स कन्मट्रक्शनस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुहास पी० कुलकणी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरता

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मंसम्पति है)।

को बह बुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्चन के किए कार्ववाहियां करता हूं।

क्या कम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थना को राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध साद में समाप्त इन्ती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तित इंगारा;
- (क) इस स्थान के स्थापत्र में प्रकादन की वारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिन-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति इंतारा, अभोइस्ताकरी कें पात लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वक्योकरणः --- इसमे प्रयुक्त कन्दी और पदों का, जा उक्त विभ-निवक के अध्याव 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस बध्याव में दिवा गया हैं।

अन्सर्धी

फ्लेट नं 1403, जो गेलेक्टिया स्रपार्टमेंस, हीरनंदानी इस्टेट, स्राफ़ जे॰ पी॰ रोड, वर्सेवा, स्रंधेरी (प), वस्वई में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैसा दि सम सं० श्रई-2/37ईई/14735/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बि द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रिजस्टिई िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज→2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14733/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं पलेट नं एन/603, नेष्ट्यून श्रपार्टमेंटस हीरानंदानी इस्टेट, श्राप. जें व्यावद्ध श्रत्मुची में और पूर्ण स्प से बागत हैं) और इसमें उपावद्ध श्रत्मुची में और पूर्ण स्प से बागत हैं) और जिसका कराएनाम ग्रायकर श्राक्षित्तयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राक्षिकारी के कार्यालय में राजस्द्री हैं, तारीख 19-11-84 को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिष्ठल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह रितशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स हीरानंदानी बिल्डर्स ।

(भ्रम्रतरक)

(2) बुमारी मंजुलासिह।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरक ।

(बह ब्यांक्त जिसके ग्राधभोग में सम्पति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्टोकरण:--इसमो प्रयुक्त जन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लेट नं ० एन/603, जो नेष्ट्यून श्रपार्टमेंटस, हीरानंवानी इस्टेट, ग्राप, जे० पी० रोड, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कम संव ग्रई-2/37ईई/14733/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

मोहर

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/14732/84-85----ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलेट नंव 703, सातवीं मंजिल, घटलास अपार्टमेंटस, हीरानंदानी ६स्टेट, प्राप. जेवपीव रोड, वासीवा अंधेरी (प), अम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूषी में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर घिक्षित्यम की धारा 269क, के के, प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 19-11-1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स ग्रपेक्स कन्सद्वशन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरेन्द्र प्रताप सिंह।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 703, सातवीं मंजिल, एटलास श्रपार्टमेंटस, हीरानंदानी इस्टेट, आफ जे० पी० रोड वर्सीवा, अंधेरी (प),/ बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/34ईई/14732 84-85 और जो सक्षम श्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुणत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के अभीन सुवना

बारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकार बायकत (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-:, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 ज्लाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14685/84-85--श्रतः मुझे

लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धरा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलेट संव 10 (ए वर्षव') जो, 3री मंजिल, मार्था प्लेस, अंदोली, जय अवासी माता रोड, अंदेरी (प),8 विश्वई-58 में स्थित हैं (बीप इससे एए)वड अन्मूर्थ में और पूर्ण रूप से विणित हैं) अर जिसका करण्यतामा आदकर अधिनयम की धारा 269व, के की अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीक 17-11-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंकत संबद्धि कर उचित गाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया गति-का निम्निसित उद्देश्य में उच्त बन्तरण निजिध में बाक्यजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी नाय की वान्ध उनक वाच-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक ने दायित्व में कनी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के निए; शॉर/या
- (च) एनी किसी बाव वा किसी वन थे। जन्य वास्तिवाँ की, जिन्हों भागतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) जे प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में संक्रिया वी की किया

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसन व्यक्तितयों, संस्ति :~~ (1) श्रीमती वाय मंस्कारेहस्स

(भन्तरक

(2) श्री कें० पी० मचाडो ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:---

- (क) इस न्यान के रावपण में प्रकाशन की राशीय से 45 विन की श्वीय मा तत्स्वकान्धी व्यक्तियों पर स्वाना की रामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी अविश् बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में ने किसी स्वक्ति हवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में दिखन
 बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा वभोहस्ताक्षरी के
 पाम सिविद्य में किए वा सकारी।

स्पध्यीकरण: ----इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो सम्बद्ध अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अधी होंगा आ उस अध्याय के किया पदा ही।

न संची

पक्तेट नं ० 10 (६स० ६०), जो, 3री मंजिल, मार्था क्लेस, अंधोरी, जय भवानी माता रोड, अंधेरी (प), बम्बई-5 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ध्रई-2/37ईई/14685/84-85- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को राजस्टडूं किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

मोहर ः

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस.

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985 निर्देण सं० अई-2/37ईई/14547/84-85—प्रतः पुन्ने लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लट नं० 503/ए, जो, गोल्डन चैरीओट, को० ऑप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, 4 बंगला, अंधेरी (प) बम्बई--58 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रति-फल से एभे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उस्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में म्विधा के लिए;

करु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अरूणबुमार रामपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) केप्टन ग्रार० एस०लिखा री।

(अन्तरिती)

(3) श्री और श्रीमती श्रार० एस० लिखारी।

(बहु व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति हैं)।

की यह स्थमा चारी करके प्योंकत सम्पत्ति के अर्थक के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंच :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बच्य कावित इवारा कभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य की किसी बच्य कावित हों किए का सकी ने।

स्मब्दिकरण :---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा

अन्स्ची

प्लेट नं० 503/ए, जो गोल्डन चैरीओट, को० ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 4 बंगला, बम्बई अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/14547/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 4-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक काबकर वाय्क्त (निरीक्षण)** श्राचीन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, विनांक 4 जुलाई 1985

निवेण सं० ग्रई-2/37-ई $\frac{1}{2}/14549/84$ -85---ग्रतः मुसे,

लक्ष्मण बास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 304, जो वसींवा; स्प्रिंगिलफा को० श्रोप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 7 बंगला, वसींवा, बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15—11—1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सय पामा गमा प्रतिफल, निम्निविवत बद्ददेश से उक्त अन्तरण निस्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य हास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त बिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः भवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन् निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—206GI/85

(1) श्री संदीप किशनलाल कनोडिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० वि० राजगोपालन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ए) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास निस्ति में किस वा सकरेंगे।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो लस् अध्याय में दिया गया

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 304, जो वर्सीवा स्प्रिंगलिफ को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि० 7 बंगला, वर्सीवा बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्र ξ -2/37 ξ ξ /14549/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ बारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

मोहरु 🛭

प्रकृष नार्षं .टी . एन . एस , -------

भाषकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत श्रूकाङ

कार्यालय, सहास्क आयकर आय्वल (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--2/37ईई/14550/84--85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा प्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर अंपरित जिसका उित्त बाबार मूल्य मे,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502-ए, पांचवीं मंजिल लैन्डस एन्ड वर्सीया लैन्डस एन्ड कोअ-परेटिय हार्डीसंग सोसायटी, लि० 4 बंगला, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यींणत है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित आजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उपित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्वरण के सिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योच से उक्त अन्तरण निमिध में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एस्से बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय हाम-कर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 19.57 (19.57 का 27) के अयोजमार्थ अस्तरिती द्वारा पकट नहीं किया ना या या किया जाना चाहिए था, हिएपने मों स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती वाशी तुल्झाराम खुबचंदानी:

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रतनलाल जी० णाह्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त स्म्पत्ति को शर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

सकत सन्पतिल की लर्जन की सम्बन्ध भी कोई भी दाराप:-

- (क) इसं सूचना के राजपत्न में प्रशासन की खारीख ने 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्ति माँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि; जो ी धवि काव में समाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में है जिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त कर्क्य, और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 502/ए, जो 5वीं मंजिल, "लैन्डस एन्ड" वर्सीवा लैन्डस एन्ड को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बगला , श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र ξ -2/37 ξ ξ /14550/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ हारा दिनांक 15-11-198 ξ को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहांयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांभ : 4-7-1985

बस्प भार् दी एन । प्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/14613/84-85--श्रतः मुझे लक्षमण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र जिसकी सं० दुकान नं० 6 जो निर्माणाधीन इमाण्त प्लाट नं० 67 विले० स्रोधिवरा 4 बंगला श्राफ जे० आर० रोड़ रसोंवा संघेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में सौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1991 की धारी 269क ख के अधी। वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 16-11-1984

को पूर्वेदित गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्हरित की गई हैं और मुक्ते यह निक्कास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वेदित संपत्ति का उचित पाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरकां (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रद्वेद्वेप से उद्धा मन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबर, उक्त गिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

जतः मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स शर्मा प्रापर्टीज प्राईवेट लि०

(अन्तरक)

(2) सिराज ए० सिमेंटवाला, कैंद्वर ए० सिमेंटवाला ग्रौर ल लाकशी के० हेजमाडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को जी अविध शद में समाप्त होती हो, को भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकों के।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, चो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6 जो निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 67 विलेज श्रोशिवर, 4 बंगला आफ जे० आर० रोड़ वर्सोला श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/14613/84-85 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका ी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 4-7-1985

प्रकृष् कार्ष . टर्जे , एम ुः स्कृष्ट-न-प्रकृष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण (1) के अधीन स्था**ना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक वायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

मिदेश सं० अई 2/37ईई/14501/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्वास करने का करने का कारण हैं कि संशापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेटनं० 8ए पहली मंजिल ट्वीन टावस प्लाट नं०8ए 8बी एस० नं० 41 (पार्ट) विलेज ग्रोशियरा 4 बंगला आफ जे० पी० रोड़ वसोंवा ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिप्तका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-11-1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित यात्रार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उचित अन्तरण निकित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के द्यीयत्व में कमी करने या उससे बचने में तुनिधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उकत बीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स इन्द्रजीत प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शारदा जे० रुखसाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोंस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चिष्ठ में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुभू ची

पलेट नं० 8ए पहली मंजिल बी स्कंध ट्वीन टावर्स प्लाट नं० 8ए, 8बी, एस० नं० 41 (पार्ट) विलेज श्रोशिवरा 4 बंगला आफ जे पी रोड वर्सीवा अंधेरी (प) बम्बई--58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं अई-2/37ईई/14501/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 4-7-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० ग्रई--2,37ईई/14438/84-85--अतः मुझे अक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी संज फ्लेट नंज 201 जो दूमरी मंजिल, पेन-गंगा यमुना नगर, ओणिवरा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञत है) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दों है, तारीख 12-11-1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अज़र मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेमर्स दोलिकया एड्ड दयाल बिल्डर्स । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप सिंह नन्दा (जूनियर) (ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त हांता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिल में विरु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, पेन-गंगा, यमुना नगर, श्रोशिवरा , श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37/ईई14438/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

प्रस्प बाहें . टी .। एव ., एस .। ========

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सृच्ना

भारत सहकार

भार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जुन 1985

निवेश सं० ग्राई-2,37ईई,14439,84:85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401 चौथी मंजिल, पेन-गंगा यम्ना नगर, स्रोत्शवरा अधेरी (प), बम्बई--57 स्थित है) स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अक्षीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्दी है, तारीख 12-11-1984 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का इचित वाजार मृत्य, इसके स्प्यमान प्रतिफल से, एसे स्प्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कि**थत नहीं किया गया ह**ै ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त जिथिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितः। मैं कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उएधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह

- (1) मेससं दोलिकया एण्ड दयाल बिल्डर्स। (अन्सरक)
- (2) कुमारी श्रीती गंग्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जे उस अभ्याय में विया गया है।

मनुसूची

पलेट नं० 401, चौथी मंजिल पेन-गंगा, यमुना नगर, ग्रीशियरा ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2,37ईई,14439, श्रीर 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

प्रकृष बाह्रं, टी. एत. एस. -----

श्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

भार्यासन, सहायक आयकार मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई बम्बई दिनांक 26 जन 1985

सं० अई-2/37ईई/1481क/84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उनत किभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अभाग सक्तम अधिकारी को, का विष्णाप सक्त का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मंख्या फ्लैटनं० 501 पांचवीं मंजिल मैंगनस टावर्स 4 बंगलोज वर्सीवा अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिन्दी है तारीख 22-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान श्रीतकाल के लिए मंतरित की गई है जौर मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एमे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतर रिती (बंतरितियाँ) के बीज एसे बंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिबत उद्वेष्य से उक्त भंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसी साथ की बावत, उक्त किसीनयम के अधीन धर दोने के वंतरक के राधिरण में कार्यः गाउने या उससे बचने में स्विधा दे भिक्त करिना
- 'खाः शेनी ित्मी जाय मा किसी भन या अन्य शिस्तियों को जिन्ह्ये भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एन मा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एन मा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एन मा प्रयोजनार्थ अन्तरिता का विषया जाना विषया के निराण

अस: अप्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैसर्ग लोखण्डवाला इंग्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी लिल।

(अन्तरक)

मैसर्स अनीता इन्टरप्राइजेज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध यों कोड़ों भी कान्नेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थें
 45 दिन की जविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी
 अविध नाद में तमाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेदित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख से 45 किन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिन्छद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ने किन मां फिल् जा किने

स्पष्डिकरण:—इसमें प्रश्वत शस्त्रों और पदों का, जो उज्जा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकर गांक हो।

अनुस्पी

फ्लैट नं ० 501, जो, 5वी मंजिल, माग्नम टाबर्स प्लाट नं ० 357 एम ० नं ० 41 बंगलोज वर्सों यां, अंधेरी वम्बई – 58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्ष० सं० अई - 2,37ईई,14817/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 26-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० अर्ह-2/37र्ह्ह्। 14494/84-85---अप्तः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 53, पांचवी मंजिल, ग्रोम निकेतन ग्रोम मार्ग, 314, पाली रोन रोड़, ग्रंबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) ग्रीर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए भन्तरित की गहरै मौर विषयास करन का कारण यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अर्रैर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीक एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित **इड्टोर**क से उक्त अंग्तरण लिक्तित में वास्तविक रूप से कथित प्रहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री दिनेश नानालाल शाह।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रोम बिल्डर्स (प) लिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाहोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बयिष, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लेटनं 53, जो पांचवीं मंजिल, ग्रोम मार्ग, ग्रोम निकेतन, 314, पाली राम रोड़ अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/14494/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

अक्यु वार्च टी. एन. एत. -----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 जून 1985 निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/14653/84-85-भ्रतः मुझे सक्ष्मण दास

जाककर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, विसंका उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रत. से अधिक है धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 103 ए, पहली मंजिल, घ्रीज 4, बंगली श्रोशिवरा वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई - 58 में में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकतः से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावेत उक्त जिल्ला नियम की जभीन तह दोने के जन्तरक के दायित्य कें अहीं करने या उससे बचने में सुविभा को लिए; और/आ
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को. जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीत जिल्लानिक व्यक्तियों, अर्थात् . 4—206GI/85 (1) मेसर्स रविराज बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल सत्तार भ्रवू मुह्ला, श्रीमती नाजमा ए० एस० मुदुला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त किंधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरें अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया कक्त हैं।

जन्सूची

फ्लेट नं० 103ए, जो पहली मंजिल, बीज, प्लाट नं० 25 एस० नं० 41, (पार्ट), 4 बंगलोस झीशियारा वर्सीवा, अधिरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कम सं० श्रई-2/37ईई/14653/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 26-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट एन्ड हेब्लपमेंट कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० रतन सुलसीवास गजवानी धौर भ्रन्य। (ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/14863/84-85-मत: मुझे

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार म्ह्य

1,00,000/- रत. से अधिक है भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1304, जो 13वीं मंजिल, माग्नम टावर्स 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी, (प), बम्बई--58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकक्ष निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह[ा] भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाकी लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्न, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन[्] की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों दा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लेट नं० 1304, जो 13 वीं मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41, (पार्ट) 4 बंगलोज, वसौँवा, श्रधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई-2/37ईई/14863/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत चहुनार

कार्शलय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निवेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/14509/85-85- ग्रतः मुझे लक्ष्मण थास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 10 2 बी, जो पहली मंजिल, श्रीज 4 बंगलोस, श्रोशिवारा, वसींवा, ग्रंधेरी (प) बम्बई ~ 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल वें लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गवा प्रति-फल निम्निलिश्वत उद्वेद्य से उच्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कृश्यत महीं किया गवा है दिन्न

- (क) अन्तरण से शुद्ध किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियस की अधीन कर दोने के बन्तरक की वासित्य में केनी करने वा उक्कों क्यने में सुविधा के विष्: बार्-/वा
- एसी किसी नाय या किसी धन वा जन्य जास्तानों की. जिन्हें भारतीय नाब-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या धन-कर निभिन्यम, या धन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अधः, उकत अधिनियम की भारा 269-ए के अवसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्मुसिसित व्यक्तियों, अर्थातः ।:— (1) मेसर्स रिवराज बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊमा चंपानेरकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के पूर्व कार्यवाहियां करता हूं।

' उन्त सम्मृत्ति के भर्षन औं संबंध में' कोई' श्री भाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के द्रायमण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्स्वन्यभी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बन्धि बाद में स्मान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इब ब्रूचना में राजपून में त्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर अनत स्थान्य सम्पत्ति में हितनबुध किसी श्न्य ज्यानित दुशारा नभोहस्ताक्षरी के गांध् किश्वत में किए का सकत्ते।

स्पत्तीकरणः —-इसमें प्रयुक्त वस्यों और वर्षों का, वो उक्त विधीनवम दे अध्याय 20-क में वीरआविक ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया गवा ही।

अनुसूची

पलेट नं० 102 बी जो पहली मंजिल बीज एस नं० 41 (पार्ट) प्लाट नं 25, 4 बंगलोस घोशिवरा वर्सोवा ग्रंधेरी (प) बम्बई⊶58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं॰ अई-2/37ईई/14509/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

षिनांक : 26-6-1985

प्रकृष् वार्रं .टो .एम .एच . वरवन्यवनवनव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) को नभीन सूचना

धाउत स्टब्स्ड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरुक्षिण)

क्षर्जन रेंज-2 बम्बाई बम्बाई दिनांक 26 जून 1885

भिर्वेश सं० अई-2/37ईई/14866/84-85-- अत: मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

थौर जिसकी सं० फ्लैंट नं 1104 11वीं मंजिल, माग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, बर्सोवा, अंबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 299क, ख के अधीन बम्बाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-11-1984

को पृष्ठ कत संपहित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पदा प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, को सभीन कर दोने को अन्तरक अने बायित्व में कमी करने था उससे सभने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्यारा प्रकट नृही किया स्विभा के निष्

नत: भव, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म की नमूतरण में, में उक्त निर्मित्यम को भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निर्मालिस्ति व्यक्तियों, वर्षात्:—— (1) मेसर्स लोखंडबाला इस्टेट्स एन्ड डेवलपमेंट (प्रा०), लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री मुखदेव अग्रवाल:

(अन्तरिती)

की यह स्थाना थारी करके प्यॉक्त इस्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वर्गीभ वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, को भी वर्षि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस् स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा व्यहिताकारी से नास निवित में किए या सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त व्यभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा स्था है।

धनुसूची

पलेष्ट नं० 1104, जो 11वीं मंजिल माम्तम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41, (पार्ट), 4, बंगलोत, वर्सीावा ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/ 14866/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

विनोक । 26–6−1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 26 जून 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/14864/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण धास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पलेट नं० 1303, 13वीं मंजिल, माग्नम टावर्स, 4 बंगलीन, वर्सीवा, श्रंधेरी, (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की घारा 2695, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को पूर्वेक्त संगत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गश्यपूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेपसं लाबंडबाला इस्टेट्स एन्ड डेब्लपमेंट कम्पनी लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रनिल रतन गजवानी भीर मन्य।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां २-रू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलेट नं० 1303, जो 13 वी मंजिल, भाग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357 एस० नं 41 (पार्ट) 4 वंगलोस, वर्सीया धंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ध्रई-2/37ईई/14864/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्वर्ष

दिनांक : 26-6-1985

प्ररूप बाह्ये, टी. एव. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बहकाई

कार्यानयः, सहायकः भायकर नायुक्तः (निडाक्किन)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निर्वेश सं० भ्रई-2/37ईई/14455/84-85--- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी-2, टेरेस के साथ, जमीन मंजिल, रेसिडेन्सी प्, 4 बंगलीस, वर्सोबा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रकी धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीखा 12-11-1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिव्य रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसों नाय की वायत, सबस अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया यया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, अकत अधिनियमं की भारा 269-न के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) चौ अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिकवीं क्ष अर्थात् क्र—

- (1) मेसर्स लेखंडवाला प्रिमायसेस (प्रा) लिमिटेड । (मन्तरक)
- (2) मास्टर दिवेश मेहरा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकों ने।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यी

फ्लेट नं० जी-2, टेरेस के साथ जमीन मंजिल, रेसिक्केन्सी ए०, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंघेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई-2/37ईई/14455/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 की रजिस्ट हैं किया गया है ■

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

मोहर 🛚

प्रकप ब्राह्र्ै, ट्री. एन . एस------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/14837/84-85--म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, चौथी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, यारी रोड़, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) भीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 22-11-1984

करे पूर्वेक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिख;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की शरा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1-के अधीन, निम्नलिखित स्पिकतयों अर्थात क्ष्मां

- (1) मेसर्स हीतेश कन्सट्रक्शनस कम्पनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के॰ पी॰ लाला, श्रीमती फातिमा लाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रनुसुची

फ्लैट नं० 403, चौथी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 1206, यारी रोड़, वर्सीवा, प्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/14837/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 22-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-2, बम्बई

विनोक : 26-6-1985

बीहर ।

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.,------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अः (नरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/14437/84-85--प्रतः मुझे, सक्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, पेन-गंगा, यमुना नगर, श्रीशिवरा , श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रृष्टिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रृष्टीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धंने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स दोलाकिया एन्ड दयाल कम्पनी बिल्डर्स । (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी नताशा नन्दा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिय्-कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पजेट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, पेत-गंगा यमुना नगर, फ्रोशिवरा, फ्रांधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/1437/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 26-6-1985

ऋदिर 🕄

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/1446/84-85--- श्रतः मुझे, लक्षमण वास

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, छंटी मंजिल, तिफोणी, 4, बंगलीस, बर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 2695, ख के अशीत बम्बई ियत नक्षम शाबिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य संकम के उत्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की अखत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दाने के अन्तरफ ये दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधाः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कं अधीर भेरमनिवित्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

5 -- 206GI/85

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती जया एन० संगानी, श्रीमती जे०एन०दोलाकिया।

(श्रन्तरिती)

को यह भूचना बारी करके पृवींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा ते 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबीभ, जो भी अबिभ बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर कम्पिल में हितबब्ध किसी कन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्मब्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

अनुसुद्धी

फ्लैंट नं ० 602, जो छटी मंजिल, सिफोगी ए-विंग, प्लाट नं ० 344 एस० नं ० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस वर्सोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बर्ष-58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/387ईई/14446/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज–2,घम्बई

दिनोक : 26-6-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन सूचना

नार्व रहकात

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण)

म्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/14912/84-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उपित बाजार मृज्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 13, पहली मंजिल, श्रोम निकेतन
314, पालीराम रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा
269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- क्षा अस्तरण से हुइ किसी बाद की सम्बद्ध, वायक अधिनयम के नधीन कर वोने के अंतरक के वाजित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के विष्; और/पा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी थव वा बच्च वास्तिवीं कों, जिन्हें भारतीय वावकर वीधनिवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिल्था, जियाने में स्विधा के सिए;

शता शता, उक्त अधिनियम . की भारा 269-ग के अनुसरण को मीं, उक्त निधिनियम की भारा 269-थ की सम्भाहत (1) के अधीन , निम्नीनियत व्यक्तियों अभाग म---

- (1) मेसर्स ग्रोम बिल्डर्स (प) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ तेलांग नर्सिंग होम (प) लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध भी कोड़ी भी आक्षांप '---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि या भी जबधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में में गंकती व्यक्ति दुनारा.
- (व) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तार निर्मा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपूर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वध्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त विभिन्नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 13, जो पहली मंजिल, श्रोम निकेतन, 314 पालीराम रोड़, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/14912/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बक्सई

विनांक: 26-6-1985

प्रकप् आइ. धी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत वरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/14502/84-85-म्ब्र**तः मुझे,** लक्ष्मण दास

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-क के न्धीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्तित् बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 8वी, पहली मंजिल, टवीन टावसं विलेज श्रोशिवारा, 4 बंगलीस, श्राफ जे० पी० रोड़ वर्सीया, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी में श्रार पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

का पूर्वीक्त सम्मृति के जीवत वाबार मून्य से कम के स्वयम् प्रितिष्क के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास् करन का कारण है कि स्थाप्नेवित सम्मृति का अवित वाबार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिष्क से, एसे स्थ्यमान प्रतिष्क का चन्द्र प्रतिष्ठ से विश्वास है और वंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (बंतरितियां) के बीच एसे अवरण के लिए त्य पाया बवा प्रतिष्क फल निम्मृतिबित उद्वेष्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्य-विश्व क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- क्ष्म) अंतरण सं हुए कियी बान की बावस, स्थल अभिनियम के स्थीन कर बाने के बंतुरक के बायित्व में कभी कड़ने वा स्वयं बच्चे में ब्रुविका कासए, और/बा
- (अ) होती किसी बाव बा किसी प्रवास अन्य बास्त्वां का, जिन्हा भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के विए;

बत:, बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीत, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स इंदरजीत प्रोपर्टीज (प) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) शकुन्तला जी सुनभुनवाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्विमां कृरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इत-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याम कें दिया नवा हैं।

वनसूची

प्लंट नं० 8बी, जो, पहली मंजिल, ट्वीन टावर्स, प्लाट नं० 8ए, 8बी, एस० नं० 41, (पार्ट) विलेज, श्रोशिवरा, 4 बंगलोस, झाफ जे० पी० रोड़, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई— 58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋम सं॰ ग्रई-2/37ईई/14502/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 26-6-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आहें.टी.एन.एस / ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-म (1) के सभीन सूचना

आरत सरकार कार्याशय, सङ्घायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 26 जून 1985

निवेण सं ॰ प्रई-2/37ईई/14824/84-85--- मतः मुझे; लक्ष्मण बास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202 ए, दूसरी मंजिल, बेन्सर भोभिवारा वर्सोवा, श्रंधेरी (प), धम्बई—58 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22—11—1984

को पूर्वोका सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्म, उपके दृश्यकान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्मलिखित उद्दोश्य से उच्च अन्तरण सिखित में शस्तिवृक्ष क्ष्म से अभित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नानत, उन्ध जीपनियम के जपीन कर क्षेत्र के जन्तरक के समित्व जो कनी करने ना उससे नजने की सुरिक्षा के जिल्हा और/ना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अच्छ जिधिनियम, या धन- कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों कुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में जूनिया के लिए।

सर: बंब उक्त नियनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त नियनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों अथित् :— (1) मेसर्स रविराज कन्सदृष्कान्स।

(भन्तरक)

(2) कुमारी विजया जी० कामत, श्रीमती तारा गोपाल कामत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाक्ति ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अपूज्यी

पर्लंड नं० 202ए, जो दूसरी मंजिल, बेन्सर, प्लाट नं० 9, 9ए, एस० नं० 41, (पार्ट), श्रोणियारा वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई-2/37ईई/14824/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 26-6-1985

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 27 जून 1984

सं ० भई-2/37ईई/15024/84-85:-- प्रत मुझे, लक्मण चास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्मीर जिलको संख्या प्लैट नं० 202 बी, दूसरी मंजिल, श्रीज श्रोशियारा 4 नगलीज, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वांगत है), भ्रोर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-11-1984

कां पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल •व्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीप एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखितु में बास्ट विकृ रूप से करिशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕏 अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :---

1. मैसर्स रिवराज बिल्डिसी।

(भन्तरक)

2. श्रीमती माया राम चन्द भाटिया।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारी**स से** 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

फ्लैट नं 202, बी जो दूसरी मंजिल, बीज, प्लाट नं 25 ,एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवारा 4 बंगलोज, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

षनुसूची जैसा कि ऋ० सं० में प्राई – 2/3 7ईई / 1502 4/84 – 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बम्बाई

तारीख: 26-6-1985

प्ररूप बाहे. टो. एत. एव. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 जून 1986

सं० ग्रई-2/37ईई/15022/84-85--ग्रत: मुझे. लक्ष्मण वास.

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी संख्या पर्लैट नं० 605 बी, छठी मंजिल, बेन्सर, 4 बंगलीर श्रोधिवारा, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इशसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वॉणत है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है, तारीख 21-11-1984।

का पूर्वोवश सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल, से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्बा प्रतिफल निम्निलिखत उद्वदेय से उक्त अंतरण जिल्हा के वास्त किया गया है ——

- (क) बंबरण से हूइ किसी बाद की वाबत, उक्त किसीनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के बारियल में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिभा है लिए।

अतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के, अनुसरण को, को, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- ् 2. मैसर्स रविराज कंस्ट्रक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कवलजीत सिंह वालिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुक् करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में धिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट ने० 605 बी, जो छठी मंजिल, बेन्सर, प्लाट नं० 9, 9 ए, एस० नं० 41 (पार्ट), झोशिवारा, वर्सोवा, झन्घेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15022/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

सारीख: 26-6-1985

प्ररूप आहाँ .टी .एन .एस . -----

- मैसर्स लोखण्ड वाला प्रिमैसेस (प०) लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुशील कुमार चटर्जी।

(भन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जून, 1985

सं॰ ग्रई-2/37ईई/14456/84-85:---ग्रतः मुझे, लक्मण

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित काजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पर्नेट नं० 207, दूसरी मंजिल, विल्डिंग मोंटाना नं० 4, बंगलीज, वसींवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अगिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के शधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां इ-रू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों दा, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में यथा गरिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं० 207, जो, दूसरी मंजिल, मोटाना-ए, प्लाट नं 4, एस० एनं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, बर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-2/37ईई/14456/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास, संभम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बाई

तारीख: 26-6-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ____

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 26 जून 1985

सं **धर-**2/37ईई/14435/84-85:—श्रंतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा ज्या है), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पलैट नं० 302, घौथी मंजिल, पेन गंगा, यमुना नगर, श्रोशिकारा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-500058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 269 क, ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1985।

को प्वॉक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके एवयमान प्रतिफल से, ऐसे एवयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है देन

- (क) बंतरण तं हुई किसी बाय की बाबत, अक्त बिधिनियम के जधीन कर दोने के बंतरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बव: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक बै, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्यक्तियों, अधीन उन्न 1. मैतर्स दोलाकिया एण्ड ध्याल बिल्डर्स।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती निर्मेला गंगुली।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यकाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप प्र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाया;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शाब लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवः गया हैं।

अनुमूची

पत्नैट तं० 402, जो चौथो मंजिल, पैन गंगा, यमुना नगर, अभोशिवारा, अन्धेरी (प०), अम्बई-56 में स्थित है। अनुसूचो जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/14435/84-85 आरे जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-11 1934 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुषत (तिरीक्षण) श्रजन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 26-6-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यात्तव, सहावक प्रायक्तर प्रायुस्त (निरीक्तव)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई चम्बर्ड, दिनांक 26 जून, 1985

निर्देश स० ग्रई--2/37ईई/14496/84--85:---श्रतः, मुझे, लक्षमण धात,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिनकी संख्या फ्लैंट न० 1 ए, पहली मजिल, ए सहन्ध, ष्टबीत टावर्स, दिले । ओशिवरा, १ वंगतीन, ग्राफ जे० पीं० रोड, वर्सोचा, प्रत्येरीं (५०), बच्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है), और जिन्हा दराध्यामा श्रायकर ग्रिष्टित्यम की धारा 269 क छ के अधीन स्थम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिमर्दी है, तारींब 12-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के उधित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाबार मुल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का **पंद्रह प्रतिशत से अ**भिक है और अंतरक (अंतरकॉ) **और अंतरिती** (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रि-कमा निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्त-विक रूप चे कथित नहीं किया गया है।:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीत कर दोने के अन्तरक को बाबित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के दिए; मौर/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उस्त विभिनियम, का भन कर किंभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनसरण को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1)

- 1. मैंसर्स इन्दरजीत प्रोपरटीज (प०) लिमिटड । (ग्रन्सरकः)
- 2. श्रीमती लालिता देवी जोजोडिया।

(प्रन्तिरतीं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस स्वनाकी राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 4.5 विन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के रात लिचित में किए वा सकेंगे।

क्पल्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 1 ए, जो पहनीं मजिल, ए सान्ध, टवीन टायर्स, प्लाट न० 8 ए, 8 बी, एस० न० 41 (पार्ट), विलेज कोशिवरा, 9 बंगलीज, ग्राफ जै० सी० रोड, बर्सीचा, श्रन्धरी (प०), बम्बई--400058 में स्थित है।

भनसची जैहा कि क० सं० हाई ·2/37ईई/14496/84~ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण थास. सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर भायक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 26-6-1985 ·

प्रकपः बाह्नः टी. एतः एसः - - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बन्बई, दिनांग 26 जून, 1985

निर्देश स'० फ्रई--2/37ईई/14862/84-85:---फ्रतः मुझे, लक्ष्मण दाप्त,

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सख्या प्लैट न० 203, दूसरी मंजिल, रोगन्सी ए, 4 बंगलीन, वर्सीना, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इ.से उत्तबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बंजित है), और जिपना करारतामा आयकर आधिनियम की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्हीं है, तारीख 22-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ बाबा गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से अस्त अन्तरण निम्निवित उद्देश्य से अस्त अन्तरण निम्निवित उद्देश्य से अस्त अन्तरण निम्निवित से वास्तिक क्य से कियत नहीं किया च्या है है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व भें कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; नौर/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी भन या ब्रन्स बास्तियों को. जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार्थ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. मैं सर्स लोखण्डवाला प्रिमसेस (प०) लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती इन्धिरा सायगल और ध्रन्य। (ध्रन्तिर्नि)

की वह तुथना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गुवा है।

यगत्त्र परि

पलैप्ट नं 203, जो, दूसरी मंजिल, रोगेन्सी ए, प्लाट नं बीं-3, एस० न० 41 (पार्ट), 4 बंगलीज, वर्सीवा, भ्रत्थेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० प्राई--2/37ईई/14862/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि∵ारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ता**रीख:** 26-6-19**85**

प्रकार बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्त)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० अर्ध-2/37र्धर्श/14611/84-85:---श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारब हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मूक्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जि 3की सख्या फ्लैट नं० 1, जो, 8 वी मंजिल, ए, चिंग, निर्भाणाधीन, इमारत, द्वीन टावर्स, प्लाट नं० 8ए, और 8 बी, सर्वे नं० 41 (अंग्र), चिलेज ओशियरा, 4 बंगला, ग्राफ जें० सीं० रोड, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इवसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारशमा श्रायकर श्रधिनियम कीं धारा 269 क, ख के श्रक्षींन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, शम्बई में रजिस्ट्रीं है, तारींख 16-11-1984 को पुर्वोक्त संपरित को उपित बाजार मुख्य से कम के उत्यमान बतिकम के लिए बन्तरित की गुइंही बूरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबाद मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरम के सिए तय पाना पना प्रति-क्ल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाव की बावत उपट निभिनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए; व्यार/या
- (सं) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, विन्हें भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या वन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) 📽 प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वका था ना किया जाना लाहिए था, क्रियाओं में ब्रुविया के लिए;

कतः वयः, दक्त विधिनमन की भारा 269-म की क्षतहरून में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :---

1. मैसर्स इन्टरप्रापर्टीज प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रींभती माधुरीं हत्पल दास मदनानीं। (ग्रन्तितीं)

क्की यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति औ अर्थन को सिक कार्यवाहियां करता हूं।

कवत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गालेंप :--

- (क) इत स्थना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामीस से 30 दिन की जबिथ, वो और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाद शिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरून:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलैट नं ा, जो, 8 वीं मंजिल, ए विंग, निर्मागाधीन इमारत, ट्वीन टावर्स, प्लाट नं० 8 ए, और 8 बी, नर्वे नं० 41 (अंश), विलेज ओशिवटा, 4 वंगरा, श्राफ जै० पीं रोड, वर्सीवा, अन्धेरीं (प०), बम्बई 58 में स्थित है।

प्रनुसुधी जैसा कि क सं० प्रा**र्ध** ः/37ईई/14611/84--85 और जो सक्षम प्रतिकारी, बम्बई द्वारा दिनों है 16-11 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासु.. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 5-7-1985

च्छेर ह

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ऋ**ई**-2/37ईई/14597/84-85:---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 605, जो, 6वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, ए.स० नं० 41 (अंग), 4 बगला, वर्सोवा, प्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसला करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-1989।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित, की गई और मुभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

ा अवन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें भी, अक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---- 1. मैं असी लोखण्डवारा इस्टेटस एण्ड डेव्ह्लोयमेंट बम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

श्रीमतीं मोहिनीं श्रार० रामचन्धानीं।

(श्रन्तिती)

को यह भूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 605, जो, 6 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टाथर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंभ), 4 बंगला, धर्सोवा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रानुमूची जैसा कि क० सं० श्रई--2/3 र ईई/14597/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 16-11--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्ब**र्द**

तारीख: 5-7-1985

त्रक्रम बार्ड. टी. एव, एकं ु ---------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनाक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं ॰ प्रई-2/37 ईई/14598/84-85 -- प्रतः मुस्ते, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या पलैट नं० 606, जो 6 वी मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वांगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रिजस्ट्री है, तारीख 16-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूक्ब, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का मृज्य प्रतिकृत से विभिक्त है और वंतरक (वंतरकाँ) और वंतरिताँ (वंति। तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना प्रतिकृत्य क्य विक्तिवित तहाँ किया गया है ह—

- (क) कलाइन से हुई निश्वी भाग की नावस समझ निथ्न नियम को अभीन कर दोने के बंतरक के तायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए केड/पा
- (व) एवी किसी जान ना जिली पर ना अस्य आस्तियों को, बिन्हें आरतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का ११) या उनत न्धिनियन, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्वा था ना किया जाना नाहिए था, कियाने में सूब्धिय के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइबेट)लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश आर० रामचन्दानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाम जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 606, जो, 6वी मंजिल, इमारत प्रिमियस टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला बर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ सं० धर्द-2/37ईई/14598/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16--11--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

परूप आई'.टी.एन.एस.-----

2. मनीश भौधरी बेनिफिट ट्रस्ट।

(प्रन्तरिती)

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जलाई, 1985

निर्वेश सं॰ भई-2/37ईई/14500/84-85:--भतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 5बी, पहली मंजिल, बी स्कन्ध, दूबीन टावर्स, विलेज भोगिवरा, 4 बंगलौज, भाफ जे० पी० रोड, वसींवा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-400059 में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉणत है), भौर जिसका करारनामा भायकर भिनियम की धारा 269 क, ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहरमान प्रतिफल से, एसे रहरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

पलैट नं० 58, जो पहली मंजिल, स्कन्ध, ट्रबीन टावर्स, प्लाट नं० 8 ए, 8 बी, सर्वे० नं० 41 (पार्ट), विलेज भोशिवारा 4 बंगलीस, श्राफ जे० पी० रोड, बर्सोवा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई—400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ सं ॰ धर्ड-2/27ईई/14500/84-85 श्री जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास; सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण मर्जन रेंज–2, वस्वई

सारीख: 5-7-1985

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री नरेश लाल चन्द भानूशाली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० एम० कचनाला ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, अस्यह

बम्बई, दिनांक 5 जलाई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4 थीं मंजिल इनारत सन्तीसाईड बी प्लाट नं० 355, एस० नं० 41, (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; और/या
- (कं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो, 4 थी मंजिल, इमारत सन्नीसाईड बी, प्लाट नं० 355, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, बर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई--58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/14608/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अस्वई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14607/84-85:--- **ग्रत**ः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या परेंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत सन्ती। ईड बी प्लंट नं 315 एस नं० 41)श्रेश) 4 बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 16-11-1984।

को पूर्वा कर सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरित (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उच्न अन्तरण निकित में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (भा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिस्त्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त,अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम ही धारा 269-ग के अनसरण हों, मीं, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित क्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती भाषा लाल चन्द भानूभाई।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० एन० कचवाला श्रौर प्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पन्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था है ॥

धनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो, 4 थीं मंजिल, इमारत सन्नी साईड बी, प्लाट नं० 315, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोंश, ग्रन्थेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/14607/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, बम्ब**ह**

तारीख: 5-7-1985

प्रकथ काइ .टी.एन.एस. ------

हाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० मई-2/37ईई/14606/84-85:--म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका जीवत वाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 403, जो, 4थी मंजिल; इमारत केनमोर प्लाट नं ० 346, एस० नं ० 41 (प्रंश), 4 गंगला, वसींवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कला के ग्रधोन सक्षम प्राधिकारीके कर्यालय, षम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-19 84

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विस्वात करने का कारण है कि यंशामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है ह

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्क जिथिनियम को बधीन कर दोने के जन्तरक कै वायित्य में कमी करने या उससे सचने में सृविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण की, मी, उक्त कीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मिसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--7-206GI/85

1. श्री रमेश मार० मलकानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एल० धानन्द शहानी

(भ्रन्सिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्वकाकिरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्वो का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विशा गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, इमारत केन्मोर, प्लाट नं० 346, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14606/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निर्रक्षण), श्रजन रेज-2, बस्बई

नारी**ख**: 5--7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर गिथनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० श्रई--2/37ईई/14503/84--85:---श्रतः मुझे. लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पण्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा १६०-म ों अभीन सक्षम एपिकारी को, यह विश्वास करने का शारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या पलैटनं० 205 वी, दूसरी ग्रेजिन, बेन्स्न 4, बंगलोज, श्रीशिवरा, दसींटा, श्रीदेरी (८०), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे जगबढ़ श्रुत्सूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिसदा क्रारतामा श्रायहर श्रिधिन्यम की धारा 269 वस के श्रधीन स्थम प्राधिकार्श्वी तार्याहर, हारीसा 12 नवादर, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से वृधिक है और वंतरक (वंतरकों) को से बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का मिम्नसिवित उद्देश से उच्च वंतरण मिखित में वास्तविक अन्य से कार्य के सिधा महीं किया का है अ

- (क) अन्तरभू से हुन्। किसी नाथ की बाउस, जनत अभिनियम के अभीन कार वेने के जन्तरक अं दायित्व में कभी कारने या उत्तर्ध वचने में सुनिधा के लिए; जॉर/वा
- (स) ऐसी किसी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 69-ग के अनुसरण भें, में अभ्यस अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3--- 1. भैससं रिवराज कंस्ट्रक्शन्स

(ग्रंनरक)

2' श्रीः मनहर इच्चा राम' मिस्स्नी।

(अंतरिती)

को यह स्वना बाड़ी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्ष कुम्पृतित् से मुर्जुन में क्षम्युन्य में कोई भी वासोप:--

- (क) इस बुक्का से राज्यन में प्रकारन की तारीक है 45 विकृष्णी वनिष ना तत्त्रभ्यन्त्री स्पन्तियों कर स्कान की तामील से 30 विन की नविभ, को भी सबीध नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति यूनार ।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील रा 45 विम् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्षित में किए या स्कोंचे ।

स्थव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अन्स्ची

फ्लैट न्० 205 वो, जो दूसरी मंजिल, बेन्सर, प्लाट नं० 9, 9ए एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीज, 'श्रोणिवरा वर्सीवा, श्रन्थेरे' (प०), वस्बई- \cdot 58 में स्थित है।

श्रनुसूर्चः जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14503/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारोः, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण द्या । सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त, , (निरीक्षण) स्नर्जन रेज-2, बम्बई

तारंख: 5--7--1985

प्रस्प बाई'.टी.एन.एड. ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० श्रई-2/37ईई/14605/84-85:—श्रतः मुक्षे, लक्ष्मण दास्,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसका संख्या फ्लैंट नं 606, जो, 6 वी मंजिल, इमापन रेजन्सा ए, फ्लाट नं 3, एस० नं 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अन्धेरा (प०), बम्बई-58 में (स्थार है (स्रार इससे उपावड प्रमुख्या में स्रोप पूर्ण रूप से विजित्त है), स्रोर जिसका रूपारमामा स्राथल स्रिक्तिसम की धारा 269 एख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के ार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रा है, तारीख 16-11-1984

को पूजा अत सम्मिति के उचित बाजार सून्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण हो है के यथापूजीयत संपर्धता का उचित जाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे बन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिवित में अस्तरित कुए से अधिक नहीं कि या गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी गाय की अवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दान के अन्तरक क दामिल्य में कमी करने मा उससे बच्चे से सुविधा को लिए; और/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा धा कर अधिनियम, वा धा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया आना चाड़िए था, डिल्मान में मुनिधा संसिए।

बतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की, अन्सरक मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. भैसर्स पी/० एती:लाल एण्ड ाम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

श्रशरफ़ इक्राहिंग्म मर्चेन्ट।

(ग्रन्तरितः)

को बह सुधना जारो करके पूर्वोक्षत संपरित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां धर सूचना की तामीन से 30 दिन की सर्वीध, को औं विधि बाद में समाप्त हाती हो, के नीतर पूर्वेक्त व्यक्ति को संक्रिमी ब्यक्ति हुए।
- (न) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की हारांच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अहर प्रक्रित इवारी प्रशिष्टस्ताक्षरी के पास िंग्या से फिला की सकरी।

रमक्टीकरण:--इसमा अपन्त शब्दों और पद्यों का, जो उपन्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिशा गया है।

अग्राच

फ्लैट नं० 606, जो, 6 व: मंजिल, इमारत रेजन्सी ए, प्लाट नं० 3, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रन्धेर: (ए०), वर्दाई-58 में लिशन है।

अनुपूच जै । । क्र सं ० ग्रई - 2/37 ईर्र 14605/84 - 85 ग्रा जे। क्षा प्रश्ना प्रश्ना । क्षा प्रश्ना । क्षा । क्षा । क्षा । क्षा । 16-11-1984 वो प्राम्टर्ड । या गया है ।

लक्ष्मण दान सक्षम प्रति गरत सहायार ग्रायकण ग्रायक्त, (निराक्षण), ग्राजीस रोजन-२, बण्यर्ष

तार्गःख: 5-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/14600/84-85:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं ा जो, 6 वी मंजिल, बी, विंग, "मोटा महल" ब्लाट नं 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्ध को श्राप हाउसिंग सोमाइटी लिं, वसींबा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 16—11—1984 को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैं सर्स डायना इस्टेटम प्राइवेट लि०। (श्रन्तरक)
- मैसर्स जेन्ट्री इस्टेट एजेन्टस। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सची

फ्लैंट नं० 1, जो, 6 वी मंजिल, "बी", विंग, मोटा मह्ल", प्लाट नं० 53,श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को श्राप हाउसिंग सोमाइटो, वर्सोवा, 4 बंगला के पास,श्राध जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुस्का जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14600/84-

अनुसूची जैमा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14600/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 16-11 1984 रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, बस्बर्ड

धिनक: 5-7-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्। -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० मई-- 2/37ईई/14599/84--85:---श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 202, जो 2री मंजिल, निर्माण कुटीर, यारी रोड, वसींवा, श्रन्धेरी (प०), वम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, जक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सबेस्टीन पी० मैथ्यू, द्वारा हिज कन्स्टीटयूटेड ग्रटर्नी श्री ग्रवाहम जार्जे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विन्सेट मोहसीन सयानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त रुष्टों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो 2री मंजिल, निर्माण कुटीर, यारी रोड, वर्सोया, ग्रन्थेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/14599/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 16-11-

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 5-7-1985

1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रकृष् वार्षे टी एवं एक -----

नातकार निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन संबक्ष

महरत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

मं० म्रर्ह-2/37ईई/14860/84-85:—म्प्रतः, मुझे. लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 196: (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ह" कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 401, चौथी मंजिल, बिल्डिंग वी-13, श्रपना घर यूनिट 7 कोश्रापरेटिव हाउमिंग सोसायटी लि० पोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज, के पास श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ग में रजिस्ट्री है, तारीख 22-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उग्चर बाजार मूक्य, उसके क्षमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिफल से क्षमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिफल से बाजार है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (जन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल, विम्नतिस्ति उन्नदेश्य से उन्दर्भ अन्तरण किस्तिक कर्य से क्षमान क्षाह के नाम्तर्भ अन्तरण

- (का) नक्तरक से हुई किसी भाग की बाबस, डक्स जिमियम के अभीन कर दीने के जन्तरक के सामित्व में कमी करने या उन्नसे बचने मा स्विधा क सिम्, ऑप/धा
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 192, (1922 का 11) या उपल अधिनियम, 1957 का 27) अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था 'एंपाने में सुविधा के लिए:

थराः अदि, उपत अधिनियम की धारा 269-व के समूखरण की, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-व व उपधाय (1) के ककी, निम्निविधिय स्वितियों, स्विद्धि अधिक अधिक कि

1. पैसर्स सामर्था डेब्लपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरैया इकबाल अन्सारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको प्वॉक्त तम्पत्ति के नर्थन के निस्ट् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाझेंप :---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यन में प्रकायन की तारीचा से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, वो औ नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवाय;
- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवबूध किसी सम्य व्यक्ति बुनारा सभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए वा सकींगे।

स्यब्दीकरण:----इनमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्वो का, ची उन्नत अभिनियम के कथाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याव में दिया स्याही।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिस्डिंग बी-13 प्रपना घर यूनिट नं० 8, कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, म्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलीज के मामने, भ्रन्धेरी (प), जम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14860/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-.1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप जाइ^{*}, टी. ऐन. **एस**. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-आ (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

स० ग्र\$-2/37\$\$/14067/84-85:—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 406, बिल्डिंग नं० ए-15, चौथी संजिल, प्रपना घर यूनिटन० 4, कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिसिटेड, स्रोधिवारा, श्री स्टामी सम्यां नगर, स्त्राप जे० पी० रोड, 4 बंगलीज के पास श्रास्थेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित है (भ्रीर हमसे उपाबढ़ स्रम्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा स्नायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-11-1984।

को भूवांवन सम्पत्ति के उचिन बाजार मत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभागृशंकित सम्पत्ति का उचित बाबार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र मंत्रितात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पावा गया प्रदि-भ्य भिम्मितियात दृश्येष से दृश्य अन्तरण विक्ति में वास्त्यिक स्य भक्तियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय को बायस, उक्त अभिनियम के अभीत कर योगे के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविद् के लिए; और/या
- गर्मा किसी अप मा किसी भन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आय-कर अभिनियस, 1922 (1922 को 11) या उनक् अधिनियस, वा भनकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए.

अतः अवः, उक्तं अधिनियम् की धारः 200 व क अवस्यण्यः । में उपने अधिनियम् की धारः 260-म की उपधारा (१) में बक्ते निम्निटिखित व्यक्तिकां, अधितः :--- 1. मैसर्स सामर्था डेव्लपमेंट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुभाष सिंह, श्री कुलवन्त सिंह

(भ्रन्तरिती)

को सह कृष्णा प्राप्ती करके पूर्वोक्य सन्त्रीत्य से वर्षन से लिख कार्यनाहियां क्युका हो ।

जन्छ कम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में सोई भी बाबोद:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा निस्तित में किए जा सकीं।

स्थ्येकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्बों और पर्यों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाइतित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया ग्या ही।

वन्स्या

फ्लैट नं० 406, जो बिल्डिंग, नं ए-25, भौथी मंजिल, श्रपना घर यूनिट नं० 4 कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, धोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्र $\hat{\xi}$ -2/37 $\hat{\xi}\hat{\xi}$ /14067/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

THE RESIDENCE OF STREET

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध बम्बर्ष, दिनांक 5 जुलाई, 1985 सं० ग्रर्थ-2/37र्र्ड/15007/84-85:---श्रत मुझे, लक्ष्मण बास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 405, चौथी मंजिल, बिर्लिड ग बी-5, ग्रंपना घर यूनिट 6 कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० ग्रोशियरा श्री स्वामी सामर्था नगर, श्रन्धेरी (प) श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज के पास, बम्बई-58 में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाजिस है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ध है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरेष से उक्त अन्तरण कि बित है बाल्निक है बाल्निक हम से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दाधित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा
- (स) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः वयं, उन्तं श्रीभीनयमं की भारा 269-गं के नन्तरणं में, में, उन्तं श्रीभीनयमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) हे बधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रं~्य 1. मैसर्स सामर्था डेवलपर्मेंट कारपोरेशन।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री श्रशोक पूरुशोत्ताम वडरवलकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लैट नं० 405, जो चौथी मंजिल, बिस्डिंग बी-5, अपना घर यूनिट 6 को श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड श्रोशिवारा श्री स्वामी सामर्था नगर, श्राफ जै० पी० रोड, 4 बंगलीज के पास, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/15007/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5~7~1985

प्ररूप बाइ. टी. एव. य्स. --प्र---प्र--वायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14939/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 406, बिल्डिंग नं० ए-7, अपना घर यूनिट नं० 2, कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रोणिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलीज के पास, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मैं रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-1984

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उसत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है ए—

- (क) ब्रस्त उस से हुई कियों बाब की बाबध, उसक सभिनियम के अधीन कर दोने के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने पा जससे अभने में सुविधा कं किए; और/मा
- अ) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का ।1) या उन्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्ट;

बत: श्व, उत्तर विभिनियम की धारा 269-म की बनुबरक मं, उत्तर अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीत, निम्तिसिंखत व्यक्तियों, वर्धात म—-8—206 GI/85 1. मैसर्स सामर्था डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोजिनी चन्द्रकान्त शेत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ः---

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो बूत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्वच्छिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया यया हैं।

वयसंबंधि

फ्लैट नं० 406, जो बिल्डिंग नं० ए-7, श्रपना घर यूनिट नं० 2 को-श्रापरेटिय हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, ओशिवरा श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलौज के पास, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/14939/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

महिर :

शक्य मार्द, टो. **एग. एए**....

नायकर निपितिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्थता

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14460/84-85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 402, बिल्डिंग नं० ए-3, चौथी मंजिल, अपना घर यूनिट नं० 1 को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्थ नगर, 4 बंगलोज के पास, अन्धेरी (प०), वम्बई-400059 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान वितरक के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मृत्य, इसके स्थमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंधह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पात्रा महा विषक , निम्नितियों उद्योग से उक्त मृत्रण निम्नितियों से संविध तहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै वायित्व में कमी अप्रनेया उससे बज़ने में सुविधा के खिए; बार्-दा
- (ण) एसी किसी कार या किसी भन या अन्य व्यक्तियों करों, जिन्हों भारतीय भायकर प्रीधानयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वाच प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में संविधा के निए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उचधारा (1) के बधीन नियमितिकत व्यक्तियों, अधीत है—

1. मैसर्स सामर्था डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामचन्द्रन गणपती।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृत्रोंक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप -

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंदिश बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रान्ति व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका एकः

THE RES

फ्लैट नं० 402, जो बिल्डिंग नं० ए-3, चौथी मंजिल, भ्रपना घर यूनिट नं० 1, को भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, लि० ओशियरा,श्रीस्वामी सामर्थ, 4 बंगलोज केपास, अंधेरी (प०) बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14460/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रिजस्टिई किया गया है।

लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), सर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

माहर 🛎

प्रकप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/14276/84-85:—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 103, पहली मंजिल, बिल्डिंग ए-6, स्रपता घर यूनिट नं० 1 को झापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलौज, अंधेरी (प०) बम्बई-400058में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, गम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अन्तिरत की गई है और कृष्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मितिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत दृष्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः कवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिसिस व्यक्तियों, अधित क्रि-

मैसर्स सामर्था डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ श्री कष्ण सामन्त।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रिंत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग ए-6, श्रपना घर यूनिट नं० 1, कोग्रापरेटिव हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड, श्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलौज, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र सं० श्रई-2/37ईई/14271/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्रकप बाइ. टी. एम. एथ. -----

कासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के जभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14275/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसर्गे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 408, बिल्डिंग बी-14, चौथी मंजिल, ग्रापना घर यूनिट 9, कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज के पास, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विरुद्ध , निम्निवित्त उक्देश्य से उक्त अन्तर्ज शिवित में व्यस्तिक रूप से किया नहीं किया वया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामिरन में कनी करने या उसने बचने तो सुविधा के सिद; बीड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपान में सृविधा के सिए:

मतः सन, जनत निधिनियम, की भारा 269-म के ननुसरण में , में , जनत अधिनियम की धारा 269-म की जपभारा (1) में अधीन, निधनतिस्ति व्यक्तियों, नम्बि

1. मैसर्स सामर्था डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्राणा भोजा शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख > 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किया व्यक्ति क्या क्यांहस्ताक्षरी के बाब विकास में किए वा सकें ने।

श्रनुसूची:

फ्लैट नं० 408, जो बिल्डिंग नं० बी-14, चौथी मंजिल, अपना घर यूनिट नं-9, को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज के पास, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14275/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-7-198**5**

प्रकप भाई . हो . एन . एस . -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई श्वम्बई, दिनांब 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/14277/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दास्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अोर जिसकी संख्या फ्लट नं० 005, बिल्डिंग नं० ए. 5(थ्र), अपना घर यूनिट नं० 6, का-प्रापरेटिश हाउतिम सेतायटी लि०, ओजियरा श्री स्वामी सामर्थी नगर, जाफ जे० पी० रोड, 4 बंगनीज के पान, अन्धेरी (प०), अस्बई—58 में स्थित है, (और इससे उपाबड़ अनुमूनी में और पूर्ण खप से वर्णित है), और जिसटा करारनामा आयार अविनिद्म की धारा 269 के ख के भटीन मक्षम प्राप्तिशारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स सामर्था डिबलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरकः)

2. श्री सदाशिव रामचन्द्र खेर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिणों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अम्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उठर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

नग्स्ची

पलेट नं० 005, जो, बिल्डिंग नं० ए०, 5(अ), जमीन मंजिल, अपना घर यूनिट नं० 1 को-आपरेटिव हाउिंग सोगायटी निमिटेड, आंशिवरा श्री स्वामी सामर्था नगर, आफ जे० पीं० रोड, 4 बंगनीज के पाम, अन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

क्रनुसूची जैना कि कि कि शई 2/37ईई/14277/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, अम्बई द्वापा दिनां: 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सेहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज– 2, बम्ब**र्ध**

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप वाहरे. दी. एत्, एस् .,-----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शास्त्र सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांः 5 जुलाई, 1985 निर्देश सं० प्रई- $\cdot 2/37$ ईई, 14172/84- $\cdot 95$ ---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाय,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि.की संख्या फ्लैंट तं० 404, बिल्डिंग ए-5, चौथीं मंजित, अपना घर यूनिट तं० 1, की-आपरेटिव हाउति। सो गर्यां रि०, ऑक्श्वरा, श्री स्वामी नामर्था नगर, आफ जे० पी० रोड, 4 बंगलीज अन्येरी (प०), वस्वई में स्थित है, और इनसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, और जिपाप करारनामा आयज्य अधिनियम की धारा 269 उपा के अधीन नक्षम प्राधि गरी के नायलिय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते काम के प्रविवास हित्स के लिए अन्तरित की गई है सीन मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित काम्प्र मृत्य उसके प्रथमान प्रतिक्षण के श्री प्रचान प्रतिक्षण का प्रवास का प्रवास का प्रतिक्षण की प्रतिक्षण की प्रवास का प्रवास प्रतिकात अधिक है और वंत्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के विषय वय पाना प्रतिक्षण, निक्नितियों उद्योध के वास्तिक क्ष्म के क्षिण वहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियर, के अधीन कर दोने के सम्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी जन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या जनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के लिए,

अतः असः, उत्तत निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निक्नितिकित व्यक्तियों, नवित् :--- मैसर्स सामथी डेबलप्पेंट पारपारेणन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री यू० पीं० विक्ष्यनाय।

(भ्रन्तरिती)

का यह क्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रदेश के अर्थन के विक् कार्यवादियां करता हो।

उन्त सम्बन्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वालोप :---

- (क) इत स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो थी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अवितयों में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण को प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी कस्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी की पास सिचित को किस था सकीं।

रपष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उथरा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

श्रन्युकी

पलैट नं० 404, जो, िविडिंग नं० ए-5, चौथी मंजिल, प्रपत्ता घर यूनिट नं० 1. को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, ओणिवरा, श्रीं स्वामी मामर्थी नगर, श्राफ जे० पीरोड, 4 बंगनीज के पात, अन्दोरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अन्सूची जैमा ि ऋ० स० श्रई- 2/37ईई/14172/84-85 और जो यक्षम प्राधिशारी, बस्बई ब्राग दिनांक 3-11-1984 को रिजस्टर्ड शिया गया है।

> लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, **वस्बई**

तारीख · **5-** 7--19**85**

 मैक्स कमश्री डेबल्स्सेंट जान्यरिकन। प्रारूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

(भ्रन्तरक्ष)

2. कुमारी सुमीता कुमार दारमुप्ता और श्रीमती सरोज सुकुमार दास गुप्ता।

(भ्रन्तिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिलांक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/?7ईई/14459/84--85---अत: मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यक्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000 / - र**ः. से अधिक है**

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 407, बिल्डिंग नं० ए-6, चौथीं मंजिल, अपना घर यूनिट नं० 1 कोन्धापरेटिव हाउँ मि मोनायटी िमिटेड, अंधिवार, श्री स्वामी मामधी रणा, आफ जे० पींच रोड. 4 वंग नीम के पास, अन्धेरीं (प), बन्दई -100058 में स्थित है (और इपसे उपाधड़ अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम. आयार आधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधि री के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीं है, तारीख 9-11-1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में काम के सम्यमन प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और म्ह्रूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाज्जर मृल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिक्ति में अस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बावत, उक्स अविधिनियम की अधीन कार दोने को अन्तरक की दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा र्षे सिए; करिं∕या
- (w) एोसी सिश्सी जाय या किसी धन या जन्य अशिस्तयाँ को, जिन्हीभारतीय वाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अधः उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मा, मी, जनस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधान :---

को यह सूचना जारी करको पूर्वोचिस सपित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

अन्स्ची

फ्लैट न० 407, जो बिल्डिंग, नं० ए-6, चौथीं मंजिल, ग्रपना घर यूनिट नं० 6, कोग्रापरेटिय हार्डीमग सोसायटी लिमिटेड ओशियरा, श्री स्वामी सामर्थ नगर, प्राफ जे० पीं० रोड, 4 बंगलीज के पास, अन्त्रेरीं (प०), बाबई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि फ़ा० सं० श्र**ई**- 2/3 7ईई/14459/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार। दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, क्षयम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्राय्वन, निरौक्षण), प्रजीन रोज--2, बम्बई

दिनोंक : 5 - 7 - 1985

भाग III—वाव्य 1

प्रकृष बाहाँ, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्राज्ञेन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनों : 5 जुलाई, 1985

निवेश सं० ४**६ 23 िंह 4173/**8 .**─8**5*----अतः मुझे, लक्ष्नणधाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैंट न० 008, जमीन मंजिल, बिल्डिंग ए-4, श्रपना घर यूनिय नं० 1, कोश्रापरेटिय हाउिए सोसायटी लि०, ओफिवारा, श्री स्वामी नामश्री नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 4 वंगलोग के पाप, श्रन्धेरीं (प), धम्बई-58 में स्थित है और इससे उपावद श्रनुभूचीं में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिस्ता करारनामा श्राय प्रश्निविषम 1961 की धारा 269 एख के अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यान्त्य बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के 'लए तय पामा नया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेषम से उद्युत अन्तरण निवार में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियर गर, है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बांधत उल्ल बाधिनियम के बाधीन कर दोने के बन्तरक को बाधित्व में कभी करचें या उससे समने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिय! को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

बत: तम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त उधिनियम की धारा 269-में की उपधारा /११ के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धील .---

- 1. मैंयर्भ नामर्था डेबलपमेंट कारपोरेशन। (श्रन्तरक)
- श्री जी० वेंकष्टरामन, श्रीमती सुधा वेंकटरासन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन की संबंध को कोई भी वाक्षेप :---

- एक) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक्तेंगे।

स्पष्टिंगिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैप्ट नं० 008, जो, बिल्डिंग नं० ए-4, जमीन मंजिल, अपना घर यूनिट नं० 1, कोम्रापरेष्टिच हाउसिंग सोनायटीं, लिमिटेड, ओणिवारा, श्री स्थामी लामर्था नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 9 बगलों ने के पान, श्रस्थेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैपा ि कम सं० अई2/37ईई/14173/84-85 और जी सक्षम प्राथि गरी, बस्बई द्वारा दिनोह 3-11-1984 को रजिस्टई हिया गणा है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारीं, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंस- 2, सम्बर्ध

दिनांक: 5-7-1985

मोहर

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई०-2/37 ई० ई0/14831/84-85—म्ब्रतः मझे, लक्ष्मण दास्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 407, बिल्डिंग नं० ए-5, चौथी मंजिल, श्रुपना घर यून्टि नं० 1 कोश्रापरेटिव हाउमिंग सोमाइटी लिमिटेड, श्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर श्राफ जे० पा० रोड़, 4 बंगलीस के पास, श्रंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की श्रारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, जक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9—206 GI/85 (1) मेसर्स सामर्था डेब्ल्पमेंट कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टो० वी० एन० मूर्ति, श्रीमती रेणुका मूर्ति

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 407, जो बिल्डिंग नं० ए-5, चौथी मंजिल, भ्रपना घर यूनिट नं० 1, कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, भ्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, भ्राफ जे० पी० रोड़, 4 बंगलोस के पास, श्रंधेरी (प०7, बम्बई-400058, में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्राप्ट $\frac{1}{2}$ भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{1}{2}$

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

मोहर ;

शक्त नार्'. टी <u>. एन . पुत्र :</u>------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

TIME TAXABLE

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−2, बम्**अ**ई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14937/84-85--श्रतः मभे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, चौथी मंजिल, बिल्डिंग ए--4 श्रपना घर यूनिट 1 कोआपटेटिक हाऊमिंग सोमायटी लिं०, ग्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्राफ जे० पी० रोड़, 4 बंगलोज के पास, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24 नवम्बर 1984;

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से निष्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निवित उद्वेष्य से बन्त बन्द्रम् निविद् में बास्तिव्क रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम चंड्रावं किसी भाव को बावत , उक्त अधिनिक्स को अधीन कर वोने के अन्तरक के यामित्य में कमी करने वा उक्ते वक्ते में धृतिका में किस; स्ट्रिंट्स
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आय-कर बिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया जमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने भ स्तिया की विस्त

जतः जन, उन्त अभिनियम, की भारा 269-गू के अनुकरण वा, वा, उनक अभिनियम की धारा 269-मू की उपभारा (1) की अभीन, निम्मसिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स सामर्था डैव्लपमेंट कार्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भानुमित सुरेशचन्द्र टक्कर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्छ सन्पृतिस् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की लारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्यारा कथोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग ए-4(ए), प्रापना घर यूनिट 1 कोग्रापरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रोशियारा, श्रो स्वामी सामर्था नगर, ग्राफ जे० पी० रोड़, 4 बंगलीज के पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्घ०-2/37 ई ई/14937/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

मोहर 🗓

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे विधित सुवता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/14963/84-85--ग्रतः मभे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी-4, श्रपना घर यूनिट 6 कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलोस संधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 नवम्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दृश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरण से हुड़ी किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की सिए:

नतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उथत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० सामर्था डेव्लपमेट कार्पीरेशन

(बन्तरक)

(2) श्री वसंत कुमार मुकुंदलाल काह

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी-4, भ्रपना घर पूनिट 6 कोभ्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रोशियारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्रंधेरी (प०) 4 बंगलौज के पास, एफ० जे० पी० रोड़, बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14963/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज-2, बम्बर्द

विनोक: 5~7-1985

वक्त बार्च हो हु पुरुष पुरुष त्राम्यम्यसम्बद्धाः

नायकार लिभिनियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-न (1) में सभीन स्वता

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/14322/84-85--- प्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

नायकर निर्धानममं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् जनत निर्धानममं कहा गया हैं), की वास 269-स के जभीन सभन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तन्यति, विस्का स्वित नापार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, चौथी मंजिल, एरीना-ए, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवा गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीभीनका के जभीन कुए दोने के जन्तरक को समित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; ऑप्र∕वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य बास्तियों की विन्हें भारतीय अपकड़ किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा ध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्।

बतः जवः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-गं के अनुसरक जो, जी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकित व्यक्तियों, अधित् ः—— (1) ससेर्स लोखंडवाला प्रिमैस (प०) लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० एम० दमानी ग्रौर ग्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जनिथ या तत्संत्री अविक्तमाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औ जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशक स्थितकों में से किसी स्थित ब्नारा;
- (व) दव व्यवा वे डाय्यम के प्रकार की सार्यक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित के हितवय्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार के पास विकार के प

स्पाध्यीकरण: इसमें प्रमुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्क अधिनिश्वम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, एरीना-ए बिल्डिंग, प्लाट नं० 338, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प्०), बम्बई-400058।

श्रनुसूची जैसा कि करु सं श्रई 0-2/37 ई० ई०/14322/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

मोहर ः

प्रकथ कार्य , ही . एव . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्थान

नारत चरकार

कायलिय, सहायक आयकर नावृक्त (निर्धिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई ई/14506/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्दर निधनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-व ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निधनास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाव की बावत, उन्त विध-नियम के अभीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या संस्ते बचने में सुविधा के लिए; बार/का
- (व) एंसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य आस्तियीं को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विभा के सिद्

जतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स रविराज बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजू उधव माखिजा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कहती पूर्वोक्त तंपृतिक की वर्धन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप प्र-

- (क) इस सूचना के ताबपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की जबिंध, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किंसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्कार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्योक्ता, जो उन्सर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिना गया हैं।

वनसूची

पलैंट नं० 206 ए, जो दूसरी मंजिल, डेन्सिल, प्लाट नं० 31, एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवारा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 0-2/37 ईई/14506/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनकि 5-7-1985 मोडर : प्रकल नाहर् हो , पुन् , युक्त , ------

मायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई०-2/37 ई० ई०/14836/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

घौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, "लक्ष्मी मूला", जे० पी० रोड़, नवरंग सिनेमा के सामने, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22 नवम्बर 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क्क्र) जन्तरण से हुन् किसी बाय की बाबत, सक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपधारण (1) के अधीन, निम्नलि<u>धि</u>त व्यक्तियों, अधीन हिल्ल

(1) मैंसर्स हीतेश कंस्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भुवनेन्द्र किडियूर,श्रीमती हीरा भुवनेन्द्र किडियूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अबीन की संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 बिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में से किए का करोंगे।

स्थळकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया रका हैं।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो "लक्ष्मण झूला", प्लाट नं० 107, जे० पी० रोड़, नवरंग सिनेमा के पास, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रिष्ठ 0-2/37 ई० ई०/14836/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

मोहर 🛭

प्रकम् अस्तः ही , एन , एत् , न्यन्यन्यन

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

बम्बह्, ।दनाक 5 जुलाह् 1985 जिंक सं २ सर्वे - 2/27 है 2 है और 14505/24

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14505/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 106 ए, पहली मंजिल, डेन्सिल, 4 बंगलोस श्रोशिवारा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 12 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति भग्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत के पंख्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिश्म की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिनित व्यक्तितयों, अधीत् :—— (1) मेसर्स रिवराज डेब्लपर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष श्रार० जुनजुनवाला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुनन

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

पलैंट नं० 106 ए, जो पहली मंजिल, डेन्सिल, प्लाट नं० 31, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, श्रोशिवारा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई० -2/37 ई० ई०/14505/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोब: 5-7-1985

मोहय:

प्रकर बाह् े टो ् एन ् एक ्र-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के मधीन सुचन।

धारत बहुकार

कार्यालय, सहायक माथकर आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज~2. बम्बई

बम्बई, विनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14879/84-85--श्रतः मक्षे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भाप नं० 3ए, वर्सीवा स्त्रींग लोफ को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जे० पी० रोड़, 7 बंगलोस, वर्सोबा, बम्बई—400061 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिस है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 23 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल को लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलिख में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुन्दैं किन्नी जाय की दावतः, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्षेत्री करने या उद्यक्ते वचने में तृतिका के लिए; औप्र√या
- (स) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में तुनिधा के सिए;

अशः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के वनुसरण वें, वैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) के ग्राचीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री चंदु एम० शामदसानी ।

(अन्तरक)

- (2) श्री श्रजीजुल्ला मोहम्मद हादिस सूबेदार, श्री इखबाल हुसैन मोहम्मद हादिस सूबेदार । (अन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिताओं पर धूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हितवस्थ किसी जन्म स्थायत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए जा सकीं।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथी का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वन्स्ची

शाप नं० 3ए, जो, वर्सीवा स्त्रींग लोफ कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जे० पी० रोड़, 7 बंगलीस, वर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14879/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण), म्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

क्रम्य आहे, ही, एन, एस,------

मायान्दर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) याजीन रेज- 2, अस्त्रई

बम्बर्ड, दिनां : 5 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्राई०-2/37 ई० ई०/14651/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दा4

बायकर किंशिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क थें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कार्ण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार भूका 1,00,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी संव फ्लट नंव 37 तींसरी मंजिल ए-स्बंध रोशन लाल अगवाल कारिंग आर्लेंड ओशियारा अंधेरी (पव) वस्बई-400058 में स्थित हैं (और डास उपाबड़ प्रनुक्वी में और पूर्ण कर से विणत हैं) और जिल्ला करारतामा आपकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधींन सक्षम प्राधितारी के कार्यात्य बस्बई में स्मिन्द्री हैं दिनीं 28 नवस्बर 1984

को पूर्विशत सम्मिन को उचित बाजार मूक्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते अह विश्वास करने का कारण है कि पूर्विकत सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध से उक्त अप्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तिवाँ की, जिन्हुं भारतीय अाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा औं जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10---206GI|85 (1) मेनर्ग भारत एनत एत खिल्डर्व

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तक्ष्मी बींव म्यानानी

(ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सक्यींत के शर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बालीप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में एमाल होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चरा के राजाश में प्रकाशन की तारीस से 4,5 दिन के भीतर उकत स्थावर समात्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विका नया है।

अनुसूची

पलट नं० 32 जो तींसरी मंजिल ए-स्कन्ध रोणनलाल ग्रंप्रवाल णाविंग ग्राविंड अर्वे नं० 41 (पार्ट) ओणिवारा अंग्ररी (प०) बस्बर्ड 400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जमा िः अ० सं० अई०--2/37 ई० ई/14651/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को मिल्टई जिल्लामा है।

> लक्ष्मण यात्र सक्षम प्राधिकारी सहाय त श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज−2 **सम्बर्ध**

दिनां । 5 · 7 – 1985

मोहर 🛭

प्रकृष भाषां हु द<u>ी. पुन्न</u> पृष्_{यस्थानस्थ}

जायकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत चरकार

कार्याजय, सङ्गायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राष्ट्र०-2/37 ई० ई०/14853/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण वास,

बायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिश्रीनयम' कहा पथा हैं), की धारा 269-स के अधीन संसम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका रुपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिन्नि से फलट ने 64 छठीं मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल वास्प्लेक्स सारंगा टायर भ्राफ जे विव रोड़ भ्रमना घर के पास वर्मीया अंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (और इसमें उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका वारारनामा श्रायवर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिन्हीं है दिनक 28 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृख्य से जल के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्बोक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मृख, उसके दरसमान प्रतिफल से, एसे ज्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा नया प्रतिफल, निम्निमिणित उद्योग्य से उस्त अन्तर्ण निमित में अस्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्सरण से हुई कियी बाध की बाबवा, उपक श्रीधीनश्रेत के अधीन कर दीने के अन्तरक के काशिल में कभी करने या उद्यक्त ब्यून में सृद्धि। के लिए; बीट/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन या किसी ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोशनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या का किया थाना चाहिए था, कियान में जुनिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणियत व्यक्तियों, सर्थात् ह—-

(1) मेसमं भ्रार० एन० ए० खिल्डर्स

(ग्रन्दर)

(2) श्रीमती मालतीं जीं० मन्सुखानीं

(ग्रन्तरिनी)

की सह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपरित को मूर्जन के लिए कार्यवाहियां अञ्चला हुंहु।

अन्य संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओर ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की जबिंग या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तालीय से 30 दिन की जबिंध, जो भी ज्यों वाच में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उन्त किश्वियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया ही।

प्रमुखी

फ्लैट नं 64 जो छठी मजिल रोणनमास अग्रवास काम्प्लीक्स सारंग टावर श्राफ जें पी रोड़ एन नं 41 (पार्ट) श्रपना घर के पान बर्मीचा अंधेरी (पं) अम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसुची जैना कि ऋ० सं० याई०--2/37 ई० ई०/14853/ 84-85 और 'जो भक्षम प्राधिकरी वस्वई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजीस्टई किय गना है।

> लक्ष्मण दात ाक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकार धायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज- 2 **कस्यर्ध**

दिनांक : 5-7-1985

प्रकल् नार्वाः, टी., एवं., एवं., १४१-सन्तर

माथकर माभूनिय्स,, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मुधीय सुक्ता

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1986

निर्देश मं० शई०--2/37 ई० ई०/14852/84--85----श्रतः
 मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मध्यति, जिसका उपित बाबार कृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिलकी मंठ फ्लैंट नंठ 53 पांचवी मंजिल ए स्कंध रोमन लाल अग्रवाल कार्षिम श्राकेंड श्रपना घर के पास चर्सीचा अधिरी (पठ) बम्बई में 00058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिन्हा करार-नामा पालक अधिनियम की धारा 269 के खे के श्रिष्टी सक्षम प्राधिकारी के प्रायित्व वस्वई में रिजिस्ट्री है दिनांक 28 नवस्वर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाथार मृत्य से कम के क्रमहान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे द्रममान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाचा नया प्रतिफल विद्वासित उच्चेदन से अक्त अंतरक (अन्तर में वास्टरिया कर विद्वासित उच्चेदन से अक्त अंतरक (अन्तर में वास्टरिया कर वास्टरिया

- (क) अन्तरण संहूध किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अवने में तृविधा की लिए; बॉर/या
- (स) एंसी निकासी काम या किसी बन या बन्य बास्त्यां की, जिन्हों भारतीय सावकार बिधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर बीधिनयम, या धनकार शिभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया किया शिक्ष भा शिक्ष का शिक्ष के सा शिक्ष का शिक्य का शिक्ष का शि

नतः शव उपल अधिनियम की धारा 269-म के बन्दरय हो, मी, उपल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह्य- (1) मेसर्स स्नार० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मास्टर राजेश बीं व्यालानी

(भ्रन्यरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां बुक करता हूं।

क्क बुम्बरित के बुक्ष के बुम्बर्व के कार्य कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीन है।
 45 दिन की नविध या तत्संबंधी अपिक्तयों पर
 स्थान की ताबीस से 30 दिन की नविध, को थी।
 सक्षि नाद में समाप्त होती हो, के धीतर प्रविद्या स्थितमें में से किसी न्यक्ति हुनारा;
- (क) इह सूचना के राज्यमा में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के नीवर करत स्थावर सम्यक्ति में हित-वहून कि की नम्ब स्थावत इवारा, अभोहस्ताक्षरी भी गढ़ जिसित में किए या करों थे।

स्वाकारणः — इसमें प्रयुक्त सम्बोधीर पर्वोका, जा सक्क स्विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्यार में विका गया है।

नन्स्ची

पत्रैष्ट नं रु 53 जो पांचर्य मंजिल ए-स्कांध राजने ता स्थानान काम्पत्रैक्स अपना पर के पास एक तक ट (पार्ट) वसींबा अंधेरी (पर) पन्धर्द- 200058 में स्थित है।

श्रमुची जैता कि कार्न अईरु-2/37 ईरु ईरु/ (485) / (84-85 और जो नक्षम प्राविकारी अध्युद्ध कारा कि एक 23-11-1934 की र्राजन्दई किया थ्या है।

> क्षां जा जास यधमा प्रातिकारी सहायक आयकर आयुक्ता (१०५७००) अजेम रीजा-2, बस्पाई

ৰিলিন 5 - ∴1985

मोहर 🔞

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रज-2, वस्बई

बम्बई दिनाह 5 जलाई 1985

निर्देश सङ्क्षिक्य । अक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र । 4850/84-185---श्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिन्नकी संच पतिष्ट नंच 53 पत्तिवर्गी मंजित रोणनलाल स्रायमान गार्गिए आर्केड आणितात्म अधेरी (प्रच) अस्बर्ध-58 में स्थित है (ऑट उट्टी ज्यानक यनुसूती में और पूर्ण स्पासे बणित है) अर्थ कि ह्या स्थानना ऋत्यत्य अधिनयम की घारा 269 व्यव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय सम्बर्ध में रजिस्ही है दिना 3 23 स्वस्वर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गुस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) भेपसी आर० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरः)

(2) मास्टर मनीश बीं प्यालानी

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट तं० 53 जो पावस सीमत रोगनलाल अग्रवाल साम्प्लेक्स सर्वे तं० २१ (सर्वे) ऑगिनास अधेरी (प०) सम्बद्ध-400058 में स्थित है।

प्रमुख्यों जैसा कि कि में प्रई०-2/37 ई० ई०/14850/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-14--1984 को रजिस्टई क्यिंगमा है।

> लक्ष्मण दास भक्षभ प्राठिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रीर--2, बम्बई

दिन्तं सः . 5---7- 19**8**5

मोहर ः

प्रकृप मार्धं.टी.एन.एस. ------

भारकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रर्ह०-2/37 ई० ई०/14465/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें ध्यक परचात् 'उक्त वृधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० जी-4, जमीन श्रौर पहली मंजिल, बिल्डिंग रेमिडेन्सी ए, 4 बगलोम, वर्सीया, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 नवम्बर 1984

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास मृके यह विश्वास करने का करण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिकाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिचित उद्ववेय से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (स), अन्तरण सं हाई किसी गाय की वाबंत, बाक्स अधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कमी अरने या उससे अचने में सृविधा क तिए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, वा धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के मुनाबार्ग अन्यादती कृषारा मुकट नहीं किया गया था वा किया बाजा आहिए था कियाओं वे सुनिया के निए;

शक्ष अभ, उन्स निर्मित्त की पारा 269-ए के अमुसरण मं, मं, अकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अर्धन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर रिशान मेहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र हर-

- (क) इ.स. स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पांच निविद्य में किए का सकोंगे।

न्यस्वीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाः यवा है।

न्यस्थी

फ्लैंट नं० जी-4, जो जमीन ग्रॉर पहली मंजिन, बिल्डिंग रेसिडेन्सी ए, प्लाट नं० 38, एम० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रंतुसूची जैसा कि कल संल श्रई०-2/37 ई० ई०/14465/84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

मोहर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/14164/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रतिभागारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर शब्दीत, जिसका उतित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 702, सातवीं मिजिज, कासगेटस-ए बिद्धिडंग 4 बंगलोस, वसंवित, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वित्ति है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 3 नवम्बर 1984!

को-पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुभ्ने यह जिम्बास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति को उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत सं अधिक ही और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निर्विक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्सविक रूप स किथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसर किसी अन्त सा िसी धन य अन्य आसितयों को जिन्ही तरा तहर असित्यम, 1922 (1922 वह १४० ते असित्यम, ११ धन-कर असित्यम, ११ धन-कर असित्यम, ११ धन-कर असित्यभ, ११ धन-१४ (19.7 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्दी किया गया भा से किसी जिन्ही है। इसीहिए बर्ग इसीनिया गया भा से किसी जिन्ही है। इसीहिए बर्ग इसीनिया में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिभित व्यक्तियाँ, अर्थातः :—

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमैंसेस (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) कनकलता कांतिलाल कामदार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्थन के सिष्-कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ब) इस सूचना के राजपूत् में प्रकाशन की तारीश इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध फिसी अन्य अयुक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद दिशित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 702, जो सातवी मजिल, कासगेटस—ए बिहिडंग, प्लाट नं० 334, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोड, वर्सोबा, श्रंथेरी (प०), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई०-2/37 ईर्र ईर्र 14164/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लध्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

प्रक्य मार्ड . हो . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरौक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/14161/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भ्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 604, छठी मंजिल, रेमिडेन्सी-ए, 4 बंगलोस वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, दिनांक 3 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्सित उद्धेषय से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिम्बर रूप से कथिल नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्नित्स्वित व्यक्तियों , अर्थात् :--

- (1) मैसर्म लोख डवाला ग्रिमैसर (प्रा०) लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) मास्टर धीराज एम० परवानी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हु।

खक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विने की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हम्नेती हो, के भीतर पृत्रीकर म्यक्तियाँ में से किसी म्यक्ति प्वारा;
- (**स) इस सुचना के राजपत्र ये प्रकायन की तारीस** स 45 दिन को भीतर उथन स्थायर संपत्ति में हितवापुष किभी अन्य व्यक्ति इतारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत मिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

भन्स्ची

पलैंट नं० 604, जो छठी मंजिल, रेसिडेन्सी-ए बिल्डिंग, प्लाट नं 38, एम नं 41 (पार्ट) 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकि क० सं० ग्रर्ड० – 2/37 ई० ई०/14161/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बंई

दिनांक: 5-7-1985

योद्धर् :

मध्य बार्ष ही. एवं एक .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/14284/84-85-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, सातवी मंजिल, होमलैण्ड, बर्सोवा, श्रोणिवारा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 9 नवम्बर 1984

करे पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पामा गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एक से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किती बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बाने के बलारक के बारित्य में कभी करने वा उनमें बचने में सुविधा के सिंहर; बरि/वा
- (क) एमी किसी बाब का किसी थन वा बन्त बारितकों को जिन्हों भारतीय नायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनते निधीनयम, बांधन-कार निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती ब्वादा प्रकट नहीं विका वका था वा किया जाना वाहिए जा, कियाने में ब्रिया के विका;

बतः तव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण बो, मा, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के बधीन, निम्निलिसित क्यक्तियों, अर्थात् : -

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमैंसंस (पा०) लिमिटेड (श्वन्तरक)
- (2) श्री शेकर ए० दादरकर।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबाँड्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थितता वर बूचना की बामीस से 30 दिन की वचिष्, को सी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी कन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के बाव किस्ति में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 702, जो सातवीं मंजिल, होमलैण्ड, प्लाट नं० 341, वर्सोवा, श्रोक्षिवारा, तालूका, श्रंधेरी (प०), अम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14284/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज–2, बम्बई

विनांक: 5-7-1985

रक्त बाह्र हो एवं स्व. ---

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की शाध 269-व (1) के अभीन सूचना

MICH MINES

कार्याक्षक, सहायक भारकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/14323/84-85---- मतः मुझे, सक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अभीन संक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्वित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० फ्लीट नं० 404, चौथी मंजिल, एरीना-ए बिल्डिंग, 4 बंगलीस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की बारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, धिनांक 9 नवम्बर 1984

को प्वींक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रति-क्षत, निम्नलिखित उद्देशय से सकत अंतरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वायत, उन्तर जीध-निवस के जधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उसते बचने में ध्रियश के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— 11—206GI|85 (1) मैसर्स लोखंडवाला त्रिमैसेस (प्रा०) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एम० दमानी घौर श्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यसाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्ष्यीकरण :----इसमें प्रयुक्त ख़ब्दों और पदा का, जो उन्त विधिनियम के कथ्याय 29-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में विमा वसा है।

erred.

पलैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, एरीना-ए, प्लाट नं० 338, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058, भें स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14323/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक: 5-7-1985

मोहरः

प्रस्प भाषां दी एन एस । ======

ज्ञायकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के क्यीन स्मृता

भाइत तर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई०-2/37 ई० ई०/14840/84-85---यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कारकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 704, सातनीं मंजिल, बिल्डिंग प्रैम रोस, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22 नवक्रर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृज्य से कम कैं इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाव्योंकत सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके इस्मान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिबियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग मिसित में बास्तिक इस के किया वस है है—

- '(क)' अन्तरम से हुंड किसी माय की बाबत उक्त अधि-निवस के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किती धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आवा नाडिए था, जियाने में सुविधा वी विका

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा [1] के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (पा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गोपाल प्रसाद जुल्सियान । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्यके पूर्वोक्त सम्मृतित से जर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भौत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास् लिजित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तिकत के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वश्याय में दिया पंता हैं।

जनस्थी

फ्लैंट नं० 704, जो सातवीं मंजिल, बिल्डिंग प्रैम रोस, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलीस, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/14840/8485 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

इन्द्र नाहर्_ट स्रोत हुन्_ट हुन्_{वण्यानस्थान}

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वा

नारव दरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ई ई/14816/84-85-यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1606, 16वीं मंजिज, बिल्डिंग प्रीमियम टावर्स, 4 बंगलोस, वसोंवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 22 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान अतिफल के निए अन्तरित की गई है कि मुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) बौद अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण चे निए। दब बाया गया प्रतिफल, विस्नितियां उच्चे देव से उसल अन्तरण चिचित में वास्तिक रूप से कृषित वहाँ किया ववा है देन

- (क) मन्तरूप ने हुद किसी बाद की बावत, अचल विभिन्निय के अभीन कर देने के बन्तरक के दामिल्य में कभी करने मा उक्क वचने में दृष्टिभा के सिए; जीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना था, जियाने में सुविधा के खिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट ग्रीर डेब्लपमेंट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) रेशमा भार वासंदानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति की वर्षन को सिर कार्यवाहियां करता हुई।

वनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की ठारीचा खे 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी स्पनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अपक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वार विभाहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को जक्स अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया चुंबा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1606, जो 16वीं मंजिल, बिल्डिंग प्रीमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि कि सं भई-2/37-ईई/14816/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बस्बई

दनोक : 5-7-1985

मोहर 🖫

मुक्त कार्य हो । युग् पुर्व -----

बीयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ई ई/14197/84-85---यतः भृक्षे, लक्ष्मण दास,

धीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, सालवीं मंजिल, एरियाना,ए-बिल्डिंग, 4 बंगलोत, नर्सोना, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायस प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगल है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7 नवम्बर 1984

भी पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का गक्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (थ) एसी किसी नाव वा किसी थन या बन्ध जास्तियों को, विन्हों भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा विश्वा जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपधारा (1) अधिन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात ह—

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेंस (प्रा०) लिमिटेड । (मन्तरक)
- (2) श्रीश्रीधर जी० हेगडे।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां काउता हूं।

उनत् सम्पत्ति की अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बासोद् ड---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबीभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्क ब्रुध किसी मन्य स्थवित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

संबंधीकरणः---इंसमें प्रयंक्त कन्यों और पेयों का, को अवस गीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं कर्थ होगा को उस कध्याय में विया बबा हैं।

धनुसूची

फ्लैट नं० 702, जो सासवीं मंजिल, एरियाना, ए-ब्रिल्डिंग, फ्लाट नं० 338, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, मंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्द-2/37-ई ई/14197/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनोक: 5-7-1985

मोहरः

प्रकृष कार्थ . टी . एन् . एक् , नामकामानामा

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वका

भारत सहस्ताह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ मई-2/37-ई ई/14495/84-85-यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिन्नमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके प्रवस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 बी, ट्वीन टावर, प्लाट नं० 8-ए गौर 8-बी, चार बंगला, श्राफ जे० पी० रोड, वसींवा, प्रधेरी पिवन में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिसका करारनामा प्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिअस्ट्री है, दिनांक 10 नवम्बर 1984 को पूर्ण रूप सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम बाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तर अधि-पियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर वचने में शुविधा के सिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नित्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, च्छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः भव, उक्त विभिन्यम की भारा 269-व के वनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत् हम्

(1) इन्द्रजीत प्रोपर्टीस प्राईवेट लिमिटेड ।

(भन्तरक)

(2) मयंक जजोडिया बेनिफिट ट्रस्ट ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्ध सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उन्ह नियम के अध्याय 20-क में परिश्लाबिट हैं, नहीं नर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

फ्लैंट नं 1 की जो टवीन टावर, प्लाट नं 8-ए ग्रीर 8-की, बार बंगला, श्राफ जे पी रोड, बर्सोवा, श्रंधेरी पिक्सम में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्नई-2/37-ई ई/14495/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-2, बस्बर्ष

दिनोक: 8-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप नाहर् हो. एतः एसः जननगर

बायकार् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के बंधीन सूचना

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ मई-2/37-ईई/14283/84-85--यत:, मुझे सक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार वृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 901, नौबी मंजिल, माग्नम टावर्स 4 बंगलीस, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिएका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 9 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व के कभी करने या उत्तरे वचने के तृत्विधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना आहिए था खिपाने में सुनिधा के लिए?

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण् ं, में सबत अधिनियम की भारा 269-ण की छपभारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड । (मन्तरक)
- (2) श्रीमती जया किशान कालेरा

(मन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वीवत सन्धीत के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तैर्वध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वमा को रावपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति ने हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धनुसूची

फ्लैट नं० 901, जो नौबी मंजिल, बिल्डिंग माग्नम टावसँ, ध्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, वर्सीबा, धंबेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37—ईई/14283/84-85 धीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, तहावक आयकर बायुक्त (मिरुक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं॰ श्रई-2/37-ईई/14077/84-85--यत:, मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित्त आजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

झौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 912, नौषीं मंजिल, माग्नम टावसं, 4 बंगलीय, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से विणित्त हैं), और जिल्लका करारनामा झायकर झिंधनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पृथिकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृविकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिका (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बाक्त, छक्त जीधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक धे दायित्व में कमी करने वा उत्तसे अधने में सुविधा के खिएह; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मिं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमेंसेस (प) लिमिटेड । (प्रग्तरक)
- (2) कुमारी पुष्पा रती ।

(भन्तिरती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवादियां करता हो।

अवदा संपत्ति को वर्णन को संबंध में काहें भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीचा से 45 विम की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामीस से 30 विन की अनिध, को भी अविध कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए वा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहाँ।

जगुसुची

फ्लैट नं० 912, जो नौदीं मंजिल, माग्नम टाथर्स, प्लाट नं० 357, एन० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलीत, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

श्रनुसुवी जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/14077/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

rदनांक : 8-7-1985

ंक्र ∶

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर अय्युक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई--2/37-ईई/14464/84-85---यत:, मुझे, लक्ष्मण वास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्याप्तान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट न्० 402, मोन्टाना—सी, चार बंगला वर्सीका, श्रंधेरी पश्चिम में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीर जिसका कराएनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांवा 10 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिवा जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः दल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेससं लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राईविट लिमिटेड । (ছাল্ডংক)
- (2) श्री जगदीय एका० जमानी ।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना लारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सकत स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इयारा अधि हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त राखां और पर्वों का, जो उक्त जिथितिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो मोन्टाना-सी, चार बंगला, वर्सीवा, मंघेरी पश्चिम में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37 ईई/14464/ 84-85 भीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

चिनांक: 8--7--1985 -`--

मोहुर .

१९७५ वाहै . ट्री . एवं . एवं . ज्यान्य न्यान्य

भायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्धीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14448/84-85—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० परैंड नं० 707, मोन्डाना-ए, चार बंगला, वर्सीवा, श्रंबेरो पश्चिम में स्थित है (प्रीर इतसे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1984

ा पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यदेश ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्छ सभिनियम के अधीन कर दोने के बच्चरक खें शांतित्व में कभी करने वा उत्तरों वचने में सुविधा के लिए; आदि/का
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन वा कर वास्तिवाँ को, जिन्हाँ भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाभनार्थ अस्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारति विकास काना याद्विए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गि की उपधारा (1) के अधीन किस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—206 GI[85

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तर्क)
- (2) श्री भ्रनवर हुसेन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जबिंध, को भी जब्धि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनव्यक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित्त में किए जा तकोंगे।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 707, जो मोन्टाना-ए, चार बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी पश्चिम में स्थित है।

श्रनुसूकी जैसा कि क० सं० घई-2/37-ईई/14448/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985 .

प्ररूप भाइं, टी. एन, एस्तु ≅ल्लास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुचना

भारत संरक्षाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14290/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

बागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि उधावर सध्पति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर िजकी सं० फ्लैट नं० 101, गीतांजली, 7 बंगलीय, वसींवा विलेज, श्रंधेरी (प) वम्बई-400061 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनिथम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

भी पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रियमल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्कृष्ट प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मेलिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मुनारण से हुई किसी धाम की पासल, उक्त मीधीनयभ के सधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व के कमी करने या उत्तले अचने के स्विधा के लिए; बॉर/बा
- (था) एसे किसी जाय या किसी धन या अतय जाजिलको को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा खें सिष् %

मा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैं सर्स बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेकन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नीमल कुमार लूक्षा, श्रीमती लता लूका। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

फ्लैट नं 101, जो गीतांजली, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7 बंगलोस, वर्सोवा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/14290/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रका भार्यः, टी. प्रमृ प्रमृहननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

नारत् वरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, विनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14325/84-85:—-यतः, मुझे, सक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 107, पहलो मंजिल, बिल्डिंग मोंटाना, 4 बंगलोज, वर्सीया, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रा है, तारीख 9-11-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान वित्तकाल के किए अन्तार्ध की गई हैं और मुक्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत बाधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्योग्य से उक्त बंतरण कि लिए तम

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की गायतः, उपत कांधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कवी करने दा उत्तर्श वक्षणे है द्विभा के लिए; जॉर/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवं, अवतः अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भीं, भीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्मक्षितिक व्यक्तिकों, अर्थात् क्षान्तः

- (1) मैसर्स लेखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री उवेश बेहल, श्रीमती सविता बेहल। (भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु⁺।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की खनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बस्धि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (म) इस स्वना के राज्यक मं प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हित ब्युष् किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अधोहस्ताक्षरी कं पास नियत में किए जा सकेंगे।

धन् सूची

फ्लैंट नं० 107, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग मोंटाना-ए, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीज, वर्सीमा श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/14325/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लझ्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

योहर 🛭

प्ररूप बार्च .. थी . एम . एस .; ------

बायकर निभानयन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

लाइत बहुन्द्र

कार्यांतर, सहायक कायकर कार्यक्त (निद्रीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/13295/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 114-डी, श्रंजली, 7 बंगलीस, विलेज वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269कख के श्रधीन सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है, तारीख 9-11-894

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार बृष्य से कन के प्रस्मान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच धूंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उज्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से इन्द्रं किसी आप की वावत, उस्त अधिनियम के ल्थीन कर दोने के अन्यारक के वायित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; आर्-या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर जीभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियस, या भनकर जिभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

बतः कवं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के बन्सरणं के, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के लधीन, निम्निविधितं व्यक्तियों, संधीन :---

- (1) मेसर्स बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दिलीप जुनेजा, श्रीमती सुनीता जुनेजा। (अन्तरिती)

को यह सूचना चा<u>री करके पूर्वोक्त संपत्ति</u> के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द बन्दरित के अर्थन के बन्दरूप में कोई भी नक्षीप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संबध्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस चा सकोंगे

स्पव्यक्तिरण : -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 114-डी, जो ग्रंजली, प्लाट नं० 2, एस० नं० 21, 7 बंगलीज, वर्सीवा विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई 400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14295/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लझ्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **अम्बई**

तारीख: 8-7-1985

मोहुर 🖫

ा - प्राप्त कार्य कार्य

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्रय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षक)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14162/84-85—-प्रतः मुझे , लक्षमण दास.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग हार्मणी बी, 4 बंगलोम, वसॉवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर ज़िसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 3-11-84

को पूर्वोक्ष संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधाप्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए।

भर: अथ, अक्त विधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरस् कों में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री डेस्मण्ड रोड्रीगुस।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् भी

फ्लैंट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, हार्मणी-बी, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प) बम्बई-400058, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं० प्रई-2/37-ईई/14162/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

श्र**रूप् शार्ष**. टी. एस. एखा.------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) की अधीन स्थना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० मई-2/37-ईई/14198/84-85—मत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उकत अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ज क नभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह जिक्बास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 705, जी सातवीं मंजिल, बिल्डिंग हार्मणी ए, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) सन्तरण में हुई किसी नान की नानस, कपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के वास्तरक की दायित्व में कमी करने या असने वचने में सुनिधा के सिए; औड़/न।
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ किसी काय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ किसी धन कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किसी भना था किसा बाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमेर्संस (प) लिमिटेड। (अन्तरक)
- (.2) श्री लाल गुर्दसमाल सजनानी ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी बन्य स्थिति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बहु वर्षों का, वह अक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही कर्थ इरोगर वो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 705, जो सातवीं मंजिल, बिर्लिंडग हार्मेणी, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-2/37-ईई/14198/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **दा**स सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **यम्बई**

बर्धः भवः, उन्तर विधिनयम की भारा 269-न के अनुसरण में, भी उन्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक: 8-7-1985

मोहर 🥹

प्रकृप बाह्र . टी. एन. एस.------

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यानय, सहायक आयकर नायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/149384ए०/84-85——अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्भ इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसका फ्लेट नं० 401, जीथी मंजिल, बिम्डिंग बी-4, ध्रपना घर यूनिट 6, जोऔपरेटिव ह ऊसिंग सोसायटी लि० ध्रोसीवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलोस के पास, प्रधेरी, (प) बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिमियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चवंच्य से उक्त अन्तरण निविद्य भें स्तरिक हम्म स्था कि उच्चवंच्य से उक्त अन्तरण निविद्य भें स्तरिक हम्म स्था निविद्य भें स्तरिक हम्म स्था की लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चवंच्य से उक्त अन्तरण निविद्य भें स्तरिक हम्म स्था की किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आव की वाचत, उत्तर अभिनियम के ग्राचीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कर्म। करने या उसस ग्रचन में भविभा के सिए; और/यः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीभनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाय स्तिय कार्य कार्यकार्य के सविभा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तिरायों, अर्थात :---

- (1) मैसर्स सामर्था डैवलपमेंट कार्पोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शिल्का श्रार० भ्टाचारजी, श्री रंजीत जी० भट्टाचारजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोर्ड भी बाधरेप ----

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आं भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-संस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिए का मकी में किए का मकी में

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'जा उसक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू की

फ्लैट नं० 401, जो घौथी मंजिल, बिल्डिंग बी-4, ग्रपना घर यूनिट 6 कोग्रापरेटिव हार्जींग सोसायटी लिमि-टेड, ग्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलोस के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि के सं श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{37}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{49380}$ $\frac{1}{84}$ $\frac{1}{84}$ $\frac{1}{83}$ $\frac{1}{84}$ $\frac{1}{84}$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकाण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंच्ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० म्नई-2/37-ईई/14557/84-85---म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित शाबार मन्द 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 506 है, जो, 5वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार न्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीत-कम निम्नीसिवत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई फिली बाब की शबस राजर मीधनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ध्रेसी किसी जाव या किसी धन मा अन्य आस्तिक्षों का जिन्हें भारतीय आय-कार अभिगयम, 1922 (1922 का 11) वाउक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिल्पाने अरें स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण , मौं, उक्त अधिनियम की धारा १६०-ए को उपधारा (1) कै अधीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, अधीत :---

. ಆರೋಗ್ಯ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಸಂಪರ್ಣಿಸುವ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಇವರ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಸಂಪರ್ಣಿಸಿ ಪ (1) मैसर्स लोखडवाला इस्टेट्स एण्ड डैवलपमेंट कपनी (प्राइवेंट) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विनिता सिन्हा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, षो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया है,

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, जो, 5वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लाट नं० 351, एस० नं० 41(अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/14557/ 84ब85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप बाइ . दी . एन , एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

भारत बर्कार

काबीलय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज - 2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14555/84-85----यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्यास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उण्जित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा ते विधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 602, जो 6वीं मंजिल, इमारत ररोसिडोन्सी-ए, प्लाट नं. 38, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगला, वसींवा, अन्थेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकस के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के कीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है कि

- 'क) अन्तरण से हुई फिल्मी अप्य की बाबत, उक्त अधि-नियम के बंधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कंधी करने या निससे अजने में स्विधा के जिए: बीर/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी भन या जन्य जास्तियों कारे, विन्हुं भारतीय नायकर विधिनवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निवित्तम, या भन-कर विधिनवृत्त, वा भन-कर विधिनवृत्त, 1957 (1957 का 27) के अनेक्नार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था वा किया वाना वाहिन् था, कियाने में सर्विभा के निक्

बतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अपरारण वी, मी, उस्त अधिरिधम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) भैंसर्भ लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि० । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कोहन कुंडोमल परवानी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वांना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

म्पव्यक्तिरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इर्ड, बही कर्ष होगा, को उस अध्याय में विवा गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 802, जो क्कीं मंजिल, **६मारत रेसिडेन्सी**→ ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि त्रां० संक श्राह्म-2/37-हिह/84-85 और जो सक्षम श्राधकारी, बस्बई क्वारा दिनांक 15-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज-2, बम्ब**ई**

नारीक: 8-7-1985

मोहर :

13 --- 206GI/85

प्ररूप आह², टी. एन. एस.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37-ईई/14453/84-85--यत : मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट तं० 702, सासवी मंजिल बिस्डिंग रिचमंड, 4 बंगलीस, वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधित्यम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उण्णित नाजार मूल्य से कम के **क्यानाम** प्रतिष्यत के लिए अन्तरित की गर्द है और मुम्हें यह **विकास** करने का कारण है

क यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ल्यमन प्रतिकल से, एसे क्ल्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिकत से विधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिकित उक्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कीवत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उक्तभे बचने मीं सृविधा के लिए; और/या
- (स्व) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दहारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अट- अत्र, उक्त अधिनियम की भाग 260-म को अनसरण में, मैं, उक्त किभिनियम की भाग 260-म की उपधारा (1) के स्भीन, निस्मिनियन व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) मैसर्म लोखंडवाला प्रिमैसेस (प)लिमिटेड (ब्रन्तरक)
- (2) श्रोमती सीना विजय गर्भ और श्रन्य । (श्रन्तरिती)

का यह जूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिख् कार्वनाष्ट्रिकां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्ज्यन के तंबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्व लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण :----द्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 702, जो सातकों मंजिल, बिल्डिंग रिचमंड, प्लाट नं० 13, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोम, वसीवा उंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है

ग्रनुयची जैसा कि २० सं ग्रई-2/37ईई/14453/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-11-1984 को राजस्टडें किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीष: 8-7-1985

. प्र**कृतः बार्ड**्, **टौ**्र पुनः, युनः, ननवन्त्रन्तन

नाभकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्यना

माइत बहुकार

कार्याज्य, तहायक वायकर वाजुक्त (निरीक्षण)

प्रार्थन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्धेण सं० श्रर्श्-2/37-ईई/14507/84-85--यत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बाबकर निभित्तवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों के यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थानर तंपति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से जिथिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव 202 ए, "हेनील", दूसरी मंजिल, 4 दंगलाम, ओणिवारा, वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई -400058 में स्थित है (ऑन इपसे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अिंधीनयम की धारा 269 कर्ष्ण के अधीन सिक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दम्यान प्रतिफल का मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दम्यान प्रतिफल का मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दम्यान प्रतिफल का मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दम्यान प्रतिफल का मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे वारारण के लिए तय पाया गया मूलिफल निम्हितिश्वत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण मंध्रुइ किसी आह की शावन, प्रक्ष जिल्लामिक के जणीन कर दोने के अन्तर्क के दामिल में कभी करने या उत्तरं स्थाने में सुविधा के लिए; जौड़/भा
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियां को जिन्हों भारतीय अयक्तार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया वया था या किया बाना वाहिए था, खिपाने में तृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) भौ अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) मैसर्स रविराज डेब्लपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी कृष्णा टी॰ छंगलानी श्री सरवार भ्रली।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना बारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्वविद्यां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनः के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृद्यांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यश्च में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधार संपत्ति में हितसद्ध किसी जन्म स्थाबत द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उन्त विभिन्तिस, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अन्स्ची

पलट २० 202 ए, जो "डेन्सील" दूसरी मंजिल, प्लाट २० 31, एस० २० 41 (पार्ट), ४ बंगलोस, ओणिवारा वर्सीवा, अंधेरो (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ३० सं० श्रई-2/37-ईई/14507/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकृष कार्डाः टी. एत. एस न्यापान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक अयकर आवृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देण सं० म्रई-2/37ईई/14327/84-85--मृत: मृहे, लक्षमण दास,

शायक न अभिनियम, 1961 ,.961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 405, चौथी मंजिल, बिल्डिंग ए-19 अपना घर धूमिट न० 5 को-आपरेटिव हार्जामग सोसायटी लिमिटेड, ओणिवारा, थो स्वामी सामर्था नगर, आफ जे० पी० रोड, 4 दंगलोर के पाम, अंदेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (और इसमे उपाबद अतु-सूची में और पूर्ण रूप में बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 269 कर के श्रिधीन सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 9-11-1984

को पृवांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य सं कम को दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित जाजार अस्य, जसके दश्यमान प्रतिफाल से, एभे तश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उज्जत अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; कड़ि/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सविधा को लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ब, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ब बधीन_{क नि}क्तनिचित् <u>कां</u>क्तवां, क्यांत् ट=ः (1) मैसर्स सामर्था डेवलपमेंट कार्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज बेड़ी, गुरुदर्भन कौर क्यूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष्टना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविध या तत्सम्मन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की भविध, को भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के याम निकास में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरण: — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का. ओ उसत जिथिनियम, के जन्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा

नन्स्ची

फ्लैट तं० 405, जो चौथी मंजिल, विडिंग नं० ए-19 ग्रपना ६२ थूनिट नं० 5 कों-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ओशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्राफ जे० पी० रोड, बंगलोस के पास, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कै० सं० अई-2/37ईई/14327/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्भ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 8−7-19**8**5

मोहर 🕹

Alternation of the second seco

प्ररूप लाइ. टी. एन. एस. - - -

ज्ञानका विचित्रका, 1961 (1961 का 43) की चाहा भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारव दरकार

कार्यानय, बहायक नायकर भाग्यक (निर्देशक)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/14287/84-85---म्ननः भुने, लक्ष्मण दास.

कामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से विश्वक है

श्रीण जिसकी सं पतिष्ट नं 467, चौर्या मंदिहा, विविध्य की -12 श्रपना घर यूनिट नं 11 की-ग्राप्टिट व हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, श्रोधिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगण श्राफ जे पी रोड़, 4 बंगलीप के पास, श्रंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रमु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 कुख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में र्याक्टरा है, तारीख़ 9/11/1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेशित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिन्सी शाय और शायत, उक्त बीधींनगम के बाधीन कर दोने के अनुकरक को स्वीयत्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के जिद; बौर/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे जिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपभाग (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स सामर्था डिवेल्पमेंट कार्पीरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकुन्य जयसिंह जगताप

(भन्ति।रर्ता)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वालेंग क्र---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स अयक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वय्टीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाविक हाँ, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मनस्ची

पलैट नं० 207, जो चौथा मंजिलों, बिल्डिंग नं० बी-12' अपना घर यूनिट नं० 11 की-मारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ओणियारा, श्री स्वामी सामर्था नगर आफ़ जे० पी० रोड़, 4 बंगलोस के पास, श्रंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37ईई/14287/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/11/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निर्ने/क्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकव नार्वं .टी . एत . एस-------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ई14457/84-85— मृतः मुक्ते, लक्ष्मण धास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है). की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, बिर्हिनं० ए-20 अपना घर यूनिट नं० 5, की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०, श्रीकिश्तारों, श्री स्नामी सामधी नगर, श्रीक्ष जे० पी० रोड़, 4 बंगलीन के पास, श्रीकेरी (प) बस्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रीयत्र श्रीकिस्यम की धारा 269 एख के श्रिक्ष सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजर्ट्री है, तारीख 12/11/1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृत्रोंकत पृत्रोंक्स कम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गुमा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्स अन्तरण किवित के बास्तिक रूप से किया नहीं किया ग्या है:——

- (क) जन्सरण से हुई जिल्ली आव की बावचा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्चरक को दासित्व को कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमं कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए:

बक्त: अब, उक्त विधिनयम की धारा 269-म के बन्तरण बी, भी, उक्त अधिवियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीश, निम्नुतिकित व्यक्तितायों, वक्ति:----

- (1) मैं सर्स सामर्था डिवेल्पमेंट वापीरियान (अन्तरक)
- (2) श्रो ग्रहण बर्क्शा श्रीमता वेद बक्शा

श्रन्त (रती

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के गर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तस्त्रम्थम्थी व्यक्तिकों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में दित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बह्री कर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पत्तैट नं० 401, जो चोता नोजल, विल्डिंग ए-20, भ्रपना घर यूनिट नं० 5, को-म्रारेटिच हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, भ्रोणिवारा, श्रां स्वामः सामर्था नगर, भ्राफ़ जे० पां० रोड़, 4 बंगलीय के पास, श्रंभेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसुना जैसा कि कि पं श्रई-2/37ईई/14457/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12/11/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्राजन रेंज-2, अम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप भार्दे.टी.एन्.एस_{..}------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६६-म (1) के क्रधीन सचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश मं० ग्रई-2/37ईई/14563/84-85—-प्रत: मुझे, लक्ष्मण बास.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धर्म धरके पश्यात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की शाख 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाकार मुख्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर नियकी सं० फ्लैट नं० 502, जो 5वी मंजिल, इसारत होसकोट, लाट नं० 336, एय० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला वसींला, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिपका एएएरनएमा आयक्षर श्रिधिनयम की धारा 269 एख के अधीन यक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 15/11/1984

को प्रक्रित संपंक्ति के उक्ति गाजार स्ना से कम के स्थानाय करते का कारण के लिए कंगी गत की गई है जोर सभे यह विश्वास करते का कारण है कि सभाएगों कर सम्मित्त का स्वीचित का स्वीचित का स्वीचित का प्रकृष्ट असके रहण्यान परित्रक है और अन्तरक (जन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तब पावा जवा शांत्रक, निम्नीसिवित स्वाविक्त के उन्तरित के विश्वास के सिर्दा कर्यरक विश्वास के विश्वास के क्रिक्त के कर्यरक क्रिक्त के क्रिक्त के

- (क) बन्तरण से ब्राह्म किसी जाम की बावल, तक्त समितिया के मेथिल प्राप्त डोले के लस्ताक की अध्यस्य का चाले माने व प्रसार्थ गान डो समिना की सिमा: करिंग्डा
- 'ख') एंसे किसी आय ए किसी भन या जन्म कास्तियाँ की, जिल्हाँ भएनतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकशर्भ संतिरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अत: प्रव. तक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) भैभमं लोखंडवाला प्रिमायसेम प्राइवेट लि०। (प्रन्तरक)
- (2) कुमारी श्रनुराधा एस० कुमार श्रांर श्रन्य (श्रन्तरिती)

करें सह सूचना बारी कारके पृत्रांक्स गर्म्यांस के अजन के लिए कार्यवाही सूक कारता हुई।

उच्या समासि के अर्जन के रोप्टेंग मा राज्यें भी जाकोप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी स्थित्तयों क्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी स्थिति ह्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में जिलान की ताली के की A5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधात्रमाक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकी।

स्वकाकारण: ----इसमां प्रयुक्त शक्दों और पदौ का, जो उकः विधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषिरा हैं नहीं क्षणे हारेग जा तथ अध्याय में दिया सका हैं।

अभूस्ची

फ्लेंट नं० 402, जो 5वी मंजिल, इमारत होमकोर्ट, लाट नं० 336, एम० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीका, श्रंधेरी (प) बस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14563/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15/11/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास एक्षम प्राधिणारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बम्बई

मारीख: 27-6-1985

प्रस्य बार्च .टॉ .एन .एड . --र-१४४ -

भाषकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-प् (1) के ब्धीन सूचना

HIST TENE

कार्यासय, सहायक जायकार जायकत (निरीक्त्ज) शर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 27 जून, 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/14301/84-85---- प्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर मिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें स्तके परजात् 'उक्त जिमिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

गीर जिसकी संव फ्लैट नंव 203, दूसर मंजिल, ए०—स्कंध, मिं शोल वसीवा, 7 बंगलीस रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई क्रिश से शोल वसीवा, 7 बंगलीस रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई क्रिश से शिल है (श्रांर इससे उपाबक्ष श्रामुच्छी में श्रांर पूण कृप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रधिनियम की धारा 269 कुछ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9/11/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फ्लूह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और वन्तर रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के निए तब पाचा क्या श्रीतफल निम्नीसिवत उद्वेष से अन्तर बन्तरक विचित्त में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया वना है है—

- (क) बनारण से हुई फिली बाय की बाबत उक्त बीधिनसम्ब के बधीन कर दोने के बनारक के बायरव में क्वी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, बीए/धा
- (क) श्रेसी किसी जाय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था. कियाने में स्थिभ के किए;

जतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-न के जन्सरण कें मैं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) क जधीन, निम्न्सिमित व्यक्तियों, अर्थात् ध— ---- = -- -- -- ==== (1) मरार्श चेक्षन डिवेस्पमेंट्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोत सैय्य**च** मोहम्मद इफ्तेखार श्रीमती न्रजहाँन एस० एम० **श्रवीद** (**श्र**न्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूक्तों नत सम्मतित के अर्थन के विवय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रम्य रम्पति से वर्षन से सम्बन्ध में सोर्ट ही बाखेर्यन

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी स्विध बाद में स्वाप्त होती हो, से जीवर पृत्रों कर स्वित्तरों में से किसी स्वीचर प्राथा;
- (ण) इस स्वता के राजयत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्बद्धि में हित्यकृष् किसी नन्त स्थानत ब्वाय मुभाहस्ताक्षरी के बाह् सिचित में किए वा सकेंगे।

ल्यक्किक्ष्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, यो स्वक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया यवा है।

नग्रही

पक्षैट नं० 203, जो दूतरा मिजल, ए-स्कंध, सी शेल; क्सींबा, 7 बंगलोस रोड़, ग्रंधेरा (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूर्व। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14301/ 9/11/1984 की एजिस्टर्ड दिया गया है।

> लक्ष्मण दास वज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (विर्रोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्**

तारीख ≒27--6--1985 -

महेरु 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० अई-2/37-ई०ई०/14499/84-85---अतः मुझे लक्षमण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5ए, पहली मंश्विल बिल्डिंग, ट्वीन, टावर्स, विलेज ओशिवारा, 4 बंगलोस आफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, अंधेरी, (प०), बम्बई-400058, में स्थित है (ग्रौर इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोगें के अन्तरक डे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. मै॰ इंदरजीस प्रोपर्टीज (प॰) लिमिटेड

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर० जी० चौधरी भीर संस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसुची

पलैट नं० 5-ए०, जो पहली मंजिल, बी० स्कंघ, ट्वीन टावसें, प्लाट नं० 8-ए० और 8-बी०, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, आफ जे० पी० रोड में वसींणा, अंधेरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ अई -2/37-ई॰ई॰/14499/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 8-7-1985

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने न्धीन सूचना

सारत चुड्डा

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

क्षर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई - 2/37-ई०ई०/14897/84··85—अस: मुझे, लक्षमण दास,

नायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इसमें इसके भश्वात् 'उक्त निभिन्निम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से सिधक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305 तीसरी मंजिल, बिल्डिंग बेल-मोन्ट, 4 बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्रयमान प्रतिफल से, एसे इष्ट्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित सें बाम्तिक रूप से कश्यत नहीं किया गया है ;---

- हैंक) निराय के हुई कियों नाथ की वावत, उक्त निर्धातम् के नधीन कर दोने के नंतरक की दासित्व में कभी करने या उसते क्यूने में क्विधा की निए; निर√या
- (व) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य बास्तियों की, चिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा वो निष्;

अतः अव, जवस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे वारीन» किस्मितिवत व्यक्तिवों, अर्थात् म --- 1. श्रीमती शीला सिंह भौर अन्य

(अन्तरक)

2. श्री मुकेश डी० परमार

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नम्स्यी

पर्नैट नं० 305, जो तीसरी मंशिल, बिल्डिंग बेलमोंट, प्लाट नं० 340,एस० नं० 41(पार्ट), 4 बंगलोस वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37-ई०ई०/14897/ 84-85 श्रौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायुक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बम्ब**ई**

तारीख: 8-7-1985

मोहुदु 🏻

प्रकृत बार्ड . टी : पुरु : एक् ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सुखना

ाउन चुडकाड

कार्याक्षय , सहायक गायक र भागुक्य (विराधिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई -2/37-ई०ई०/14510/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास

बायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'छक्त निधित्यम' कहा पया है), की नारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित नामार मूक्य 1,00000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 403 जौषी मंजिल "सिटिजन" 4 बंगलोस भो णवारा वर्सीवा अधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 12-11-1984

को पूर्वितस सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्तस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिफल का पन्तह प्रतिहल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ध) एंसी जिस्ती आय या किसी धर्म या अन्य वास्तिकी गर्ग जिस्ती भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, वा ध्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रकोजनार्थ अन्तिरिती धृषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमने कें स्विभा के सिम्ह्

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) ॐ अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ्र— 1. श्री रमेश के॰ छांग्रानी

(अन्तरक)

2. मै० आर० जे० एसोसिएट्स

(अन्तिरिती)

को यह सूचका वाड़ी करके पूजाँक्य संपरित के ज्वन के जिए कार्यनाहिकों कारता हों।

उन्त सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई औं वासोद्ध-

- (क) इद्ध सूचना के राज्यन में प्रकारन की तारीज के 45 दिन की जन्मि का तरकानमधी कामितकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, भी भी अक्षीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कह कामितकों में से किसी स्पृतित हुनारा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जम्म स्थानर इतारा जधोहस्ताक्षरी के शब्द निवाद में निज्य जा सकोंगे।

स्पष्धिकरण : — इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पवों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नपुष्ती

प्लैट नं० 403 जो चौथी मंजिल, "सिटीजन" प्लाट नं० 27 एन० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलीस भ्रोशियारा वर्सीया, अंधेरी (प०),वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कम सं० अई -2/37-ईई/14510/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 12-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ट

सारीख: 8-7-1985।

प्रस्य बाइ, टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकाञ्च

कार्यां जम, सहायक भायक द नायुक्त (भिर्यक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ अर्ह -2/37 ई॰ई॰/14508/84-85---अतः मुझे सक्षमण दास

आयकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से निधक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 205 "डेम्सील" वूसरी मंजिल,4 बंगलोस वर्सोनः श्रोशिवारा श्रंधेरी (प०) बम्बई-400058 में हिथत है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सजम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है सारीख 12-11-1984

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीतश्वत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि बिश् तम् गया है क्रियों

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुनिधा के लिए; आदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के निए;

अतः जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिम्न व्यक्तियों, अर्थात् र—

1. मैससं राम राज डेब्लपसं

(अन्तरक)

श्रीमती माया राम हिंगूरानी,
 श्री राम थाकुरदास हिंगूरानी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के अर्थन के जिय कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत शिक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है ।

नग्य औ

पलैट नं० 205 जो "डैन्सील" दूसरी मंजिल प्लाट मं० 31 एस० नं० 41(प.टं) 4 बंगलोस श्रोशियारा धर्सीया, अंबेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० आई -/37-ई०ई०/14508/ 84,-85 मोररो सक्षम प्राधिकारी के बर्गीई द्वारा विनांक 12-11-84 को रजिस्टडं किया ज या है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बाह् , टी. एन. एस.----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत चुरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायकर (निर्दिश्न)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अ:ई-2, 37-ई०ई०, 14468, 84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मृन्य 1 0, 0 रु. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 704 जो सातवीं मंजिल बिल्डिंग होमस्टड 4 बंगलोस वर्सीवा ग्रंधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनयम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है; तारीख 9-11-984

की प्रांयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम् वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तर्ण विश्वक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरच ते हुए किसी भाग की गावल, जनत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को वाबित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वश या वा किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विमा के लिए;

अधः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की अक्सरक त, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) की अधीत्र, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मै० लोखंड वाला प्रिमैसेस (प०) लिमिटेड

(अन्सरक)

2. श्री मैलेश छोटालाल टक्कर श्रीर अन्य

(अन्सरिती)

को वह सूचना बारी करके पूनोंक्त संपरित के अर्जन के जिल् कार्यनाहियां कारता हुते 🛭

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पार निकिस में किए का सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ष अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं , वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया प्या हैं।

धनुसूची

पलैट नं० 704 जो साततीं मंजिल बिह्डिंग होमस्टड प्लाट नं० 337 एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगजोस वर्सीवा अंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है

बनुसूची जैसा कि कम सं० आई -2,37-ई०ई०,14468,84-85 और जो सभम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वासं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंजर 2 बम्बई ।

तारीख: 8-7-1985

प्रकृत काइं.टी. प्रनृप्या,-----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० आई -2, 37-ईई, 14280, 84/85—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर शिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1605 जो 16वीं मंजिल, इमारस प्रिंमियम ट.वर्स फ्लेट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश) 4 बंगला, वर्सोत्र, ग्रंबेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुजूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयार अधिनयम की धारा 269 क, ख अवीन सक्षम श्रीधिकारी के क्योंलय वम्बई में राजस्टी है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकार के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह" कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्2िश्तिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त विधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक भी दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के सिए; बीर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवित्यम, ए धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाम धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुख्या के लिए।

जतः अवं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन₁ निज्निसिचित व्यक्तियों न वर्षा क्र-- मै० लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलोपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. मनोहरलाल सी० वसंदानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के क्षत्रंत के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की प्रकृषि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य स्थित द्वारा, स्रष्टोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा उकेंगे

श्यक्तोकरमा म्—इसर्ने प्रयुक्त मध्यो प्रीर पर्दो था, जा उपत प्रीध-नियम से जब्याय '0-क मे परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट न० 1605, जो 16वीं मंजिल इमारस प्रिमियम टावर्स, प्लाट मं० 351 एस० नं० 41 (श्रंश) 4 बंगला अर्थोचा, अंधेरी (प०),बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० र्स्० अई-237-ईई 14280/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास साक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन टेंग्य बस्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्याध्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ध्रई-2/37ईई/14043/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिस की सं० पलैट नं० 503 जो 5वी मंजिल, इमारत प्रीमियम टावर्स प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोत्रा, अंधेरी (प), वम्बई 58 में स्थित हैं (स्रोर इससे उपावत अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), स्रोर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की घारा 269 क ख के अत्रीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किली जाद की बाबत, उथव जिभीनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक के शिष्ट में कभी कार्ल वा उत्तरे विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवा मुद्दे , जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के सिए;

कतः कवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैंसर्स, लोखंडवाल इस्टेंट एण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायबेट) लि॰।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेरेफशन एस० भसीन श्रीर अन्य (अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्तुपरि

पलैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लाट नं० 351, एस नं० 41 अंग) 4 बंगला, वर्सीवा मंघेरी(प) बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि, कि सं० ई-2/37ईई/14043/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्डै

दिनोंक: 8 जुलाई 1985

प्रकल् बाह् ही पुन पुन पुन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) को अभीन सुमान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/14255 84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधिव वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अप्रीर जिसकी सं० रूम नं०। 12, पहली मंजिल, रोशनलाल अप्रवाल शार्पिंग आर्लेंड, अपना घर के पास, अंधेरी (प), अम्बई 400058 में स्थित हैं (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं,) और जिसका करारनामा अप्रकर अधिनियम की घारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 9-11-84 को प्रविकत सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे इंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्वेस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाग वा किसी धन या अन्य बास्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबल अधिनियम, या धन-कर बीधिनियम, या धन-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेतनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा का विकास बाना चिन्हों का, कियाने के सुनिया के लिए;

अतः श्राव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग न अनुसरण मं, मं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो आधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- (1) मैससं अप्र एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री रूपचन्द एस० राम चंदानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्थन के जिल् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विष्ठ-इद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोगे।

ल्लाडीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अवस क्रीभृतिवस के अध्याय 20-क के परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में चिका गया है।

सन्स्यी

रूम नं० 12, जो पहनी मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आर्केड, आफ जे० पी० रोड, एस० नं० 41 (पार्ट), अगरा घर के पास, अंग्रेरी (प), वर्सोबा, बम्बई-400058, में स्थित है।

अनुत्र्वी जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/14255/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **यम्बई**

दिनोक: 8 जुलाई 1985

मोहर 🖇

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० भई-2/37-ईई/14593/84-85--भतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 32/ई०, ग्राउण्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़, एक्सटेंबन, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जित्रका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रहं प्रतिश्वाह से अधिक लि और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों उक्क अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीर नियमितिस्त व्यक्तियों, अर्थात :—— 15—206GI/85 1. मेतर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट।

(म्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश सी० दवे, एच० यू० एफ० (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

यूनिट नं० 32 $\frac{1}{5}$ ०,जो ग्राउण्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़ एक्सटेंग्रान, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं॰ ध्रई-2/37-ईई/14593/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 16-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॅज-2, सम्बद्ध

तारीखा: 8-7-198**5**

माहर :

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भाडा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-2, बस्बई
बस्बई, विनांक 8 जुलाई 1985
निदेश सं० भई-2/37-ईई/14595/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी संव पलैट नंव 701, जो, 7वीं मंजिल इमारत ग्रीन फील्ड—एव प्लाट नंव 333 एसव नंव 41 (ग्रंश) 4 बंगला वसोंबा मंधेरी (पव) बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की भ्रारा 269 के, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16—11—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम श्रीतक्त के लिए जंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्योग से उन्त अन्तरण निवित में वास्तिकर क्य में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ते हुई किती जान की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियं को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बवारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के निए:

जल: अब्, उक्त आधानयम, का धारा 269-च के अनुसरण कों, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उन्धारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. मेसर्स लोखंडबाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि०। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रंजना प्रकाश।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्यव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701 जो 7वीं मंजिल इमारत ग्रीनफील्ड-ए० प्लाट नं० 333 एस० नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला वर्सीवा ग्रंग्ररी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37-ईई/14595/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, अम्बई
बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/14119/84-85--- मतः मुझे सक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 83 जो आठवीं मंजिल सारंगा टावर रोशनलाल श्रगरवाल काम्पलैक्स श्रीशिवरा श्रंधेरी (प०), वसींवा, श्रपना घर के पास बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का नम्दर शितखत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम कि विश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क्र) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक को वासिका मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; वरि√य।
- (पा) एसी किसी आव या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनाथ अनायती बुजारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक ब, म, उक्त अप्रिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिक्शं, अर्थात् :--- 6. मेसर्स एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रघुवंशी दिलीय कुमार तेजानमाल श्रीमती शांति तेजानमाल।

(मन्तरिती)

को यह स्थान धारी करके पूर्वोक्त संस्थित से वर्षन से सिब् कार्यवाहियों सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्रें भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंशारा;
- (क) इस कुषना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डि्त-बद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा वक्षंहुस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धनुसूची

पलैट नं० 83 जो माठवीं मंजिल सारंगा टावर रोशनलाल भगरवाल काम्पलैक्स भोशिकरा भंधेरी (प०) वर्सीवा एस० नं० 41 (पार्ट) मपना घर के पास वस्वर्ध-400 058 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37-ईई/14119/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टबं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज∽2, वस्मद्

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० प्रई-2/37-ईई/14130/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पर्नैट नं० 701-ए०, सातवीं मंजिल, बेन्सर, 4 बंगलोसु, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अंतरण लिखित वै वास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है दिन्न

- (क) बन्तरण तं हुइ किसी आयकी बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक क दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के निष्ठ; बॉर/मा
- (च) एंसी किसी नाम मा किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कराः जबा, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० रविराज कंस्ट्रक्शन्स।

(म्रन्तरक)

2. श्री गौतम राय चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्त्री

फ्लैट नं० 701-ए०, जो सातवीं मंजिल, बेन्सर, प्लाट नं० 9, 9ए०, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, श्रोशियरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है,

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/14130/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **ब**म्ब**ई**

तारीख: 4--7--1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

प्धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई/14149/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भास 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार सुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जितको सं० फ्लैट नं० 5, चौथी मंजिल श्री स्वामी सामथा प्रतन्ना क.त्रावरेटिव हाउसिंग स.सायटी लिभिडेड ग्राफ जें० पों० रोड ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप र्वागत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल .. निम्नलिसित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है 🖫

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तस्ते सचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ए³सी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕏 प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में स्विधा को लिए।

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 🕏 अधीन. निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधात:---

1. मेसर्स हरित्य कार्पीरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रफल्ल एन० भट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वों क्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाधिया शुरू करता हा।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से **45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित**ब**दध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ छोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची |

फ्लैट नं० 5 जो, चौथी मंजिल, बेसिन, प्लाट नं० 8, यूनिट नं 638, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना काश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भ्राफ जे० पी० रोड, भ्रंधेरी (प०), बम्बाई में स्थित है।

भ्रम्सूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई--2/37--ईई/14149/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलोक 3-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

सारीखै: 4-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन . एस. # - ---

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 4 जुलाई 1985 निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14129/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण धास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ित इसमें ध्सके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), कें. भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का. यह प्रिन्ट. करन का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित के प्रारे मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जित्तको सं० पत्रैट नं० 304, ए०-स्कंघ, तीसरी मंजिल, "मोज", मोशिवरा, 4 बंगलोज, वर्सीवा, मंग्रेरी (प०), मम्बई—400 058 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भोर पूर्ण रूप से विणत है), मोर जिसका करारनामा मान हर मिलियम, 1961 को घारा 269क, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की शावतः, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भ कमी करने या उससे अचने हैं सुविधा की तिक्; करिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया में सुनिया के जिए।

शतः अप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की बनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में बधीन, निम्नकिचित व्यक्तियों, अर्जुत् ह— 1. मेसर्स रविराज बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भगवान भार० भगवानी श्री ईश्वर भार० भगवानी, श्री रमेश भार० भगवानी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब बत बर्म्यात के बर्बन के संबंध में कोई भी बाह्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वार अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए या सकेंगे।

स्पथ्डीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, को उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धनुसुची

प्लैंट नं॰ 304, जो ए-संकंध, "ब्रीज", तीसरी मंजिल, प्लाट नं॰ 25, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा, 4 बंग-लोस, बर्सोंबा, ग्रंधेरी (प॰), बम्बई-400 058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कं सं भई-2/37-ईई/14129/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-7-1985

प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-2/37-ईई/15023/84-85--मतः मुझै, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जित्रको सं० पत्रैट नं० 403, चौथो मंजिल, "सिटिजेन", भोशिवरा, वसींवा, अबेरी (प०), 4 बंगलोस, बम्बई— 400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा भाय-कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 27—11—1994

की प्रवेशित सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है बौर मृत्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि यथाप्त्रों कत संपत्ति का उणित बाजार अस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाया गया वृतिकल, निम्नां जिच्छा उद्देश्य से उच्छ अन्तरण जिचित् में वास्तिक रूप से कांच्य अहीं किया व्या है कांच्य

- (क) अंतरण से हुव किसी जाय की वाजत, उक्त व्यथिनियम के अभीन कर देने के व्यवस्थ क शामित्व में कमी करने वा उक्क क्यने में वृतिका के किए; बाँग्र/स
- (क) एरेती किसी नाथ ना किसी थन ना केन्स मास्तियों को, चिन्हों भारतीय सामकर मीचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मीचीनयम, या धनकर मीचीनयम, या धनकर मीचीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्य अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया नया था वा किना चाना चाहिए था, किसाने में ब्रुटिया के सिए;

शतः शव, उत्तत निर्धाभयम की धारा 269-न के बनुसरन में, में, उत्तत निर्धानियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में वधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, स्थादि ★── 1. मेसर्स भार० जे० एसोतियेद्ता

(अन्तरक)

2. श्री ग्रतारवाला भव्वासी ग्रसगरभ्रली।

(भन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनेंगे।

स्पष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त किंचियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुपूची

पसीट नं० 403, जो, चौथो मंजिल, "सिटिजन", प्लाट नं० 27, एस० नं० 41 (पाटं), श्रोशिवरा, 4 बंगलो त, प्रसीवा, प्रधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क० स० प्रई-2/37-ईई/15023/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिशक 27-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-7~1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/14168/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमर्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० पर्नेट नं० 108, पहली मंजिल, हिमाचल शिंहिंडा, सर्वे नं० 208, हिस्सा नं० 3, सिटी सर्वे नं० 510-511, जुह लेन, श्रंधेरी (प०), श्रम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इनसे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984 कां पर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दक्तमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विद्यास अर्ग का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दक्तमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल निम्निलिक्त उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा विद्या के लिए,

and अबन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उपीर निम्नोलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री प्रवंतिका गीर्वनभाय पटेल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती उषा विश्वकृष्ट्रन नायर।

(ग्रन्तरक)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ससे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपत्ति में हिस्तवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 108, जो, पहली मंजिल, हिमाचल बिल्डिंग, जुरू लेन, श्रंघेरी (प०), बम्बई -400 058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/337-ईई/14168/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्स**

तारीख: 4-7-1985

प्रकृप कार्त् . ट्रॉ. एक एस .----

भावकर रूपिंगियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन संचनः

भारत सरकार

कार्यक्रयः, सहासक कायकार बासका (निरीक्षक)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई 2/37ईf/14046/84-85—-श्रतः मुझे, लक्षमण दास

अधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरो इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह दंवीत्य विश्वका उवित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं 504, पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग केन्मोर, 4 बंगलीस, वर्सोना, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 3-11-1984

का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उक्षित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विद्यास कारने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उप्ति बाजार कृष्य, सदके क्यमान प्रतिफल से, क्से क्यमान प्रतिफल का पन्द्रज प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिक्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम से हुई किसी काय की बाबत उक्त ब्राधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे अकने में मुक्तिया के िनए, श्रीर/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्विधा के लिए;

लतः का, उक्त अधिनियभ, की धारा 269-ए की अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री युसुफ हनीफ

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता कपूर, श्री रवी कपूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप द्र--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

पलैट नं० 504, जो पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग केन्मोर, प्लाट नं० 346, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भ्रई-/37ईई/14046/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- बम्बई

विनांकः: 4 जुलाई 1985

मोहर 🕾

प्रकृष बाहे , बी , दन . 👫 तु अन्यवस्थानस्थान

भारा 269-न्म (1) के मभीन सूचना माय्कर मभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2 बम्बई
बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14047/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

वामकर सिंभियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसके इसके पश्चास् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भौर जिस की सं० फ्लैट नं० 3, पांचवीं मंजिल, ए-स्कंध, मोटा महल, श्री स्वामी सामर्था प्रमन्ना को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 4 बंगलोस के पास, श्राफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्टी हैं, तारीख 3-11-1984

को वृत्रीकर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूकमान श्रीतजन के लिए जलारित को गई है और मूझे यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके क्रयमान श्रीतजन से, एसे क्रयमान श्रीतजन का बन्दर श्रीतकृत से विभक्त है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरित्ता) के बीच एसे जन्तरण के लिए क्रय बाबा गया श्रीतजन निम्नितित्ता उद्योग्य से उसल अन्तरण किवार में सरविषक इन से स्वीच्छ सूझी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वासद उक्त अधि-मिया से अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या जससे जवने में सुविधा के सिए; अधि-वा
- (क) पेती किसी बान वा किसी अन वा नम्य नास्त्यों को, विन्हीं नारतीय जायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या जनत मौधनियम या अन कर निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-मार्च मृष्टिरी इक्स्य प्रकट नहीं किया पना था वा किया जाना वाहिए था कियाने में स्विभा के किए;

बतः कथ, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वं⁸, में, अनत अधिनियम की धारा 269-च की उएलारा (1⁹ के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, बर्ल्स क्र—

- (1) मैसर्स डैना इस्टेटस (प्रो०) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेशमा भ्रार० दर्यानानी। (ग्रन्तरिती)

को बहु श्रृपाना पारी करके प्रेमित हम्मरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस ब्यान के समयन में प्रकाशन की दारीय ते 45 दिए की सबीध दा तत्त्वच्यन्थी न्यक्तियों पर त्यना की दाबील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीदर वृत्तेवस व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के राजमण में प्रकायन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ब व्यक्ति इंगाय अभोहस्ताक्षरी के यास सिविस में कियू वा सकों ने ।

स्वव्यक्तिप्रणः — इसमें प्रयुक्त सक्यों बीड़ वर्षों का, वो सकत स्विधिनयन में सध्याय 20-क में परिभावित ही, बड़ी वर्ष होना, यो उस अध्याय में विधा नक्षा ही है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो पांचवीं मंजिल, ए-स्कंध, मोटा महल, प्लॉट नं० 53, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना को-म्रापरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, 4 बंगलोस के पास, श्राफ जे० पी० रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ए सं॰ ग्रई-/237ईई/14047/84-85श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 4-7-1985

प्रकप बार्ड्, टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर नायुक्त (निहसिक्न)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14116/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिस की सं० रूम नं० 69, ए-स्कंध, 16वीं मंजिल, रोशनलाल भगरवाल गापिंग आर्केड, भोशिवारा, वर्सीवा श्रंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (बन्त्रका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथा ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्व, उक्त जीभनियम की धारा 269-च के जनुसूरच जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात डिल्ल (1) मैसर्स ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र जी० झावेरी, तपन एन० झावेरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनक् सम्मन्ति को अर्थुन को संबंध में कोई भी बाक्षेप्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्रणकारी के पास निवित में किए या सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रूम नं ० 69, ए-स्कंध, 1 6वीं मंजिल, जो रोशनलाल भगरवाल शापिंग आर्केड, श्रोणिवारा, श्रंधेरी (प), वर्सोवा, एस० नं ० 41 (पार्ट), श्रपना घर के पीछे, बम्बई-58 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37ईई/14116/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 4 जुलाई 1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/14121/84-85----- प्रतः मुझे, सक्षमण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० फ्लैट नं० 201, बिल्डिंग हर्षा, 7 बंगलोस वर्सोवा, बम्बई-400061, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3-11-1984

को प्रवेक्ति सम्पन्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए स्य पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वास्त उपन्त अधि-रियम को अधीत कार दोने के अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में स्विधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनूसरण में, मं, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स रेशम एंटरप्रैस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रजीत एम० कीरियत्त, श्रीमती मधा भ्रजीत कीरियत्त

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जर के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, वो जक्त समिन्यम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो बिल्डिंग हर्षा 2, प्लाट नं० 11, 12 13, 14 (पार्ट), 95 (ए) (पार्ट), 7 बंगलोस, वर्सोवा, बम्बई 400061 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14121/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 4 जुलाई 1985

प्रस्प नाद^र्टी, दुन्, पुत्त_{ः सन्वर}नन्तर

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्वाधयः, सहायक वाषकार जायुक्त (निरीक्ष्ण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, सेजल श्रपार्टमेंट्स, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (पिष्चम), अम्बई--400058 में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, यम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को प्वेंक्ति शम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, ऐसे दूरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकस निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त शन्तरण निवित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के तिए;

कतः अभ, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में. अभ्य अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती तारा महेन्द्र वैद्या ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगराज कन्माल मुखिम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हूं।

जनत सम्मति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सन्धि साम में समाप्त इती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विक्त द्वारा 'अथोहरूरराक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ूपलैट नं० 205, जो मेजल श्रपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० एम०-1 और एम०-2, बीरा दसाई रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400048, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37–ईई/17985/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 4-7-1985

प्रकर बाह्यं हो . एन्. पुस्

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14155/84-85--ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 703, सातवीं मंजिल, स्टर्लिंग टावर, श्राफ जेय प्रकाण रोड, 4 बंगलोस के पास, बम्बई—400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वय्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण अदित्य प्रया प्या प्रतिफल निम्मलिसित उद्योक से उक्त अन्तरण लिस्ति में नास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सम्तरम् वे शुर्ण किसी जाय की वावतः, उपल वर्षिपृत्यम् को स्थीन कर वाने को नन्त्रहरू को स्थितिन् को कनी क्रप्रमें या उद्देशे न्यभ में स्विभा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी जाब वा किसी वय वा कर्य अस्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या धन-कर विभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा वै किए।

बार्य क्षेत्र, अवतः विधिनियतं की भारा 269-व वे बब्रुसार्थ कों, मीं, उक्त विधिनियतं की भारा 269-व की उपभारा (1) को ब्रुधीन, निम्नितिवित व्युक्तियों, अर्थस् ः—

- (1) मैंसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जेवियर डिस्जा, श्रीमती रीता डीस्जा।

(ग्रन्तरिती)

को यह ब्युना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निप् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप हु---

- (क) इब त्युना के एवएन में त्रकाशन की तारीय ते 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वापः;
- (व) इस स्वना के ख्वपन में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मृति में हितनक्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वयाकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों गाँड पूर्वों का, वा उक्त ग्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिया मुका है।

अनसूची

प्लैट नं० 703, जो सातवीं मंजिल, स्टलिंग टावर, प्लाट 36, श्राफ जे० यं० प्रकाश रोड, 4 बंगलोस के पास, बम्बई-400058, में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र\$-2/37-\$\$/14155/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🕆

प्रकथ बाही, टी. एन. एवं.-----

नामकः स्थिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिन क 4 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14150/84-85---ग्रत: मुझे लक्षमण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िल इतमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बत्ति, विसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रु. से निधक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट नं 6, चौथी मंजिल, बेसिल, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना को श्रापरेटिव हा ऊसिंग सोसायटी लिं , श्राफ जे पी रोड, अंधेरी (पिश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को प्रोंचन संपत्ति के उचित बाबाह मूस्य से कम के दश्याब प्रतिक्त के सिए अन्तरित ही गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सस्पति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिक्त से, एसे व्यवसान प्रतिक्त का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी कियी बाब वा किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यिभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियान में स्विभा के किया

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात :--

(1) मैसर्स हरिद्धि कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लता पी० भट ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां ३-रू करता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के क्वीन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की मनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की समि, वो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वान के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतद्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष क्षेत्रकी बन्य स्थावत क्षाय, सभोहस्ताक्षरी के पाक सिश्वित में किए वा सकेंगे!

ल्बच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त जिथिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 6, जो चौथी मंजिल, नेसिल, प्लॉट नं० 78, यूनिट 638, श्री स्वामी सापर्था प्रमन्ना को-ग्रापरेटिव हाउिंसग सोसाइटी लिमिटेड, ग्राफ जे० पी० रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं $2\sqrt{5}-2/37-5$ है/14150/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-7-1985

मोहर ⊱

प्रकल बाही, दी : १४ . व्या : हा - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्वना

सहित बहुकार

कार्यानव, बहायक कायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14794/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मूल्य 1.00,000/- क. से अभिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1603, 16 वीं मंजिल, भागनम टावर्स, 4 बंगलीस, वर्मोवा, अंधेरी पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्त्य, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1984 को को पूर्वोक्त संपर्रित के उचित बाबार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास अरने का कारण है कि प्याप्वोंक्त रांपित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से एसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्दह अतिकात से अभिक है और बन्तरित (बन्तरित) और बन्तरित (बन्तरितयाँ) के सीच एसे बन्तरण के लिए तम पासा मना

इतिफल, निम्नसिविच उद्देश्य से उन्त भन्तरण सिचित

में कारसिकक रूप में कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाब की वाशत, उपल अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; अद्वि/दा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भास 269-ए के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अभीन रू-

(1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेबलपमेंट कम्पनी लिए।

(म्रतरक)

(2) कुमारी कमला एम० सुखवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मिति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी नविध बाद में क्याप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तिवों में से किसी स्वक्ति दुवारा;
- (ज) इत भूषना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकों में।

ल्बच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त वश्यों कीर पद्यों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1603, 16वीं मंजिल, भाग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/14794/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप वाहाँ. टी. एन., एस्.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) श्रजी रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

नर्देश सं० श्रई- 2/37ईई/14704/84-85--- झतः मुखे लक्षमण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, ए—स्कंध, पहली मजिल, रोहित श्रपार्टमेंट्न, श्राफ जय प्रकास रोड, वसींवा, अंधेरी (पिक्सिम), बस्बई--58 में स्थित हैं (और इनसे उपाबद श्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करार-नामा श्रायार श्रधिनियम की शारा 269 क ख के श्रधींन सक्षम प्राधिकारों के लायलिय, धम्बई में रिजस्ट्री है, तारींख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्तित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखित व्यिष्ठतयों, अर्थात् :----17---206GI/85

- (1) मैंससं हीरासाल छिटितकुमार एण्ड कम्पनी (प्रात्तरक)
- (2) श्री कुमार ठाहीलराम इसराणी

(भ्रन्तरितीं)

(3) भन्तरका

बह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) ग्रन्तरक।

(मह व्यक्ति, जिन्नुके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितकड है।)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप म--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्जैट नं० 4 "ए", स्कंध, जो पहलीं मंजिल, रोहित ग्रपार्टमेंट्स, श्राफ जय प्रकाण रोड, धर्सोचा, अंधेरी (पश्चिम), धम्बई-58 में स्थित है। । प्लाट नं० 52।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 1984 को रिजस्ट के किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सजायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण) द्यर्जेम रेज--2, वस्बई

सारीख: 5-7-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. --------

शावकार ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, बहायक नायकर नायुक्त (निर्]कन)

भ्रजन रेंज-2, धम्मई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० **ग्रई-**-2/37**ग्रईई**/14693/84-85--ग्रतः मुसे, लक्ष्मण दास.

बायक र विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात 'उक्त की भीनयम' कहा क्या हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 506, पांचवी मंजिल, सिफोणी-ए, 4 बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरीं (पश्चिम), बम्बई-- 98 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारशामा प्रायकर अधिनियम की घारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय धम्बई में रजिस्ट्री हैं, सारीख 17-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफल सिए **अन्त**रित सी गड वह विश्वास करने का **क्षार्**क पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके बदयमान प्रति-फाल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ≝—

- (क) बन्तरण चं हुई किसी बाव की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में विधा के किए; और/बा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन या नन्य जास्तियों की, हिंवन्हें भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अभिनियम, या च्य-कर अभिनियम, या च्य-कर अभिनियम, 1957 हैं 1957 का 27) के प्रवासनार्थ करारिती इवारा प्रकट नहीं किया गर्वा वा वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के हैं कहा;

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण को, मी, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीत्

(1) श्रीमती लता जी प्रगीचा।

(भन्तरक)

(2) कुमारी चेरिल पराइरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबक्ष किसी कम्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विद्यक्ष, के क्ष्याय 20-क में प्रिभावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गवा ही।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 501, जो पोचवी मंजिल, सिफोणी-ए, प्लाप्ट नं० 344, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैंसा कि क० सं० प्राई-2/37—हीई/14693/84–85 और जों सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राय दिनांक 17–11-1954 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-7-1985

प्रकृप बाई . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, धुम्बद्दै

बम्बर्स, दिनांक 5 जुलारी 1985

निर्देश सं॰ प्राई-2/37मईई/14694/84-85--म्ब्रतः मुसे, सक्ष्मण चास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से अधिक है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

स्तः गृह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धंक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् स— (1) मेससँ लोखंडवाला इस्टेप्ट एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी लि०!

(मन्तरक)

(2) श्री लीक्षा किशनचन्द वास्वानी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त वाड्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1694, जो 16बी मंजिल, माग्नम टावसँ, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोस, वर्सीबा अधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37-ईई/14694/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 17-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🛭

प्रारूप बाई .टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूजमा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) इ/र्जन रेंज्→2, बस्कई

बम्बर्ध, धिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ग्नर्ध्ह/14723/84-85- - ग्रतः मुझे, तक्ष्मण दासः

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यात करने का काएल हैं कि स्थान्द संपरित, विस्का उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पत्नैट नंव एफ-201, समीर प्रपार्टमेंट्स, जेव पीव रोड, 7 बंगतीन, वसीना, अंधेरी (पश्चिम), वम्बई-58 में स्थित है और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विपत है), रित्रस्ट्रीकरण अधित्यम और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि। री के नार्यावय, वम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उपित याजार मुख्य से कम के करयमान इतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित बाजार ब्रुक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बल्द्रह् प्रतिकृत से विभव, है और अन्तरक (विश्वकों) और अंखिरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कस निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्स-विक कप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बर्ध में हुई सिकी साम की बानत, अकल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाजिस्स में कभी सहसे वा क्याचे समाने के स्वीपना के सिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिल्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया बाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिखा है किया;

क्ता श्व, क्यत विभिनियम की भाषा 269-व की, अनुवारण भी, भी, उनत विभिनियम की भाषा 269-व की उपभाग (1) भी अभीन निम्नसिधित व्यक्तियों अभीत है— कुमारी प्रिया टाण्डन,
 कुमारी मन्दिनी टाण्डन।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती नासवा बेगम ।

(मस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

शक्त सम्मित्त के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्तेषु :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा तकेंगे।

स्वच्छीकरणः -इसमें प्रयुक्त काव्यों और पद्यों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगेश को उस अध्याव में दिया गया है।

अनुस्ची

पर्लंट नं० एफ-201, जांसमीर श्रपार्टमेंट्स, जे० पी० रोड, 7 बंगलोस, बर्सोना, अंग्रेरी (पण्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14723/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दात सक्षम प्राधिकारी, **सहायक भायकर भा**युक्त (निरीक्षण), **धर्जन रें**ज⊶2, अस्व**र्ड**

तारीक 5-71-985 मोहर : प्ररूप आई.दी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

धर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 5 जुलाई, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1807, 18वीं मंजिल, मान्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वसींवा, भ्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्खित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है 3—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयळ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेंटस एण्ड डेवलपमेन्ट कम्पनी (पा०) लि०।

(मन्तरक)

(2) कॉ० इरशाद फरुखी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्की

फ्लैटनं 1807, जो 18वीं मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाटनं 357, एस० नं 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, मन्द्रेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-2/37-ईई/4718/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आभकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14717/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, दूसरी मंजिल, प्रीमियम टावर्स, 4 बंगलोस, वसींवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य में कभी करने वा उक्से वक्ते में बृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए— (1) मैंसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प) लि०

(भग्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार एम० गोधी

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं॰ 204, जो दूसरी मंजिल, प्रीमियम टावर्स, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), प्लाट नं॰ 351, 4 बंगलोस, वर्सोबा, धन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई 2/37 ई/14 717/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 की रजिस्टडे किया गया है।

> सक्षमण वास सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, यम्बर्ध

तारीच : 5-7-1985

मोहर.

प्रकल बाह् , टी., एत. एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांत्रय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिक) प्रजीन रेंज-2, यम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई 2/37ईई/14745/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्षमण दास

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, तीसरी मंजिल, एकाई-बी, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपापत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के क्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विस्तास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्क में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुई किसी नाम की मामत उक्त जिथ-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चीहिए था, कियाने में सुविधा खे शिक्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

(1) मैसर्स प्रीति धानन्द

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हुवेली राम चोपड़ा

(भ्रम्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आधरेंप :~~

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 किस की समृत्ति या दरसम्बन्धी स्पृतित्यों प्र सूचना की तानीस से 30 दिन की समृत्ति भी भी जनिष् नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तित स्पृत्ति स्पृतित्वी स्पृतित हनारा;
- (प) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिस्ति में किए जा सकाँगे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पता हैं।

वनस्यी

क्लैट नं० 302, जो तीसरी मेंजिल, एकाई-बी, प्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/14745/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बस्बई ।

सारीख: 5-7-1985

प्ररूप नार्द्, दी, एन, पुस्तु, वन्नवन्तराज्यका

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2. अस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० धर्६-2/37ईई/14664/84-85--- धतः मुझे, लक्षमण धास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गणा हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्षेकित सम्पत्ति का उचित पाजार प्रूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1706, 17वी मंजिल, मानम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृलय से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिल में बास्त्रिक क्या से किया वहीं किया पता है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्दायक में कमी अवसं शासक के मृश्यिक के बिद्द: बाँद/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य कास्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियसम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधीयमार्थ बन्दरिती व्यारा प्रकट तहीं किया नवा भा या निज्या धाना पाहिए था, खिमाने में स्विका को लिए;

अत: अंश, उक्त अधिनियम की भारा 269-न में अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकिय व्यक्तियों, अर्थीत :----

- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड हेवलपमेन्ट कम्पनी (प) लि॰ (धन्सरक)
- (2) श्रीमती मेरी कसी ड्राइवर (भ्रन्तरिती)

का मह सूचना जारी करको पूर्वोक्स संपर्शित के अर्थन के आवष्

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सार्टीं हैं 65 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की मामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकोंगे।

व्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त काम्यों और पदों का, को उपत अधिनिषम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पत्तैद नं 1706, जो 17वीं मंजिल, माग्नम टावसं, प्लाट नं 357, एस० नं 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, भन्वेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14664/-84-85 और जो समाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 16-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, सम्बर्

सारीख: 5-7-1985

मोहर 🤋

31.T22XX

प्ररूप आहं, टा. एन, एस,-----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देण सं० ग्रई-2/37-ईई/14775/84~85—श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-ए के तथीन सक्षण प्राधिकारों को यह विक्थाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित याजार मृख्य 1,00,000/- रु. से लिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1601, 16वीं मंजिल, मान्तम टावर्स 4 बंगलोस, वर्सीवा श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) ≉ श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की एई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके सम्पन्न प्रतिफल से, एस स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के स्वर्ण स्वर पायण चया पालफल, निम्निटिचिट उद्देशिय में स्वत बंतरण निश्चित में बास्तियक रूप से काथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं दूरि किसी नाम की नायक, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मां कमी करने या उससे वचने मां सुनिया के लिए; भाराया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हा. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्वा का या किया जीता काहिए का छियाने यें स्विधा के लिए,

भतः भव, जक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्म लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डिबलपमेंट कंपनी (प्रा०) लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी कविता टी० चौधरी भ्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह स्चना आरी करकं पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के निष्

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी । 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर पचना की तामील में 30 दिन की अर्थाण, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन के मीनर उत्तर स्थावन सम्पाल मा हत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकीये।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमुचा

फ्लैट नं० 1601, जो 16वी संजिल, मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, बसींबा ग्रंधेरी (प), बम्बर्ट-58 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ मं॰ श्रई-2/3-7ई\$/14775/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्राप्कृत (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, बस्बई।।

दिनांक: 5-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37 ईई/14789/84-85---श्रत: मुझे, लक्षमण दास,

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 704, सातवीं मंजिल, मग्नम टावर्स 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, नारीख 20-11-1984

को पूर्वेभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य, असके क्रयमान प्रतिफात से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकात, किनलिसित उद्दोष से उच्त जन्तरण विकास में बास्ता-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते धुर्द किली शाव की वावत, तक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व भा कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीडः/या
- (क) एरंगी किसी लाय ए। किसी भन थ। अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का १८) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया बंबा था या किया बाजा चालिए जा कियाने में स्विधा के लिए?

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्म एण्ड डिवलपमेंट कंपनी (प्रा०) लि०।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) मास्टर माधव कुमार एम० जैन । (भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काले भी शास्त्रेष :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विक की वर्षाय ना उत्स्वन्ति मा अविक में मिलत में पर स्थान की दासीस से 30 दिश की अविभि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर स्थानत में से किसी स्थानत ह्यादाः
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांध जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 704, सातवीं मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलीस, बर्सीवा, श्रंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/14789/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

सक्स मार्चे.टी.प्रन.प्रस.,------

आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37 ईई/14792/84-85—स्रतः मुझे,-बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1009, दसवी मंजिल, माग्नम टावस 4 बंगलोम, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में थौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गवा प्रतिफाल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण खिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ये लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग्र, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डैवलपमेंट कंपनी (प्रा०) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन विनेश पई।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास सिवित में किये जा सकने।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बंगीर पर्दी का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

फ्लैंट नं० 1009, दसवी मंजिल, जो माग्नम टाबर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41(पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/14792/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 20-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण वास सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 5-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यांत्रय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं॰ भ्रई-2/37ईई/14790/84-95—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सून्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं पर्लंट नं 703, सातवी मंजिल, नमानम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रधेरी (प), बम्बई-58 में म्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 20-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित से बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय भी वास्ता, उजः वृधिविदम के वृधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉर्/बा
- (वा) ऐसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर आधानियम, 1022 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त जीधनियम की धारा 269-ण कें, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अहे बचीन, निम्निनिसिन व्यक्तियों, अधित :----मोहर ह (1) मैंसर्स लोखंडवाला इस्टेट् स एण्ड इवलपमेंट कंपनी (प्रा०) लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला देवी एम० जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के कर्जन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों वे पास किसी आन्य के किसी आ सकेंगे।

स्वच्छोकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि वदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनुसूची

फ्लैंट नं० 703, जो सातवीं मंजिल, माग्नम टावर्स में प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोस, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कि न प्रह-2/37 ईई/14790/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज2, बम्बई

विनांक: 5-7-1985

प्राप्त्य काष्ट्र⁴. टी. एन. ५४. ----

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के क्योंन स्मार

भारत भरकार

कार्यासय, सहायक भाषकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14774/84-85---अतः मुझे, लक्षमण दास

नामकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित माजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1602, 16वी मंजिल, माग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इस सं उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका कर।रनामा आयकार अधिनियम 1961 की धारा 269 काख के अधीन, सक्षम प्रााधकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्टी है, दिनांक 19-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तथ पांचा गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरक्षे हुइ किसी नाय की नावस उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमी करने वा उससे वधने में सुविधा क सिए, अर्राया
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने प्रें स्विभा के सिष्;

णतः जन, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;----

- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस डवलपमेंट कंपनी (प्रा०) लि०।
 - (ग्रन्सरक)
- (2) श्री ठाकुर देवी चन्द चौधरी।

(अन्तरिती)

ब्दे बहु जुषका चाडी कर्फ पुनाँक्य सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

क्षा क्षान्तिक के वर्षन के ब्रम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , में भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोकर अधितायों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्द स्थावर बंबारा अभोहस्ताक्षरी के पात जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थायकिरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों गाँर पदा का, जा उन्कः अधिनियम, के जम्माय 20-क में पृरिभाषित हैं, बही वर्ण होगा जो उस स्थाय में विधा स्था हैं।

भ्रनुसूची

फ्लैंट नं 1602, जो 16वीं मंजिल मान्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एसा नं 41 (पार्ट) 4 बंगलोस, वर्सीवा ंधेरी (प) बम्बई-58 हु स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/14774/784-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 5-7-1985

त्रक्य वाहुँ हो, युन , युव .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) में नगीन सूचना

नारव सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर शाक्का (निरुक्तिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/84-85--अत. मुझेक्ष्मस, लक्ष्मनदास बायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित वाकार मृख्य 1,00,000/-रु. सं अधिक है श्रीर जिसकी संवप्लैट नंव 2 चौथी मंजिल, ए-स्कंध, भ्रोणिवारा 4 बंगलोज, अत्फ जै० पी० रोड, वर्सी ४ 🖂 (प) बम्बई-400058 में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबज अन्सूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है) घोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के क।र्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांकः 6-11-984 को पर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य स कम के राश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रहंप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-द्रिशी (अन्त्रितियें) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफ स्नीम्निसिस्त खबुदेश्य से उक्त, अन्तरण जिस्ति में

नास्तीनक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक क वाजित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूजिआ के लिए: जीर/या
- (क) एंसी किसी शाय या किसी धन या अन्य बाहितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या अवकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती क्षाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, स्वतं विविधियमं की वारा 269-ए के जनुसरणं मी, में अवतं मिशिनयमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) को जभीन, निम्नीनिक्तं व्यक्तिस्यों, अवतं :---

- (1) मैसर्स इंदरजीत प्रोपरटीज (प्रा०) लिमिटेड (अन्सरक)
- (2) श्रीमती हसीना हातिम मर्चेंट ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनहिमां सूक करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त बळां और प्रवां का, जो जनत बीधीनमम के बध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

मगराची

पलैंट नं० 2, जो घोषी मंजिल, ए-स्कंध टवीन टावर्स, प्लाट नं० 8ए, 8बी, एस० नं० 41(पार्ट), विलेज ग्रोशिनवारा, 4 बंगलोस, आफ जे० पी० रोड, वर्मीवाँ, ग्रंघेरी (प) बम्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37-ईई/14612/84-85 ग्रौर जो सभम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टर किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

नोहर :

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एवं :-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सष्टायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निवेश सं अई-2/37-ईई/14535/84-85--अन: मुझे , लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य },00,000 /∼ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 412, बौथी मंजिल, माम्नम टाबर्स 4 बंगलोस, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-1984

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापविकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यदा प्रतिफल, निम्निसिसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरजुत्ते हुद्दं किसी बाब की बाबत, उक्त विभिन्नियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा कं लिए, और/या
- (ब) एसं किसी जीव या 11 मी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के** प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

ल **त्रक** उस्त अधिनियम की धारा १६०-ग क कस्त्रकण र्मं लक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट एण्ड डिवलपमेंट कम्पनी प(प्रा०) लि०।

(ग्रन्सरक)

(2) कमल किशोर मारिया

(भ्रन्तरिती)

को यह समना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी **बबधि बाव में** समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरो।

स्थ्यदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 412, जो चौथी मंजिल मान्तम टावर्स, प्लाट नं० 357, एम० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोस वर्सीवा, अंधेरी (प), अस्बई-54 में स्थित है।

अंतुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-37-ईई/14535/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिक(री, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 का एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अ:य्वन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दनांक: 5-7-1985

मोहर 📜

प्ररूपे. बाह्री, टी. एन्. एस. -----

आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (१) के बधीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यालय . महायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश मं० ग्रई-2/37-ईई/14752/84-85—-अत: मुझे, लक्षमण दास

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्याह (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि रक्षण सम्मित जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी मंश्रानेट नंश्र 101, पहली मंजिल, बी-स्कंध, वर्णल सी सींवा 7 वंगलीन रोड अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसले उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम की धारा 266 क ख के श्रधीन सक्षमं प्राधिकारी के कार्यालय सम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 24-11-1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिचत से विध्वा है बीर वस्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्वेष्य से उक्त जंतरण सिवित म् नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंशरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त जीशिंगियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के राजिल्ल में काली कारमें यह उसमें बाबने मी सुविधा के निष्; बौद्र/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भग ए जन्य झास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना वाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए;

कतः क्षवः, उक्त किपिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण गः, गैः, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैमर्स चैतन डिवलपमेंटस

(अन्तरक)

(2) डा॰ मेहमूद हवा, श्रीमती कुल्सूम बान हवा म।स्टर अजर नजीब हवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रीक्त सम्परित को अर्थन के सिछ् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के तंत्रंभ में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकार पर हुचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, ओं मैं सूचिय नाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुक्त .
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्वध्यक्षेकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो सक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिश्रशिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं 101, जो पहली मंजिल बी-स्कंध, सी गैंल, वर्सीवा, 7 बंगलोस, रोड अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि ने अई-2/37-ईई/14752/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई।

दिनांक: 5-7-1985

प्रका आहे , टी. एन , एस. 🛪 - - ----

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० भई-2/37-ईई/14668/84-85--- मत: मुझे सक्षमण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पत्रैट नं० 909, नौवीं मंजिल, मान्नम टावसं 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 269 केख के श्रंथीन सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के **दश्यमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि ग्रथापवा वित संपतित का उचित बाजार मत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्वर से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं विश्वा गया है :----

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करमेगा तससे बचने में सविधा के लिए और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अम्बर्गितियम, विद्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया आना कार्जिय आना कार्जिय आ किया जी स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण पें, में उत्तर अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19--206GI/85

(1) मैसर्स लोखंडथाला इस्टेट्स एण्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्रा०) लि०

(म्रन्तरक)

(2) राजन एन० तिवारी

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पृतित् के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खंखीं , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नगरीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिंब के बंदि किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभावस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सर्वों ।

स्वक्रीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसुची

पलैट नं० 909, जो नौबीं मंजिल, मान्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, वर्सीव, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/14668/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 29 मई, 1985

मिदेश सं० पी. भ्रार. नं० 3741—स्तः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रू. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं एक पी कालुपुर में बोर्ड 2, सी एस नं 1857-एटै तथा जो 1857-बी/1857-सी ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 18) के ग्रिधीन, दिनाक 29-11-84

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बदेय से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया भया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उस्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम कौ धारा 269-म कौ उपधारा (1) के अधीक, निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थात् क्रि- (1) मैंसर्स महालक्ष्मी कार्पोरेशन भागीदार—मिश्रीमल दुर्गाप्रसाव शेठ 15, भगीरथ सोसायटी, नारन-पुरा, प्रहमदाबाद, श्री बाबूभाई शंभुप्रसाव पटेल, 1208/ए, 79 भागाभाई की पोल, जहाँगीरपुरा प्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स कमल लैण्ड कार्पोरेशन भागीवार — घन स्यामदास जे० भाटिया एण्ड कम्पनी "धनशीलरु" पंचशील सोसायटी के नजबीक उस्मानपुरा रेलवे कार्सिंग, ग्रहमदाबाद 13

(भन्तरिती)

को यह स्का जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मिलकत महमदाबाद में, फाल्पुर बोर्ड-2, सी॰ एस॰ नं॰ 1875 ए, 1875 बी, 1875 सी॰, रिजस्ट्रेशन नं॰ 17032/29-11-1984

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ष्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर काय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1, घहमधाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 29 मई, 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3742—आतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग्र 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार न्रूच 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रहमदाबाद में जमीन टी जिए एस 21, एफ जी जन 602 है तथा जो सब प्लाट नं 151 क्षेत्रफल 508 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपवाद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 2-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बागा चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के दिनए;

चतः वयः, उत्तत जिथिनियम कौ धारा 269-ग कै जनसरण में, में, उस्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्रीमती सुभद्रा बेन चन्द्रकांत पारीख गिरधर न गर, शाहीबाग, म्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोगीलाल जमनावास फंसारा 276, मानेक सोसायटी, भ्रागवाशी, भ्रह्मवाबाद-15

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकेंगे।

स्वध्यीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्धां और पर्यों का, जो उक्त विधीनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा, यो उस मध्यान में दिया पदा है:

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 508 वर्ग यार्ड म्नहमदाबाद में टी०पी० एस० 21, एफ० पी० नं० 602, सब व्लाट नं० 151, सर्वे न॰ 193, 175 मीर 177 पकी रजिस्ट्रेशन नं० 15733/ 2-11-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-1, शहमदाना व

दिनांक: 29-5-1985

मोइर 🛊

त्रक्य बार्च .टी. एन. एस. ------

कायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत बहुकार

कार्यस्य, सङ्ख्यक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3743 -- प्रतः मुत्रे, जी० के० पंडम बावकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत मधिनियम' कहा नमा हैं), की बारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० च० पी० श्रहमवाबाद में टी० पी० एस० -5, एफ० पी० नं० 143 है तथा जो सर्वे नं० 8/23 क्षेत्रफल 151 वर्ग यार्ड तीन मंजिला बिल्डिंग में स्थित हैं (भीर इससे उपाबाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमवाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत , उपस् अभिनियम के अभीन कत दोने के मृन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ति जिन्हों किपिनयम, वा धन-कार जीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने के सुन्धा के लिह;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक बै, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती परमात्मा देवी श्रमरचन्द जानकीदास श्रीमती सीवित्नीदेवी नारायनकुमार श्रमरचन्द गुजराल श्रह्मक्षत्रिय सोसायटी, चालडी श्रहमदा-बाद।

(ग्रन्सरक)

(2) भाग्योदय को ग्रापरेटि० बैंक लिमिटेड नया माधु-पुरा, श्रहमदाबाद।

(ध्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्रशंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

ब क्या संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की नविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति मों हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थावा किरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

अभूस्ची

पि एच० पी० ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 5, एफ० पी० नं० 193 सर्वे नं० 8/23 क्षेत्रफल 151 वर्ग यार्ड तीन मंजिला बिल्डिंग रिजस्ट्रेशन नं० 13341/नवम्बर, 1984।

जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 **ग्रहमसाबाद,**

विनोक: 1-6-1985

संहर 🕾

प्रस्य बार्च । ही , युग्न , युग्न , ०० - ----

भाषकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की बाझ 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 भ्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, विनांक 1, जून 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3744--- श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीरजिसको सं० इडीस्ट्रियन मिल्कीयत रखीपाल में श्रहमदाबाद है तथा जो टी० पी० एस० 10 एफ० पी० 83 बी जमीन क्षेत्रफल 1087.5 वर्ग मीटर शेड 462.7 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीविशी श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिमत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि बिक्त को बादिस को बादिक कप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कड़ने ना उक्को कचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था. कियाने से सविधा के स्थि;

बतः वव, उक्त विधितयम की धारा 269-ण के बन्धकण में, जै, उक्त विधितयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिचिस व्यक्तियों, वर्धात् ह—

- (1) प्रारिडयल ट्रेडीज कंपनी भागीदार—नगीनदात भुनीलाल भाह 7 मनीरय एपार्टमेंन्ट नवरीज रोल नजदीक माहीबाग ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) जीगर फाउण्ड्री भागीदार—श्री बिधिनचन्त्र नंद-लाल एण्ड कम्प्रती आशोध एपार्टमेंट श्रोल्ड धारदा मंदिर एलितक्रिज श्रहमदाबाद। (श्रन्तेरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वीकत संपत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद की समाप्त हाती हो, के भीतर पृक्षिक स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंने।

स्वक्रीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, जो सकर अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाषि। हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

इण्डोस्ट्रियल मील ध्रयत रखीपाल ध्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 10, एफ० पीं० नं० 83 बी, जमीन क्षेत्रफल 1087.5 वर्ग मीटर एण्ड घोड़।

> षी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

विनोक: 16-198**5**

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1, महमदाबाद

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3745—ग्रतः सुन्ने, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनको सं० महुवा सीम, नगर पालिका लिमिट बाहर है तथा जो सर्वे नं० 388/2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि हारो के कार्यालय, महुश्रा जिला भावनगर में रिजस्ट्री-करण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत दिसांक 7-11-84

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रितिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रथमान प्रितिफल से एसे स्रयमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्निवक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्त निराम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः उत्र, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो खरफ केणवलाल मोहनलाल बरारपुरा, खरफवाडो, महुग्रा, जिला भावनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) कियन को ०-ग्राप० सो तायटी लिमिटेड प्रमुख श्री देवजीभाई केशवभाई फायडीया भाईरें.ड रोट, ग्रीन लोज के सामने महुवा, जिला भावनगर। को यह सूचना जारी वारके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

जमीन, महुन्ना में नगर पालिका सीमा के बाहर सर्वें मं 388/2 रिजस्ट्रेगन नं 2037/7-11-84

> जीं० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी साहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, भ्रहसदाबांद

दिनाक: 1-8-1985

प्रोहर :

प्रकृष बाहु . टी. एन . एवं . -----

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बारत स्रकार

कार्यास्य, प्रहायक नायकर नावृक्त (विड्रीकाण्)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ष्रहमराषाद, बिन क । जून 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3746---- श्रतः मुझे जी० के० डिया

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व के नधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारल है कि स्थानर सम्मति, विसका बिचत नावार नृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि.की से० भावनगर रुपायरी एण्डस्ट्रियल इस्टेट है तथा जो पत्र ट ए पृष्ठुड गोडाउन में स्थित है (और इस्ते उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-यत्ती श्रीध ंरी के नायीत्य, भाषनगर में रिजस्ट्री-एरण श्रीध-नितम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, विनोध नवस्वर 1984

को पर्वोक्त सम्मिर्स के उचित बाबार मुन्य सं कम के क्रममान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुकाँक्त संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रममान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीथ ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा नवा प्रतिकृत, निम्नसिथित उद्वेषय से स्था कृत्यरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है क्रम्मरण

- श्रिकों अन्तरण से हुन्दं किसी अस्य को बायक ध्रमक्ष वर्षभीनवस खैं वभीय कर दोने के अम्मरक खैं वायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविभा के सिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय बाय-कर जीभनिवास, 1922 (1922 का 11) या उचल अभिनिवास, का चन-कर अभिनिवास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण वं, वें सक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीय, विक्रितिज्ञत काजितयों, अर्थाव्यक क

- (1) श्री विजयकुमार रतीयाल महता और अन्य। धादर्ग डेरी, बाजार, गेष्ट स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 (ब्रस्तरह)
- (2) संघवीं इंडस्ट्रियल इस्टेट भागीदान्तवीतचन्द्र जगमोहनदाव और अन्य 946 माध्य भुषन, जैन बिल्डिंग के नजदी है, भाषनगर। (अन्तिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

इक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :----

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब बें 45 दिन की व्यक्तियां तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामीन से 30 दिन की श्रविध, वां भी वर्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अविकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य स्पत्ति द्वारा कथांहस्ताक्षरी के नास सिचित में किए वा सकीय।

स्मध्यीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

गोडाउन रूपायरी इण्डीन्ट्राव एन्डेट में प्लाट एफल् 20 भावतगर रजिस्ट्रेशन नं० 2371/लबन्बर, 1984 । 🖁

> जी० के० पंडया स्थाम प्राधिनारी सहायक प्रायाः प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजि-1, प्रहमदाबाद

दिनांक: 1-6-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज-1, ग्रहमवाधाद

ब्रहमधाबाद, दिनौंक 1 जून, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3747—म्ब्रतः **मुझ** , **जी०** के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ौर जिनकी सं० हष्ण नगर जैन मंदिर के नजदीं है तथा जो प्याद नं० 671 में स्थित है (और इपसे उपाबद अनु-मूत्री और पूर्ण कर से विणा है), राजिष्ट्रीकर्ती अधिकारीं के ार्यात्रा, भावनगर में राजिष्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1984

अने पर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पित का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्याया भवा रिक्टल तिक्ति कि कि विद्याया से विक्ति के पास्तिक के पास्तिक के कारति नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्ल अधिनियम के अधीन कोर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा खे लिए;

अशः अब जियम अधिनियम की धारा 269-ग के बन्त्रण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) रे बधीतः जियनजिसित धासितमें अधीत र—— (1) श्री कुन्दन बेन नवीतचन्द्र संघवी निरमणविन मनुमाई संघवी कृज गिरीराज की० श्रा० सीसायटी बासकेन्द्रर रोड, अभ्यई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरींश कुमार रमनींशलाल बोरा निलते कुमार रमनीहलाल वोरा प्लाट नं० 631/ए कुषण नगर, जैस मन्दिर के नजदीक, भाषनगर। (झन्त्रिती)

का यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्धभ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड तिविद्य में किए जा सकोंगे।

शब्दीकरण:----इतमें प्रवक्त गर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा वस हैं।

वन्स्ची

र्मीरकीयत प्लाट न० 631/ए हण्णनगर में रशिस्ट्रेशन नं० 5281/3-11-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सेहायक प्रायक्षर भ्रायुक्त (िरोक्षण) भर्ज रेंज-1, शहमयाबाद

दिनां हः 1-6-1985

मांहर :

प्रसम् कार्वः ती . पृष् , युद् , न्यान्य नवस्तातक

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

HISTO VENE

कार्यात्रय, सहायक बाय्कर बाय्क्त (निर्दोक्क)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1985

नायकर निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लाए है कि स्थावन संपत्ति, जिसका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संवर्चि भीव टीव भीव एसव नंव 3 पर एफाव भीव नंव 187 है तथा को श्रीमाली सोसाइटी बंगला नंव 64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणत है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-11-84

का पूर्वीवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यम्बार प्रतिफल में, एमें क्रियमान तिपाल पन्द्रह प्रतिशाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायल, अब त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के नित्तः, और/वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षिया के बिए;

भतः सक, उट त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण मो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ::----20—206 GII85 (1) श्री किणन गांति लाल गाह, दीफानी ग्रपार्टमेंट्स, को गार्डन के नजदीक, एलीस क्रिज, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किकोर सिंह जीतुमा जाडेजा, 10, श्रामन्द पार्क, ढोर बाजार पार्क, फांकरिया, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री चीतृभाई मूलचन्द शाह,
श्री नरेंद्र उत्तम लाल शाह,
श्री महेन्द्र उत्तम लाल शाह,
बंगला नं० 64, श्रीमाली सोसाइटी,
नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-9।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

स्त्रों बहु स्थाना सारी करके पृत्रों का सम्मीत्त से सर्थन से सिया नद प्रश्निक कुल करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हु से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अधिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दाय निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थारोकरणः --- इसम प्रयुक्त शब्दां और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एव० भी० भी० नं० 64, श्रीमाली सोसाक्ष्टी में नवरंग- पुरा, पुलिस म्हेशन के नजदीक, श्रहमदाबाद-4 रजिस्ह्रेशन नं० 16314/16-11-84।

जी० के० पंठाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

नारीख: 3-6-1985

मोहर 🥲

५डया.

प्र**कर बाह**ै. टी., एन्. एवं.,******

श्रायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्याभय, सहावक भायकर वाव्यत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1985 निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3749--म्रतः मुझे, जी० के०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जभीन क्षेत्रपत्न 400 वर्ग गज टी० पी० आयोजन नगर, सब पत्नोर नं० 1-46 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजम्ड़ी-क्षर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्षत तस्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ना, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिश्तिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क स निम्नलिचित उद्यदेश्य से उक्त अंतरण लिकित में अस्तिविक क्य से कथित नहीं किया वशा है :~~

- (क) बन्बरण सं हुइं किसी नाम की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दंन के अंतरक के वाजित्व में कमी कड़ने या उसके बचने में सुनिया के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना, वाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बॉ., मॉ., उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भाद :---

(1) श्री डाला भाई चन्दूलाल पंचाल, एफ-1, मुकाति पलैट्स, अम्बावाड़ी, श्रहमदाबाद-15।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकुल गुनवन्त लाल पारीख, बी नं० 1, धिवल कोसाइटी विभाग-1, सेन्ट जेवियर्स स्कूल रोड़, मेम नगर, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चाड़ी करके पूर्वोक्द सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काही भी अन्त्रप

- (क) इस सूचमा के राज्यक में प्रकाशन की तारील हो 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ज्विभ, को भी वदि वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्:
- (ख) इस स्थान के राजपप में प्रकालन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितवब्ध के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

ल्क्डीकरने :----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त क्षिपित्वम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष मोगा को उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

नन्त्र्यो

जमीन क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड टी० पी० एस० 26, एफ० पी० गं० 22-26, श्रायोजन नगर, सब प्लाट गं० 1-46 रिजस्ट्रेशन नं० 11841/नवम्बर, 1984।

जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज∸1, स्रहमदाबाद

नारीख : 3**-**6-1985

प्रोहर 🕹

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार कार्याक्षय, स**क्षत्रक आ**यकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1985 निवेश सं० पी० ग्राए०नं० 3750--ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं प्रवानं द्वानं द्वानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं प्रवानं का भारतं का प्रवानं का प्रवानं का प्रवानं का प्रवानं का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, पित्रका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० भ्रापित्म तीसरी मंजिल पर केंद्रपत्न 46.63 वर्ग मीटर है तथा जो नेजनल चेम्बर्स टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 187/2, श्राक्षम पोड, श्रह्मदाबाद में स्थित है (और इमसे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस के का न के स्ववान वितफ्त के सिए वंतरित की गढ़ है और मुक्ते यह निक्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार यान्य वसके द्रश्यमान प्रतिफाल सं. एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का बन्द्र वितक्त स विधिक है और वन्तरक (वंतरकों) और वंतरिती (वन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा वबा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक अप से कि शत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त समितिया के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे प्रचले में सृत्रिधा के लिए; बॉर/यः
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या था या किया जाना पाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के विष्यः

बत: बक, अक्त अभिनियम को धारा 269-ग के बनुकरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवान दुर्गाप्रसाद श्रग्नवाल लो गार्डन, श्रपार्टमेंट नं० 2, लो गार्डन, श्रलिस ब्रिज, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० एच० के० इन्टरप्राइजेस, फर्स्ट पलोर 'गुलाब, जी० पी० ओ० के सामने, पोर्ट बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा संकोंगे।

निया की अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

श्राफिस तीसरी मंजिल पर नेशनल चेम्बर्स ; श्राश्रम रोड, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 187/3, सब फ्लोर, नं० 7 26 ए क्षेद्रफल 46.67 वर्ग मीटर 504 वर्ग फीट रिजस्ट्रेशन नं० 28-11-84।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

तारीख : 3-6-1985

भोहर:

प्ररूप आई..टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० भी० स्नार० नं० 3751/अर्जन रेज-1/23-1/85-86 ---यत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रपण 422 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० नं० 21, एप.० पी० नं० 602 है तथा जो सब प्लाट नं० 79 मानेक बाग सोसाइटी श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षत्वम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, तारीख 23~11-84

को पृथेक्ति सम्गत्ति के उचित बाजार मूला से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री चब्दू लाल जगनाथ रावल, श्रीमती सविता बेन चन्दुलाल रावत, सरस्वती नगर, श्रम्बावाडी, श्रह्मदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मधुबेन जमनादास शाह, सिवता बेन जमनादास शाह, श्याम कुन्ज सोसाइटी, मानेक बाग होल के सामने, ग्रम्बाबाडी, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 422 वर्ग यार्ड टी० पी० एस० नं० 21, एफ० पी० नं० 602 सब प्लाट नं० 79, मानेक बाग सोसाइटी, रजिस्ट्रेशन नं० 16876/27-11-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~I, श्रहमदाबाद

तारीख : 4-6-1985

माहर :

इक्त बार्ड. टी. एर एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अधीन स्चना

शाउन बरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक व जून 1985

निर्देश मं० पी० अ।२० नं० 3752/---अर्जन रेंअ-I---23-I/ 85-86---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसभें स्कि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कि अधीन सक्षप्र प्राधिकारी की, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० एच० पी० डीपाल में तील ह नगर सीगाइटी है तथा जो जर्मान क्षेत्रफल 815.6 वर्गयार्ड + मकान 180 वर्गयार्ड, अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय, अहमदावाद में रिल्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 ए। 16) के अप्राप्त, तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे लंजरण के लिए तथ गया गया प्रतिक्त किस निम्नलिक उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ये हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के विभीत कर दोने के अन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी निष्; और/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के सिए;

जतः जब, उक्त विभित्तियम की धारा 269-म कै अनुसरक माँ, माँ उक्त विभिन्नियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पश्लैर, निम्मलिखिल व्यक्तियों, वधारित पुरू (1) श्रा हार प्रसाद एल० व्यास, श्रो भरत कुमार हरी प्रसाद व्यास, श्रो किरीट कुमार हरी प्रसाद व्यास, श्री प्रनिल कुमार हरी प्रसाद व्यास, श्री निरंजन हरी प्रसाद व्यास, बो० नं० 21, तोलकनगर सोसाइटी, पालकी, श्रहमदाबाद-7 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो नारक कुमार हरखचन्द ककारिया, 269, न्यू क्लाथ मार्किट, रायपुर दरवाजा बाहर, ग्रहमदाबाद⊶2 ।

(भ्रन्त्र(रती)

कारी शह सूचना चारी कारके प्रशिक्त संपरित के अर्थन क शिल्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतः पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्यिन मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

ल्लाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्स सी

मकान मिलक्षियत बंगला नं० 21 तोलक नगर सोसाइटी, पालडी, ब्रह्मदाबाद जर्मान क्षेत्रफल 815.60 वर्ग यार्ड + मकान 180 वर्ग यार्ड र्राजस्ट्रेशन नं० 5956/नवस्बर 1984 ।

> जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबा**ध**

तारीख : 4−6-1985

मोहर .

श्रमभा माहि औ ्त. एस.

प्राथकर जर्मात्रीतमः । १००० (१००० १००४) औ धारा १८६५-११ (१) वर्षे मधीन सुकता

ाष्ट्र म्युक्तकार

कार्योगयः, सङ्गाधकः ४कान्तर शतस्यसः (निरोक्षकः)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांठ 4 जून 1985

निर्देश सं०पी० ग्राम्० नं० 3753/प्रर्जन रेंज-I/23-I/85-86यतः भृक्षे, जंi० के० पंडया,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिन्हीं सं० एवं० पी०, टी० पी० एप० 20 पर एफ० पी० नं० 190 एप० पी० नं० 7 ए हैं तथा जो अभीन क्षेत्रफ़ल 718 5 वर्ग यार्ड + मज़ल 126+74 वर्ग यार्ड, श्रह्मदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इपसे एपावद्ध श्रनुसूचे में श्रौर पूर्ण रूप से वणिन हैं), जिस्ट्र ति अधिज्ञ के ज्ञायित्य, श्रह्मदाबाद से जिस्ट्र एएण श्रीतियम, 1908 (1908 र 16) के श्रधीन, तारीख 9-11-84

को पृथिकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए जन्तिरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशिकत अम्पत्ति का उपित बाजार एए। ११ के विश्व का प्रतिकार से अपित है कि यथापृशिकत अम्पत्ति का उपित बाजार एए। ११ के विश्व का प्रतिकार से अपित है और १९ कि (अत्यक्ते) और अतिरित्ती (शानारितियों) के यीज एस अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार निम्मिसिकिश उद्शव्य से अपत्त मन्तरण किनित में अस्तिक लए से कथित नहीं किया गया ही :--

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमी करने वा उससे बचने में बृत्तिका
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 को 11) था उनत विधिनियम, वा पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की उन्नोजनाय अन्यारणी व्यारा प्रकट नहीं (क्या वा वा विका आया वाहिए वा, कियाने के स्विभा के विका

अस. अअ, उक्त अभिनियम, की भारा 269-त वे जनसरज ओ, औ, त्रक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) हे जभीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रां अजनाबेन गोपालदास, राजहंस सीताइटः के नजवीक, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद--6!

(अन्तरक)

(2) श्री हुकमचन्द ग्यासीराम श्रीर श्रन्य, 88 न्यू क्लाथ मास्टि, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद---2।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारों कारक प्रतिबद्ध संपत्ति के वर्जन के निष् कायवादिया करता हु।

क्ष्मा सुव्यक्ति के अक्षत् के सम्बन्ध में कोई भी आधीष्ट-

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अर्थाय सत्संबंधी व्यक्तियों पर शृथना की तामीन से 30 दिन की नदिश को भी श्वर्षि वाल में स्वास्त होती हो, के जीतर पूर्वों का कावित्रमों में से किसी स्थानत दुवास;
- (क) इस स्वन के राजपत्र भा प्रकाशन की सारीत से 45 किन के भीतर जकत भ्यायर संपत्ति माँ हित्तबस्थ किसी बन्ध ध्यक्तित इतारा, त्रश्रीतस्ताक्षरी के पास निवित्त को किस का सकरेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसर्ग प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेगा चरे उस सम्पार में दिया क्या है।

अनुसूची

एच० पी० म्रहमदाबाद म टा० पी० एस० 20 एफ पी० नं० 190 सब प्लाट नं० 7ए जमीन क्षेत्रफ़ल 718.5 वर्ग यार्ड + मजान फ़स्ट प्लोर 126+74 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 15939/9-11-84।

तारीख: 4-6-1985

प्र**कल आद**े ती. एस. **एक.** ००००

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारा २६५-५ (1) के अभीन स्थन

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनां∵ 4 जून 1985

निदेश मं० पी० ग्राप्त्र नं० 3754---ग्रतः मुझो, जी० के० पंडया

अस्यक्त अधिकारण 1961 (१९०६ का 43) (जिसे इसमें रूमत पहरू कि का भीता का अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट डा. यागिज के रोड पर है तथा जो अजय अपार्टमेंट राजकोट में स्थान है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयती प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तोरीख 37 जी नवस्बर, 1984

का पृथाकित संपत्ति के लिखत पाकार मृत्य में क्षम में कंपमान प्रतिफाल के लिए पानिए कि एक गई लिए ताम अपने कि मुद्द प्रतिकाद से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय कारण हैं कि स्थापन संपर्धन, जिस्का जिल्ला भावार मृत्य पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निम्लिखत में तास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुद्दै किसी बाय की वाबत, उस्त अधिनियम के वधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में स्विधः के शिए: खरि/बा
 - व) ऐसी किसी आय ए किसी १००० ए प्राप्त करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिती द्वार वक्त नहीं किसा गण का या किसा जाना चाहिए था, किसाने भे मुनिशा के लिए.

अत: अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाम (्रो के अधीन निम्मीलिखित जीलियों, वर्णान:~-- (1) भै । भगवा भाष्ट एसतेसएट्स, डा० यामाजक रोड, अजय अपार्टमेंट, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मीरज कलर लेबोरेटर ज (प्रा०) लि०, भ्रजय भ्रपाटमेंट, डा० यागिचक रोड, राजकोट ।

(भ्रन्तिर्सि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण मा प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संपंधी न्यक्तियों पर स्वा की तारीन से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाव मा अमप्त होती हो, के थोतर पर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीज के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थिकत ब्वारा क्यांहस्ताकरी के पान सिवित में किए जा संकीं।

स्वाच्यीकरण: --- इसमे प्रवृत्तर कारूको अपूर पदो का, जो अवतः विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा प्रों उस सध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट डा० प्राणिक रोड पर प्रजय अपार्टमेंट राजकोट र्जिस्ट्रेशन नं० 5813/84 37-जी नवस्वर, 1984 ।

> जी० के० पंडया ंत्रस शश्चित्रस्री सहायक सायकर श्रापुक्त (निरःक्षण) स्रर्शन रेंज⊶I,श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 4-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जून 1985 निदेश सं० पो० श्रार० नं० 3755 —श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- में की मेरा प्रकार की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं रेस कोर्स कोर ग्रापरेटिय सोसाइटी है तथा जो फ्लैट नं 93 जो राजकीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकीट में राजस्ट्रीकरण ग्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) तार किसी शार या किसी भर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९) १८ १८) ए उन्न अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था न सिया शिसा सीविया के निए;

सतः नग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, नन्सरण मा, टी अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रांमतो सुधाबेन कं रंट भाई शाह, 603, जल्पना शांत(श्रुज वेस्ट, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र जयसुख लाल दोशी, फ्लैट नं० 93, रेम कोर्म को० ग्रापरेटिव सोसाइटी, नवमा मंजला, राजकोट ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधि-नियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लैट रेपकोर्स की० ग्रापरेटिव सोसाइटी फ्लैट नं० 93; राज कोट राजस्ट्रेशन नं० 6689/7-11-84।

> ि० के० पंडया सक्षम प्राधि शरी पहाय हे स्रायकार स्नायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्नहमदाबाद

तारीख: 4-6-1985

सोहर 🎚

प्रकार कार्ड , दी. इत. एवं. - - - - -

शायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक नामकर मामवत (निरक्षिक)

श्चर्जन ^{अं}ज-1, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुन 1985

निदेश सं० गि० म्रार०नं० 3756/23-1/85-86--म्रतः मझे, जी०के० पंडया

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके परचात् 'उनत अधिनिवन' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्च 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० थाप ग्राउन्ड पलीर पर डा० याशिक रोड, है तथा जो श्रज्य श्रपार्टमेंट राजकीट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1984

को पूर्वोक्त तमपति के उजित बाजार भूक्य हो कम को ज्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्तान करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूक्य उत्तके ख्यमान प्रतिफल हो, इसे ख्यमान प्रतिफल का पंजूह प्रतिज्ञात से अधिक ही और बंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्मलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक ख्या में किया गया ही ---

- (क) अन्तरण मं हुइं किसी बाय की बाबत, अक्स सीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उससे वचने में नृषिचा के लिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए भर, छिपाने में मृत्रिभर के निए।

शत: शव, अवत अभिनियम की भारा 269-न के बन्मरण वो, में उत्तत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारर (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :---21---206 GI/85 (1) मै० कामधार एण्ड एसोलिएट्स, अजय श्रपार्टमेंट्स, डा० याणिक रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) सीराज कलर लेबोरेटरी, (प्राइवेट) लिमिटेड, डा० याणिक रोड, राजकोट ।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चार्री फरके पृब्देक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिस् कार्यगाहियां करता हुए।

उत्तर सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षप ह----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्थावतमां वर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को और नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी स्थावत ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वीकरणः :----इसमें प्रमुक्त श्वम्कों और पथों का, वो उवस अधिनियम् को अध्याय 20-क में प्रिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विका वका है।

वर्त्य

शाप डा० याशिक रोड पर श्रज्य श्राटिमेंट रिजस्ट्रेशन नं० 5815/84 नवस्बर, 1984, 37 की, मिला ।

जं'० के० पंडया मझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∸1, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-6-1985

मोहरु ।

प्रकृष वार्ष ,टी पुत् , पुत् ,

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के वभीन सुमना

भारत ब्रह्माड

कार्यालय, महायह आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुन 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार्ग्णनं० 3757/23—1/85—86——श्रनः मुझे, जी०के० पंड्या

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थक परवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की वाद 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास कारने का अप्राप्त हैं कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उविष्ठ बाबार मृस्व 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जि की सं० मिलिकियत पलोट गं० 73-ए पर पंचवटी सोसाइटी है तथा जो कलावड रोड राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के दार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ (37 जी) नवम्बर, 1984

जो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्वयमान तिकल के निए अन्तरित की गर्ड है और मूझ यह विक्वास करने जरण है यह पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके त्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्निस्थित उद्वर्ष से उक्त अंतरण लिखित में स्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (व) अन्तर्थ ने हुइं किती नाम की बावत, अवस् शीधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाधित्य में कमी करने वा उससे अवने में मुविधा क त्यार: अरि/वा
- (छ) एंसे किसी जाम या किसी धन था अन्य आस्तियों कर, भिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए,

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्ययन्त्र में 'क्त अधिनियम की धारा 269-च की उपप्रंः ।) है श्रीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री क्षिनेश विद्वल दास गण्जर, मोटी टांकी (सुपाप रोड), 'श्राकीप', राजकीट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकार धीरज लाल राजगुरु, श्रीमती रेखा चन्द्रकांत राजगुरु, पंचवटी सोशाइटी फ्लोट नं० 73-ए, कलावड रोड, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारकं पूर्विक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन को तारील में 45 दिन की जनिश्व या तत्सेंबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिश्व, जो भी जनिश्व याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट खोड़ नमें मा १ (केसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्साक्षरी को पास सिचित में किए वा सकींगे।

स्वच्छीकरणः --- ६ समे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं.

वम्सूची

पंचवटी सोसाइटी प्लोटनं० 73-ए राजकोट रिजस्ट्रेयन नं० 5193, 37-जी, तबस्यर, 1984 में मिला।

> जी० के० पंचया सक्षम प्राधिकारी सह्यक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेड--, ग्रह्मगाहाद

ारीख . 4-6-1985 मोहर:

प्रस्त बार्ड . टी. एन एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्वर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 जुन 1985

निवेश सं० पी० श्रार्०नं० ३७ हुन श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

वाराकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं बोर्ड नं 6 सी े एस व नं 737 मालविया रोड है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीखं 23-11-

को धूर्यो स्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यात करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, असके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पंदाह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्निनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिष्क रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या

नतः नवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को नधीन, निम्तरिक्त व्यक्तियों, नक्ति ७——

- (1) श्रीमती सरला देवी वमन्त लाल मालविया, मालविया लदन, राष्ट्रीय ग्रालाके सामने राजकोट । (श्रन्तरक)
- (2) मैं सर्स रीयम बिल्डर्स, लीलम नेम्बर्स ढेबर रोड राजकोट । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्छ सम्पृत्ति, के वर्षन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाधीय ..---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनभि या तत्संशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थान के स्थपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उपत स्थानर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित के किस् वा स्केंगे।

भ्यक्ष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह", वहीं अर्थ होगा को उत्त अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

मिलिकयत बोर्ड नं० 6 सी० टी० सर्वे नं० 737 मालिवया रोड, राजकोट, राजिस्ट्रेशन नं० 7117/23-11-1984।

जी० के० पंड्या
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

यार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० पी० श्रार्०नं० 3759/23-1/85-86-श्रतः मुझे, जी०के० पंडया

आयकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,00C/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 7386 वर्ग मीटर गेरलपुर सीमा में सर्वे नं० 245/2/ए बी ब्लाक नं० 265, 267 है तथा जो अहमदाबाद है जिला तालुका दसकोर में स्थित है (और इससे उपावज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 5-11-84

को पूर्वांक्त संस्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण ही कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नालिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमो करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उस्त अधिनियस जी धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्हिलिखत अधिक्तयों, अर्थात् :--

- (1) श्री दामोदर दान जिया भाई प्रजापति गांव गैरत पुर सिटी तालुका । अहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) जग जननी गेरतपुर को० ग्रापरेटिव हाउभिग सोमाइटी लिंमिटेड गांव गेरतपुर जिला श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ध्यधि यद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनलची

जमीन क्षेत्रफल 7187 200 7386 वर्ग मीटर गांव गेरतपुर सिटी तालुका श्रहमदाबाद में सर्वे नं [245/2]ए 245/2बी ब्लाक नं 265-267 रिजस्ट्रेशन नं 15771/5-11-84।

जी० कें पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, प्रहमदाबाद

तारीख : 5-6-1985

प्रक्य बाह् .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, पहण्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ा, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांदा 5 जुन 1985

निर्देश सं ० पं:० ग्रार० नं० 3760 एक्यू०-23/1/85-86—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एच० पी० जमालपुरवाई 2 मी० एप० नं 3395-3396 क्षेत्रफल 62 वर्ग एज नागमी भूदरपोल मांडवीपोल है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उनाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण का के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्ष होती के कार्याक्य, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्र के स्थान, तार्र खनवम्बर, 1984

का पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरणमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्विक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूक्ष्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्छ्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्निचित अं वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 के। 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 के। 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सूजिधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिजित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री नरोत्तम दास केशव लाल नवाब, नागर्जा भूदर पोल, उभी खांची, मांडवीं ना पोल, श्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

(2) श्री जसवन्त लाल कांत्र लाल ग्राह, 608, कालूपुर टंक ग्राल पोल, कालूपुर, महमदाबाद ।

(भ्रन्तिरसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब इ 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिग्ग गया है।

गम्स्ची

मकान भिलक्षित जमालपुर में बार्ड 2, सी० एस० नं० 3395-3396 क्षेत्रफ़ल 46+16=62 वर्ग गण उभो खांचो, नागजी भूदर पोल मार्ड्या पोल ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 10962/नवम्बर, 1984।

जों० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 5--6-19**8**5

प्रकृष् वार्षं दो पुन । एव ु------

नावकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3761 एक्यू-23/I/85-86---अतः मुक्को, जी० के० पंडया

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उणित बाधार वृज्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एच० पी० टी० पी० एम० नं० 3 पर एफ० पी० नं० 346 जमीन 1105 वर्ग गज ि मकान है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री ति श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के श्रधीन, तण्रीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्ष्म के रहममान वितिक्त के निए बंतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्जोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तर को उपयान प्रतिफल का धन्तर को उपयान प्रतिफल को धन्तर के जिए ति सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिय तय पाया बंतिफल निम्नितिखत उद्योग्य से स्वतर अन्तरण निम्नितिखत उद्योग्य से सकत अन्तरण निम्नितिखत अद्योग्य से सकत अन्तरण निम्नितिखत में साराविक क्ष्य से फिया नया है:--

- (क) वं-तरण वं हुई किसी बाब की बाव्छ, उच्छ अभिनियम के नभीय कर दोने के अन्तरण के खीवरण वो कभी करने वा उद्युखे बचने के सुनिधा में दिख्य; बीट्टा/वा
- (च) एसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय नाय-कर निधनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, बा चनु-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चना था वा किया वाना चाहिए था, कियाने में अविधा के निध,

बतः बन, उक्त अभिनियम क्रौ भारा 269-ग से अनुसरण में, से, उक्त अभिनियम क्री भारा 269-म क्री उपधारा (1) से सभीत, निम्नसिवित स्यक्तियों, अभीत :---

(1) श्रा कीर्ति संत प्रानन्द लाल शाह, श्री तखन भाई ग्रानन्द लाल शाह, श्री भरत भाई ग्रानन्द लाल शाह, श्री विद्या गौरी ग्रानन्द लाल रणछोड़ लाल शाह चिमन लाल गिर्धर लग्न रोड, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) एिश्वमा इस्टेट श्रानंस एसोसिएसन संक्रेटरी — हर्षाद के० पार्यख केयर आफ़ : नमन बिल्डर्स, एफ़० एफ़० 105, चीनूभाई सेन्टर श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई बाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास शिक्ति में किए वा सकों थे ।

स्वक्तीकरण र- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

areas a

एच० टी० पो० एस० नं० 3 पर, एफ़० पी० नं० 346 जमीन क्षेत्रफल 1105 वर्ग यार्ड + मकान (बर्राष्ड) हिस्सा 5, रजिस्ट्रेशन नं० 16056, 16055, 16051, 16051 दिनांक 12-11-84 एफ़० मिलिक्यित चार दिस्तखत बिना पहुंचनी किए 1/4 शेय हर एक ा।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 5-6-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रह्मदाबद्द श्रहमदाबद, दिनोए 5 जन 1985

निर्देश स्०परे० आर० नं० 3762 एक्यू-32/1/85-86---म्रतः मुझे, जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिनको सं जिम्मोन क्षेत्रकत 9120 वर्ग भीटर है तथा जो गांव हाथी जिन भीम सर्जे नं 204 श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इसग उपाबद श्रद्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीति स्थित के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीक्रण श्रीधनियम, 37ईई के श्रवीत तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिकत उद्रवश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयः की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा है न्या;

अत: उब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मै, उबत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिएत व्यक्तियों, अथित :--- (1) श्रामतानिक रेखनदान वधनामाई
 चरोतर पटेल सोनायटा स्वामी नारायण मन्दिर मनानगर , अहमदावाद ।

(अन्तर ह)

(2) श्रीमती श्याम नगर को० ओप० हा० सीक्ष यदो, चेयरमेन, नंदिकशोर कन्हैयालाल सीटी मिलकी जाल रायपुर दरवाजा बाडर, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हौं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनसची

जमान क्षेत्रफ़ल 9120 वर्गमें दर गाँव हाथं जन सर्वे नं 204/2, पैका रिजिस्ट्रेशन नं 14926/नवस्वर 84

जे०के० पंगता क्षम बाधिकारी सहाय : प्राय : अध्युक्तः (क्रिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, प्रक्षमदाबाद

दिनाक : 5-6-1985

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस.----

आयकर राधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकार <mark>वायकत (निरक्षिण)</mark>

श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जन 1985

निदेश सं० पी० श्राप्त नं० 3763/श्रर्जन रेंज-I, 23-I 85-86--श्रतःम्झे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उद्याद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफ़ल 947.34 वर्गमिटर टीं पीं एम० 7 पर है तथा जो एफ० पीं वनं ० 78, सब प्लाट नं ० 1, श्रह्मदाब द में श्थित (है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण क्ष्म विषक्ष है) रिजर्व्ह वर्षा श्रीध्व री के र शिल्य श्रह्मदाबाद में जिस्ट्रीवरण श्रिधिवरम 1908 (1908 सा 16) के श्रिधान तारीख 17-11-1984 श्रीर 23-11-1984

भा पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार शूरूय, उसके दश्यमान प्रातिफल में, एंडे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ं बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत विस्तिलिख उद्द है उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तिक अध्य स कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अंश्वरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें क्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, । (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के निक;

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारत (1) के अधीन निम्नतिबाट कावित्तर्यों, सर्वात् ५---

- (1) श्रंः नरेन्द्र भगुभाई सीलंका, कलावर्तः, भगुभाई उगरचंद सीलंकी की पुत्री, मंजुलाजेन भगुभाई उगरचंद सीलंकी पुत्री, जणोदाकेन, भगुभाई उगरचंद सीलंकी की पुत्री, चंचलाबेन, भगुभाई उगरचंद सीलंकी की पुत्री, धी पत्ना की चाल, चमनपुरा, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) 1. प्रकाणभाई कुमार लल्लुभाई मजदीया,
 2. णांतीलाल देवजीभाई मजीदया ,
 13, प्रभापार्क मोलायटी गौमतीपुर, ग्रह्मदाबाद 21,
 3. केतन कुमार बालमुकंद दोणी,
 8-बी प्रभापार्क कालोनी,
 म्युजियम के सामने, पालडी ग्रहमदाबाद ।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां एक करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हं से 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

जभीन भ्रहमदाबाद में टी० पी० एस० नं० ७, एफ़० पी० नं० ७८, सब प्लाट नं० 1, क्षेत्रफ़ल 947.34 वर्गमीटर रोड़ पर शहर जभीन रजिस्ट्रेशन नं० 3309, 3313, 3308, 3303. दिनांक 17-11-1984 श्रार० नं० 3304/23-11-84 पांच दस्तखन वीन वडचेणी एएसे 1/5 गेर पर एक दस्तखन को।

> जीं के पंडया संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 5--6-1985

प्रकप बार्च . दी . एन . एस . ------

मायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रें:-- 1 अक्षमदाबाद

अहमदाबाद, दिन्हें 🖯 5 जून 1985

निर्देश सं यी०ग्र।र०नं० -/3764/23--6/84--४5---ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी अध्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- भारती अधिक है

और जिल्की संबद्धात नंब 38 रानयुरा डीटयुर सीम सर्वे नंब 24 है तथा जो 27 पीब अस 18 और 2 एक पीनं 29 ए फी 187 ग्रहमदाबाद में स्थित है

ए फा 187 महमदाबाद मा स्थत ह ऑल इससे) उपायद्ध म्रानुसूची में और पूर्ण रूप से पाणित हैं) रिजस्ट्रीकलां मिश्रारी के तायिक्य महमदाबाद में राजिट्रीकरण मश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) अधीन 13-11-84 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान मिल्य के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिकल से, एसे देश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिस्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिस्तित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कः) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मं, मं, रायत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 22—206GI/85

- (1) मैं । गिरी श चन्द्र भगवत प्रसाद एण्ड अदर्म, भागीदार : गिरी शभाई भगवत प्रसाद श्रीर अन्य पटेल मो ताइटी, शाहीबाद, अहमदाबाद-4। (अन्तर क)
- (2) श्री चम्पा लाल गोती राम श्री शंकर लाल गोपी राम ए-2, श्याम लाल अपार्टमेंट एल० डी० कालेज होस्टल के पीछे, तवरंगपुरा, अहमदावाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकारन की तारोख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्रुष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

शिष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

अनुसूची

भाप नं० 38, राजपुर-हीरपुर टी० पी० एस० 18 ग्रीर 2 एफ० पी० नं० 29 पैकी क्षेत्रफल 70 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेगन नं० 16736/23-11-1984 ।

जी के पंडबा सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-6-1985

मोहरः

प्ररूप जाहाँ ही एन एस --- ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० पी० आर०नं० 3765/23-I/85-86-अतः मक्षो, जी० के०पंड्या

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० शो रूम नं० जी 13, चीनुभाई सेन्टर है तथा जो आश्रम रोड अहमदाबाद में स्थित है (भ्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 37 ईई० तारीख 31-10-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण हैं िक यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल सं, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) तुलसी कुंज इस्टेट म्रोनर्स एसोसिएशन की म्रोर से मैसर्स हंसमुख शाह फर्स्ट फ्लोर चीनू भाई मेन्टर, आश्रम रोड, अहमदाबाद । (अन्तरक)
 - (2) ब्लेज एडवटाँइजभेन्ट प्रा० लिमिटेड शो रूम नं० जी-13 चीनू भाई सेन्टर, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

शो रूम नं० जी-13, चीनू भाई सेन्टर, आश्रम रोड, 37 ईई० दिनांक 31-10-84 को फाइल किया रजिस्ट्रेशन नं० 250/3-11-84।

जी० के० पंडका सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-6-1985

मोहर 🤚

प्रकार नाई • टी • एन • एस • -

रायवार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक जायकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1985

निवेश सं० पी० आर०नं० 37599—अतः मुर्झे, जी० के पंडया,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइश है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं० 801 8वां मंजला क्रिसेन्ट बिल्डिंग बीर्ड नं० 15 हैं तथा जो राजकोष्ट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिजित हैं) रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई० फाइल अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन तारीख 21–11–84 37 ईई० फाइल

नते भूगों करा समपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के सम्बाम प्रीतकल के लिए रिवस्ट्रीकृत विलोब के अनुसार अन्तर्कार का ना का गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उनकर बाजार मूल्य क्यां का का प्रतिकास प्रीतक का पत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकात, निम्नितिवात उद्देवरें से उन्तर अन्तरण जिल्हा के बादिक के बादिक के का स्थान का मिला मिला का मिला मिला मिला का मिला मिला मिला का मिल

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावबं, सक्त अधि-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कबी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; बीद/बा
- (व) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बेटा था या किया जाता चाहिए या, कियाने में ब्रिवेश के तिवय;

बतः थवं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं के वनुकरणं कें, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् (1) मैं० जे० एस० कारपोरेशन, 48 इन्द्रभारायण रोड शाताऋजं (वेस्ट) बम्बई-54 ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक अलीदास पंडानी 'ब्लू हेवन', लिंकिंग रोड बांद्रा बम्बई-400050।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीका से 45 बिन की बनीच ना तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकवथ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्णिकरण: --- इसमें प्रवृक्त सन्यों और पर्यों का, जो जन्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 801 आठवां मंजला ऋसेन्ट **बिल्डिंग बोर्ड** नं० 15 राजकोट ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख: 7-6-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नारत तर्कार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद ग्रहमदाबाद, 11 जून 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3767/2—म्प्रतः मुझे जी० के० पंड्या,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लोर नं० 939 है तथा जो कृष्ण नगर भाव नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व में झौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता झिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीम हार्रख 22-11-84

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अभित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए उन्-पाया चवा प्रतिफल, निम्निकिसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया भया है है—

- (क) मृत्यारण संहुइं किसी नाम की नामत सामत साध-नियम के मधीन कार वीते के बन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे नचने में सुविधा की सिये; सोक/मा
- ्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

क्तः क्य, उक्त विश्वविषय, की धारा 269-व व वयुबहुन्द्र में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

(1) श्री नानू भाई पोपट भाई कुल मुखितियार : श्रीमती कांता बह्य भगवान दास श्री गोविन्द भाई लल्लू भाई श्रीर अन्य गोपदेरी भाव नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार प्रभुदास श्री तरेन्द्र कुमार प्रभुदास श्री दिलीप कुमार प्रभुदास श्री गैलेश कुमार प्रभुदास फ्लैंट नं० 639 कृष्णा नगर देरी रोड भावनगर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अविध मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, धो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, थो उक्त विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, थो उस अध्याय में दिया गया हैं।

म्पूर्यी

मिलिकियत जो बार्ड नं० 5 फ्लेंट नं० 639 कृष्णा नगर देरी रोड़ भाव नगर में स्थित है। सब रिजस्ट्रार भावनगर में 3755 नम्बर पर दिनांक 22-11-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० पीं० ग्रार० नं० $3768/I \longrightarrow ग्रतः मझे, जीं० के० पंड्या$

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं िमलिक्यत प्लाट 1166 /ए/2 है तथा जो कृष्णा नगर, भाव नगर में स्थित है (और इससे उपाध्य प्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रींकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भाव नगर में रिजस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 कार्16) के प्रधीन, तारीख 12-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) श्री कालींदास तारा चन्द दाणीं श्रीमती कलावती वालींदास दाणीं श्री जितेन्द्र वालींदास दाणीं श्री प्रवेश कालींदास दाणीं, 1166/ए-1, सर पटणीं रोड, भाव नगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पोपट लाल भमजी भाई मांगकाम ग्राम हिगोमिया, ता० श्राणंद, जिला भावनगर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलिक्यत जो कृष्ण नगर भाननगर में स्थित है। जिसका प्लाट नं० 11660-1 है सब रिजस्ट्रार, भावनगर में 3656 नं० पर दिनांक 12-11-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया [सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज⊶1, श्रहमदाबाद

तारीख : 11--6--1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, हैन्डलूम हाउस ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3769/रि—श्रतः सुझै, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों सं० गोल्डन पार्क, आश्रम रोड है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीं श्रक्षद कुमार सावर मल कडींया, गोल्डन पार्क सोसाइटी, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्रीमती माया सरन एन० भवानी गोल्डन पार्क सोसाइटीं, ग्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्लैट जो गोल्डन पार्क सोसाइटी, श्राश्रम रोड, श्रहमधाबाद में स्थित हैं । 37 ईई० के फार्म यह कार्यालय में पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-6-1985

प्ररूप बाहाँ .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3770--- ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका उष्टिन बाजार मस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं जिमान लीमडी सीमा में सर्वे नं 364, क्षेत्रफल 6 एकड़ 31 गुंडा है तथा जो गुडा जिला सूरेन्द्र नगर में स्थित है (और इससे उपाधद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, लीमडी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के इष्यमान प्रतिफ स के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उपित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्नरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत,, उक्स **बीववियय के अधी**न कर दोने के अन्तरक के **दायित्य में कमी क**रने या उत्तते बचने में सुविधा के सिक्; बॉट्र/या
- (च) एसा किसी जाय या किसी भन जन्य जास्तियों की विन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ऑफीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमतीं गंगाबेन मोती भाई, स्व० श्री शकर भाई श्रमरशी भाई पटेल की वधवा.
 - श्री हरजी भाई शंकर भाई न्टेल और घरण, ग्रीन चौक, स्वामी नारायण भंडार के सामने, लीमडी जिला सूरेन्द्र नगर। (श्रन्तरक)
- (2) गुजरात ब्रिवरोज प्रा० लिमिटेड, केयर श्राफ कामा मोटर प्रा० लिमिटेड इस्तम कामा रोड, लाल दरवाजा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रःतिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिना नया ही।

बन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 6 एकड़ 31 गुंठा लीमडी सीमा में सर्वे नं० 264 है रिजिस्ट्रेशन नं० 1884/ ϵ 4/6--11-1984।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

तारीख : 13-6-1985 मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दनांक 13 जून 1985

निदेग सं० पी० श्रार० नं० 3771--श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसक, सं० जर्मन क्षेत्रफल 12749 नर्ग मीटर गांव वासना रवाया तालुका सानन्द सर्वे न० 247/1, 248/2, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूण रूप से विजत हैं), राजर्स्ट्रावर्ता श्राधकारं के वार्यालय, सानन्द में रिजस्ट्राकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-11-84

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (।) श्री जीव कुंबरबा चतुरभाई सूरसगजी की विधवा औरस । श्री दिवय जय सिंह कालुमा और श्रीण, गांव चासना रचाया, तालुका सानंद ।

(भ्रातन्क)

(2) श्री महाकाली माता स्पेस्फिक फीमिली ट्रस्ट, ट्रप्टी : श्री महेन्द्र कूंबर मूलजी भाई व्यास, 7, वसन्त विहार को०-प्रापरेटिव हाउकिंग मोसाइटी विभाग-2 सेन्ट्र कवियमें कालेज के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहयदाबाट ।

(ब्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 12749 वर्ग मीटर 15247:-8 वर्ग बार्ड सर्वे ० 24म/1, 247/2, गोध वर्गसनगण्याका, तालुका ानग्र रोगस्ट्रेगन नं० 75, 12-11-84 ।

> जी० के० पंडण भक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंजना, ग्रहमदाकार

तारीख : 13-6-1985

(श्रन्तरक)

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, श्रहमधाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जुन, 1985

तिदेश संघ्रपो० ग्रार० नं० 3772:—— श्रतमु जी० के पंडया.

प्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

अौर जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 12981.75 वर्ग मीटर 15526 वर्ग यार्ड है सथा जो सर्वे० नं० 247/1, 247/2 शाप वासना रचाया तालुका, सानन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्षित है), रिजस्ट्री-कर्ला श्रिकारों के कार्यालय, सानन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन, हारीख़ 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार स्म्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया होतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित मा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त ग्रीथिनियम के कंडीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने जेनिया खें विदः

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कि कि अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) कि कि क्षिति व्यक्तियों, अर्थात् :--23--206GI/85

- श्रीमती जी कुंबरबा बनुभाई सुरसग जी की विघवा पत्नी श्री० विजयसिंह फालुश्रा ग्रीर ग्रन्य गांव, वायना रचाया, तालुका सानन्द, जीला ग्रहमधाबाद।
- श्रीमरालक्ष्मी माला स्पेसीकाल फैमिली दृस्ट।
 दृस्टी मकतलाल सुलर्जा भाई स्थास
 60, जय भगवान को० श्रो० ए० सोसायटी.
 प्रिया टाकीज के पंछि,
 सैजपुर बोधा, ग्रहमदाबाद-382346।
 (श्रक्तिती)

को मह सुमना जारी कारके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए बार्यवाहिया कारता हाः

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पार सिकिस में किये जा सकेंगे।

स्वाकित्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वाहै।

अनसची

जमीन क्षत्रकल 12981.75 वर्ग मीटर—15526 वर्ग यार्ड पर्ने नं 247/1, 247/2, गांज वामना रचाया, तालुका, मानन्द, रजिस्ट्रेशन नं 756/12-11-84ूँ।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरोक्षग) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

तारीखाः 13-6-1985

अरूप नाइं.टी. एन. एस . ------

माधकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

नारतं बहुकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्तन रेज-1, श्रह्मदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3773/23-1/85-86—-श्रन: मुझे, जी०के० पंडया,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 12567 वर्ग मीटर सर्वे० नं० 247/1, 247/2 हैं तथा जो गांव, वासना, रमापा, तालुका मानन्द में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण क्या से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मानन्द में रिजस्ट्रीकरण ग्रायधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीज 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मून्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकां) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उम्त अंतरण निक्तित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/का
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनिवन, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के उपीय, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात :---- 1 श्रीमता जी० कुवरबा चीतुभाई सुरसंगजी पत्नो डी० पी० जयिसह कालुब्रा श्रीर श्रन्य गांव वासना रचाया, तालुका सानन्ध।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरिसीघमाता स्पेसी फी π फैमिली ट्रस्ट। ट्रस्टी—हरी प्रसेष मुलजी भाई व्यास 70/1087, फिन्म, नगर, सैजपुर बोघा श्रहमदाबाद -382346।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गम। हैं।

मन्त्र्ची

जमीन क्षेत्रफल 12567 वर्ग मीटर गांव वासना रचाया सर्वे० नं० 247/1 247/2, तालुका सानन्द, रिजस्ट्रेशन, नं० 757/12-11-1984।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहसदाबाद

तारीख: 13-6-1985

मोहरः

प्रकृष बाहाँ, ही, एवं, एवं, -----

नामधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भा<u>श्वर पहुन्तर</u> कार्यात्त्व, तहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3774:23-1/85-86--श्रत: मुझे, जी० के० पण्डया.

बानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-च के वर्षीन सक्षम प्रीधकारी क्ये, वह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन, गांव वामना, रचापा से तालुका सानन्द, सर्वे ० नं ० है तथा जो 247/1, 247/2 क्षेत्रफल 7501, वर्ग यार्ड 6272 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सानन्द में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूच्य से कम के इक्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गईं ही और मुक्ते मह न्विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके इक्यमान प्रतिफल सो, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उब्दोध्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ण) बन्तरण वे हुइं किसी बाथ की बावतः, उक्त अभिवियम के बाधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य वास्तिको को, विन्हें भारतीय बाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया बाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों अधारत हैं— शीमती जी कुंबरबा चतुआई मुरसंगजी पत्नी श्री डी० पी० जयोहि कालुशा श्रीर श्रन्थ गांव वासता रचाया, जालुहा सानन्द, जिला श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स होम स्पेयर एनेमले
भागीदार महेन्द्र कुमार मुलजी भाई ब्यास,
 त बसन्त बिहार को० ए० सोसायटी विभाग-2,
सेंट जेबीयर्म कालेज फोर्नट के नजदीक,
नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-9।

(भ्रन्तिरतीं)

कां यह सूबना आरी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी गाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील पं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं!

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं पर्भ होगा, जो उस अध्याय में विशा यहा हैं।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 6272 वर्ग मीटर 7501. वर्ग **यार्ड** गांव वासना रचाया, सर्वे० नं० 247/1, 247/2, तालुका सानंद श्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 754/12-11-84 ।

जी०के० पण्डया, सक्षम **प्राधि**कारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त **(निरीक्ष**ण) श्रर्जन रेंज--1,**श्रह**मदाबाद

नारीख: 13-6-1985

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज 1-23IV/85-86 भ्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० पी० श्रार नं० 3775:—— प्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीत क्षेत्रफल 107600 वर्ग मीटर, गांव नयापुर, है। तथा जो तालुका, नानन्द, ब्लाक नं० 143, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सानन्द में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिरित की गई है और मुक्के यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके पर्यमान प्रतिफल से, एसे इच्छमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आरितवां का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1902 (1922 की 11) या उना यिधिनियम, 1902 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 07) र पशक्रवार्थ अनियम, 1957 का किया गर्म भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा कै निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री भानुभाई एच० देशार, सरचेज, श्रहमदाबाद
 चन्द्रपदेन एम, यरीस प्रकाश कालोनी स्टेडियम रोड, नवरंगपुरा श्रहमदाबाद।
 बलवन्त भाई छगनभाई गांव वाधजी पुरा, सानन्द तालुका जिला-श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स चेरमैन श्रहमदाबाद डिस्ट्रिक फो० श्रो० फील्ड प्रोडक्टस यूनियन लिमिटेड, सरदार डेरी, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्ण।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पवां का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

मनसूची

जमीन गांव नवरंगपुरा ब्लाक नं० 143 क्षेत्रफल 107600 वर्ग मीटर तालुका सानन्द रिजस्ट्रेशन नं० 1342, 1343, 1344/20-11-1984।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-1984

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजप्-II, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० 217/नवम्बर, 1984/रेंज-II--अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर बौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 8576.87 वर्ग में टर 10292 वर्ग यार्ड है। तथा जो सर्वे० न० 115/1, जूनाग में स्थित है (और इससे उाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य दसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बाब व व वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड़ाँ किसी आय की बाबत उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अध्ययक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अन्तः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिक्ति। अथिकतयों, अर्थात् ह्र— श्री रतछोड़ भाई मामु भाई
मतसुख बाई रतछोड़ भाई
नटवर भाई रमछोड़ भाई
हेमन्त भाई रतछोड़ भाई
गांव जोपी पुरा, जिला जूनागढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पनशी भाई माया सोलंकी ग्रागेंनाइजर माजानन्द हेनामेंट को० श्रो० ए० मोसायटो नं० 2, फाशो पिन्धनाथ सोसायटो जुनागढ़।

(ग्रन्तरिती)

कां **वह सूच्या बादी करके प्याँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, धो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वागाः
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वास अभूगेहस्ताक्षरी के पाड लिखिस में किए या सकेंगे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और, पदीं का, जो उनस अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं कर्भ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 5576.87 वर्ग मोटर-10292 वर्ग यार्ड जूनागढ़ सर्वे० नं० 115/1 एन० ए० 'रजिस्ट्रेशन नं० 2485/17-11-1984।

जी: के० पण्डया सक्षम¦प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

प्रकल आहें. ्टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमादाबद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3777: प्रजैन रेंज 23-1/85-85 हैडलूम हाऊम—श्रत मुझे, पी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन जूनागढ़ से सर्वे० नं० 30 है। तथा जो 11 एकर 14 गुठा धारागढ़ बाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, जूनागढ़, में रजिस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-11-1984,

को पृथंकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाया चवा प्रतिकल निम्नसिवित स्टूडिंग से उक्त अन्तरण कि लिए तब पाया चवा प्रतिकल निम्नसिवित स्टूडिंग से उक्त अन्तरण कि लिए तब पाया चवा

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वच्ने में सुविधा के:बिए; बॉर/वा
- (व) एसी किसी बाव या किसी भन वा बन्त आहिस्तकों को, विन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धृवाय प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा औ सिद्धा;

बतः वन, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुबरण को, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—

 श्री पटेल देवरन भाई राम जी भाई वांगोला एनुमा गली, सुखनाथ चीक, जुनागढ़।

(श्रन्तरक)

 श्री काजी ए रहमान श्र खीब नवां पांचीपाड़ा, जूनागढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थीनतयों में से किसी व्यक्ति इंडाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकेंगे।

नवर्षी

जमीन जूनागढ़ में सर्वे० नं० 30 चैंकी 11 एकर 14. गुंठा धारागढ़ बाग रजिस्ट्रेशन नं० 2179/दिनांक 22-11-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर कायुक्त (किरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 13=6-1985

योड्ड 🗉

ner , en en er e e e e e e

प्ररूप आर्द्ध, टी. एन. एस. - - -यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के अभीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्जीकण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 जून, 1985

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3778 | 23-I | 85-86 | --- श्रतः सुझे, जीं० के० पंडया,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट टीं० पीं० एस० 3 पर एफ० पीं० नं० 722, हिस्सा-2 है तथा जो नं० बीं 5 फींफथ फ्लोर, क्षेत्रफल 155.90 वर्ग मीटर ब्रह्मदाबाद में स्थित है? (और इससे उनाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रींकर्त्ता श्रिधिकारीं के वार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्री-करण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ब्रिधीन, तारीख 19-11-84

को पूर्वों कर संपरित को उचित वाजार मूल्य से कम को दृष्यमान प्रिक्षक को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कराये का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मतित का उचित वाजार मूक्य, उचाके दृष्यमान प्रतिफास से एसे दृष्यमान प्रतिफास को पन्तर प्रतिकास के पन्तर प्रतिकास से मुभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कम्दरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकास, निश्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्निक स्प से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी वाय की बाबता, उक्त अधिनियन के जधीन कर दोने के अन्तरक क खिरूप में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिएह और्ट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा चैं किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों. अर्थातः :—— बिमला विन्घनाथ महे खुशबू कार्नेर पिन्थाम कालोनी, बड़ौदा-5।

(श्रन्तरकः)

 कुसुम महेन्द्र कुमार आर्य आनन्द्र भवन, पंचवटी एलीसभ्रीज, श्रह्मदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्र्रक करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्तेय :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आविस्था में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेग ।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याप मा विका नवा है।

ann d

पलैट नं० बीं-5, फींफथ फ्लोर श्रमीं ज्योत श्रपार्टमेंट, टी०पीं० एन 3 पर, एफ० पीं० नं० 722क्षेत्रफर 155.90 वर्ग मीटर श्रहमदाबाद रिकस्ट्रेणन नं० 16512/19-11-84

> जीं० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,श्रहमदाबाद

तारीख: 6-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

भ्रायां क्रियं क्रियं

निदेश सं० पीं० ध्रार० नं० $3779/23-1/85-86 \rightarrow 43779/23$: मुक्षे, जीं० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य !,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मशान मील्अत टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० नं० 207/1: 3 है तथा जो सब ब्लोट नं० 14 क्षेत्रफन 578 वर्ग मीटर ग्रह्मदाबाद में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिशारी दे लार्यालय ग्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल ते, एसे इत्यमान प्रतिफल ते पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) को वीच होते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त भाधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 190 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लिपाने में स्टिशा के लिए;

 कतः शब्, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनमरण में, भें, भव्य विधितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीर निम्मितियन त्यक्तियों, अर्थातः :--- श्रीं जीतेन्द्र भाई भारा काल भाई पटेल चैंतन्य नगर, स्टेडियम रोड, श्रहमदाबाद-14।

(ऋस्तरक)

2. इन्डीयन ओवरसीज बैंक, हैन्डलूम हाऊम के सामने, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद-- 9।

(भ्रन्तिंशतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विसायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इत सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में दिल्ला किसी अन्य व्यक्ति इतारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मील्कल, क्षेत्रफल 518.4 वर्ग मीटर टी० पी० एम 3, एफ० पी० नं० 207/1+3 सब प्लाट नं० 14, ब्रह्मदाबाद रिस्ट्रेशन, नं० 15913/7-11-1984।

जी० के**० पंडया** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुषत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहसमाबाद

तारीख 6-6-1985 मोहर : प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 3780/23-1/85-86— ग्रत मझे,: जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 277.4 वर्ग मीटर-260 वर्ग यार्ड, नेहरुपार्क है तथा जो सोसायटी में प्लाट नं० 24-ए जूनागढ़ में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित ई), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्षित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ७वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोनः, निम्निस्तिति व्यक्तियों, अर्थात् :---24---206GI/85 अी सपालीया धरमीणी भाई ग्रौर भ्रन्य जोशीपुरा, जिला जूनागढ़।

(ग्रन्तरक)

2. डा० देवराज भाई पी० चीरपालीया ए-27, नील गगन फ्लैट्स एमेन्यू, फ्लोर, नलाब दरवाजा, ज्नागढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारौस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगी

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, बही अर्थ क्रिंग जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

जमीन क्षेत्रफल 217.4 वर्गमीटर 260 वर्ग यार्ड ण्लोट नं० 24-ए० नेहरू पार्क्यंको० घो० सोसा**यटी** लिमिटेड बंथली रोड, एस० ए० वस स्टेशन के नजदीक, जूनागढ़ रजिस्ट्रेशन नं० 2397/7-11-1984।

> जीं० के० पण्डया, नक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर प्रत्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,श्रहमदाबाद

नारीख: 13**-**6-19**8**5

· 15

प्रकृष हार्चे. टी. एव. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायकः आयकार आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

सं० जी० भ्रार० नं० 3781—-ग्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (विको इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिवन' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 260 वर्ग यार्ड, जूनागढ़ है। तथा जो नेहरु पार्क सोसायटी सब प्लाट नं० 24 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख 7-11-1984

को प्रतिकृत सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिकृत के सिए अम्परित की गई है और मुक्ते वह जिस्तास करने का शारण है कि बभापूर्वोक्स सम्बन्धि का उद्देशत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत को प्रति है उत्तर्वात प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिभाव ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के विए स्वय पाया गया प्रतिवास निक्तिविद्या उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कार दोने के अंतरक के गरियन में कामी कारने या लगम बचने में मृजिया के लिए, और/या
- (क) एनि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-नेत्र अधिनित्रम, 1937 (1957 को 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किसा असी कार्यों के सिद्धा

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ः पर्योक, निम्नलि**णित कोवितायों, अर्थात्**ः— श्री भावनी प्रजीत कुमार श्रौर श्रन्य जुनागढ़।

(ग्रन्तरक्)

 श्री देवराज भाई पी० चिलकिषया ए-27, नीलगगन फ्लैटस, मेशन्ड फ्लोर तलाव दरवाजा, जनागढ।

(भन्तरिती)

के वह त्वनः प्रारी करकं पूर्वेक्त सम्पन्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहिया शुरू वास्ता हुए ।

प्रकत सर्वात्तर के अजन के प्रकार में की**ड भी साक्षेप :--**

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीत से 45 विकार भीता भाग भागा प्रकाश में हिल्लूप किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहमाक्ष्यों के अभ निस्ति में किए जा सकोगें।

नगतची

जमीन क्षेत्रफल 217.4 वर्ग मीटर 260 वर्ग यार्ड सब प्लाट नं० 24, नेहरू पार्क को० श्रां० हा० सोनायटी लिसिटेड बंधला रोड, एस० टी० बस० स्टेशन के नजदीक, जूनागर रजिस्ट्रेशन, नं० 2396/7-11-1984।

> जी० के० पण्डया ाक्षम प्राधि गरी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निशीक्षण) स्नर्जन रेंज-1, स्नहमदाबाद

नारीख : 13−6−1985

भोहर :

प्रकृत बार्ड . हो . एव . एवं . भन्यस्थनस

नामभार निर्माणन, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-प (1) के नपीन स्पना

मारत करकार

कार्यात्तव, सहायक जायकत जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रष्टमादाबस

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 ज्न. 1985

निदेश स० पी० श्रार०न० 3782:—श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कर्ने भार 269-व के मधीन इक्ष्म प्रतिभकारी करो, वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

द्यौर जिसकी संख्या ग्राफिस नं० 201 से 21 सैिकण्ड फ्लोर है। तथा जो ए ब्लाक राज महल रोड, बेराफल में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 37 ईई फाइल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6-11-1984

को पर्वोक्त संपत्ति को उक्ति बाजार मृत्य में कम के क्यमान प्रितिफल को लिए कर्लिए की गई है बाँर मुक्ते यह चिश्वास करने का लाग्य है कि सभापुर्वोक्त सम्मित्त का उक्ति बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल खे, होसे स्वयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (कल्तग्का) और बन्तरिही (अन्तरिक्षणों) के पीज एमें भन्तरण को लिए तम पाया स्वय प्रतिकल, निम्तिसिक्षणों के विश्व हों वीक्तिकल को बन्दि कर्तिकल, निम्तिसिक्षणों के विश्व हों क्षियों भन्तरण को लिए तम पाया स्वय प्रतिकल, निम्तिसिक्षणों के विश्व हों किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबतः, उच्च अधिणियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समिरच में कनी करने या उससे बचने में सुविधा अंक्षिप: बीर/मा
- (क) प्रमी िल्ली हार या किसी धन या कुला ग्रामिस्या करे, विक्ट भारतीय प्राय-वज अधिनियम, १९२० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अत्र अन्तर अधिनियम की धारा ११,9 व की अवस्थान में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात ७ मैंसर्स टोपन दास अदर्स राजमहल रोड, बेरापाल, जूनागढ़।

(अन्तरक)

 मैंसर्स गुजरात हैवी केमिकल्स लिमिटेड, सीकसथ फ्लोर, मिस्त्री चैम्बर्स, खानपुर, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके प्यानित संपरित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां ग्रुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की वारीख सं 4.5 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी जनिभ नाम ने समाप्त होती हो, को भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था अकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

ग्रनुसूची

आफिस सैकिण्ड फ्लोर पर नं० 201 से 210 ब्लाक 'ए' डेवलपमेंट स्कीम राजमहल रोड बेरापाल 36 **ईई** दिनांक 5-11-1984 को फाइल किया।

> जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

मोहरः ः

प्रकप बाहाँ. टी. एम. एस्.------

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्माबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3783:—श्रत मुझे, जी० के० पण्डया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित शाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या शाप नं० 21 लोग्नर प्लाजी प्रयोजना बिल्डिंग, है तथा जो जीनुभाई टाबर ग्राश्रम रोड, क्षेत्रफल 171 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 37 ईई फाइल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नारीख 28-11-1984

- (क) अन्तरण डेहुई निशी बाय की बायस, क्रथल अधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के बासिस्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉडि/का
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के निए; और/वा

भत: अब, उन्त विधिनियम की पार्य 269-ग के अमृसरण भी, भी जन्त अधिनियम की धारा 269-म की अस्थारा (1) के अधी , निम्नसिसित स्यक्तियों, अर्थात् :---- मैसर्स एम० मुख शाह एन्टरप्राइसेज फर्स्ट फ्लोर, चीनुभाई टावर ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री चन्द्रकान्त मीर चुंगले पडानी गोदावरी भवन सोराजबजी फंचाड़न्ड, जूना बाइज, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को वह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओर :---

- (क) इच नुषता के संब्प्त में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी बर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पृथ्विकरण :---इसमें प्रमृक्त शब्दों शीह पर्वो का, जो जक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही सूर्थ होना जो उस अध्याय में दिवा वैद्या है।

वनसंची

भाप नं 21 क्षेत्रफल 171 वर्ग फीट लोग्नर प्लाजा प्रयोजन बिल्डिंग में 'चीनुभाई टावर' कैस्ट्रकशन साथ श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया पक्षम प्रारीक्षण सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहदाबाद

तारीख: 3-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद श्रहमाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं० फी० ग्रार० नं० 3784 —⊷ग्रत: मुझे, जी०के० पंडया

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी० सैिकण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 1 प्रयोजन हैं। तथा जो बिल्डिंग सेन्टर पोरन्ट, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० पी० 633/2 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी 2160 के कार्यालय 37 ईई फाइल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रीन, तारीख 19-11-1984

को पूर्वेक्ति तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितिथीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में सास्तिक ज्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पंचवटी एस्टेट श्रोनर्स एसोसियेशन को श्रोर से
 मैसर्स एस मुख शाह,
 के०/श्रो० बी० एम० शाह,
 3 2, एयामल नं० 1 मानेकबाग रोल के नजदीक,
 एस० एम० रोड, श्रहमदाबाद।
 (श्रन्तरक)
- प्रीयेरा जी० माह,
 ट्रस्टी सर्वोदय पिब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट फीरदीरा बलवन्त महेला रोड,
 शाहीबाग- श्रह्मदाबाद-4।

(मन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट नं० बी सैंकिण्ड फ्लोर बालीग नं० 1, प्रयोजना बिल्डिंग में सेस्टर पोस्ट टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 673/2 क्षेत्रफल 2160 वर्ग फीट हमदाबाद 37 ईई दिनांक 19-11-1984 की फाइल किया।

जी० के० पंा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-19**8**5

सक्य बाह . जी , एन , एस , ००००-०० अकात

जायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमादाबद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून, 1985

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3785:—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन वस्त्रापुर सीमम ग्रहमदाबाद है नथा जो सर्वे० नं० 127-136, क्षेत्रफल 675 वर्ग यार्ड सब प्लाट नं० 22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14-11-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरित्यां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है :--

- -(क) बन्तउन से हुई किसी भाग की बाबत, उनस अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के अन्तरक दी शॉथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिल के लिए; बाँगु/बा
- (स) एसी किसं। आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिली द्धारा प्रकट नहीं किया भया था या किया भन्त चाहिए था, छिपाले में सृविधा के लिए;
- जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण यो, यो, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को वधीन, निम्नतिविक व्यक्तियों, वर्षात :—

 इन्द्बेन जयन्ती लाल ज्ञदू बीरीवाला 1130-राजा मेहता पाल, कालुपुर, श्रहमयाबाय । सुनन्दा भेन प्रमोद भाई गेड, कंचन गंजा प्लैट, श्रहमाबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री प्रवीन चन्द्र पहुंलाल पारीख, ज्योत्सनान प्रवीन चद्र परीख, 21, जय यमुना सोसायटी मनीयारा सोसायटी के सामने, मनी नगर रस्ट श्रहमदाबाद।

(ब्रन्तरिती)

कार्रे वह सूचना जारी करकं प्रवास्त संपरित के क्यांग के निया कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत संस्वीता के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवादक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक्ष सिकित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पदों का, जो उत्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शध्याय में विया वसा है।

अन सची

जमीन क्षेत्रफल 675 वर्ग यार्ड वस्त्रापुर सीमा में ंसर्वे नं० 127-136 सब-प्लाट नं० 22 रिजस्ट्रेशन नं० 16138 दिनांक 14-11-1984।

जी० के० पं**ड**या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **ग्रह**मदाबाद

तारीख: 13-6-1985

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज∼1, ऋहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं०पी० प्रार० नं० 3786:—---प्रान: मुझे, जी० के**०** पण्डका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भाप नं० 24. लोग्नर प्लान प्रयोजन बालीगम 'चीनु भाई टाबर' हैं। तथा जो क्षेत्रफल 171 वर्ग फुट, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुम् ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, 37 ईई फाइल में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 गा 16) के ग्राधीन, नारीख 23-11-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिय कुण से किथा से की क्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैसर्स एस मृख शाह एन्टरप्रीयजेत, फर्स्ट फ्लोर चोनुभाई सेन्टर, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री परसं।तम मीरचुमले थडानी गोदावरी भवत, सारेरावाजी फेयाडन्ड, जूना वाडन, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध सें कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः ----इसमें शयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन<mark>ुस</mark>्ची

शाप नं० 24 लोश्रर प्लाजा यूथील्ड बालीगम में 'चीनु भाई टावर' कंस्ट्रक्शन नीचे श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

> जी० हें ० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद।

नागिख: 13-6-1985

वक्ष बाहै . टी. एन . एस . -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, धिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3787:---श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या श्रहमदाबाद टी० पी० एस०-2 एफ० पी०-19 पैकी 106-75 है। तथा जो वर्ग मीटर श्रास्टीडिया लाठी बाजार में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-11-1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक, जिन्निलिक उद्देश्य से सकत बन्तरण कि बिकत में बाम्य-विक स्प में कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी नाव की वावत उपवृथिन-नियम की बचीन कर दोने के बच्चरक की दामित्व की फनी अपने या उसते वचने में शृविका की मिन्ने; नौर या/
- (स) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्य अधिनियम, या धन-भा अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के अभिन्य के स्थापित का प्राप्ति के विषय प्राप्ति के स्थापित का प्राप्ति के स्थापित का प्राप्ति के स्थापित का वाना चाहिए था, जियाने में सुविधा है सिए;

स्ति यन, जन्नत अधितियम की धारा 269-ग के, बन्सरम हो, ही, जन्नत अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, जिल्लाचिकर स्वीक्तयों, सर्थात् हे— श्रीमती मध्बेन, नारन दास केणवलाल, डक्फरकी विधवा ग्रररन जूना लाठी बाजार। ग्रास्टोडिया, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स ए बी सी इन्डिया लिमिटेड फैन्सी बाजर, गौहट श्रासाम, श्रह्मदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबींभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबींध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बह्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, कथीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रमुक्त कर्जी और पर्दों का, को उपले अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

श्रहमदाबाद टी० पी० एन० 2-एफ० पी० नं० 19 पैकी 106.75 वर्ग मीटर जूना लाटी बाजार ग्रास्टोडिया ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 12927/दिनांक 30—11--84।

> जी० के० पण्डया पक्षम प्राधिकारी सह्यय∄ स्रायकरप्रशायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 3-7-1985

मोहर 🚁

प्रक्ष्य बाह्र टी.एन्.एस. - - --

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत धारका

कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-9, भ्रहमधाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जलाई 1985 निवेश सं० पी० भार० नं० 3788---भ्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० सी-3 एफ०एफ० जल वर्गन को० भोप० सोसायटी है तथा जो सी०टो०एस० 3, एफ०पी० नं०-499 क्षेत्रफल 138 वर्ग यार्ड महमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद मनुसूची में भीर पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नवम्बर 1984,

की प्रोंक्त तम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वबंधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रम् वितिष्ठत से अधिक है बार बन्तरक (बन्तरकार) और बन्तरिती (बन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया कथा बितिफल , निम्निलिखत उद्वेष्य ते उक्त बन्तरण निविष्ठ के वास्तिबक्त कप से कथित भड़ीं किया गया है हुन

- (क) बन्तरण वे इंड्र किसी बाव की बावत, क्यार बीधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के कावित्व में कमी करने वा उससे बचने में कृषिका के मिए: बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: जिस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---206GI/85 श्री नवनीत भाई चंदुलाल चोकसी, 182, मोडीकी खड़की, दोशीवाडाकी पोल, कालुपुर, महमवाबाव।

(मन्तरक)

 श्री भरतभाई छगतभाई ध्रुव, पलेट नें० सी-3, फर्स्ट पलार, जल दर्णन को०-प्रोप० सोसायटी; नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

वन्सूची

्रि पलैट नं शी-3 फस्ट फ्लोर ब्लाक-सी जल दर्शन को ०-घो ०प-सोसााटी, टी ०पी ०एस०-3, एफ ०पी ० नं ०-499 क्षेत्रफल 138 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रमन नं ० 14535/नवस्वर, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद -

तारीख: 3-7-1985

माहर 🖫

प्रस्प 'बाह" . टी . एन : एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन स्थाना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11, श्रष्टमधाबाद ध्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुन 1985

निदेश सं० पी०श्चार० नं० 3583/II—श्चतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिसे अधिनियम कहा गया है) की आरा 269- का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

धौर जिसकी संख्या 4/2, 93 धौर 92 है तथा जो 96, 96/1, 97, 97/1, मबसारी में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय, मबसारी में रिजस्ट्रीकरण धिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दनांक 17–11–84,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सभितियम के अभीन कर दोनें की संतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बच्छे में सृविधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन. निम्निसित व्यक्तियों, बेचेति ४--- श्री रामसरन घनसुखलाल कापड़िया, लक्ष्मी .सनेमा, रामसरन चेरिटेबल, नवसारी ।

(धन्तरक)

 श्री झहमद उमर तार मोहम्मद झवेरी लुन्सी कुई, नवसारी ।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसर गया हैं।

भनुसूची

.मलकियत जो नवसारी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी म 2654 नंबर पर विदांक 17-11-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- , ग्रहमदाबाद

विनांक: 3-7-1985

मोहरः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाध, दिनांक 28 मई 1985 निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3584/II—श्रतः मुक्षे, जी० के० पंडया

नायकर प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसने परवात 'उन्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

1,00,000/- रत. से अधिक है
भीर जितको संख्या फ्लेट नं ।—सो भ्रात्वा लाईन्स है तथा जो सूरत
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ईई के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984
की पूर्वोश्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
श्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान श्रीतफल से एसे द्रश्यमान श्रतिफल का पत्रह
श्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे कन्तरण की लिए तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदोष्य से उचत अन्तरण लिखित

भें वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, अबस वीधीनव्य के बधीन कर बने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उत्तरे न्यने में सुविधा के मिए; बार/बा
- (क). ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य जारिसयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमित्यम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करत्रिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाडिए था, जिन्हों ने स्विधा में सिए;

बतः वक, स्वस अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उसत विधिनियम की धारा 269-ग्र की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै॰ रफी एन्टरप्राईजेज मानपुरा, सूरत ।

(भन्तरक)

 श्री दिनेश चन्त्र छोटालाल, राजकपूर एन्ड अथर्स, सुरत।

(अन्तरिती)

नी नह सुचना जारी कर्ने: पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन में रिल्युं कार्यवाहियों करता हूँ।

बानतः सम्परितः के वर्षनः के सम्बन्धः में करेड् भी शासीप रू---

- (क). इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की वर्षि मा तत्संबंधी क्यन्तिकों पड़ स्वता की तामीज से 30 धिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंकर स्वित्वसों में से किसी स्पन्ति ब्राग्ड;
- (क) इस सूचना के ताजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकें ने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा है।

वन्सूची.

भिलक्षियत जो सूरत में स्थित है जिसका फोर्म नं०37 ईई पर कार्यालय में सितम्बर, 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम ऋषिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, ऋहमदाबाद

दिनांक: 28-5-85

मोहर ;

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बावकड व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन मुकना

REA WAR

कार्यानय, तहासक नायकार आयुक्त (निरीक्ष्ण)

धर्जन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

घहमदाबाष, विनांक 28 मई 1985

निदेश सं० पी० धार० नं० ३५८५/Ш—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूख्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

ग्रांर जिसको संख्या प्लेट नं० 3 सी है तथा जो ग्राल्या लाइन्स, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्री-

करण श्रधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, दिनांक 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण तं हुवं किशी भाव की बाबधा, उसके विधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे स्थने में सुविधा के लिए; मीड/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किय;

नतः नव, उनत निधिनियम की धारा 269-न के नन्सरण में, में, उनत निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिसित स्मृतितयों, सर्थात् ह— मेसर्स रफी एन्टरप्राइस नानपुरा, सूरत ।

(मन्तरक)

 श्री रोषान लाल रामचन्द्र भार्फत मे० हनुमान ट्रेडिंग कं०, भूषनेग्यर, बम्बई-2।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवांकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविध् में किए का सकेंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया देश हैं।

वनुसूची

मिलिक्ष्यत जो सूरस में स्थित है। 37ईई का फोर्म यह कार्यालय में 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, प्रहमदाबाद

तारीच : 28-5-85

मोहर 🤉

प्रकृत नार्दा हो. एन ह एस हमन्यान

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-2, महमदाबाव महमवाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० पी० भार० नं० 3585/II—भातः मुझे, जी० के० पंडया

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260 को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जितको संख्या पेलैंट नं० 5 ए, रहेळाया है तथा जो श्राल्वा लाइन्न, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वाणत है), रजिस्ट्रो कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 37 ईई के श्रीधीन, विनांक 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बृह्ह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिषक, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया प्रा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुइ हैं किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निर्वित व्यक्तियां. अधीत क्ष्म मैं० रको एन्टरप्राईस नानपुरा, सूरत ।

(भन्तरक)

 श्री तिलक राजकपूर माचीन टेक्सटाईल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, डी० एम० रोड, सम्बद्ध ।

(पन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्वक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (७) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान निवित में किए वा सक्ती।

स्थव्योकरणः — इसर्य प्रयुक्त कव्यो जाँग भवाँका, जो उक्त जिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

जन्मची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर, 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज 2, ग्रहमशाबाद

विनां क: 28-5-85

प्ररूप नार्षं .टी. एन , एस , -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

भ्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश नं० पी० आए० नं० 3587/2—आतः मुझे जी० के० पंडय,

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- र से अधिक हैं और जिसकी सं-

पनेट नं 29, राज छाता है तथा जो घावा लाईनस, सुरत में स्थित है (प्रार इससे उपाबद्ध मनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीहर्ती घिष्ठ हारी के कार्यालय महमदाब ध में रिजस्ट्रीकरण घिष्ठितम्म, 37ईई के प्रधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उन्तर बन्दरण मिला का प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उन्तर बन्दरण मिला स्था मिला से बास्तविक क्य से किया महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी जाय की बाबतः, शबरा जीवितवृत् के स्वीत कर दोने के ब्याहकः की बादिरतः, में कनी, कपने वा सबसे, वृत्तने में बनिया क निए; और/या
- (थ) ऐती किथी नाम ना किसी भव ना नाम नास्तिनी को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा ना, वा किया नामा चाहिए था, जिनाने में सुविधा ने लिय;

अतः अवः, उभतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भ्रों, भ्रों, शकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं ० रिव एन्टरप्राईज प्रथूगर स्ट्रीट नानपुरा, सुरत

(मन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्रनाथ स्वइपसांग केमर ग्राफ़ द्वारकानय सुरस

(मन्तरिती)

को वह कुमना बारी कारके नृबोंकर बंगील के वर्षन के सिक कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप है--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकते।

स्वस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों की पदों का, जो अन्ध् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस मुख्याय में दिया प्रया है।

वन्त्यी

मिलिंक्यत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फोर्म यह कार्यालय में सितम्बर 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28=5-85

प्ररूप् आइ ुठी. एन , श्रुस ,-----

भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश नं० पी० भार० नं० 3588/2—मातः मुझे, जी० के० पंडया,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7सी, रिव छाया है तथा जो आल्वा लाईन्स, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 37ईई के अधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अणित बाजार मृत्य से कम के रवसमान प्रतिकल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अणित बाजार मृत्य, उसके रवयमान प्रतिकल से, एसे एक्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिबियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/णा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिषित व्यक्तियों, वर्षात है— (1) मै॰ रिष एन्टरप्राइस नानपूरा, सूरत

(भन्तरक)

(2) श्री सुनील भाई एस० एस्टेट 912, राजेश्वर प्रपार्टभेन्ट शनुगर स्ट्रीट, सुरत

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

मिलकियत जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-2, श्रहमदाबाद

सारीख: 28-5-85

प्रकप कार्ड. ही. एन. एक्.-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

मार्त स्रकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, ग्रहमदाश्राद

महमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश नं० पी० प्रार० नं० 3589/II----अतः मुझे, जी० के० पंडमा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वरम करने का कारण हो कि स्थावर संपर्तित जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1बी है तथा जो पारले पारेट, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप विजित है); रिजदीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्टीकरण ग्रिधिनियम; 37ईई के श्रिधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से अधित नहीं विश्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत अक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे वचने में सुविधा के सिए, बाह्र/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अप्य आस्तियों का, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ज्यानित्र किन्ति का किन्ति किन्ति का किन्ति किन्ति का किन्ति किन्ति किन्ति का किन्ति का किन्ति का किन्ति का किन्ति किन्ति का

(1) श्रों ज्वेलर्स ग्रपार्टमेन्ट को-ग्रों० हा० सोसाईटी स्थानि ग्रपार्टमेन्ट निमालवोयाबाद, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रवेशकुमार मनुभाई पटेल 5/548 भवानीवाड, हरिपुरा, सुरत

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंक्त सम्परित के जर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष् 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपाल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यहा है।

जन्सूची

मिलिकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फाम यह कार्यालय में सिल्म्बर 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेज-2, ग्रहमदाबाष

सारीखाः 28-5-1984

गहर 🙄

प्रस्प बाह^र. टी. **एत**्र एस.,=----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय. यहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निवेश नं० पी० श्रार० नं० 3590/2--- प्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० २सी० है तथा जो पारले पाईन्ट श्रास्वा लाईन्स, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है); रिजस्ट्राक्ती श्रीधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम; 37ईई के श्रधीन, सितम्बर 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिंगियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चक से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक रूप से किचित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किली बाव की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर∕वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भग या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिनियम, 1957 (त्रिक्त का या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः —— 26—206GI/85 (1) ज्वेलसं श्रपार्टमेन्ट स्वाभि श्रपार्टमेन्ट सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(फु) श्री महेन्द्रभाई जगमोहनदास संघवी मादुंगा, अभ्बई।

(म्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सन्वरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏗---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की समि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

नन्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 28-5-85

प्रारूप बाइ .टी. एन. एत . -----

नायक र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन सुचना

भाग्स सरकार

कार्यांत्रव, सहायक वायकर वास्कृत (विरोक्तिक) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० सं० 3591/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जावकर जीभीनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इसकों प्रथमात् 'चनत जीभीनवन' कहा गवा हैं), की भार 269-च को जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य, 1,00,000/- रा. से जीभन्न है

औरजिसकी सं० दुकान नं० 1030, सूरत टक्सटाईल है। तथा जो मारकेट, सूरत में स्थित है (और इस उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यायल प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम (37ईई का 16) के मधीन सितम्बर 1984

को प्रॉक्ट सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित जाभार कृष्ण, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के उसके दश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया इतिकृत, निम्नीमियत उन्दर्भ ये दश्य अन्तरण के सिए तम्पाया गया इतिकृत, निम्नीमियत उन्दर्भ ये दश्य अन्तरण के सिए

- (क) अस्तुरण वेहुई जिल्ही बाय की बाव्ह, उपके अधिनित्व के बधीन कर देने के बाल्ह्य के द्वित्य में कनी करने वा उपने बचने में द्विता के सिष्ठ; बीर/या
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी वन या बन्य वास्तियों को चिन्हें भारतीय बाय-कर जिनित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिनित्यम, वा धन-कर जिपितियम, वा धन-कर जिपितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्तः

जत. अब, उक्त जाधिनियम की धारा 269 म के कानारण जें, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269 ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधारे क्ष- (1) मैं के के महेन्द्र सिलाक फोस्नीक्स स्टेशन रोड, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2 मैं० टमेटकस गज्जर चान्सलर फालसापाडी, सूरतत-2

(भ्रश्नर्तारती)

को बड़ ब्या पारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी क्यांकितकों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्योंक्त इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किशी अन्य स्थित व्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किश जा सकोंगे।

प्रनुसूची

मिलकत औ सूरत में स्थित है जिसका फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय स्टैंट 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबा

दिणांक : 1-6-85

प्रकृष नाहाँ . टी . एव . एव----

जायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 भून 1985

निर्वेशन'० भी० मार० नं० 3592/2—म्प्रतः मुझे जी० के० पंडमा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकानी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्योत्त, जिसका अधित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संब आपि, सनंब 302, है। तथा जो बोम्बे मारकेट, सूरत में स्थित है (और ६ससे उपाबजद्ध अनुसूची में और पूर्ण सप वर्गित है)) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 37ईई के अधीन सितम्बर उ984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बर्धमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूख, उसके बर्धमान प्रतिफल से, ऐसे बर्धमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया ग्या है :—

- (क) बंतरण से हुई फिली बाव की वावह, उक्त वृषिभिद्य के वृषीत कर दोने के बुंबुटक के शियरण में कभी करने या उन्नसे वचने में सुविधा के सिए; वृदि/बा
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी भन ना बन्य आसिसनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्धः

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में वधीन. निम्नुकिष्टित व्यक्तिमें, वधीन क्ष्य (1 बम्बे मारकीट ग्रार्ट सिल्क को० भाष० सोसाईटी उमरपाडा, सुरत

(ग्रन्तरक)

(पु, श्री बजरगलाल मोहनलाल बगमपारा, नवासवाडा, सुरत

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्यक्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्मत्ति के कर्बन के सम्बन्ध के कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीज़ वे 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की जनिथ, जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में दिये वा सकती।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में बस्थित है 37ईई का फार्म पर कायलिय सितम्बर 84 में पेश किया गया है।

> जी के पंदया सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज,-2 श्रद्धमवाबाद

तारीख: 1-6-85

प्रकृत वाह् दी पुरु एवं प्रवासन्तरमञ्जा

नायकर मधिनियम, 196/1 (1961 का 43) कर भाषा 269-च (1) के नभीन क्चना

प्राकृत सरकार

कार्याभय, सहायक वाधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश नं० पी० श्रार० नं० 3593/ — श्रतः मुक्ते जी० के० पंडाया

कामकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिभिनियम' कहा गमा हूँ), की भार 269-ख को लिभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाधार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 701, बाम्बे माएकेट हैं। तथा को सूरत में स्थित हैं (और इस उपाबद्ध प्रनुसूची में औरपूर्ण रुप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम: के प्रधीन 37ईई सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों के संवीति का उचित शाजार मूल्य, उसके द्वामान प्रतिफक्ष है, एसे व्यथमान प्रतिफक्ष का पंत्रह प्रतिकृत से स्थिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अ्चिडितिमों) के सीव देवे ब्याप्य के बिद् बद पाना नृथा प्रवि-फल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (का) अन्तरक से हुन्दे किसी बाध की बाबक, उनके अधिनियस भी अधीन कर दोने के बन्तरक के दासरक में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: बॉर/मा
- (क) एंगी किसी बाज ना किसी धन ना जन्म नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्कानकर्ण कर्याद्वियों दुनाहा इकट नहीं दिक्य क्या का वा किसा होना क्षित्र का, किमाने में विषया की विषय

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, हैं, उक्त सधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३--

(1) कोम्बे मारकेट भ्रार्ट सिल्क को-भ्राप० कोसायटी उमरपाडा, सूरत

(भ्रन्सरक

(1) मेसर्स कला निकेतन जिला शेथस (बिहार)

(ग्रन्तरिती)

न्द्रे बहु कृष्ण प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्य में वर्षन के जिल कार्यवाहियाँ क्या हैं।

बनद सुन्तरिष्ठ के बर्जन में सन्दर्भ में कोई थीं नाजेस्ड--

- (क) इत ब्याना के राज्यन में प्रकायन की ठारीय में 45 दिन की जन्दिय गाउरसम्बन्धी म्यूनिस्मा पूर कूपना की ठानीस से 30 दिन की जन्दिय, जो भी वाधि बाद में बनाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रह्मारा:
- (क) इस सुज्ञका के टाज्यक में प्रकारन की बारीक के 45 दिन के भांतर उनक स्थानर सम्पत्ति में दिश्यकृष् किसी बन्य अपनिस द्वारा नृभोहस्ताक्ष्री के पास विश्वित में किए या बकोंगे।

स्वाधिरण:--इतने प्रयुक्त कर्मा श्रीष्ठ पर्यो का, को क्या इतिप्रिवृद्ध के श्रुष्टाक 20-क में प्रीत्नापित हो, वही क्या होगा जो उस अध्याय के दिवा भवा हो।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। य37ईई का फार्म पर कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० ठाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2 श्रहमदाबाद

नारीख: 1-6-85

प्रकृष बाह् . टी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यासय महायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

निदेश नं ० पी० ग्रार० नं ० 3594/2—স্মतः मुझे জী০ के० पढाया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रापि सं नं० 806, श्रमरवाडा, है। तथा जो बूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) र्णजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी यके कार्यालय श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 37ईई के श्रधीन सितम्बर 1984

को पूर्नोक्त सम्परित के उत्थत नाजार मूल्य से कम के क्षममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और मंतिएती (अंतरितियों) के नीम एसे अंतरण के लिए तय पाना म्था प्रतिफल, निम्नलिखित उन्हों किया गया है :---

- (क) अन्तरण से इंड्रं किसी जाय की नायत, उक्त थाँध-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वासित्व में कमी अरन या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीद्र/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिर्ती क्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अबः, उक्तः अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में. हैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) लें के प्रमुखिन्निणित व्यक्तियों, अभित् — (1) श्री सोम्सो मारकेट ग्रार्ट सिल्क को० ओ० सोसायटी ग्रमरवाडा, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० औरव टेक्सटाईल्स मैं परियरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध मा कोड़ी भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति धुनारा अभीहरनाक्षरी के पार निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का., जा उक्त बिधिनयम के विध्याय 20-कं का पश्चमांचत हुँ , वहीं अर्थ होगा जो उस्स अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पडाया सक्षम आधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

ता**रीख**: 1-6-85

मोहर 🖁

अक्ट आहें , टी. एवं , पूर्व , , , , , , , , , , , , , , , ,

जामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा /संप्रेम (१) के जामीय ज्ञाकत

भारत बंदकार

स्त्रक्तियः अञ्चलक भागकर मानुवन (विद्यालक) अर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 1 ज्न 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० सं० 3595/2—श्रतः मुझे, जी०के० पंडया

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसने वश्यात् 'उनत निर्धानयम' महा गवा हैं), की धारा 269-म के अधीय सक्षय प्राधिकारों को, यह विश्वात करने का नारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका जीवत बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 601, श्राम्पा लाईस, है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मेंविणित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रीक्षकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्यम, (37ईई का 16) के श्रक्षीन सितम्बर उ 984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उपनत वाजार मूल्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे वह विकास अरने का कारण है कि यथाप्षेक्ति संपत्ति का उपन कालार मूल्य, उहके अयमान प्रतिफल से, होसे अवजान प्रतिफल का पंडा प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (बन्तरकों) जीतु अन्यविकी (अन्तरिक्तों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तम पाया वया प्रीव-फल निक्नसिविक्त उप्रकेष से उनत अध्यारण विकिश्त में पास्तिक क्य से कथित नहीं किया क्या है है

- (क) मन्यरण सं हुई किनी मान की बावत, उपक नीपीरवृत में अभीन कर दोने में बन्तरक में दावित्व में सनी करने या उन्नये मधने में द्विमा के किए; बार/या
- (क) एंसी किसी जान था किसी धन था कथा नारिस्तारी को, जिन्ही भारतीय जानकार न्यिनियम, 1922 (1922 को 11) में उत्तर नियमियम, मा धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) अध्योजनाम अप्तरिती ब्राप्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विथा को जिल्हा

बत्तक क्रम बन्त विधितियम की धारा 269-म की बन्दक्रम में, मी, उन्त विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मृतिचित सनित्यों, अर्थात :-- (1) श्री कोनी एन्टरप्राईस केशव चेम्बर्स लालगेट, सुरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा नरोक्तमदास मस्त्री पेडर रोड, सम्सई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिटित के अर्जन के लिये कार्जनाहियां करता हो।

जनस जन्मति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

56. ६३ श्रभत के राजपत्र में प्रकावन की तारीय से 45 दिन की नगीं। या तत्त्रं नंधी व्यक्तिनों पह नृज्या की तात्रील से 30 दिन की नगीं। के भी नगीं। याद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(था) इस बूचना के रावपन में प्रकाशन मी सार्रोच ते 45 दिन के भीतर उच्हा स्थावर सम्पृष्टि में हितबबूध किसी कच्च व्यक्तिस द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास निवित्त में किए जा सक्ति।

स्वक्रीकरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित इ. यहाँ कर्ष होगा को उस अध्याय में विका नजा इ.

अनुसूची

मिलकत ओ सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कायलिय सितम्बर 84 में पेश किया गया है।

> औं के पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त [(निरीक्षण)] ग्रर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद

ता**रीख**: 1-6-85

मोइरः

प्रकल आहें. टी. एन. एव. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (195; का 43) की गारा 269 प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

भावसिय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3596/II—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर (जसकी सं० ग्र.फिस नं० 734 िंग रोड है नथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधिदारी के दार्थीलय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रिधित्यम; 37ईई के श्रिधीन, सितस्बर 1984

को प्राें किस सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तर्भित्यां) का बील एसे अन्तरित के लिए तय पाय। गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तियंश, कुप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कारिए का खिलाने में सुविधा के स्लाए

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग व सन्वरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भै० शांति । बल्डर्स रिगरोड, सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) पारुलु प्रेममुखन्नाल पटेल 12 सरदारनगर, भूरत ।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर जनत स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए या सकोंगे।

स्वधाकरण: -- इसमें प्रयुक्त कांग्यों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विका वहां हैं।

अनुसूची

मिलकस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी यहाय ३ श्राय ३४ श्रापुका (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-5-85

प्रकृष कार्यः हो । एम् । एस् । - - - ----

धायकर पश्चितियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुबना

साइट ब्रेस्काइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई, 1/985

निदेश नं० पी० श्रार्०नं० 3597/II——श्रतः मुझे जी० के० पंडया

अ।थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 237, रिंग रोड, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदा-बाद में रजिस्ट्रीक्रण श्रधिनियम; 37ईई के श्रधीन सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कन के क्रयंबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय गावा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिहित वा बावा विश्वन के बावा से क्ष्या

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जान की बाबता, समस आयोजिया के वधीन कर दोने के अन्तरक के भाग में कभी करने या उससे बचने में श्रुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उभत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाप अकर नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

गणः बद उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को बन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, मिम्निण्निक व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मैं० शांति बिल्डर्स रिंग रोड, भूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पन्नागरन एच० मिस्त्री सरदार सांग, सारडोली

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त, तस्पृति के कुर्वन के हिनए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त कन्नित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस स्वाना के राज्यान में प्रकारत की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वनी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किती बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकीये

स्वक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त विक्यों और पर्वों का, जो उक्स अभिनियन के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अभ्याय में विका गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो मुरत में स्थित है। 37ईई का फ़ार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-5-85

परूप आर्डें, दी, एन , एस , -----

बायकर रूपिनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के लधीन सबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रोज-1), श्रहमहाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई, 1985 निदेश नं० पी० श्रार्० नं० 3598/II—श्रनः मुझे पी० के० पं**ड**या

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का अप) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-इन के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर कम्मेरित. जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. पे अधिक हाँ

भौर जिसकी मं० आफ़िस नं० 719, रिंग रोड है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में और पूर्ण रूप ने वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम; (37ईई का 16) के अधीन 21-9-84

को पूर्वेकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कम विम्निनिचित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तिवक कम से कि कि तहीं कि का गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय का बाबत, उक्त जिमित्रम के बधीन कार दोने के जन्तरक के वानित्य में कानी कारने ना उच्चे दचने में सुनिधा के लिख; क्षांद/पः
- (का) एंडी किसी आय का किसी धन या सन्य कास्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त विभिनियम कौ धारा 209-म को जन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- 27—206GI/85

(1) मैं० शांति विल्डा रिमरोस, सुरता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीः सुरेन्द्रकुमाण गाडिया उभेगदर्पण सौक्षाईटीः अर्थना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के निय लर्चवाहिको करता हो :

उन्त सन्यति के कर्जन के सस्यन्थ में कीई भी आक्षेप उ-

- (क) इस गुचना की राजापा की प्रशासन की तारीच है 45 दिन की अनिधि का निश्तिकों कि व्यक्तियों पर सूचना की तासील में १०० दिन की कावीध, जो भी कावीध बाद में समूफ होती हो, के भीतर पूर्वीकत
- (ण) इस मुख्यः। दी भागाः मां याणाशान की तारीण सं 45 विष्यः की भागाः मां सामाद अस्मित्ति सी हितबकृष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अपोहस्ताक्षरी की पास 'तिथान हो शिक्षण

ल्ब्स्टीकरण:--इसमी प्रयूक्त अध्या भीर पद्यों का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क मी प्रिमाण्डि है, वहां अध्यास शास्त्र सम्माय मी विधा गमा है।

अनुसुची

मिलकत जो सुरत मं (स्थत है। 37ईई हा फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 84 में पेण िया गया है।

> जा० के० **पंडणा** लक्षम प्राधिकारी लडाणाः स्थलास्य स्थलित **(निरक्षण)** स्व*ि कि*-्र, स्रह्मदाबाद

नारीख: 28-5-85

प्रथम नार्षक्ष द्वीत पुरस्त पुरस्तानामा

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) से नभीन सूचना

शास्त्र पुरसात्र

कार्यालय, लहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई, 1985

निर्देश नं० पी० म्रार० नं० 3599/II—म्प्रतः मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार प्रविच्यम कहा गया है), की भार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रापि,स नं० 223 रिंग रोड है। तथा को सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम; 37ईई के ग्रधीन 21-9-84

को प्वॉक्त सम्पत्ति के निषत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे शश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक, स्प से कथित नहों किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिंधिनियम के संधीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; कोंट्र/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया शाना चाहिए था छिपाने में सुविधा में सिए;

(1) मैं० शांति बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्रीदेवी बजाज कालबादेबी रोध बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचन। बारी करके पृश्रोंक्य सम्मित्त में वर्षन के जिस कार्यवाहियां करता हों।

बब्द बुम्म् ति के वर्षन् के बुम्मस्य में कोई भी नाओर :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पूर लिकिंग में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इस में प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा चो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुदन (निरीक्षण) स्रर्जनरेज, स्रहमदाबाद

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 28-5-85

प्रकृत बार्ड . को .ध्य . एस . ------

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीत स्चना

शाउत तडुकाइ

क्षायांत्रम, सहायक शायकर आयुक्त (निर्धिक्रण) प्रार्जन रेज-11, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई 1985

निदेश नं० भी० श्रार० नं०-3600/11---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'जकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारी को यह नेवस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंजत बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव अपि.स नंव 718 है। तथा को रिग ऐड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्वा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; (37ईई का 16) के अधीन सितम्बर 1984

का पूर्वोक्स सपिस्त के उचित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किंधत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विभागम को बधीन कर दोने के अन्तरक के दा[यत्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; वॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मै॰ शांति बिल्डसँ, रिगरोड, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रलितकुमार रामसिसोदिया रिगरोड, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की हामीन से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिशकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

नग्त्यी

मिलकत जो मूरत में स्थित है I 37ईई का पार्क यह आर्यालय में पेश किया गया है दिनांक सितम्बर 1984 ।

> जीठ केठ पंडणा सक्षमः प्राप्तिवयः। सहायकः श्रायकारः श्रायुक्तः (कियेक्ट्राक्ष) श्रक्ति रेज-II, श्रहमःकावादः

तारीख: 28-:-85

पुरुष आहु", टा. एन् , एस् . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) की सभाव स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त (निरौतण) ग्रर्जन रेज-11, ग्राश्रम रोड ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, क्लांक 28 मई, 1985

निदश सं० पी० ग्रा२० नं० 3601/II---ग्रतः मुझ जी०के० पंडया.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंजीत, गंजीक उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से औधक है

और जिसकी संव आपिश नंव 427 है। तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपायड अनुवृत्ती के जोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम (३७% अपायलिय अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (३७% अपायलिय अहमदावाद में सित्रव 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उपयोग मानार मूल्य स कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की माने हैं हो बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बयाए पावत के मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एक प्रतिकात से अधिक हो होर अवस्था के लिए क्या पास ग्रांतिक निम्नोलाक उद्देश न उच्च अन्तरण लिखत में बास्तविक हुए से कथित नहीं विश्वास माने हो कि माने का स्वास्तविक हुए से कथित नहीं विश्वास मा है :--

- ्ष्म) जनारक स बुध १८६० जा को शावर , उपल जीवां नयम ३ का ता का दौर के जन्तरक की साथित्व में जाभी भारत या उन्हर्स तचने मी सुनिधा के सिए; और/था
- (क) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अप्रधार अधिकारण में 1922 (1922 का 11) या उपन अपिनियम, या गन-कर अधिनियम, 1957 1957 के प्रयोजनार्थ अस्तिरती दुआर अबार एको अस्तिर मा था वा किया बाना चाहिए है। जिल्लाम में सचित्र के लिए;

बतः अब, उक्त क्रिनियम करिया 269-म के जनसरण बें, में, उक्त अधिनियम करियाग 269-म के उपधारा (1) इ अधीन, निम्नविविद्य व्यक्तिंगरें, सर्भात् :-- (1) मैं० शांति बिल्डर्स रिंगरोड, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(फु) श्री रसिक लाल मोहनलाल पटेल गोपीपुरा, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनेत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्फ यह कार्थालय सितम्बर 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-5-1985

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-II, आश्रम रोड ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 मई, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3602/II—प्यतः मुझे जी० के० पंड्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव आपि म नंव 346, रिंग रोड, है। तथा को स्रत में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रतुसूची में) और पूर्ण रूप विभिन्न है), रिजिस्ट्रीकर्श प्रिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम; (37ईई का 16), के प्रधीन सितम्बर, 1984,

कंत पूर्वोकल सम्पल्सि कं उष्टित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य उसके श्रद्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिचित में वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया हैं

- (क) जन्तरण संहुद्धं किसी गाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के चित्र, और/या
- (स) एसी किसी साय या किसी वन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में सृविधा के लिए;

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मीं., उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं शांति बिस्डर्स, रिग रोड, सुरत ।

(भन्तरक)

(फु) श्रो जितेन्द्रकुमार जैन ग्रम्बाला सिटी (हरियाणा) ।

(ग्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्जन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी अपिततमाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत क्यांक्तमाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (वा) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूतर में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में पेण किया गंग है।

> जी विकेष्टिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (स्रिक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 28-5-1985

प्रकम नाही. टी. एन. एस. ------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सब पीव आएव नंव 3603/II—अतः मुझी, पीव केव पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्रत बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 6 58, 2953 है तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में राजस्ट्रीकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-1984 को

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के अयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह भिक्ति से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्त , निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति कर स्प से किथत नहीं किया नया है:——

- (क) ब्रुप्तरम् तं हुई किसी बाद की बाद्कु स्वय सीभीत्रम् के ब्रुपीत कर दोने के ब्रुपहरू से सायश्य में कती करने ना उससे वसने में ब्रुपिया के लिए; शीर/या
- (क) एसी किसी गाय या किसी धन या गाय गास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिया, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिया, या धनकर अधिनिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अभिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को वभीन, निस्त्रसिचित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— (1) श्री जगमोहन हरिकशनदास कंसारा हवेली मोहल्ला, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिलकुमार भीखाभाई पटेल, नीरव को-आप० हा० सोसायटी, पटेलनगर सोसायटी, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

ननसर्वी

मिलिकियत जो नवसारी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार नवसारी में 1443 तम्बर पर दिनांक 9-11-34 में रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राग्निकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्र क्षण) अजॅन रेंज-2, अहम्दाबाद

तारीख: 1-6-35

भोहर ॥

प्रकृष बाह् . दी . एन . एस . ----

कारकर जिमिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अभीन सुचना

मार्त सर्कार

कार्यासय, सहायक भागकर नागुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं पी० आर० नं० 3604/ — अतः मुप्ते, पी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंदे देव्यों इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० आफिस नं० 302 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे बश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल से निन्तियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल से निन्तियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल से किस के किस ने बाला की किस स्प में किया नहीं किसा बना है:---

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाबता, उनक कॉधिनियम के अधीन कर घेने की बन्तरक की बायित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा क निया और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य बास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

्र्रे तरात. बाब. उत्तर किभीनवभ, की भारा 269-**न के बन्धरक** बें में जस्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभाष (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) श्री जे० एम० सी० मोधानी बिल्डसं (सूरत प्रोजेक्ट) झवेरी बाजार, बम्बई-2

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशीकान्त गज्जर श्रौर अन्य विले पार्ले, सम्बर्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मक संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

नत्स्यी

मिलिनियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेश किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारी**ख**: 5-6-1985

महिर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिसांक 5 जून 1985

भिर्वेण सं० पी० आर० नं० 3605/2--अतः मुझे पी० के० पंडया

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात 'उस्त विभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8, डायमन्ड हाउस है सथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम 37 ईई के अधीन सारीख

को प्रशेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य ने कम के इस्प्रभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इस्प्रभाव प्रतिफल से, एसे इस्प्रभाव प्रतिफल का पंक्ष प्रतिवात से अधिक है और बंदारक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक से मिए तम पाया गवा प्रति-फल निम्ननिवित उद्वरेश से उक्त अन्तरण निम्निवित में बास्त-विक क्य से कथिस नहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नायत उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; लॉर/शा
- (क) एकी किसी जान मा किसी भन वा अन्य जास्तिकों को, चिन्हों भारतीय जान-कर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत जिभिनियम, या वन-कर विभिनियम, या वन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिमाने में सुविभा के लिए:

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) ले अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत ः— (1) मैं जो जा एम जा मी जा एन डिमेश्रेबाण विल्डर्स, (सूरत प्रोजेक्ट) बम्बई—2।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजुनाई घीसाभाई ग्रीर अन्य टेंन्क बिलिंडग, भूलेशार, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के वास जिल्ला में स्थिए का सकते हो।

स्वक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्म ची

ंमजियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेण किया गया है।

> पी० के० पंडे्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज—II, अहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ाा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जून 1985

निर्वेश मं० पी० आर० नं० 3606/11—**-अतः मुझे** पी० के० पंडेया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6 डायमंड हाउस है सथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ईई के अधीन सितम्बर 1984 को

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का फारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ठ प्रतिफल का पृष्ठ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्दिलिखत जद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम्। की धारा 269-घ की उपभारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
28 ← 206GI/85

(1) मैं जो उपमा सी एस्ड मेघाणी जिल्डर्स झवेरी जाजार, बम्बई।

(अन्सरक)

(2) श्री णांताबेन मनुभाई पटेल ग्रीर अन्य। हरिपुरा, सुरत।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यांत्रितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलिकयत जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेश किया गया है।

> पी० ी० पंडेया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज—ध, अहमदाबाद

तारीच: 4-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी, एन. एस.

बायकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार,

म्रर्जन रेंज-11, ग्राश्रम मोड, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3608/II—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राकोटा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27 - 11 - 1984,

की पूर्वीक्त सम्मेरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम से अधिक हम किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचित्र र अधिराग द्रास्त प्रकट नहां किया गया भी या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मुकेशभाई गोरधनभाई पटेल, खंभोलज, तहसील धाणंद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रंजनी सरन तपस्वीभाई देसाई शिवपुरा, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्द सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बदिश या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुबना की तामील से 30 दिन की वविथ, वो भी वविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जो स्रकोरा, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 1,09,014/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा से 7213 नम्बर पर दिनांक 27-11-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या स्थान प्रक्षि ारी सहाय हे आप∗र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–11, प्रहमदाबाद

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 5-6-1985

प्रकल नाहाँ . दी . एन त हस्त , -------------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-५ (१) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3609/II——श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1967 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिल्ला उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० नयाजीगंज, बड़ौदा है तथाजो बड़ौदा में स्थित र (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख 29-11-1984,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाकार मूल्य म कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अक्षिरत का उन्न हो और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि वधायतिय सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अधिक ही और जन्मरक (अंतरकों) आहेर मन्तरिती (बंतरितियों) के भीष एस अन्दरण के लिए तय पाया पया प्रतिक्क निम्नितियों विद्यार से उपल अन्तरण निविद्य में वास्त्रिक अप के विद्यार के विद्यार के विद्यार के वास्त्रिक विद्यार के विद्यार

- (क) मन्तरण से शुक्ष किया नाय भी नामस उपस विक-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में क्यों कहने मा अवसं वचने में सुविभा के दिल्हा कीर/या
- (थ) ऐसी किसी आध में। किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 की १६ में) में। लेक्स ऑधिनियम या धन-कर सिंधिसियम 1957 (1957 में। 27) के अस्पिक्त में असरिता ध्वारा प्रकट मार्ग किया गया भारती किया करा से (अ) था, खिलाने में स्विधा के निए;

बतः बन, उक्त बिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाः, अधातः— (1) डा० विजय चन्द्रकान्त व्यास विजय सोसायटी, बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश खेमचंद शाह, गंगोली श्रपार्टमेंट, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह तुषना वारी करके पृत्रांचत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मृतित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाओए ----

- (क) इस चुक्ता के राक्षपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी वर्षाय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाइक्ष्ट्र
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यस्थितियम के अध्याय 20-क में परिशायिक ही, नहीं अर्थ होना यो उन्न स्थाय में दिया वाही।

जन्स्ची

जमीन जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है जिसका 2,41,000/- रुपये मूल्य है। सब रजिस्ट्रार,बड़ौदा में 8921 नम्बर पर दिनांक 29-11-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प्र (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्चर्णन रेंज-2, अहमदाबाद
श्चरुमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश संर्ृसिरे० म्रार० नं० 3610/II-----म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीत स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० णेड, 122/8, 503 पी० नंदेमरी है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन तारीख 30-11-1984 को

को प्राप्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वसने में सूर्टिवभा के लिए; बाँड/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी वन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कष, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) (के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री निलनी सरन पी० येकप्तन सीनियर भ्राफिसर, जी० श्राई० डी० सी० इस्टेट, नंदेसरी।

(ग्रन्तरक)

(2) टरमीन इन्डस्ट्रीस लिमिटेड, श्री एल० बी० देसाई 133, महात्मा गांधी रोड, बम्बई ।

(भन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पृथींक्य चम्पस्ति के वर्षण के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ु--

- (क) इस स्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्जना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इन्हें सूचना के राज्यन में प्रकाशन की वारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्नावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य स्थितित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिन्तित में किए जा सकोगें।

रनक्कीकरण:--शसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, थो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि⊴ है, वही अर्थ होगा, जो उन्ह अध्याय में दिव नवा है थे

जन्स्ची

में छ जो बड़ी दा में (नंदेसरी में) स्थित है जिसका कुल मूल्य 1,90,300/- रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार बढ़ौदा में 8929 नम्बर पर दिनांक 20-11-84 में रजिस्ट है किया गया है।

जी० केट पंड्या सक्षम प्रःधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

क्क्ष्य बार्क . हो . एम् . एस . ----

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य , श्रहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज- , अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुन 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3611/11—ग्रानः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अभीन सक्षम प्राध्किलों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित बाजण मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 96-2-3 है तथा जो श्राकोटा बड़ीदा में स्थित है (श्रॉ.२ ६६ से उपाबद श्रमसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्ट्रावर्त श्रिष्टकारी के कार्यालय बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 37ईई के श्रिष्ठीन तारीख 15-11-1984

को पूर्विका सम्मत्ति के डाक्स बाकार मृत्य स कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अतिरित को गृह है और मृझं यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सा, एसं क्थमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरम के विष् तय पाया क्या प्रतिकृत, निम्निनिक्ति उद्देषयों सं उच्य अनारण विविद्त में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) सम्बद्ध से हुई फिटी काम की वाव्य, उक्ट अफिरिक्श के अधीन कर योग के वन्स्यक के सामित्व मी कनी करने थी उसभ अपने भी सुशिधा के विद्रु; अरिए।
- (क) एसी किसी आय या किसी वन या तन्य आसिताओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें क्षीधनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ नन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना या, कियाने में सुनेवधा के सिप्;

(1) श्री जयंतीलाल मोतीलाल पटेल श्रटलादरा, तहसील बडौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार बिरला श्रीर श्रन्य द्वारा हिन्दुस्तान मोटर्स ग्रार्कि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (▼) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्थलकरण:---इसमें प्रयुक्त याख्यों और पदों का, जो उस्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया स्था हैं।

ग्रनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो श्राकोटा, बड़ौदा में स्थित हैं जिसका मूल्य 5.51,000/- रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 5690 तम्बर पर दिनांक 15-11-84 में रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहभदाबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहरः

अत: अब, उपत अधिनियम को धारा 269-ण के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की गाण 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिलित व्यक्तिया, अधीन :-- प्रक्रम बाह्र की पूर एस .-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्बासय, महायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज∸∏, ग्रहमदाशाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3612/II——श्रतः मुझे जी० के० पंडया

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन, श्रामोज है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्ति है), रिजर्द्रीकर्ता श्रश्थिति के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई के श्रिधीन तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विषवास कररे का कारण है कि यथाप्येंक्ति संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किस; और/अ
- (क्ष) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के मुध्यश के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, अपत अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन निम्मीलियत, व्यक्तियों, अर्थात् रिच (1) श्री णंकरभाई धलाभाई पटेल, सोखड़ा, बडौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री समणीकलाल कलाभाई पंक नवा वार्ड, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आररी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां कारता हैं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्प्रांश के उन्हें का उत्पादन की क्षरिक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में अम्पन कोती तो, को भीतर प्रतिकत व्यक्तियों में भे किसी उपनित दगारा;

स्यक्षीकरण .-- इसमें अयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियण है अध्याण १०-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया

ग्रम्(व)

जमीन जो श्रामोज, तहसील बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मृत्य 80,910/- रुपये है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 8571 नम्बर पर सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 8571 नम्बर पर दिनांके 15-11-1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज-धा, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहर 🗈

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० $3613/\Pi$ ——श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट चीक्वाड़ी, जेतलपुर है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37ईई के श्रधीन तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इरयमान प्रतिफल से, एमे इर्शमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को सायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, रूप् धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है किए;

नतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के जन्सरण दों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) अक्रिक, जिल्ल्डिलिखन व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं० म्रानन्द म्रोरगेनाइजर, कृष्णकुंज सोसायटी, जतेलपुर। सङ्गैदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित दमयन्ती बेन जयंतीलाल महेता, द्वारा झानन्द भ्रोरगेनाइजर, कृष्णकुंज सोसायटी, जेटलापुर, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यांक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उनके जिन्दाम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया करे.

अनुस्ची

फ्लैट जो जतेलापुर, बड़ौदा में स्थित है और जिसका मूल्य 1,44,300/- रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

मोहर 🗈

श्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० पी० धार०नं० 3614/II—धतः मुझे, जी० के० पंड्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट, चीकूवाड़ी, जेतलपुर है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 37ईई के श्रिष्ठीन तारीख 17-11-84 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुइ किसी आय ो बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) मैं० भ्रानन्द भ्रोरगनाइजर्स, 35, कृष्ण कुंज सोसायटी, जतेलपुर, बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० शशी एम० बोरा, द्वारा मै० ग्रानन्द ग्रोरगनाइजर्स, जतेलपुर। बड़ौदा।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फ्लैट जो जेतलपुर, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा से 3985 नम्बर पर दिनांक 17--11-84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेंन रेंज-II, ब्रहमवाधाद

तारीख: 5-6-1985

मोहरः

29-206GI/85

प्रकृप बाह्य, टी. एन. एस. ------

भाषकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-च (1) के वधीन स्चना

नारट वरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकर (निर्दाक्तक)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सें० पी० श्चार० नं० 3615/ ——श्चतः मुझे जी० के० पंख्या

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत जीधीनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जमीन, बापोड, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (धौर इससे उपावश्व धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिमकारी के कायद्वलय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 37ईई के प्रधीन तारीख 26-11-1984 को

को प्यॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल के, एसे इस्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखत में बास्तविक रूप से अभित नष्टीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाव की बावत, उच्छ अधि-नियम के अधीन कर देने के वंतरक के दाक्तिय में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आयं या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा थें शिक्षः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, ोोम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् अस्त-- (1) श्री देवजीभाई नानाभाई तडवी, बापोय, बडीदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल चन्दुलाल सोनी, संतरामनगर को० ग्रा० हा० सोसायटी, बड़ीदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्सूची

जमीन जो बापोड, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 1,24,146/- रुपये हैं। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 8860 नम्बर पर दिनांक 26-11-84 में रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-6-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

नाचकर विभिनिषय्, 1961 (196) का 43) की भारा 269-के (1) के विभीत क्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

रेंज-, भ्रहम शबाद

म्रहमदाबाट, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश र्सं० पी० ग्रार० नं० 3616/II—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाबार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 313, रिव छाया ग्रपार्टमेंट, है तथा जी श्राम्बा लाइन्स, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्रा श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 37 ईई के श्रीक्षान तारीख सितम्बर 1984 की

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कब को अवसान स्तिकस को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एते क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिकी (बंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए उस पश्चा क्या ब्रिकेन्फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाद की बावत, उपक बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में बृष्टिभा के हिन्द्। बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आयू मा किसी अब बा वन्त बास्सियों को, किन्हें भारतीय बावकर बीधीनवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिवस वा धनकर बीधीनवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताओं अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना लाहिए था, कियाने जें सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसस्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—

 मै० रिव इन्टरप्राइसेज, राजेश्वर भ्रपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।

(मन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र एम० काह्य रोनक टेक्सटाइलः द्वारा रोनक श्राइल्स राणी तालावः सुरतः।

(अन्सरिती)

की यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त चंचति में अर्थन के किए कार्यगाहियों करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 विश्व की समीध का तत्त्रक्तियों व्यवस्था का विश्व के उर्जन की समीध के 30 दिन की समीध , वां भी समीध सम वें समाप्त होती हो, वें भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थलद सम्बद्धि में दिस-वस्थ किसी बन्ध मनित द्वारा, वशेहत्वासदी में राख किसित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण् :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ध होगा जो उत्त बभ्याय में दिका गया ही ||

धन्स्यो

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में सितम्बर 1984 में पेफ किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज-II, शहमदाबाद

तारीख: 6-6-1985

मोहरः

प्ररूप नाइ. दी. एव. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

गारत व्रकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , ग्रहमधाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश री० पी० भार० नं० 3617/II—भतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 115-ए०, टी० पी० एस० नं० 9 है तथा जो ब्लाक नं० ए, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तीवक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरण से हुन्दै किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) ६ र ८४, दिस्तिविका व्यक्तियों, वर्षात् थ— (1) मैं वस्यम एसोसिएट्स भागीधार तुषार मार० वेसाई, सगरामपुरा, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं अप्रीवास प्लैट्स को आ हा सोसायटी, घाँडदी इं रीड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकन की तारी का बी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तोकरण :---इसमे प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निया हैं।

धनुपुत्री

जमीन जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 9159 नम्बर पर विनांक 7-11-1984 को रिजस्टड की गई है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, श्रहसदाबाद-

सारीख: 6-6-1985

प्रकल बाह्री, टी. एन. एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाच, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3618/II——श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्नको सं० उमरा, 20-3, 21-2-श्री० है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इनसे उपावद्ध स्रमुस्त्री में श्रीर पूर्ण रून से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-10-1084 को

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृत को लए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत के बन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्रमा ग्या प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबते, उक्त किशिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की बायित्य में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा की जिएह और√या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गुवा भा या किया जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री अव्यती कुमार मोहनलाल बखारीया, नवापुरा, मूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) विनाबेन नगीनदास, 105, श्रीभजात श्रपार्टमेंन्ट, नानपुरा सूरत।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पृद्यों क्त सम्पित्त के अर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुंबा हाँ।

अमृस्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 7439 और 7441 नम्बर पर सितम्बर 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

सारीख: 6-6-1985

मांहर :

अक्त नार्द_{त्र} टी_ल एन्_ल एस_{ल नवार}

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायक्त (निरक्षिन) प्रर्जन रेज-2, महमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 6 जून 1985

निवेश नं० पी० धार० नं० 3619/II—मत: मृह्मे, पी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमा (जिस अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्स, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० दुकान नं० टीं०-1 है तथा जो बाम्बे मार्केट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रिकस्ट्रीकता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मृत्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए अन्तरित की नद है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिन्मिलिक उद्देश्य में उसत अन्तरण निविद्यत में गास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी द्यादित्व में कमी करने या उसके बचने में अधिथा के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियीं को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में स्थित के सिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, क्रम्सेंस् :—- श्री मेहता नेमीचन्द हरखबंद, खांड बाजार, सुरत।

(भन्तरक)

2. मैं० लापसीवाला नथबस 13 गाजर कम्पाउंड कालझा बाडी बेगमपरा सूरत (धन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधिया. तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकारन की सार्योख के 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुध् किसी अन्य स्थावत ब्वारा, बभोइस्ताकारों के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विध-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 2891 नंबर पर नथम्बर, 1984 में रिजस्टडें की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, भ्रष्टमबाबाद

तारीख: 6-6-1985

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २69-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक **6 जून 1985**

निदेश सं० पीं० भार० नं०. 3620/II---श्रत: मुझे, जीं० कें। पंड्या,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

जौर जिसकी सं० दुकान नं० ए- 4 है तथा जो उमरजाड़ा, बाम्बे मार्केट, सूरत में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीज़र्ता प्रधिकारीं के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 कः 16) के प्रधीन, तारीख 28-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरतिफल को लाए अन्तरित की गई है और सुक्ते यह विद्यास अरतिफल को स्वरूप प्रतिफल का प्रचित्र की जौर अन्तरित से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गुमा गया प्रतिफल, निम्नलिनित उपदेश्य में उस्थ अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुड किसी बाय की शबत, डाबत बीधनियन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में बृविधा के लिए; और या/
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;
- ं अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं से अनतरण भें, भें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) कं अक्षेत्र जिल्लास्टिसित व्यक्तियों, **वर्धात**्र—

 मै० नरेन्द्र टैफ्सट।ईल्स, मोहनलाल कालीदास मोदी, दशहर रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० करीम टैक्सटाईल्स, हाजी करीम मोहम्मद हाजी मोहम्मद, सलसलपुर, सुरत।

(भ्रन्तरितीं)

को वह सूचना बार्डी करके पूर्वोक्त संपरित के प्रर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियाँ पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबह्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पात लिक्ति में किए जा सकारी।

स्पर्वाक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वबाहै।

वन्ध्यी

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। गम रिजस्ट्रार, सूरत में 10094 नंबर पर दिनांक 28-11-1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज- 2, श्रहमवाबाद

तारीखा: 6-6-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई^{*}. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3621/II---श्रत, मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं सं० 88-ए० और 88-बीं०, है तथा जो आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुस्ति: में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिस्ट्रीकर्ता अधितारी के लायतिय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1984

(1908 का 16) के अधान, तारीख 7-11-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रयमान प्रतिफल के एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री सनलकुनार चन्द्रवदन गउजर, ग्राम्या लाईन्स, सूरत।

(घन्तरक)

2. श्री राजबीलेन मुकेशचनद्र गज्जर, रानी तलाब, सूरत।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में मे फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित हैं । सब रिजिस्ट्रार सूरत में 9691 नंबर पर दिनोंक 7-11-1984 में रिजिस्टर्ड किया गया हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, श्रह्मदाबाव

सारीख: 11-6-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाइ . टी. एन् . एक् . ------

आयकर अधिक्षिणमः, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कायालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्क) क्रजीन र्रोज-ा1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां :: 11 जून 1985

निदेश सं० पी० शार० नं० $3622/\Pi - अत: पुक्ते, जी० के० पंडया,$

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का करण है कि अपने अस्मित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिल्हीं मंद 591-1 2 है तथा जो पालमा, ताद चोर्यासी में स्थित हैं (और इ.स. उपम्बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिक्ट्री ति अधितारीं के नार्यालय, मूल में रिक्ट्रिंग एण शिंदिस, 1908 (1908 सा 16) के अधीत, नारीख 14-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वाकत रंपित का उचित बाजार मृल्य उसके इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा कथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विषया जाना खाहिए था, छिपाने में सुजिए, की लिए:

अतः वस, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उभन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
30—206GI|85

 श्री नर्राहिस्भाई गोसियभाई प्रदेत और श्रन्य, दामता, ता० चोर्यासी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतिलाल परमूभाई पटेल, श्ररेथाण, ता० ओलासाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थासितयों में से किसी ब्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्षिकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु विश्व होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्या

जमीन जो पालमा, ता० चोर्यासी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 9819 नंबर पर दिनांक 14-11-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया स्थाम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, श्रहमदाबाद

तारीज: 11-3-1985

मोहर 🦃

प्रका बार्ष , ही, स्न्, स्य -----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भारत सहस्राष्ट्र

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनोक 11 जून 1985

निदेश सं० पी० आए० नं० 3623/II—अतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित शाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 719 है सथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1984

को बुबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कियत गर्वी किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जान की नावता, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण की वायित्व में कमी करने या उसमें बचने से सुविधा के सिक्; सौर/वा
- (क) एसी किसी जाव या किसी वन वा अन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियी इवारा प्रकट नहीं किया बंधा या या किया जाना जाहिए था क्रिकार से स्विकार के सिकार के सिकार

नतः कव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, वै, धक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थत् :--- श्री सतीश परथयम सिंगापुरी, इसीमपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

 श्री भूपेन्द्र गंकरलाल, बेगमपुरा, सूरता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कर संपरित से अर्चन के विष् कार्यनाष्ट्रियों करता हुने।

उबसे संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ५---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थित द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

लाकीकरणः—इतमे प्रयुक्त कव्यां और पर्यों का, जो उन्ध् अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्स्यी

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 9906 नंबर पर दिनांक 20-11-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, अहमदाबाद

तारीख: 11-6-1985

प्रस्थ नाइं.टी.एन.एस.-----

जाधवार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3624 11---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वार्ड नं 1,2452 प्रीतमनगर है तथा जो प्लाट नं 40, भरुव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 16-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थाप्या ग्रीतफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाय। शाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण इंबें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ह— श्री रक्षापरन हीरालाल, आंसावाडी, एस० एच० रोड अहमदाबाद।

(अन्सरक)

2. श्री परसराम रितलाल भीमवाला, श्रीतमनगर, भरुच।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुएं।

उन्सत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वास्पेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उपत स्थावर संपरित में हितकद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, आं उम्सा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा सवा है।

अन्स्ची

मिलिक्यित जो भरुच में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, भरुच में 1836 नंबर पर दिनांक 16-11-1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंजया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 11-6--1985

धक्य बार्षं. टी. एम. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्वना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्तक) अर्जन रेंज--2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुन 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3625₁II——आतः, मुझे, . जी० के० पंडथा,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० उमरा, 63, एच०--1, 1-ए०, 1-वी०, 2-ए०, 2-वी० 3-ए०, 3-वी० है तथा जो उमरा, सूरत में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 14--11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जनमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास फरने के कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्बस्ति को उचित बाजार मूला, उसके स्थ्यमान प्रतिफल ते, एमें दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्राप्त प्रतिशत से विश्वक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पामा पमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अम्बरण किख्छ में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गुणा है :---

- (क) कल्लरण से हाई फिजी जाव की बाबस, उक्त विभिन्निक के विभीन कर दोने के अन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीना, निम्नजिकित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. रा १००१ हे १८८८ सौरभ सोसायटी,

सौरभ सोसायटी, घोडदौड, सूरम।

भ्रन्तरक)

2. डा० अशोक कुमार दिनेणचन्द्र, गणेशकुषा सोसायटी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अधिभ बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में म किभी स्पन्तित हुवारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिएका में किए जा स्थान

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियर के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्स्ची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, कृरतमें नंबर 8477 नंबर परदिनांक 14-11-1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 11-6-1985

प्रकप बाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985
निर्देश सं० पी० आर० नं० 3626,2-अतः, मुझे,
जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके ध्राक्त प्रकार स्थितियम कहा गया है), की भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यान उटन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस्त नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० जोरसद है, तथा जो जोरसद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरसद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर में का कारण है कि यथापुबक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रबयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिदान से की के ही कर अन्तरिक कि एक के कि एक नम कि पास प्रतिफल के कि पास अन्तरिक कि पास की कि पास के कि पास नम प्रतिफल, कि जों नावत उद्धारम में उन्हें कि कि पास की की की वास्ती बार की साम से कि पास नहीं किया में कि पास की की वास्ती बार की साम से कि पास नहीं किया में कि पास की की वास्ती बार की साम से कि पास नहीं किया में कि पास की की वास्ती बार की साम से कि पास नहीं किया में कि पास की की सिक्त की वास्ती बार की से कि पास निर्माण की की साम से कि पास निर्माण कि पास की की साम से कि पास निर्माण की की से कि पास निर्माण की की से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की से की साम से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की सिक्त की साम से कि पास निर्माण की सिक्त की साम सिक्त से की सिक्त से कि पास निर्माण की सिक्त से की सिक्त से की सिक्त से की सिक्त सी की सिक्त सी की सिक्त सी सी सिक्त सी सी सिक्त सी सिक्त सी सी सिक्त सी सी सिक्त सी सिक्त सी सिक्त सी सिक्त सी सिक्त सी

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए, बीट्र/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्थिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भें सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुबद्ध की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री मनुमाई देसाईभाई, श्री भाईलालभाई देसाईभाई, श्री श्रंतालाल देसाईभाई, जोरसव।

(ग्रन्तरक)

 श्री एस० डी० पटेल, क्रिक्ननगर विभाग-2 जोरसद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यश्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस अवना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या नत्यप्रवस्पी अधिकत्यों पर स्वेत्य को त्या राज्य प्राप्त को संविध, जो भी अविधि कार में समाप्त हुएंसी हैं। के भीतन प्रवेतिक सावना मा साविक्षी अधीकत दनारा;

> त न व राजध्य में प्रकाणन की तारीच में उ जिल के में तर प्रकार स्थावन संयक्ति माँ फिर बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

ं राजा अरा वर अधिनियम को अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, यहाँ मधे इत्या को उस अध्याय मी दिश गमा हो

बनुसूची

जमीन जो जोरसद में स्थित है जिसका कुल मूल्य 1,60,000/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार जोरसद में 6303 नंबर पर दिनांक 26-11-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

इष्ट् भार्यः स्रो_ध पुष्_ध पुष्_धक्रका

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) के स्थीर मुख्या

STATE SECTION

कार्यास्य, सङ्गायुक्त नामकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णम रेज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० भी० भ्रार० नं० 3627/I[——भ्रतः मुझे, जी० के० भंडया.

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी रूं जमीन-2430 है तथा जो टी॰ पी॰ एस॰-6, श्राणंद में स्थित स्थित है (और इससे उपाबक श्रमुनी में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्ष कारी के कार्यालय, श्राणंद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 30-11-84 को पूर्वोक्स सम्पत्त के उपात बाबार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपात बाजार मृत्य उसके ख्रयमान श्रीतफल से, एसे ख्रयमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे क्सरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कलाइण से हुइ किसीं भाव की वायत उपक अभिनियम के सभीन कर दोने के सन्तर्रक के समित्व में कमी करने या उसने वचने में स्विभा के सिए; सीर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन वा जन्म वास्तियों की, जिल्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के हवोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या वा किया पाना चाहिए था, जियाने वें ब्रिया वें विका

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह— श्री नटवरभाई मोहनभाई गोरेल और भ्रन्य, लोहीया भागोल, बडवाली पालिया, भ्राणंद।

(प्रन्तरक)

 मै० म्रहमदभाई हसनभाई, भाषीदार—श्री ग्रहमदभाई हसनभाई भोलसन रोड, ग्राणंद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकतः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनक उम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपन के प्रकारन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

जमीन जो आणंद में स्थित है। जिसका कुल मूस्य 70,000/- ४पए है। सब रजिस्ट्रार, आणंद में 4261 नंबर परदिनांक 30-11-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज- , अहमदाबाद

ता**रीख**: 7-6-1985

मोहर 🖫

प्रकृष **बाइं.टो. प्रन्. एस. ----**

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकाड

आर्थालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० $3628/\Pi$ —म्रतः मुक्ते, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित दाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिस्तीन, धोलका है तथा जो ता धोलका जि ग्रहमदाबाद में स्थित है (और धमसे उपाबढ भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, धोलका में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-11-1984

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरित्वों) के बीच एसे अंतरच के लिए तय पाया गया प्रतिक कता, निम्निसिचित उच्चेक्य से उचित कन्तरण जिख्यित में बास्सिक क्या से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की बावत. उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, शक्त अधिमियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री विनोदचन्द्र श्रंसालाल पटेल, मोटी खडकी, सावला।

(भ्रन्तरक)

 श्री चेसनकुमार जितेन्द्र बमार अहमदाबाद, त्रि.ण्ना केमिकल्स, लो गार्डन श्रपार्टमेंट, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सम्बा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र से प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर एकत स्थावर शस्पिंश में द्रितग्रहभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में उरिभाषित हैं, कार्य गर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया भी

अनुसूची

जमीन जो धोलका में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,32,925/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, धोलका में 2012 नंबर पर दिनांक 9-11-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

प्रक्रम भाष्ट्री, दी, एनं, एस. - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-घ (1) के अभीत सचना

मारत संरकार

कार्यालया, न्ह्याप्ट अस कर अस्थला िनरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, श्रहमदादा**व** श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3629/II-अतः मुझे

जी० के० ५डया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में **इसके प**रचात् 'उचन अर्थिशियम' कहा गया**ह**ै), **की धारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थायर भण्णीव्या जिसका उचित बाजार मुल्या 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संव मोडासा है तथा को ताव मोड.सा में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में और पुण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्का ग्रहिकारी के कार्यालय में रजिस्द्रीकरण श्रद्धिनयम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-11-1984 को पूर्वोक्न सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वेकित सम्पन्ति को उसित बाबार मृत्य, उरको दश्यमान परिफाल से, एय क्यामान परिफाल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी अपरने या उससे बचने में सुविधा र निष्, भौर/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाें करो , विकास अध्यक्ति आसाधार अभिनित्र में , 10,00 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अर्विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध

्त: भवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात:---

 श्री मरियम महमद यूसुप टाढा, श्री मरियम ईक्राहीम गुजराती, भोडासा, ता० मोडासा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री म्माभाई हाजी गपूर मुक्षार, म्लासनजी हाजी गपूर सुकार, श्रमुषभाई हाजी गपूर सुधार, भोडासा ।

(श्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपप्र मो प्रकाशन की तारी**स** से 4 ९ क्षिन की अपनाभ या तत्स्पत्रभी अव्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अप्रकाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से निसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की ता**रीख के** 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में **हितवव्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए वासकों।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जमीन को मोडासा में स्थित है जिसकी कुल कीमत 1,20,000/- रुपए हैं। सब रजिस्ट्रार, मोडासा में 1316 नंबर पर दिनांक 2-11-84 को राजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

जोहर 🕾

प्रकृप आर्था. ही. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूभना

भारत उन्हार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जुन 1985

निदेश मृं० पी० ग्रार० गं० 3630 II—ग्रत—ः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के जनान सजन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० इन्दौर है तथा जो त ाजी जिला मैंसाना में स्थित हैं (और इससे उपावक अन्सूची में और रूप से वांणत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रावाति के उपांतिय, कहीं में राजस्ट्रीकरण प्रावित्तयम 1908 (16 1908 का) के अधीन, तारीफ 9-1!-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एमें रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिनिधा के लिए: और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते अयाजनार्थ जन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या आ दिया जाना चाहिए था, जिसासे में राजिया के लिए;

कत (१४), घाट अधितियम की धारा 269-ग व्हें क्यागरण मो, मो अक्ट अधितियम की धारा 260-व की लगधारा (1) वं अधीर विभाग कि क्याक्टब्यों, गर्थाक -3 ---206 G1/85 श्री लल्लूभाई प्रभातभाई रसारी, द्वारा श्री जीवराज चुनीलाल शाह, भंडेरीकोरी, मुंबई।

(ग्रन्तरक)

 श्री जीवराज चुनीलाल शाह, भंडेरीमेरी, मुंबई।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त और ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अपक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ण विभिन्न में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः -- इससं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

जमीन को ईन्द्राष्ट में स्थित है जिसका कुल मूल्य 1,79,130/- एपए है। सब रिजस्ट्रार 1880 नंबर पर दिनांक 9-11-1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या सक्ष्म प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायकत ((निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, श्रिहमदाबाद

नारीख: 13-6-1985

क्षाहर

प्रस्प बार्ड .टो .एन .एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

श्चर्णन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं पो० ग्राई० गं० 3631/ ----ग्रत : मुद्ये,, जी० के० पाया.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस हो सं० हड़ी-हस्बा है तथा जो जिला महेसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रिगा है) हो निस्तानी प्रविद्या के हार्यालय, हड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्स संपत्ति का उचित बाजाल मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल हो एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिक हो से से से से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की शक्त, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौट्/बा
- (क) एसी किसी त्राय या किसी धन या बन्य आस्तिबों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियंग, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंग, या धन-कर अधिनियंग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, किस्मितिक व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्रोमतं तारासरन पार्यःख, प्रभुलाल हीरालाल, कर्डा।

(ग्रन्तरः)

 मैं० एन० के० दैक्सटाईल प्रा० लि०, डायरेक्टर---श्री हेमेन्द्रभाई नारणदास पटेल, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजण्य मा प्रकाशन की तारीह सं 45 विन के भीतर उत्तरणावर प्रमातिन में हितबहुण जिम्मी आप राजिन द्वारण अलोहरताक्षणी के पाम गण असे का विश्व पाप सकेर र

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो राम शब्दाय में दिया

अनुसुची

जभीन जो कड़ी में स्थित है जिसका मूल्य 1,49,952/-रुप*े* है। सब एजिस्ट्रार, एड़ो में 1919 नंबर पर **दि**नांड़ 15-11-1984 में एजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

माहर :

प्ररूप बार्च .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज - II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3632/II—म्प्रतः मुद्ये, जी० के० पंडया,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं 194, उंजा है तथा जो ता॰/जि॰
मेहतना में स्थित है (ग्रोर इत्तर उपाबद्ध ग्रनुसुना में
ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राक्ति ग्रिधिकारी के
कार्यालय, 3, मेहताना में रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनयम, 1908
(1908 का 16) के ग्रधोन, तारीख 5-12-1984
को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— श्री पटेल ईश्वरभाई शीवराम, उंजा।

(ग्रन्तरक)

 मै० पंचशील कार्पोरेशन, भागीदार—श्री पटेल मणीलाल पुंजीराम ग्रीर ग्रन्य, इवादी, उंजा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो रुडों में स्थित है जिस हा मूल्य 1,15,825/- रुपए है सब रजिस्ट्रार, उंजा में 946, 947 नंबर पर दिनांक 5-12-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-6-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्ज रज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० पं≀० ग्राःर० नं० 3633/∏—श्रातः मुझे, जी० के० पंडया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिलकी मं० ब्लाट नं० 143-बंग्ल, सेक्टर नं०-20 है तथा जो गांधीनगर में स्थल है (ग्राँग इसमें उपाबद अनुसूचा में प्राँग पूर्ण का म वर्णित है), रिजस्ट्राइती प्रधिकारी के प्रशंत के प्रशंतियम में प्रांतिकार अहमदाबाद में रिजस्ट्राइत प्रधित्यम में 1908 (1908 हो 16) के प्रशंत, तारोख 3-9-198 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गयर प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रपाण प्रा० लि०, मेकर चेम्बर्स, जमनालाल बजाज रोड, नरोमन व्याइंट, बम्बई-21।

(ग्रन्तर ६)

श्री महेन्द्र प्रभाणंकर दोशः,
 श्रीमति बेतारासरल किशोरभाई टोर्सः,
 घाटकोपर, बम्बई-77।

(श्रतनिरत्ते)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरणः --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट जो गाध। नगर में स्थित हैं। 37-9ईं का फ़ार्म पर कार्यालय में 3-9-84 में पेश किया गया है जिसका कुल मूल्य 1,50,720/- रुपये हैं।

जी० के० पंख्या 'श्वम प्राधिकारी' महायक श्रायकर श्रायुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेज~2, **श्रहमदाबाद**

तारीख: 1-7-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सुचर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदानाद, दिनाक 1 जुनाई 1985

निर्देश सं० पी० प्राप्तः नं० 3634/11--अतः $^{\prime}$ मृद्ये, जी० के० पंडयः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंत्त, जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव गांधा नगा है तथा जो गोधीसगर में स्थित है (श्रीर इसमें उताबद्ध अनुसूचा में श्रीत पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीत श्रीक्षा रा के कार्यालय में श्रम्भदाबाद में रिजस्ट्री रण श्रीक्षिक्षमा, 37-ईई भा

श्रवीत, तारीख ३--१--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जेटिएत की गई हैं और एक यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिचक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य स उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को एंजन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

बतः अय, उकतः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निर्मिसन, व्यक्तियमें, अर्थात :— मे० आपार प्रा० लि०, तरामाल लोइंट, वम्बई--21

(अन्तरक)

2 श्री सर्वदमन प्रतापराय णेट.
श्री उत्पत्र नरोत्तमदाम पारेख,
दरबारगढ रोड, उपलेंटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप -

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्काक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

पलैट जो गांधी नगर में स्थित है जिसका कुल मृत्य 1,68,000/- ६० है 37-ईई० हा फ़ार्म पर कार्यालव में पेश किया गया है।

> जी० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, श्रहमदाबाद

मारीख: 1~7~1985

प्ररूप बाइ े. टां. एन. एस. -----

भारत विभागयम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-थ (11 के अधीन मुखन

ध्यारत सरकार

कार्याक्रम, तहायक अध्यक्षर राय्क्त (निरीक्रम)

शजन रेंग-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां : 1 भ्लाई 1985

निर्देश सं० पीं० धार० नं० 3635/II---अतः मुझे, जीं० कि. पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके प्रेचात् 'उनत अधिनियमं कहा गदा हो), की धारा 263-भा के अधीन महार १७६३-११ का यह फिलास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकीं सं० 1951 म ान है तथा जो महेसाणा में स्थित है (और इासे उपाधड़ अनपूत्रों में ओर पूर्ण रूप से विणिम है) रिजिस्ट्री ती श्रीक गरी के वार्यालय, महेसाणी में रिजिस्ट्री रिण अवितिस्थम, 1908 (1908) 16) के अवीन, तारीण 28-11-1984

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिसानियम के जिसीन कर दने के अन्तरक खें दायित्व में कमी करनाना उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/धा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की बिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 के नी नियम, 1957 जिंदा नियम, शा धन-अन्य आधानयम, 1957 नी 957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वाब, उक्त वीधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इ अधीन, विम्नतिधित व्यक्तियों, वर्धात् :— श्री नारायणभाई रामजीभाई, महालक्ष्मी सोसायटी, गोहसाना।

(अन्तरक)

2. श्री गिरीशकुमार भाईलाल ब्रह्मभाट्ट, बताइ तं० ६, महेताणा

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संफित के अवंत के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्या स्वर्ण में से एको कि स्वर्ण का स्वर्ण का
- (स) इस सुचना का र जपत्र मां प्रकाशन की तारास सं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्वाय संस्था का मां कार्य।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त: शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्सूची

मकान जो महेशाणा में स्थित है जिसका कुल मल्य, 80,000/- रुपए है और 59 चौ० का० कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, भहेशाणा में 4429 नम्बर पर दिनांक 27→11→84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रंथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

त रोख: 1-7-1985

मोहर 👂

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंद्र--2, श्रहमद्धाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जलाई 1985

निर्देश सं० पी० श्राप्त नं० 3636/II--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संभूम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

अ2र जिल्ला सं० जमीन और म. ान 13289 और 13290 है तथा जो पालनपुर में स्थित हैं (और इसमें उपाश्रद्ध प्रम्-सूची में और पूर्ण वय ने घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में लिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-**ईई)** के प्रधीन , दिनां 14-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिल्लाचन राजार सुल्य से कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथा पुनित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृष्यमान प्रोत्यत मं. एसे दृश्यमान प्रीतफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्शर्रातयों) है कीन ऐसे एक स्थार्थ में जिल्लाम्य पासा गया प्रति-फान, निम्निलिक्ति उद्देश्य स १८८८ अगराण निकित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उपसे बचने में स्विधा ल्ये लिए: लोग/या
- (था) मुक्ति किसी आय मा किसी अने या अन्य **आ**रितयां को, जिन्ही भारतीय आगन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) पा कुल्ल अधिनियम, या धनकर अधिनित्म, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ जलरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया शा सा किया हार शिक्षा का कियाने में सविधा के जिए:
- ात हत, बात आ कियाम की पारा 26**9-ग के अनमरण** में मैं उपन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ः प्राप्तेतः, निर्मातिनिर्मा स्था<mark>वित्राते, अथित :---</mark>

प्रकृष आहुं. हो. एन . एस . ----- 1. श्री न व्यविद् राष्ट्री ह चादडा, शीव कार्पारेशन भागीबार, पालनपूर ।

(ग्रन्तरकः)

2 श्रीमती पंचायुमार स्केशबुमार शेठ, पेडवा, ता० पालनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पोत्त के अपन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवां भागा तत्संबंधी व्यक्तियां नर सुचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अविधि को बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां म स किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पान लिसिट में किए जा सकीगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयाक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधं होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

जमीन जो पालनपुर में स्थित है जिसका कुल मल्य 1,20,000/- रुपण् है। अब अनिस्दार, पालनपुर में 2340 नंबर पर दिनांक 14-11-1984 में अजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० कें ० पंडया पक्षम प्राधिद्वारी महास : पायत् : बाय्का (निरीक्षण) पर्जन रोंज-ा।, श्रहमदाबाद

नारीख: 1-7-1985

प्रकृष: भाई हो. एन. एस ----

आयकार गोलानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रयः सहायक कायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज--2, ऋहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांवः 1 जलाई 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3637/Ш——श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिस्का अभिनयम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव दी क्लान्ट इष्डियन डायस्टम है तथा जो इण्डस्ट्रींज लिव पनाली में स्थित है (औप इससे उपाबड़ अनुसूची में अाँग पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रींजर्ता अधिकारी के त्रायलिय अहमदाबाय में पितरहींच्या अधिकारी के त्रायलिय अहमदाबाय में पितरहींच्या अधिकारी के त्रायलिय अहमदाबाय में पितरहींच्या अधिका पूर्वींक्त सम्पत्ति के अधींन, तारीख 4-11-1984 को पूर्वींक्त सम्पत्ति के उम्ति बाजार मृत्य स कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींक्त संपितित का अबत बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितर्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय गया प्रतिफल त, निम्नितिबित उद्योक से उक्त कन्तरम निषित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत. उक्त नोप्यान्यक के अभीन कर दोन के बन्सरक के कथिएत मा कभी करन या उससे बचने में सुविधा
- (ल) एसी किसी त्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए;

कतः कर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण याँ, माँ, सकत गोधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के यथीन स्मिन्निकित व्यक्ति गां प्रथति --- ा श्री अंबाला : ाराभाई एस्टरप्राईजीस लि०, वाडी वाडी, बड़ीया--7।

(प्रन्तरक्)

2. श्री जे० नीं० पटेल, ज्वाइन्ट मैनेजिन डायरेक्टर, इण्डियन डाई स्टाफ लि०, मफतलाल सेन्टर नरींमान पोईन्ट, सम्बई।

(श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त अपत्ति के अर्थन के संबंध मा कांद्रों भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्क्षंबंधी न्यांक्रियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में पंभास्त होती हो, दी भीतर पर्वोक्स ज्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर मंगरित में विशवस्थ किसी अस्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विशेषत के किए जा सकति

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहाँ अर्थ उपेगा, उसे अस अप्राय में दिया गवा है।

नेप्यक्र

रनोलीना संबंधाः एवान्ट भुजध जो बड़ौदा में प्लांध है। जिसकी कुन मूल्य 16,51,00,000/- रुपए हैं। उनका खरीददार श्री अंगालाल गाशभाई एण्यरप्राईजेस लि० हैंहै और खरीद को जो बेचनार इण्डियन डायस्डाफ उन्डस्ट्रींज लि० हैं।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारीं यहाय⊕ श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 1-7-1985

शाक्य बार्ड . ही . एवं . एक ...--

बायक र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) हाँ भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

श्रारतं चरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्राक्षण)

धर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० झार० नं० 3638/11--- झतः मुझे, जी० के० पंड्या.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम कारने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्नों सं० जनीन देवतर बालीमोरा है तया जो बालीमोरा में स्थित है (और इन्ने उनाबद अनसूबी में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीवरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित चंब्रवेश्य से अक्त अन्तरण सिक्त में वास्तरित के विष् तय वाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित चंब्रवेश्य से अक्त अन्तरण सिक्त में वास्तिक क्य से कियत महीं किया गया है द—

- (क) बन्तरम व शुद्ध मिन्दी जान की शावत , क्यत शीमीनवर के संबीत कर दोने के बन्तरक के दाशित में कभी करने वा उदसे वचने में सुविधा के सिए; शोद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी पर्न या अन्य अस्तियों को बिन्हें धारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन् कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा औं सिए;

बतः वन, उनत मिनियमं की भारा 269-मं के बन्सरण में, मं, उन्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अभित् ह— 32—206 GI|85

 श्री नानमाई रावजीभाई पटेल, लक्ष्मी फलिया, देवसर, ता० गजदेवी।

(भ्रन्तरक)

2. मै॰ सोमनाय को॰ धा॰ हा॰ सोसामटी, नानाजीभाई रावजीभाई पटेल, देवसर, ता॰ गजदेवी।

(ब्रन्तरिती)

सहै यह सूचना चारी करेकी पून्यत्व संस्पास्त के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन की सर्वीध या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धर्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहर्स्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उपत जीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

मिलिक्यित जो देवसर में स्थित है। सब रिजरद्रार, गनदेती में 782 नंबर पर दिनांक 21-11-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, महमदाबाव

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🛭

THE RIES AS A STATE OF THE PARTY OF THE PART

बायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-अ (1) जो बधीन स्वाना

MEN SEALS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० पी० ग्रार० नं० $3639/\Pi$ —अतः मुझे जी० के० पंड्या

धायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचितः वाजार मृख्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सासवीं मंजिल है, तथा जो भोफटले टावर, बढोदा में स्थित है भीर इससे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०ई० के अधीन सारीख 4-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए त्य वाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें- में, उक्त अधिनियम की धारा-269-ण की उपधारा (1) के अधीन, नियनसिकित व्यक्तियों, अधीत ह---

 म० वसंत कुटीर डिवेलपर्नेट कम्पनी, बड़ीदा।

(अन्सरक)

 मकरन्द देसाई केमिली ट्रस्ट भौफटेल टावर, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत् सम्पृतिः में नर्जन में संबंध में कार्य भी भाशेष द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी बर्मी बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीवह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्ति रण 3-- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के वश्याद 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रवा हैं।

मन्स्पी

मिलकत जिसका मूल्य 6,00,000/- रुपये है। सातवीं मंजिल आफटेल टावर, बड़ौदा में स्थित है 37-ई०ई० का फीम पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🛭

प्रकृष कार्यु को <u>। प्रकृत प्रकृतक अप</u>

बायुक्त विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के ब्योन बुक्ता

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० पी० म्रार० 62/1043/84-85-अतः मुझे आर० भारताज

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 65/1/एन एन०हैं, सथा जो मृत्युन्जयनगर दारवार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 24-11-1984

को पूर्वोक्स तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत्-रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिनिस्ति उद्योध्य से उनत् बंतरण निम्मिनिस्त उद्योध्य से उनत् बंतरण निम्मिनिस्त उद्योध्य से उनत् बंतरण निम्मिनिस्त ज्यास्तीयक कुप से कथिय नहीं किया गया है ■—

- (क) ज्ञान्तरम् वं हुए कियो जान की वादत्त अका अप्रेगीयन के मधीन कर वोचे में बनारक के वादित्य में क्यो करने वा उन्नवे व्यवे में हुनिया के विष्: अप्रिंग
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या वन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, कियाने जैं स्विधा के लिए;

भता भव, उनत जीभीनयन की भारा 269-ग से अनुसरण में, में, उनत जीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) से सभीन, निम्निलिशित व्यक्तियों हा अभीत हैं

 श्री जगन्नाय भीमराव कालाल होसयल्लापुर, शिवानन्यन मगर वारवार ।

(अन्तरक)

 श्री बसन्त गोल्लप्पा गोल्लर रेनुका आयल मिल्स, मृत्युन्जयनगर, दारबार।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्जे प्वॉक्त् संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्द सम्परित के क्वान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🐛

- (क) इत स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ड़ स्वना की तामील वे 30 दिन की स्वाधि, को धीं अव्धि बाद वें समाप्त होती हो, के धीतर्ड पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थान्य द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पाई निवित में किए वा सकति ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त कथ्यों तीर पर्यों का, जो उपस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित की, यही वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिवस चुना ही।

अस्य

(वस्तावेज सं० 1135/84-85 ता० 24-11-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 65/1/एम० एन०, जो मृत्युग्जय-नगर वारवार में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर।

तारीख: 5-7-1985:

प्रक्ष बार्च, टी. एन, एस्. :::---::::::

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

गाउँच जरुकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेज, बगलूर

बंगतुर, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1061,84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाण अभयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाजाड मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 3773,3773,3595 है, स्या जो गांधीनगर गिमोग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वाद है), र जिल्ही कृती श्रिधिकारी के कार्यालय णिमोग में रजिल्ही ह अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1984

को प्रोंक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित को वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त धरिशनियम के सभीम कर दोने के बन्तरक के दायित में कमी.कडने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए। ब्रोड/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जा जन्य वास्तिनी की जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियमें, 1922 (1922 की 11) या अन्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनीर्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में जूनिया के सिए।

कतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण कों, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-गे की उपभाराः(1)ं के अभीत, निस्तिविद्युव्यक्तियों, वर्षात् ■

- (1) श्री भारत कुमार तका, पी० ए० होलंडर, मनिबेन द्वारकादास तका,
 - (2) श्री महेश कुमार तका, गौधीनगर, शिमोग।

(अन्तरक)

- 2. (1) जी० एन० नरसिम्हा मूर्ति,
 - (2) श्री डी॰ एन॰ श्रीनिवास मूर्ति, पुरामा बरलेन रोड शिमोग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कुरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूषानु के सम्बन्ध में। कोई भी, नाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिने की अविशेषा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविशेष, जो भी अविशेष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपर्ति में हितबबुध किसी अन्य क्यक्ति दूवारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

(दस्ताबेज सं० 1880/84 ता० 2-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 3773/3773/3595, जो गोधीनगर शिमोग, मैं स्थित ($45' \times 66'$) है

> मारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 6-7-85

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आगुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज, वंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1013/84-85—यतः मुझे भार० भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 0 140/13 है, तथा जो कागवाड विलेज अतानी डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि हिंदा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के क्रिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आहिस्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के सिएंट्र

 श्री श्रीमन्त प्रताप सिंह सर्जेराव, सीतोल, धन्काली तालूक, बेलगाम डिस्ट्रिक्ट, चिकोडो

(मन्तरक)

2. श्री तत्या साहेब श्रप्पा साहेब, किन्नागे, प्रोफेसर श्रारट्स श्रीर कामसं कालेज, कागवाड तालूक, श्रतानी बिस्ट्रिक्ट, बेलगाम ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को क्र्रंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची.

(वस्तावेण सं० 2325/84-85 ता०5-11-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 140/13 जो कागुबाड बिलेज; धतानी डिस्ट्रिक्ट,बेलगाम में स्थित है।

> धार० भारकाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त(निरोक्षण) धर्जन रेंज, बंगसूर

कतः हम, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कि, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित स्पनितयों, अर्थात् ॥——

ताग्रीब : 5-7-1985

मोहरः

शस्य आहे<u>. टी. एन. एव ुक्तान्त्रात्रा</u>

नामध्य मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

शास्त संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 1063/84-85---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5035/5175, एस० नं० 27/2 है तथा जो रवींद्रानगर, शिमोग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-11-1984

कार्यं लिय शिभोग ; धारा 269 क, ख

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मून्य से कम के ध्वममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्वममान प्रतिफल से एसे ध्वममान प्रतिफल के पन्त्रह 'तिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उन्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ध्—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय नहीं वावत्, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वज्जने में सूविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

नतः मनः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीतः, निम्नलिवित व्यक्तियों, सथितः ॥— श्री ए० उमाकान्ता राव, गणपति टेंपल स्ट्रीट, रवीन्द्रानगर, शिमोग

(भन्तरक)

2. मै० स्वामी विबेकानन्दा एजुकेशनल एसोसिएशन, 5,फास रोड, रवीम्द्रा नगर, (रजिस्टर्ड) शिमोग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करहें पूर्वोक्त सम्पत्ति हो अर्जन ही सिंह कार्यवाहियां करता हूं।

बक्रत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राज्यत्र में प्रकासन का तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितनव्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकीने।

स्वाक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र प

(वस्तवेज सं० 1982/84ता 15-11-1984) सम्पत्ति जिसका सं० 5035/5175, सर्वे नं० 27/2, जो रबीन्द्रा नगर, 4, डिवीजन, शिमोग सिटि, नें स्थित है।

> मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मागुक्ट (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 5-7-1985।

मोहरः

प्ररूप **बाह**ै.टी.एन.एस<u>ः</u> =-======

बायकड व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुजना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकाड बायुक्त (निर्द्रीक्रण) ग्रर्जन रेंज-II, महास ।

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० 206/11/84— ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से जिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 17 है जो पेक्त्तयूर--क्षवन्दम्पालयम
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित
है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय क्षवन्दम्पाडी लेख सं०
1110/84 से 1112 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1984
को पृवांकत सम्पत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के दूरममन
श्रितिकल के लिए अंतरिस की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिणत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उव्यवस्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की स्वियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांद्र/वा
- (क) एसी किसी जान वा किसी भन या जन्य आस्तिवीं करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आशा जाहिए था, छिपाने में सविधा के निए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जयरामन

(भन्तरक)

2. श्री के ॰ मारपन भीर भन्य

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिर्गः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस मृध्याय में दिवा नया है।

प्रमुख्यी

भूमि—पेरुन्तलैयूर गांव एस० नं० 17--- कवन्दम्पाडि लेख सं० 1110/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज-Iा, मद्रास

तारीख: 11-7-1985

मोहर 🛚

प्रक्ष नाइ टी. एन. एस.,----

भायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारत 269-म (1) की मधीन सूचना

HIST TSTEE

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-ग़ा, मब्रास

मद्रास, विनोक 11 जुलाई 1985

सं० 154/ नवस्वर 84—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० तामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूल्य 1,00,000/-क से अधिक है

भौर जिसकी सं े परम्बाक्कम् गांव 163 है, जो पेरम्बाक्कम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुवेल्लूर लेख सं े 2884 से 2889 और 2905/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने गृह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्यित्यों) के बीच ऐसे बन्तरन के निए तय बाबा बना इतिकल, निम्नसिवित उद्देशन से उन्तर अन्तरम किश्विद के बास्तविक स्म से क्षित गृहीं किशा नवा है है—

- (क) कराइक से हुई कियीं नाम की वावस, उपस अभिनियम के नभीन कर दोने के अन्यरक कें वासित्य में कमी करने वा उससे ब्यूने में ब्रुविया कें लिए; और/यी
- (क) एंडी कियी बाव वा कियी वंध वा बन्द बास्तिकी की, चिन्हें भारतीय बाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत विभिनियम, वा धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा. किया सविभा के बिद्ध:

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरकः कें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपभाद्य (1) के ब्योन, निजनसिक्षिण व्यक्तियों वर्षात् करू

1. श्री पी० बी० स्यागराजन और धस्य

(बन्तरक)

2. मैं वजयाथी रिसोरसेस लिमिटेड ।

(प्रन्तरिती)

को नह गुजना बारी करुके पृत्रों कर सम्पृतिस की शर्धन के विद्य कार्यवाहियां करुता हुई []

इस्त बम्परित के शर्मन में सम्मन्त में कोई औं बार्बप्रक

- (क) इसे स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 विन की वनिश्व में प्रकाशन की तारीब से स्वाप्त की कामित से 30 दिन की अविभ, वो श्री क्विथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व वर्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागाइ
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थावत इवारा नथोहस्ताकारी के बाद जिस्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों भीर पदों का, वो उक्स विभिन्यम के बच्चाय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस बच्चाव में दिसा मुंबा हैं 🏻

प्र**ग्**ला

कृषि खेती 163, पेरम्बाम्कम---तिरूवेल्लूर---जेख सं॰ 2884 से 2889 भीर 2905।

> एम० सामु**वेश** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 11-7-1985

मोडउ ह

प्रकृप जार्ड . सी. एन . एस . ------

बायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्पना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक भायक इ नायुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मदास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० 161/नवम्बर 84/रेज-11--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० भामुबेल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिल्ही सं पेरियाई वीथी है, जो कोयम्बनूर तालुक में स्वित है (ओर इनो उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयि अधिवारी के नार्यालय, कोयम्बनूर लेख सं 4782 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिशी (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित ये वास्तिक क्प से कथित महीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-भियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विषय गण था या किसा जाना वाहिए था। दिल्याने व जीवजा के निरा

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----33 ---206 GI/85 (1) श्री सुद्रमणियम् और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीं पलनियम्माल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की वविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पब्दिकरण ६---इसमें प्रयुक्त कन्दी और पदों का, वो उसते विभिनिवस के विभाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं ॥

वन्स्ची

भूमि और मकान टीं० एस० नं० 5/124, पेरियाः है वींथीं, कोयम्बत्र, कीयम्यत्रा लेख सं० 4782।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-11, महास

नारीख: 11-7-85

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एस० देवराज और श्रन्य

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) श्री एस० दण्डपाणि

कार्यवाहियां करता हुं।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्राजैन रेंज-II, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 11 जुलाई 1985

तिर्देश मं० 211/नवम्बर 84---ग्रतः मुझे, श्रीमतीं एम० नाम्बेल,

ामकार जो भी नयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें न्यार है), की धारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और त्रिकी सं० भूमि और मेरान है, जो ईरोड टाउन में स्थित है (अंरइस्से उपाबड अनसूवी में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीं कर्ती ग्रिधिकारी के वार्यालय, ईरोड--लेख च० 4481/84 में भारतीय रिजस्ट्रींडरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पात्त के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वेक्ति मंपतित का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमा। प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हीलांखत उद्वेश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधित् :---

जबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 किन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस राचना क' राजपक में प्रकाशन की तारील से 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अम्लुची

भूमि और मकान---ईरोड टाउन, ईरोड। लेख सं० 4481/84।

> एम० नामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1985

मोहर 🛫

प्रकष् बाध"ः टी. एव. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध !1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सम्बद्धक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, धिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देण सं० 212/नवस्बर 1984---श्रतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 254, वार्ड नं० 18, अग्रहार वीथीं है, जो हरोड़ टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूचीं और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरोड़, लेख सं० 4496/84 में भारतीय जिस्ट्रीकरुण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पृशींक्त संपत्ति के उचित शाखार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृवींक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बम्बरण संदूर्ण किसी बाब की बाबस्, उनस् विधिनवब को अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व वो कजी कर्यने या उन्हों ब्याने में सृत्भा के लिह्हा वृद्धिया
- (क) एसी किसी भाग वा किसी धव या वस्त आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तं अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिक्त स्मेंक्तिमों, अर्थात ॥—— (1) श्रीमती कोण्म्माल और अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० दुरैसामि।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वता जारी करके प्रतिकत् स्थ्यति के वर्षत् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या सत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारास में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपध्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिस् गया हैं।

अनमुची

भूमि और मकान-254, वार्ड नं० 18, श्रग्रहार बीखीं, ईरोड टाऊन, ईरोड--लेख सं० 4496/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1985

प्रकृत बाइं.दी.एन.एस..-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक जामकर जामुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 9 जलाई 1985

निर्देश सं० 31/नघम्बर 1984--- ऋतः मझे, श्रीमतीं एम० सामवैल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ंच के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52, चौथी ट्रस्ट कास स्ट्रीट है, जो मन्द-वेलिप्पाव हम् में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रिजस्ट्री इति अधिकारी के आर्यालय, मैलापुर, लेख सं० 1474/89 में भारतीय रिजस्ट्री रूपण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन 16 तारीख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वतं से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त सिंधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायिल्य में कभी करन या उसम बचन मा भूषिक के सिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी कर किया भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था या किया बाना चाहिए था, छिपान म मूर्विभा के लिए,

ब्तः अव, उपत बाँधनियम की भारा 269-ग के बन्हरण में, मैं, उसत बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन. निम्नसिखित व्यक्तियों, बर्धात :--- (1) श्रीमती श्रार० तंगम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० बद्री

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बांधनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

धन्स्ची

भाम और म $_{\odot 14^{-4-52}}$ ट ट्रस्ट का $_{\odot 14}$ स्टींट, मन्दवेलिप्पाक्कम वेल्लिपाक्कम, सं० 1474/89।

एम० सामुवेल राक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 9-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांवः 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 43/नवम्बर 1984---म्रतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, बाला ज्या रोड, मैलापुर है जो मदास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यालय, मैलापुर--लैंख सं० 1572/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अगजनार्थ अतिरिती द्वारा धन्त सता जिया गत निया के लिए;

अतः बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—

(1) श्री वी० नरिसम्हन् और वैथेश्वरन और ग्रन्य।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री के० ए० वेलायुधम और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

ंको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों र्स से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--7, वालकृष्णा रोड, मैलापुर, मद्रास--4, मैलापुर। लेख सं० 1572/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्राह

मद्रास, दिनांक 9 ज्लाई 1985

निदेश गं० 50/नवस्वर 1984--श्रतः गुरी श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

ष्ट्रीर जिपकी सं ० प्लाट नं ० वी-42, एप० नं ० 92, हिस्ता अगर गांव, है, जो शास्त्री नगर में स्थित है (प्रांत ६ स्म उपावक अनुसूची में प्रोर पूर्ण स्व से विज्ञात है), रजिस्ट्रोक्त अक्षि जरी ज कार्यालय अड्यार लेख सं ० 1331/84 में भारतीय र्जिस्ट्रोक्त

श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर 84 की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वास के दश्यभान श्रिकत के जच्चित बाजार मूल्य में वास के दश्यभान श्रिकत के कारण हूं कि स्थाप्वींक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान श्रिकत के प्रदेश मृत्य, उसके स्थ्यमान श्रिकत से एसे दश्यमान श्रिकत का पद्म श्रिकात में अधिक हैं और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तर्थ के उक्त अन्तर्भ किया मास्तिक रूप में किथत बहु स्था स्थान स्थान के स्थान के स्थान स्था

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्ता अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुपिश के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के किए;

गत: अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उम्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बी० नुप्रामितियन श्रीर कमला पुत्रिमितयन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० ग्रानन्दवल्ली श्रीर टी० राजगोपालन

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वभित्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासस सं 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी करा व्यक्ति द्वारा अकोहत्याक्षरी के पास लिखित में किए का सबीगे।

र दोक्सरणः --इनसः प्रयुवत शब्दा और पदाँ का, जो उक्त अधि। सिवम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूभि और भकान—प्लाट नं० बी-42, न्यू नं० 26िमेन रोह, घारती नगर, अध्यागीव-श्रह्यागलेखानं० 1331/84

एम० सामुवंल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारी**ख**: 9-7-85

मीहर:

अस्य **मार्ड** . टी. पुन . **ए**स . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

चार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , मद्राव

मद्रास, दिनांक 9 ज्लाई, 1985

निदेश गं० 52/नवस्त्रगं 84--श्रासः मुझे, श्रीमती एस० सामवेल,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (म्हिसं इसमं इसके नव्यात् जिस्त अविशेषां कहा गया हो). की धारा 269 के वे अधीन सक्षम भीय कार। का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसके उचित भजार मुन्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं ० १ । 5, भीता देश मिनते हैं, ते भड़ा न में व्याप है (श्रीर इ.से. क्रान्ड सम्मूर्ण में साम के सात है), रिजम्ब्रेड की श्री में मिनदे के . जिन्द श्री में भारतीय रिज़ के . जिन्द श्री में भारतीय रिज़ देश एक श्रीवित्यम, 1968 (1968 का 16) के अधीर नवस्वर 1984

की प्रवेशित सक्योदण करित करित करित हैं आर मुम्हें यह विश्वास शितफाल के लिए जन्तरित की नहीं हैं आर मुम्हें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यक्षान प्रतिकत मं, एसे हत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वा से किसक हैं हैं जितक (अंतर्का) अर्क अर्थित स्व (अन्तरितिशों) के बीच एपं अन्तरण के तिए तय अया नया प्रतिफल, निम्नितिशों) के बीच एपं अन्तरण के तिए तय अन्तरण निचित में मास्तिवत क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हाक किसी करता में शता, प्रस्त किसीनिक्ष ना किस प्राप्त में प्रदेश हैं रिक्त किसीनिक्ष ना किसीनिक्ष में किसीनिक्ष किसीनिक्ष
- (क) एसी जिसी बाय या किसी धन या अन्य जासित्यां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, १०५९ (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, १०५९ का १५ के प्रयोजनार्थ अंतिरियम, १५, १ (1967 का 22) के प्रयोजनार्थ अंतिरियो द्वारा अक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने हो स्विभा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरण में, में. हक्त जिथिनियम की भारा 269-ए की उपकारा (1) के अधीत, निम्तिनिश्चित व्यक्तियों. अधीत :---

(1) वी मुहम्मद हानिम कानिम सेट

(भ्रन्तरक)

(2) मैन्सं गीनालया प्रपार्टमेन्टस

(ग्रन्तरिती)

का यह सुजना आरी कारके पूर्वाक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किभी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िंग्य में किए आ सकोंने।

ल्पथ्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—115, माउन्ट रोड, गिण्डी मद्रास-टी० एम० नं० 9/1 हिस्मा—श्रष्टयार लेख सं० 3083/84

एम० नाम् वेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-[], मद्राम

तारीख: 9-7-85

महत्त्व बाह् दी एन एस ------

(1) श्री ग्रार० ग्रानन्दन

(ग्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1981 को 43) की धारा 200 के पृत्रिको सम्बन

(2) श्री श्रार० वालसुत्रमणियम

(ग्रन्तरितो)

期本了 小皮皮 *

कायांलय, सहायक शायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्धन रेंज-II, मद्रात

मद्राय, दिनां । १ जुलाई 1985

निदेश सं० 65/गवस्वः 84/रेंज II--ग्रजः मझे, श्रीमती एम० मागवेल,

आयकर अधिनिषम, 196+ (1061 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'ज़कत लिक्सिमयण' आहा गया हो), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिकातरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावा (116) है। जिस्से प्रतिकार प्रति (1700,000/- रु. है अधिक हो

ग्रीर जित्तवि सं वित्रागार, ग्राह्म पूर्व है, जो स्व्रात-34 में स्थित है (श्रीर इ.ट. जाएड प्रमुखी के छोर पूर्ण इस ने विजित है), रजिस्ट्रीयती पवि गर्भ के प्राथनियम ग्रीतस्थित लेख मंग्र 533/84 में भारतीय जिल्हों हुआ श्रीवियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन गरम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफास के लिए आहा जी हो। एडं गेर मुन्ने यह विश्वास मारने का कारण है कि स्थापने वेश प्राप्तित का उचित बाजार पत्त्य, उसके दश्यमान अतिफास से, एसे द्वयमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितिशों) को धीच एक प्रस्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफास निम्मिनिसित उद्देश्य सं उच्हा अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ख) अक्तरण संगृही किसी कार की सावते, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खियल्य में कभी करने या उसमें क्वने में सुविका तारित की गर्मा
- (क) एसी किसी आय या किसी वन या बन्य शास्तिया की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 १९६७ का १७) को प्रयोज नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान भाड़िए का प्रियान में मितिया के मिए.

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीतः :--- का यह स्वना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के अर्ज कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि थों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त अकिनयां में से जिसी व्यक्ति द्वारा:
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्मत्ति मों हित्रक्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नास जिसित मों किए का सकींगे।

स्पश्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—कुट्टी स्ट्रीटं, नुंगम्बाक्कम् ग्रार० एस० नं० 490, टी० एस० नं० 361—-थौसन्डलैंटम लेख सं० 533/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-7-85

प्ररूप कार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्राभ

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० 66/नवस्थर 84--श्रतः मृझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्षे पर्म्मल, 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 34, मेल्पडी मुन्नु नायकुन स्ट्रीट है, जो नुंगस्वाक्कम गांव में स्थित है (श्रीर इसी उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय थौसेन्डलैट्स लेख सं० 529/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्थर 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास उन्ते का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक हैं भीर अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचाने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एतेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् :— 34—206 GI[85 (1) श्रो टी० एस० गोपालस्वामि ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)

(फु) श्रो जनाव एस० ए० मसिहतुल्ला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ज्ये भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेरित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माक्कारण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि श्रीर मकान---19, मेलपडी मृत्तु नायकन स्ट्रीट, नुंगम्बाक्कम् गांव---थौसन्डलैठस---लेख सं० 529/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 9−7−85

मोहरः

. स० 7.4/नव+बर, ४4──अः। मुग लागः। ५ःः-वेल

सामुधेल बावकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269- व के अधीन सक्त प्राधिकारी को, वह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

प्रोर जिमकी सं० लेख ए। रया—सद्रास-34 है जो मद्रास-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थीसन्डलैठस लेख सं० 496/84 है भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख नवस्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पोल के उचित बाजार मूच्य से कम के इश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके इश्यमान प्रतिकास सं, एसं इश्यमान प्रतिकास का पत्त्व प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिकाल निम्निनिश्चत उद्देश्य से उन्ध अंतरण कि निम्निनिश्चत उद्देश्य से उन्ध अंतरण कि निम्निन्ति से सास्तियक स्प ते किथत नहीं किया गया है :---

(क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की बाबत, उनत अधिषयम के अधीन कर दोने के जनतहरूत के दावित्य में कियी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, 45 बिन की जबाध या तस्सबधा व्याक्तका पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, फांभी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वाराः

(बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत मां हित -बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

प्रकार नाहु । ही पुण दुश ॥

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासव्ह सहस्रक वायंतर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 73/नवम्बर, 84/रेंज-II/---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 6/1600 हिस्सा—रीसर्वे नं० 110/3 शाप नं० जी-10, एन्डराडा, बिल्डिंग, 112, नुंगम्बाक्कम् है रोड मद्रास-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यौसन्डलैंग्स् लेख नं० 500/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर

को पूर्वोकेत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्दोश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-य की उपधारा (1) के किला किला का बारा, अथात :—- 1. श्रीमती फातिमा बेगम

(अन्तरक)

2. श्री मइलवागनम् मनोहरन्

(अन्ति(रती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के बर्चन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि स्रोर मकान---112, नुंगम्बाकम् है रोड मद्रास-34 एल्डोराडो बिल्डिंगस थौसन्डर्नेड्स--लेख सं० 500/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी उहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

प्रस्ताः, नार्षः, टी. एतः, एसः,------

नायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीन स्थ्ना

शारक दश्काह

कार्यातय, सङ्घरक वारकर वार्क्स (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 74/नवम्बर, 84--अतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल

बाक्कर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके एक्का (उक्त विधीनम्ब कहा गया है), की धारा 269- क के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह निक्काल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. ते की कहा है

स्रौर जिसकी सं० लेख एरिया—मद्रास-34 है जो मद्रास-34 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय थौसन्डलैठस लेख सं० 496/84 है भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाय। ज्या प्रतिकल निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त बंतरण निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त बंतरण निम्नित्त में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ब्लारण से हुई किसी नाम की बाबत, उसत विधिनयन के ब्योग कर दोने के बन्दारक के दासित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब् या किसी ध्न या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस्या जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः वर्षः उक्त निधीनयम कौ धारा 269-म कै जनुसरण याँ, माँ, उक्त निधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) € नधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाल् ;— डाक्टर बसखर्मा मेता पावर आफ अटर्नी होल्डर्स-ए० बी० मेता।

(अन्तरक)

 मन्जुला विजयकुमार पावर श्राफ श्रदनीं होल्डर-एम० श्रार० विजयकुमार ।

(अन्तरिती)

को सह तुषना जारी करके दुवोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिल कार्यकाहियां कुरु करता हुं।

उनत तन्त्रीत के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षाराष्ट्र
- (का) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जां उकत जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ग्रनुसूची

भूमि भ्रौर मकान नं० 1761 Sq. m. मद्रास-34 थौसन्डलैंट्स लेख सं० 496,84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास ।

तारीख: 9-7-1985

प्रक्ष बाह् . दी . एन . एव . ------

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन स्थना

भारत सर्कार

कार्याजय, सङ्घायक प्राथकर धायुक्त (निरीक्षक) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 78/नवस्वर 84/रेज-Ш---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतर्वे इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है⁵), **की भारा** 269-ल के अभीन । नक्षम प्राधिकारी का यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000 ∕- रुः. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० लेख सं० 3133/84 की शेड्यूल में दी हुई संपत्ति है, जो कोम्बाक्ष्म में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के जापीलया के। स्थानकम् लेखा सं 3133/ 84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

का पूर्णकर सम्बोरित को उत्भात बन्दान मुल्य म । यस को करणमान इतिफल के लिए अन्तरित का गर्छ है भीर मुझे यह विक्वास ध्यस्य का कारण हो । ज ११७०१ व्यक्त भाषाहित का - प्रस्तित बाजार मृत्म. तसमा सम्मगान प्रार्टकार यः इसि अध्यक्षान अतिकास कार पद्म प्रतिचान से अभिक हां और बंतरफ (बसरफा) क्षेत्र बंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उब्बोच्य से उक्त वंतरण लिखित में नास्तविक रूप से कभित नहीं किया गया है :---

- en) মালাবে ল স্তান্ত কিলেনী নাম কালিকল, সা**ৰ**ক काभिनियम के अधीर कार धाने के जनसरक की दामित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए, शोर/मा
- (अ) एमी किसी अप या किसी **भन का अन्य** आसि**समी** को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, मा अव-कर प्रसिनियम, (957 (1957 को 27) की प्रकार होता । जना ६०० (जना) कक**े नहाँ किया** ध्या थायाकियाजनायशिक्षाक्षा, क्रियानं मा सुविधा वे सिद्ः

👔 बतः अव, उक्त जीधीनसम की धारा 2,69-ग के अनुसरण र्षे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्निविधित अवस्तियों, संघात 🖫

रमाध**ाले क्रांक्टर ग**ण्या । एक एक प्राप्त क्रिक्त क्रिक्ट के प्राप्त क्रिक्ट के प्राप्त क्रिक्ट के प्राप्त क्रिक्ट (1) श्रोमती शिवगामी श्रम्माल श्रौर ८ ग्रन्थ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० एन० तंगप्यन

(श्रन्तरिती)

को बहु सुषमा बारी कारक पृथानत सम्पत्ति के अर्जन के निर्म कार्यवाद्वियां करता 🚉 ।

जनत संपति को अर्जन को संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में पकाशन की प्रशास म 4.5 दिन को अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुषना की सामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अविधि बाद मी समाप्त होती हो, को भौतर पूर्वीक्स **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-षद्भ किसी अन्य स्पनित दुनारा अभोहस्ताक्षरी कें ारम सिखित में किए जा सकरें।

न्यष्टीकरण .----६समें प्रयास अञ्चा और पदों का, जो उक्त अधिरिनिषम के अध्यक्ष 👷 😝 🏥 👚 हैं, वहीं सर्घ होना को लग अध्यास में दिया। मभा 🖰 ।

भूमि श्रौर प्रैमिस नं० 617, टी० एस० नं० 49/1हिस्सा ब्लाक नं० 21, श्रोतियम पुलियूर, कोडम्बाकाम, कोडम्बाक्तम लेख सं० 3133/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर साय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

मोहरः

प्रकप भाइ . टी. एत . एस . -----

आयुक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज-Ⅱ, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 81/नवम्बर 84/रेंज II—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 37, ब्लाक नं० II, डोर नं० 12/3, पुक्कारन स्ट्रीट है, जो कोडम्बाक्कम गांव में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 3156/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख नवम्बर 1984

करं पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का सारण हैं कि बधा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें द्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अंतरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्मरण से हुं है जिसी आव की बावत, अवत अधिनियम के जभीत कर दोने के अस्तारक के दाजित्य में कनी करने या उससे जयने में सुविधः से सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आव वा किसी भग या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिध;

कतः सन, अन्त समिनियम की भारा 269-ग के जनुसरय मों, मीं, जक्त और्यानयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमदी चन्द्रम्माल श्रौर एम० सुन्नह्मणियन् (श्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पेयराजन्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के अर्चन के विषय कार्यवाहिया करता हुं।

उनल संपत्ति को नर्चन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्वव्य किती अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रगृक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिशा गवा है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान—टी० एम० नं० 37, डिवीजन 114, एस० नं० 4/2, कोडम्बाक्कम गांव, कोडम्बाक्कम। लेख सं० 3156/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

मोहरः

इक्क नाइ.टी. एक. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (;) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राम

मद्राम, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 82/नवम्बर 1984—स्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 29, रेलवे स्टेशन रोड है, जो मद्राम-24 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम, लेख सं० 3159/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवस्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से कि कि है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- निमित उज्जे के ते उक्त संतरण सिचित में वास्तविक रूप से कि सित पहीं किया गया है है—

- (क) वस्तरण वे हुई किसी बाय की वाशत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिद्; क्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, शा अनकर विशिष्ट का 27 के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिक्यों अर्थात् क्ष्म- (1) श्रोमती वी० ग्रार० पुष्पवती देखी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० गुरुबाग्यम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हुं।

सक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पक्क सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया,
- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, को मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा स्था हैं।

भूमि ग्रीर मकान-कोडम्बाक्कम गांव, मद्रास-24, कोड-म्बाक्कम-लेख सं० 3159/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी नहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- , मद्राम

तारीख: 9-7-1985

मोहर 🛭

प्रस्क बाइ . हाँ . एन . एस . ------

श्रायक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुमना

श्रापत सरकात्र

कार्यास्य, सङ्घायक सायकार बाव्यत (निर्देशक)

प्रर्जन रेंअ-II, मद्रास

मद्रास, धिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 85/नवस्थर 85——ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल'

काधकंर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उसत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार ब्रह्म 1,00,000/- रु. से विधिक हैं।

म्रीर जिनकी सं० टी० एस० नं० 19, ब्लाक नं० 72 है जो मद्रास कोडम्याक्कम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम, लेख सं० 2986/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार ब्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यकाम प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (बंधरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पंचा प्रसिफल निम्निजिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिजित में कास्तीवक रूप से किया नहीं किया पंचा है हिल्ल

- (क) अंतरण ते हुई किसी नाम की बानका, उनका सीमीनवन के सभीम कर दोने के जंतरक के दावित्य में कनी करने या उच्च वसूर्य में बृधिया के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जैतरिती व्यारा प्रकाट नहीं किया भया था विक्या जाना बाहिए था. छिलाने हे सविधा को किहा;

कतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निक्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (१) ओ एन० राममर्नि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता श्रीनिवायन्।

(भ्रन्तरिती)

भा बहु बुचना भारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवसा संपरित को कर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिसमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ज) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-न्यूभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए जा सकतें।

स्थानिका र जन्म प्रमुक्त शन्मों और पद्यों का, को अने प्रमुक्त शन्मा 20-क में परिभाषित ही, बही सर्थ होता जह उसा अध्याय में विया में बाही।

अनुस्ची

भूमि—कोडम्बाक्तम गांव, टी० एस० नं० 19, ब्लाक नं० 72, 1/9वां हिस्सा, कोडम्बाक्तम। लेख सं० 2986/84।

एम० पास्वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मन्नास

तारीख: 9-7-1985

मोहर 🛭

प्रकष् आष्ट्रं . दर्शि. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 88/नवस्त्रर 1984—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 3468 ग्रीर 347, कोडम्बाक्कर गांव, शेदापेठ है, जो येंगलपट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम लेख सं० 30007/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार इस्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नीलींबत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जॉर्थिनियम के जंभीन कर देने के जन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; जॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किती धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) ए० एकाम्बदम्

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० शिवग्नामम् पिल्ले ग्रौर दूसरे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त स्थिति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क)। इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्किरणः - इसमे प्रयुक्त अन्तां और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि भीर मकान एस० नं० 346 श्रीर 347 गोषम्बन्धम् गांव कोष्डम्बन्धम् लेख सं० 3007/84

> एम० सामुवेल गक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

धिनांक : 9-7-1985

वृक्ष वार्<u>ष</u>े हो <u>. दुव . एव</u> ... ४०,४०० ४५,०००

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अरी भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

धारत बरकान

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश स० 101/84 नवम्बर/84--श्रतः मुझें, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० 46 देवन रामा रोड—पुरशवाक्कम, है जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम लेख सं० 2002/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्वोध्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरिधे व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

पतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) इंड्रांभीय, विजनिस्थित अथिनत्यों अध्यात् क्र—

- (1) श्रोमतो भागीरती शास्त्रमूर्ति ग्रीर ग्रन्यों । (ग्रन्परक)
- (2) श्री टी० श्रार० देवाजी राव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सभ्यम्भ में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस न्या के राज्यम में प्रकार की ताड़ींस के 45 डिम्म की न्याहिए वा तरहान्याओं नहित्यों दूर बूगा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्याब्रामों में से किसी म्याब्र इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें शयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अर्डिश्रीनयम को अध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

वनुसुची

भूमि और मकान—ग्रार० एस० नं० 27/2 मद्रास -84, पुरश्वावाक्कम्--लेख सं० 2002/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

मोहरू 🛭

हुन्द आर्च_{ाः} ट्री. एन. एस. -

(।) वेंकोब राव

(भ्रन्तरक)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

(2) श्रीमती शांती मुग्रमणियन

(श्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2 मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 103 नवस्वर 1984 — श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम् वेल,

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पहनात् 'उकत अधि नियम' कहा गया ह'), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्रीधकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित याजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 22, मेनाड्स स्ट्रीट, है जो में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारों क कार्यात्त्वम, पुरम्रवादकम् लेख सं० 2006/84 मं भारताय जिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करन का जारण हो कि यभापवींक्त सम्पत्ति का उप्तत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंक्ट प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्यद्ध से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्त्रिक रूप से कांचत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किती नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उज़ते ब्वने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ये: धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ां, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहिया शरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन। को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यय्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ शुणा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

भूमि ग्रीर मकान पुरक्षवाक्कम् मद्रास-17 पुरक्षवाक्कम लेख सं० 2006/84

> एम० नामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, मद्रास

दिनां स : 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मन्नास

मद्रास, विनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 114/नवम्बर 1984 — प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० 43, मोरै गांव, शैदापेठ तालूक है, जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीक्ती श्रिधकारी के कार्यालय, मद्राच नार्थ, लेख सं० 317/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रुवमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से काँथत महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ, बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती जगूरावी श्रौर श्रन्यों । (श्रन्तरक)

(2) श्री बी० येक्ल्का रेड्डी श्रीर दूसरे (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति स्वक्तियों में किसी स्वक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किली अस्थ को का देवारा अस्थानत्यार का यास निवित्त में किए था सकरेंगे।

स्वकटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है:

अनुस्ची

कृषि खेती-43 मौरे गांव, शैदापेठ तालूक-मद्रास नार्थ, लेख सं० 3107/84 ।

> एन० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप शाइ .टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

(1) श्री एस० बालकृष्णम

(अन्तरकै)

(2) डा० श्रीमती मंगला महालिंगम

(अन्तरिती)

भारत संस्कार

कायन्तियः, शहायक धायन्त्रतः आयम्तः (निर्माक्षणः) अर्जन रेज-II, मद्रामः मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 118/तत्रम्बर 84-- अनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अभिनियम, 1901 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात अन्त अधितिश्वा कहा गया है), की भार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है जिल्लाम करने का कारण है जिल्लाम स्थाप मृत्यू 1,00,000/- असे का का

श्रीर जिसकी संव एउव नंव 210/2 है जो निश्वान्मियूर में स्थित है (और इपोर उत्तबह ध्राभूवी में श्रीर पूर्ण रूप ने विभिन्न है), रिन्द्री नो अधि नेरी के कार्यालय, मद्रास नार्थ लेख संव 3288/84 में सार्तीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक सबम्बर 1984

कां पृत्रों कर संपत्ति का तरकर बाजार मुल्य संक्रम के आगमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कार के किए के राज्य के का कार के किए के प्रतिफल का पन्नह असके बश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह शतिशत से अधिय है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरिम के लिए तय पाशा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-वर्षभिन्यम अप्रे अधीन कर दाने के अन्तरक के बांबल्य में कभी करन या उससे बचन में नुशिधा के लिए;
- (च) एती किसी बाय या किसी भण या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जान अधिनियम, या धन-गन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

का वह स्वान कारी करके प्वॉक्स सम्पर्तत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का अशिक्ष से 45 दिन की अशिक्ष या अल्याबन्धी अविस्तरा पर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्ष व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवादः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त जिशिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस्स अध्याय में दिया गया हैं।

<u> बभुस्थी</u>

भूमि ग्रौ'र मकाम—-तिक्वानिमयूर एस० नं० 210/2, मद्रास नार्थ लेख सं० 3288/84

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 9-- 7-- 1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टो.एन. एस.-----

(1) श्री जार्ज बक्कर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हपि एसाक

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषांलय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 120 जनम्बर 84/रोज 2—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के कित 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०, 9, एस० नं० 1505, यूरोपीयन ा नं लेन, है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपादक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजिस्ट्राफ ि अधिकारी के कार्यालय, आलन्दूर लेख सं० 3672/84 में भारती कि रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक नवम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिकल गं, ए द्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्निबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविभा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संयक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजद्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उभत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-9, यूरोपियन बारक्स लेन लेख सं० 3672/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रा स

दिनांक :-- 9-7-1985 **मोहर**ु प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 124 नवस्वर 84 — अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उमित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, 467 वर्ग फीट हैं तथा जो ठी नगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 1393/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर 1984 को

को पूर्वोक्त संपर्तिः का उचित बाबार मूस्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल ते, एोसे ध्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इन्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एमी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

क्रन: क्रभः, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण क्रों, में, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिविदा स्वीक्तवों, वर्णात् ह— (1) श्री एस० गेपादी

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ शंकरनागयणन्

(अन्तरिती)

को वह तुमना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हो।

अनुसूची

भूमि और मकाम— 1/4 हिस्सा— 1200 वर्ग फुट, प्लाट नं ।— 467 वर्ग फीट, मब्रास— 17 टी । नगर लेख सं । 1393/84 ।

एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन, रेज-2 मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रका बहाँ , ६४, ६४ , तृष्ट . -----

आप्ताकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-थ (1) से बसीय स्था**न

भारत सरकाह

कार्यालय सञ्जयक वासकार बादका (विरोधक)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेण मं 126/नवम्बर 1984/रेंज-II---अतः, मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बार हर कर्ना कर 1701 (1901 का 43) जिल्ला इसका पश्चात् (जिल्ला अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीन सभाग प्राधिकारी को यह विषयास करने को कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिल्लाका उपित वाद्वर स्म्पत्ति 1,00,000/- रह. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० भूमि 28, कोर्ट रोड, टी० नगर है तथा जो मद्राम-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूपम विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 1411/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 16 नवम्बर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मनाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, नगकों उद्यक्तन प्रतिपान के गोर्स क्ष्मणान प्रतिपान का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे सन्तरण के निए तब वाया मधा प्रतिक्त, निम्निशिवित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण कि सिल में वास्तिक कप वे कविस नहीं किया गया है अ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबता, उच्च विध-नियम के अधीन कर वेने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में चुविधा के लिए; बरि/का
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की बिन्ही भारतीय जायका अधिनियम, १८१९ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-के अधिनियम, 1967 (१९६७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए।

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नीकीक्षत अकितयों, अर्थात्:— (1) श्री टी० आए० रामचंद्रन पवर एजेन्ट एस० जयराम

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बोजवाणी

(अन्तरिती)

को बंह वृचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के लिए कार्यक्रमियां करता हैं.

उन्त सम्मतित को अर्थान को सम्मतन्थ में कोई भी जाकोप :----

- (क) इक स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन की अवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित क्योजन में में माम होता हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकिरणः -- - इश्वर्ण प्रमुक्त शब्द और पदा का, आ उभव अधिनियम क अध्याय 20- क मं परिभाषित हा, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय माँ दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० नगर 28 कोर्ट रोड टी० नगर मद्रास⊸17 लेख सं० 1411/84

> एम० सामुवेल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

माहर 🛭

.--.

प्रस्थ भाष्ट्रं .टी . एन . २४ . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महासक जासकर आस्वतः (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिमांक 9 ज्लाई 1985

निदेश सं० 127 नवम्बर 1984 /रेंज 2-अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्येल

मानकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके प्रकार, 'उन्नत अधिनियम काहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थामर संपत्ति, जिसका जिल्ला साजार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 28, कोर्ट रोड टी० नगर है तथा जो 1/8 हिस्सा भूमि में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णच्य विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 1412/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अल्डिशिवयों) हो तिय एसे अन्तरण के लिए तण पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उच्च जन्तरण लिखित में तप्यतिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्छ अधिरियम के अधीन कर जीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरिती ब्वास अकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए या कियाने में स्विधा के दिया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की तारा 269-घ ंप उपधारा (।) के अधीत जिल्ली**खत व्यक्तियों**, अर्थात '----36—206 GI/85 (1) श्री टी० आर० रामचंद्रभाषवर एजेंट बी०ए० जयराम

(अन्तरक)

(2) श्री एस० नारायण पिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त मंपरित के वर्जन के लिख कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राध है 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर सम्परित में हिनबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सक्ते हैं।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

धनसूची

फ्लैंट नं० 28—कोटस रोड ी०, नगर (1/8) हिस्सा जगह 2 प्रांडस में० टी० नगर लेख सं० 1412/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर अयुक्त (तिरीक्षण) स्रजैत रॅंज-2 मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेश सं० 130 नवम्बर/84—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं०टी० एस० नं० 5064 ए ब्लाक नं० 117 है जो मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, टी० नगर लेख सं० 1345 ,84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी ं रमेश पेजात्या ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जैन एजेन्सीस प्रोपराइटर श्री जी० पारस सिंह (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यिक्त व्यक्तियों
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मक।न—पुराना नं० 14, न्यू नं० 2, योगा-म्बाला स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास 17, टी० नगर, लेख सं०, 1345/84

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

वक्प आइं.टी. एन, एस. -----

बायकर मर्थितियन, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 159/नवम्बर 1984—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाखें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० भूमि तेलुंग पालयम गांव, है तथा जो कोयम्बत् में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्र लेख सं० 4739/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके उरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-दियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीट/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए;

क्षाः वव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के शनुकरक में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निकासिकिक व्यक्तिवाँ, वर्णात् क्र—- (1) डा० बेल्ली श्रीर उनके मैनर पुत

(अन्तरक)

(2) बी० महाबीर जैन

(अन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी कारके प्योंक्त सम्प्रित के वर्णन के सिष् कार्यकाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की जनिध मा तत्संबंधी स्पन्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी
 अविध कर में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यासः;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त बज्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राचित्र हैं, वहीं अर्थ द्योगर, जो उस अध्याय में दिशा मधा हैं।

अनुसूची

भूमि भ्रौर मकान तेलूंग पालयम् गांव न्यूटी० एस० ने० 8/43, कोयम्तूबर तालूक, कोयम्बतूर लेख सं० 4738/ 84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

दिनांक : 4-7-1985

त्ररूप् जार्षः दी . एन . एस . ------

शायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से स्थीन सूचना

भारत तरकार

क्शनांत्रम, सङ्घायक आयंकार आयुक्त (निद्रीकाण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुल।ई 1985

निदेश सं० 188/नबम्बर 1984 ---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 618/3 कीती गांव है तथा जो कूनूरमें स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयकूनूरलेख सं० 1639/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन

दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाय की वायत, उपस् अधिनियन के अधीन कर दोने के वस्तपुक हैं अधिरण में कनी करने या उससे वधन में सुविधा के लिए बरि/या
- (का) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः का, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जी अकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीज, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री मोन्द सँगःन बैंबिल कालेज और कार्टर होम पवर आफ अटानीं श्री लेसलीलारन्स (अन्तरक)

भाग [[]--खण्ड 1

(2) श्रीमती एस० जयश्री । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथ्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पच्छीक द्वा:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

कृषि खेती थ्रौर मकान नं 17/07 , 17/107 ए, 17/108/17/108ए, 17/108श्री खेती गांव श्रौर पंचायत कृतूर लेख सं 1639/84

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- 2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 228¹नबम्बर्/84--अनः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 92_l 1, 25 मिल्लर्स रोड, है तथा जो मद्रास -10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ लेख सं० 3007_l 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्ममान तिफल के लिए घम्ति की गई है ग्रीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तर बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, ऐने दृश्यकान प्रतिकल का पन्द्र हातिशत से ग्राह्म है ग्रीर प्रस्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे गन्तरण के लिए तथ पाया गया शिवाल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त भन्तरण निश्चित में बाक्तरिक कप से क्षित करी विश्वा क्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-र्या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसायनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पृत्तिथा के विष्

बर्धः वृंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरन वि, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधास (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभारत ⊯— (1) तैय ब ठली रंगवाला ग्रीर 4 श्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्री कें वी राव

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारां करके पूर्वोक्द सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड़ भी आक्षेप S--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

्री भूमि—-ांमरूलार्स रोड मद्रास-10 आर० एस० नं० 92/1 पुरशवाक्कम लेख सं० 3007/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

विनांक : 9-8-1985

मोहरर: -

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 5 नवम्बर 1984/ रेंज 2,—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रतः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं रायप्पेठ्ठा है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्य मद्रास सेंट्रल लेख सं 197,84 में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जयम्बर 1984 को पूर्वीवृद्ध संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आन या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रोपनो सुब विणः देवी

(अन्तरक)

(2) श्री सैयव हानमुल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनिगम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि गोवर्दन सिंह रोड़ रायपेठ्ठा मद्रास, मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 1097/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 10-7-1985

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० एस० कृष्णमूर्ति ग्रीर अन्य (अन्सरक)

(2) श्री डी॰ चद्रशेखरन श्रीर दूसरे । (अन्तर्रती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम स्चना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 मद्रास,

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 34, नवम्बर 84--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० न्यू नं० 2 श्रौर 3 नाय्यियप्प चेटी स्ट्रीट मैलापुर है तथा जो मद्रास 4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेलापुर लेख सं० 1502/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उलके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृषिधा को लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं प्रं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पादीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उनसे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनुसूवी

भूमि ग्रीर मकान-2 ग्रीर 3 नारिय्यप्प चेटी स्ट्रीट मैलपुर आर० एस० नं० 1964/4 मैलापुर लेख सं० 1502/484

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

प्रकथ कार्ड टी इन . एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के अधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, महास मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 56_1 नबम्बर 1984 रेज 2--अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा 269-ख के अभील सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्क 1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी स० आर० एस० नं० 283/4 कोटीवाक्कम गांव मत्रास है तथा जो तिरूवोन्मिय्र शैदःपेठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रष्टयार लेख सं० 3124,84 में भारतीय र जिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन (दनांक 16 नवम्बर 1984 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एभे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, विस्वलिखित उद्दर्षय सं उक्त अन्तरण किल्लित में थास्त

विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं दुई किसी आय की बाबत, उसत क्षीपित्यम के त्यापित कार प्रशास कार्यक्र से शावित्य सा कामी कारने या तससे बजने में स्विधा शावित्य स्वेद्/बा
- (क) एसी किस्ल नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारताय आग-सर लिभीनयम, 1922 (1922 की 11) जा की जीसीनयम, मा भन-कर अलिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनवर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था ले किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा औ किए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) वेंकटेणबरः इन्डस्ट्रीस पार्टनार्स, श्री ए०वी० सुब्बाराव ग्रीर दूसरा, (अन्सरक)
- (2) श्री एन० के० अहमद (अन्सरिती)

कां यह मुचना जाणी करके दुवाँक्त सम्परित के बर्चन के सिरा कार्यवाहियां करता हुं।

उपरा सम्मात्ता को नर्जन में तक्कान में खोद्दें भी बाखोर प्र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशंहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः -- इसमा अयुक्त अन्धी और पद्मां का, वा उक्त किभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हारोग जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

कृषि खेती आर० एस० नं० 283/4, कोठीवाक्कम गांव ।तरूवान्मियूर ग्रडयार लेख सं० 3124/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 10-7-1985

मोहर ७

प्रक्रम् बाह[्], टर्ड**्रियुम् . एस्_-----**

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-म (1) के व्यीन सुन्ता

बारत वरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 57, नवम्बर 1984--अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा को स्थीन बक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि त्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ए. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० अ।र० एस० नं० 283,4 है, क्या जो कोठित्राक्कम में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, अडयार लेख सं० 3125,84 में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्क उत्तक रुप्यमान प्रतिफास से, एसे रुप्यमान प्रतिफाल का पम्बद्ध प्रतिकत से अधिक है और बस्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरच के लिए तय पाया गवा प्रक्रिक्त निश्नमिथित उत्वरेग से उत्त बन्तरण मिथित में बारबादिक रूप से करियत नहीं किया गया है ड---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की शबस, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दार्वित्व में कानी करने या उत्तसे वजने में सुविधा के प्रिए: गरि/श
- (च) एंसी किसी बाद या किसी भन वा बच्च बास्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अभिनियम, भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अम्तरिसी ब्लारा प्रकट नहीं किया भया भाया किया जाना चाहिए था, जिल्ला के सविधा के मिए:

बत. अभ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के, वनुसर्ग र्ण. गै. उत्तत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ि अभीत विकासितिकत स्थापितकाँ, सर्वात् -37-206 GI/85

(1) मैसर्स श्री बेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीस

(अन्सरक)

(2) भी टी॰ पी॰ मिसार अहमव

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त घम्परित के क्र्यन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूर्ण।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन की अविधि या सरसम्बन्धी अधिकताओं पर स्चमा की लामीस से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां के भीतर पूर्वोबर व्यक्तिको में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्वना के द्रावयत्र की प्रकाशन की तारीस क्ष्री 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल्-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशहस्ताकसी व पास सिर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीचरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दौ और पदौ का, जो उन्त **अधिनियम् के अध्यास 20-क में वरिभाधित हैं, वहीं वर्ध होगा, को** उत्तः मध्याय में दिया प्ता 🗗 🏗

भ्रनुसूची

कृषि खेती--आर० एस० न० 283,4 कोटीबाइकम अडयार लेख सं० 3125,84

> एम साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 मदास

दिमांक : 9-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्णन रेंज-2, मब्रास भद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 58/नवम्बर 1984—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि खेती कोठीवाक्कम गांत्र, आर० एस० 283/4 है, जो मब्रास से स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार लेख सं० 3126/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मृत्य से कल के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविश्वा क्यें तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स वॅकटेश्वर इन्डस्ट्रीस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० के० टिबम्र इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड। (अन्सरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयायत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

कृषि खेती कोट्टियाक्कम् गांव, आर० एस० नं० 283/4, शैवापेठ कश्यार-लेख सं० 3126/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

विनोक : 10-7-1985

मोहर :--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निवेश सं० 59/नवम्बर 1984—-अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उसत विधिनवम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तथान प्राधिकारी की कह कियात करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्ता उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त संपर्ति के ब्रिया वाकार मून्य सं कम के ध्रमान प्रतिकत् के सिष् जन्तरिक की नई है जार मुझे सह ज़िल्वाल करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त बन्दित का बहित काबार मूक्त, उसके ध्रमान प्रतिकास के सूचे ध्रमान प्रतिकास के प्रसह प्रतिकार सं विभिन्न है बार बंकरक (वंदरका) और वंदरियी (बंदरितियों) के नीच एसे बंदर्स के सिए बय पाया ग्या प्रति-काम, निम्नसिविद उद्योद से स्वस् बंदरण विद्या में पास्त्रिक स्प से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से सुद्दं किसी बाय की बाबत, उससे जिम्मियम के जभीन कर बोने के जंतरण के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/मा
- (क) एची किसी बाव वा किसी भन वा बच्य वास्तियों को, ज़िल्हें भारतीय भायकर विधिन्त्र 1922 कि 11) वा बक्त वृधिनिय्त, या व्य-कर वृधिनियन, या व्य-कर वृधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतियों क्रत्रिती द्वार प्रकृत वृधि किया व्या या वा किया भावा शाहिए वा, किया वे वृधिया के विए;

बतः बन्न, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए— (1) वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीस

(अन्तरक)

(2) मैनर हनीफ अहमव मदर घौर गाडियन श्रीमतो नफीसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीयत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

अक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नगिप, जो भी जनभि नाद में सजाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (व) इत त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए वा सकने।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उनक अधिनियन के कन्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ष होना को उन्ह क्ष्माय में हिन्स यवा हाँ।

मन्स्यी

कृषि खेती आर० एस० नं० 283/4 कोठीवाक्कम् गांव ग्रडयार लेख नं० 3127/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मब्रास

दिनांक : 10-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नार्द्, दी, एत, एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

व्यायांलय, सहायक वायकर वाय्कत (निरीक्षण) धर्जन रेंज−2, मक्षास,

मश्रास, विनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 61/नवम्बर 84/रेंज II—मातः मुक्ते, श्रीमतो एम० सामुबेस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 6, वालस गाउँन I स्ट्रीट है, तथा जो मधास-6 में स्थित हैं (और इससे उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीहकारी के कार्यालय धौसन्डलाइट्स लेख सं० 508/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीहनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राह्मीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हुँ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हुँ

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सृविधा के सिए;

मतः जस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्रीमती उन्ती नायर

(ग्रन्तरक)

(2) बुमारी भयन सैयद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्ची

भूमि और मकान 6 वालस गार्डन 1 स्ट्रीट महास~6 भीसण्डलाइब्स लेख सं० 508/84

> एम० सामुवेल सकम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीकण) वर्णन रेंज-2, मश्रस

दिनांक: 11-7-85

मोहर 🖫

वरूप आई. ठी. एन. एस. -----

बाबकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री अस्य 269-थ (1) के अधीन सुचना (1) श्री की० श्रक्षहाम पं.मिली ट्रस्ट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० करूपीया और ग्रन्थ

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, महास

मधास, दिनांक 10 जुलाई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 68, नुगम्बाकम हाई रोड है, तथा जो मदास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप रो जणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्राक्षकारी के भाषांत्रय, धौसन्डलैंट्स लेख सं० 534/84 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्राक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रादीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उम्मत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम नामा प्रतिकृत कस निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में बास्तिवक क्ष्म से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मैं हुइ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त कर्यों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा कै ।

वनुस्की

भूमि और मकान 68 नुगम्बाक्कम पाई रोड, मक्षास-34 भौसन्डलैट्स लेखा सं० 534/84 ।

६म० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेज-2, मधास

दिनांक : 10-7-1985

प्रकप बाइ . ही. एत . एस . -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, मधास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निवेश सं० 76/नवम्बर 84—मत: मुझे, श्रीमिती एम० सामुबेल बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16, वोट ग्राफ्ट रोड नुगम्बाक्कम् है, तथा जो मक्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूदी में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय शीसन्डलैट्स लेख सं० 491/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पृथंकित सम्पत्ति कं उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्वरेय से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दा परण में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ऑ<u>र</u>/या
- (क) एंसी किली बाय या किसी धन या बन्य बास्तिक। को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अत÷ जम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के जनुसरणी में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीक, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :——

- (1) श्री वितरंजन नायडु और प्रताप नायुड्ड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० जोसिषका रेज्डी (भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप हू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदौं का, आ अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्सूची

भूमि और मकान 16 वोट ऋषट रोड़ नूगम्बाक्कमी मधास-34 थीसन्डर्लद्स लेख सं० 491/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, मन्नास

दिनोक : 10-7-1985

विदेश 🖁

प्ररूप बाह्र', टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती बी० बी० गोमती

(मन्तरक)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भधीन सुक्ता

(2) श्रीमती एस० उमादेवी

शारत वाञ्चार

. (भ्रन्तरिती)

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, महास

मदास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 80/नवस्बर 1985—अप्रतः सुक्षे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरवात 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० धीं०जी एस० नं० 14/2, ब्लाक नं० 48 है, जो एम्मोर मक्षास, में स्थित है (और इससे उपबाद अनुमूची में और पुर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय वोष्डम्बाक्कम लेख सं० 3154/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभाव वितिष्ठन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकतः, निम्नसिचित उद्वेषयों से उच्त अन्तरण सिचित के वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी अप की वाब्स्, स्वस् जभितिस्य के अभीत कर दोने के अन्तर्क के सायत्व मों अभी करते या उससे अचने मों सुविधा के लिए: जहिं/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी थन या जम्म वास्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन- कर अधिनियम, या थन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

क्तः जब, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के जनुकरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियमें, बचाँत क्र--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करुता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित्स ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा नथाहस्ताक्षरी के पास् विवित में किए वा सकोंगे।

स्पाचीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उनके निर्माणिय के कृष्यान 20-क में परिभाषिय हैं, कही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

धनुसूची

भूमि और मकान टी० एस० नं० 14/2, क्लाक नं० 48 एग्मीर नुगम्बाक्कम् पुलियूर गांव कोडम्बाक्कम् लेख सं० 3154/84 ।

एम० साम् बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

भोहर 🛊

प्रकथः बाह् . टी. एन . एस . ------

(1) श्री के पी विश्वनादन और प्रत्य

(मन्तरक)

(धन्तरिती)

(2) की प्ंगठ कीनिवास और 2 मन्य

बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

पारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षक) प्रार्जन रेंज-2, मधास मदास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 91 नवम्बर 1984 — श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 65 ले आउट नं० 85/67 सर्वे २० 103 है, तथा जो एग्मोर नुगम्बाक्कम लालुक में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रन्सूची में और पूर्व रूप से लीगत है), रजिस्द्रेक्ती ग्रहिकारी के कार्यालय विरुगम्बाक्कम रुखे रं० 856 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक नुबम्धर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्रयमान शितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्रूप, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित वें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अप्लरक औ द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; जीर/बा
- (च) एसे किसी अगय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, सकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्य, सम्पृत्ति के वर्तन के जिल्ल कार्यवाहियां बुक करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो नी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थना के राज्यंत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :—्इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यवा है 🕼

अनुसूची

भूमि और मकान प्लाटनं० 65 ले प्राउट, मं० 85/67 सर्वे गं० 103 एग्नोर नुगम्बाक्कम् तासुक विरुगम्बाक्कम लेख सं० 2856/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-7-85

प्रकृष बाह्री, टी. एव. एव. ------बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर लाय्**क्त (निरीक्षण)**

भ्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 95 नवम्बर 1984 ---- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 2 , सुबैयानायुडु स्ट्रीट है तथा जो पुरशत्राक्तम मद्रास ७ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय पुरणवाक्कम लेख सं० 1952/84 म रिजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तेयह विद्वास का कारण है कि यभावनोंक्त कम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, इतक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरिशिया) के नीच एवे जन्तरण के निए तम वाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारत्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गुवा है ढ़---

- (क) अन्तरण से हुइ[‡] किसी आय की बाबत, उक्त क्षिपियम के क्षीन कर रोगे के बन्तरक के वाक्सि में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/वा
- (क) ए बी किसी बाव वा किसी भन वन जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभाजनाथं जन्तरिती **द्वारा प्रकट नहीं किया गया** था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विथा केलिए⊹

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--38-206 GI/85

(1) श्री हम्मालुद मर्डिया ग्रीर ग्रन्य हिन्दु श्रण्डिवैडर फार्मिला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० नहीवा कौशिक स्रौर स्रन्य (श्रन्तरिती)

को वह बूचना थारी करके पूर्वोक्क तस्परित भी वर्षन के हिनए का**र्ववाहिनां करता ह**ै।

उन्त बन्नित में नर्जन के तन्त्रस्थ में काई भी बाहोप ह---

- (क) इ.स. सूचनाको राजपत्र में प्रकाशक की तारीच स 45 दिन की अचिभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्चना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित न्यवितयों में से किसी न्यक्ति बुबाराः
- (भ) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त चन्दों और पदों का, जो अक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में प्रिशाबित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चका ∦ै।ः

मन्यूची

भूमि 2 सुब्बैया नायुडू स्ट्रीट पुरशवान्कम मद्रास-7 पूरणवाक्कम् लेख सं० 1952/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक :- 10-7-1985

मोहर:--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वी० लक्ष्मणन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० एन० आलवार चेट्टी।

(धन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायक (निरीसण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 115/नवस्वर 1984— ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके परचात् 'उकत निधनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लंट नं० बी० स्टेटबैंक आफ़ीसर्स कालोनी, श्रालिवर रोड़, स्कीम, है तथा जो मैलापुर मब्रास में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ लेख सं० 2977/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्वित्व के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सें, एसे क्रयमान प्रतिफल का पम्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम बामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्यीबर, इप ने किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन या करूप जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरक मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त संस्थीं और पदों का, जो उक्त आयकर श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

प्लाट नं श्री 6, स्टेट बैंक श्राफिसर्स कालोनी, आलीवर रोड़ स्कीम सी० ए० टी० कालोनी मैलापुर, मद्रास, मब्रास नार्थ, लेख सं० 2977/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

दिनांक : 10-7-1985

प्रस्त् बार्च दी दुन प्रत ------

नायकर मन्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुखना

नारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० 129/नवस्बर 1984—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्येल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूस्थ 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 9, मैले रंगानाथन स्ट्रीट है तथा जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 1434/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की नई है और मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाभूगेंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिशा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत भिम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ने हुई किन्नी बाव की बावत बंबत की बन्दिन की नियम के बंधीन कहा की के बन्तरक के बायित्व में कमी करने वा अन्न बन्दों में सुविधा की किए; अरि/या
- (ल) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था जा किया जाना चाहिए था किएने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ह—— (1) डा॰ भार० विजयराषवन ।

(भ्रन्सरक)

(2) सी० नारायणाम्मा ।

(अन्तरिती)

की मह स्वान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संभ्यत्ति के नर्जन में सम्मन्य में कोई भी नाक्षेप रूक्त

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरपम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्त्रों और पत्तों का, जो उक्षा अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित डी, वहीं अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में विका नवा डी।

वंप्सूची

बिल्डिंग 9, मैले रंगानाथन स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 1434/84

> एम० सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

विनांक : 9-7-1985

वक्त आहें हों.. प्रदा हुए

(1) श्री ए० नंजप्पा चेट्टीयार।

(श्रन्तरक)

(2) कनयालाल एल० बतीजा ।

(श्रन्तरिती)

नाथकड विश्वित्यम्, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के वृश्वीत बुक्रना

नाह्य सारकार

कार्यास्य . सहायक नायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 164/नवम्बर 1984---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

वापकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इत्तओं परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थायर संपीत्त विसका उचित बाधार मुख्य :

1.00,000/- रु. से अधिक है ग्रीर जिसकी संव टीव एसव नंव 12/25 एसव नंव 9, संगनूर गांव है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्रिंप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीपुनम लेख संव 4364/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 1984

को प्वांक्स सम्परित के उपित बाधार मृत्य से कम के स्वयभान गीतफल के निए बन्तरित की गई है, बीर मुखे यह निववास करने का कारण है कि ब्याप्वॉक्त संपरित का उपित बाधार ब्रुच्च, उदके कमान प्रतिकृत से एसे क्यमान प्रतिकृत का पंक्ड प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) में बीच एसे बन्दरण के सिष् वर्ष पाया ज्या गीदफल, विक्तृतिविद्य उद्भावन से दक्त बन्दरण जिल्ल में गालानिक कम् से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दारंग ने हुई विक्री साथ की बायुए उन्तर जीध-रियम के अभीन कर दोने के बन्दारक के दासित्य में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए, बीर/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्तिवों को, जिल्हें नारतीन बाय-कर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) वा उंचर अधिनियम् वा धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अधिनियम्, विधार प्रकट कहीं किया थ्वा धा वा धिना वाता नाहिए था, कियाने वो सुविधा के सिए;

अतः नव, उक्त निधितियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त निधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किता किता काक्तियम के अधीन किता कर्मिता कर्मिता क्रिक्त

को यह स्थाना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के क्रिक्ष कार्यवाहिया शुरू करता है।

उन्नर सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप अ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में शकायन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, वां भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकर्ग।

न्यच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियस को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चंदा हैं।

अनुसूची

भूमि संगनूर गांव, कोयम्बतूर/गांधीटुरम, लेख स० 4369/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मब्रास

दिनांक : 10~7~1985

मोहर: -

त्रक्त भार्द , ट. हुन्, एव. - - =--

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुवना

नारत सरकाह

कार्यानन, सहायक नायकर नाय्क्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 173/नवम्बर 1984--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ं उक्त अधिनियमं कहा मदा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्धान करम का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 708 नं० 1, तोठिपालयम गांव, है तथा जो तिरुपुर टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तिरुपुर गांव लेख सं० 2334/84 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षरमान श्रीसकम् के लिए अन्तरित की गई हैं आर मुम्के यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सक्मिस का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षरमान प्रतिकल से, ऐसे क्षरमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाम गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्य से कथिक नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण एं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिगियब के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एति किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की किसी भागतीय जामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अभोजनार्थ जन्तिरही ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किशा काना चाहिए था, कियाने में त्रिवा के सिक्;

बतः अवः, उत्रतं विधिनियमं कौ भारा 269-तं कौ क्रमुक्त्रक् भौ, मौ, उपरा विधिनियमं की भारा 269-तं की उपधारा (1) के वधीन, निर्माणिखिस स्थमितयों, सुधाँद् हे— (1) श्री भार० कंदस्वामि।

(भ्रन्तरक)

🏮 (2) श्रीमती रामाताल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्छ सञ्यक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :----

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की राजीत से 30 दिन की व्यथि, जो भी अवधि मन्द में सबान्य होती हो, के मीसर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति पुराहा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्यक्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकाँग ।

स्वव्यक्तिस्था:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषिए ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया क्या ही।

यमसंची

भूमि श्रौर मकान —कोमार नगर श्रविनाशी रोड़, तोठिपालयम, तिरुपुर टाउन, तिरुपुर, लेख मं० 2334/84

> एम० सामवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम्र) भ्रजीन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

प्रकार कार्षः, टो., प्र_ा प्र_ा प्र_ा व्यक्त

बायकर जीभीनजन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याक्रम, सद्दारक भागकर भागुक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज-Il, मदास

मब्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 176/नवम्बर 1984—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इस्कें इसके परवाह 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 322, 323 है तथा जो तल्लैक्कर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पोल्लची लेख सं० 2317/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वीकत सम्पन्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिकस के लिए बंतरित की गई है और मुओ यह विद्यमास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मसिवित उच्चेश्य से उस्त अंतरण सिवित में आर्रिक क्य से किया नहीं है—

- (क) बुलारण वे शुरू विकी अन्य अन्ति वावचा, उपय विधिवनम को बुधीन कर बने को बप्तारक को बाबिएल में कनी करने वा उवचे नुषने में बुविधा को शिए; बार/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ काँ, भिन्हें भारतीय नायकर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

सक्तः अब स्टब्स अधिनियम की धारा 269-क के जनसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के बधीन, निज्ञसित्तिक व्यक्तिवर्गों, स्वारित हुन्स (1) श्री के० वेलुसामि गोंडर।

(ग्रन्तरक)

(2) राजा (मैनर)

(म्रन्तरिती)

को का क्ष्मा चारी करने पृश्नेन्त कुन्ति से नुष्टेन के निष्ट कार्यवाहियां करता हो ।

सक्त कम्परित के क्वीन के कम्बन्ध में कोई भी बाधीय ह---

- (क) इस ब्रमा के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 शिन की जबभि मा तत्वंतंशी व्यक्तियों प्रक्ष सूचना की तामीज से 30 शिन की स्वधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध् किसी जन्म व्यक्ति वृतारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकति।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिक्यम को अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वयस ची

कृषि खेती-तल्लक्कर पोल्लाची लेख सं० 2317/84

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप नाइ, टी एन.एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना (1) श्रीमती सूसन मात्यू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल रान्डर।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 178/नवम्बर 1984—अप्रतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० एफ० 547/1, 548/2, 548/3 546/4 सोमायम्पालयम गांव है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 4231 श्रीर 4232/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफ ब के लिए बन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित क्षणार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल ते एसे दश्यमान प्रतिफ ल के बन्द्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, गिम्नलिखित उद्वेश्य मे उसत जन्तरण निकात में नास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिणने में स्विधा के सिए।

अक्त अस, उस्त बिर्मिनयम की भाग 259-ग के शास्त्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तिरणों, अधीत् :---

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिः के मर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तै 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे आ सकनी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यग्त्र भ

भूमि सोमायपालयम गांव कोयम्बतूर तालूक कोयम्बतूर लेख सं० 4231, 4232/84

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, मद्रास

दिनांक : 10 7-1985

योक्र 🕆

प्रकल्प कार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज $\sim\!\!1^{\rm I}$, मद्रास

मद्राम, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेण मं० 179/नवम्बर 84—--- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृष्णरायपुरम गांव है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं० 4659/84 में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

का पूर्वेक्स तस्पीत के उचित बाजार कृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, उसके इदय-मान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उत्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अभ्यारण में हुई किसी बाप की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में हरित्या को लिए!

चतः वयः, उक्त विभिनियमं की धारा 269-ण **के वन्सरण** भं, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्य**ित्यों, अर्थात्** ह——

- (1) श्रीमती एम० विजयलक्ष्मी, श्री पी० णिवकुमार, कुमारी श्रार० ऊषा कुमारी, जी० ग्ररुणा, ग्रीर श्रन्यों। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एप० नैयद मुहम्मद, एम० एम० श्रब्दुल रहीम, एस० एस० मोहीदिन श्रब्दुल कादर । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवप्र किती बन्न स्थावत प्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकतें ।

स्पाक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उसस अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

मन्स्मी

कृषि खेती–टी० एस० नं० 595, कृष्णारायपुरम गांव, कोयम्बतुर–लेख सं० 4659/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक : 10-7-1985

प्ररूप बाइं. टी. एवं. एवं पुरस्त--स---

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० 180/नवम्बर 1984—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं - 5 रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० एस० एफ० नं० 415, सोरिपालयम है तथा जो कोयम्बतूर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर में लेख सं० 4867/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नयम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथात नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनस अधिनियम के स्थीन कर दोने के अंदरक के दायित्थ में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती इंशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्री अधीर, निक्तिसिक्त व्यक्तियों, कर (1) गोविन्द कौर श्रौर श्रीमती बगवन्त कौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० टी० जोस ग्रौर श्रीमती प्रेमा जोस। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रथप 🦟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्थानयों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्था किसी अथिकत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पद्धीकरण:—इसमे श्रयूक्त शब्दी और पर्दो का, जा उम्ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय औं दिया गणा है

अनुसूची

कृषि खेती-मोरिपालयम कोथम्बत्र एस**० एफ० नं०** 475/कोयम्बत्*र* लेख मं० 4867/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रारकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, मद्रास

दिनांक : 9-7-1985

मोहर :

39-206 GI/85

प्रारूप आई⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985 निर्देश सं० 181/नवम्बर 1984——ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 7/49 न्यू सर्वे नं० 8/33 श्रार० एस० पुरम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूर से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 5044/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (ग्री) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० एन० रत्नसबापति ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एगम्मै श्राच्ची।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्पित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान ब्रार० एस० पुरम एस० नं० 8/33, कोयम्बत्र, कोरयम्बत्र लेख सं० 5044/84

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक : 10-7-1985

प्ररूप कार्ड, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) औ बधीन सृथना भारत सरकार

कार्यालयः महायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रजीतः रेज-2, मद्रास मद्रासः दिनो ः 10 ज्लाई 1985

ानदेश में १८४-नवस्त्रण १९८४--श्रतः वृझे श्रीमतः एम० सामुबेल

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समूर्व प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का एएएस है कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिपकी संव भेडुपालयाम गाव नेले नुरै गांव है, तथा जो कीयम्बत्र में स्थित है (श्रीर इपने उपबद्ध श्रनुभूज में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) प्रजिन्हें एती श्रीध रंखे ए.यीलय भेडुपालयम लेख संव 2111/84 में भारत याकिन्हें -एएण श्रीधितियम 1908 (1908 प्र 16) के श्रवण नारंख नवस्वर 1984

ा पृथिष्य संपत्ति के जीवत बाजार सूल्य सं कम के श्रथमान शिलफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का शन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया प्रका प्रतिफल निम्नितिस्ति उप्देश से उच्य अन्तरण निवित्त में अस्तरिक हथ से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वावत सकत वहिंच-विवय के संबीत कर दीने के अन्तरक के दादित्य के कमा अन्त या उसह जन्में में स्तिया के वियो; अर्थ/या
- (७) यासी किसी आय या किसी धन या कम्म आस्तियों का, गिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उन्हों अन्तिरती स्थारा बकट नहीं किया नया न एक उत्तर आना बाहिए था, हिपानी में सुविधा अंसिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) धाः बीर्वा मार्वे गदराजने ।

(श्रन्तर्ः ः)

(2) भेगसं दा ज्ञेष्णा मिल्प प्राईवेट लिमिटेड, डायरेक्टर--कृष्ण स्वामि ।

(भ्रन्तरितः)

की यह सुखना अपरी करके पृथित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्थम्भ में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अधित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की कथित, जो भी अधित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (क्ष) इस स्थान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीण स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र निक्ति में किए का दकींगे।

स्पष्टिक रणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उपत ्रितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

कृषि खेती एस० एफ० नं० 340/2, नेल्लितुरेगांव, में बुधाल्यम, कोयम्बतूर में बुधाल्यम लेख सं० 2114/84

एमः भाभवेल एक्षम अधि र र सहायक द्यायकप अध्युका (शरःक्षण) द्यजन रेंज--2, मद्रास

दिनांक : 10-7-1985

प्रकृप नाइं.टी. एन . एस . -----

अध्यक्तर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के बभीन संचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यतः रेज-2, महास मद्राक्ष, दिनांहः 10 जुलार्ट 1985

निदेश सं० 185/नवम्बर 1984— श्रातः मुझे श्री/मती। एम० सामुदेल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल जिस्ते अधिनियम कहा गया हो), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम अधिकारों को नह विध्यस करने अकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बण्यार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० टा॰ एप० नं० 172, 173, 176, वार्ड नं० 3, बन ए नं० 5, एडमंगलनेए हैं ज्या नो मईलाडुतुर में स्थित हैं (श्रीत इसी उपाबड़ श्रमुखी में श्रीर पूर्ण कप स वर्णित हैं) एजिस्ट्रेशिनों श्रीश हों के प्राथित महुईलातुर लेख सं० 1082/84 में भागताय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिताम 1908 (1908 ए। 16) के श्रधीन ताराख नवस्वर 1984

कर पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इस्ता । प्रतिपाल के लिए अंतरित का गई है और मुफ्ते कर रेडिंग कर करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजिल १ जिल मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करते या उक्तन उपने में पूर्व के के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्रारा प्रकट की किया कर या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एक्रिया के किए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, जिक्क्तिक्षित साधित गाँव अधीन,

- (1) श्रीमती: एम० ए० हैर्शन्तसार्वावी: । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रहमद न च्चियार।

(ग्रन्धाःतः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, धो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिश में किए जा सकोंगे।

न्यव्हाधारण :---इसमं प्रतृक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया त्या हैं।

प्रन्सूची

भूमि और महान टी॰ एस॰ नं॰ 172. 173, 176, वार्ड नं॰ 3, ब्ला ्र नं॰ 5, पट्ठामंगलंमतेरु महुईलातेरैं लेख सं॰ 1082/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहाय रु श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज~2, मद्रास

दिनो ह : 10-7-1995

भोहर 🖫

शरूप आइ.टी.एन.एस-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरका<u>र</u>

कागोलय, महायक भायकार बाब्क्स (निरीक्स)

श्रजंन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनोक्त 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 186/नवस्वर 1984---अतः मुझे श्रीमतीः एम० सामुवेल

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पक्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 725, तिष्मंजनवाधी तिष्मंदाल है तथा जो मईल दुतुरें में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीत ती श्रीधकारी के कार्यालय मईलादुतेरें लेख सं० 1087 (क्ष्मं) में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीतीन तारीख नवस्वर 1984

को पृथीकत सम्पर्ति के उणित बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उण्यित बाजार मुस्य उसके क्रवमान प्रतिफल से, एसे क्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतरकों) गौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिक्कल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कड़ी करने या उससे अधने में सुविधा अधिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उन्तर विधिनियम, या अज-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रतीयनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या थ ता किया जाना चाहिए या, कियाने बें युजिभा के सिए;

अकः सया, उक्त **अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरज** को, भी, उक्त अधिनियम की धारा <u>2</u>69-**व की उपधारा (1)** अ अर्थन निम्नसि**धित व्यक्तियों, अपदि क-** (1) श्रं/मती एम० सरोजा ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्रापाठ चेलामृतु।

(ग्रन्थिती)

श्री स्व भूषना पारी करके प्रवॉक्स सम्परित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्द सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध मा कांड भी बाक्षेप :--

- (क) इस धूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीन के 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी छ छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के स्थार किसित में किए वा सकोग।

स्वच्छीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिष्-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा, को उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और महान टो॰ एउ॰ नं॰ 725, तिरुमंजनवीधी तिरुनंदाल, मईलादत्रे नईलादत्रे लेख मं॰ 1087/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायाः श्रायगण श्रामुक्त (निरंक्षण) ग्रजन रेज-2, मद्रास

दिनांकः : 10-7-1985

मांह-र

प्रसम्बाधी, द्या एस एस

आयकर निभातियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत अपना

_- ==

भारत यहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंभ रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेण सं० 197/नवस्वर 1984/रेंज-2--म्रतः मुझे श्रोमतः एम० सामुवेल

शासकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) विसे इसके इसके पश्चात् 'उनत विभिन्नियन' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ंध्रौर जिसकी लंक 4/2 कोट्वीरास सलयम काडाईबेर्द हैतथा जो सत्यमंगलम में स्थित है (ध्रौर इप्रसे उपाबद धनुसूर्व में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिक रंिवे कार्यालय सत्यमंगलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 ा 16) के ध्रयान तारीख सवस्वर 1984

का नृशांकत सम्मत्ति के डिमत बाबार मृत्य से कम के प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाहार बृत्य, उसके क्रवमान प्रतिकल में, एमें क्रवमान प्रतिकल का पंतर बित्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अभ्योतियों। के बोच एस अन्तर्थ के लिए तम गया गया प्रतिकल, निम्नतिसित उर्वयय में उक्त अन्तर्थ कि सित्रत में एसतिक क्रण में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अजने में स्विधः के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिस्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपाणकार्थ जन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिए था, खिपाने में स्विधा में विष्

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपार (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रा एस० वंशि बालवेकटराम चेटियार ग्रीर उनके पृत्र।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा के० बंगि बालबेल टेरामन के पुत्र, के० बी० पृथ्वं कुमार श्रीयके० बी० प्रभाकरन । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सपोत्स के अअन के नज़ध मा काहां भी बाक्षण .---

- (क) इस भूचना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी ध्यतितयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीक्स स्वस्तियों में से किसी स्पिक्त इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित बद्ध किसी बन्ध स्थावर हमारित के पास लिकित में किया जा सकता।

न्वच्दी करण: --- इसमा प्रयुक्त शब्दां और पदों का, वां उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा नवा

यमस्य

भूमि और मजान-4/2, कोंट्वेरामपालयम कडा ईवेदi, मन्त्रयंमलम, प्रत्यमंगलम जालूक लेख सं० 2426/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मुद्रास

दिनां / : 10-6-1985

नोहर 🗷

श्र**रप आह**ै, टी. एस. एस. .~~~~

(1) श्रंह वेनायुद्ध चेट्टियार ।

(भ्रन्तरक)

कायकाण प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

(2) श्रीमित्त असंत कुमःरी ।

(श्रन्तिरतः)

STATE STATE

कार्याज्ञ सहायकः आधकर जायूक्स (निरक्षिण) अर्जन रेज--2, मदास

मद्राप, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 204/तत्रम्बर 1984 लग्नः मुक्ते श्र/भनी एम० सामुबेल

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्भीत, जिसका उच्चित सामार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संवारसवां वे 85, डोर नंव 68 है तथा जो पोडियेरी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रील पूर्ण एप वर्णित हैं) रजिस्ट्रा तो श्रीधानी के शायांक्य पाडियेर लेख संव 2701/84 में भारताय रजिस्ट्रा ण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार ख त्वस्वर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित जाजार मृत्य से काम के देश्यमान गितका के लिए अन्सरित की संबंध हैं और प्रभे यह निश्चास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बंधार मृष्य, उसके क्रयमान गिरुपाल में, एमें रूप्यमान प्रतिपाल का पद्ध प्रतिकार में लिए की प्रतिकार में लिए तथ प्राप्त में (जतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के निए तथ प्राप्त गंवा प्रतिकार की, निम्मानियात उद्वास्य में तक्त अन्तरण निर्माहत में बामनाविक स्प में किया नहीं किया गया हैं:—

- (णा) अलावाण को हुन्द्रिः किस्ती काल की उत्थाल, उत्थ किमिनियम को क्योंस कर आम के अन्तरक को उत्थाल में कसी कारम का कबले क्यारों को जिल्हा, और देश
- (क) एखी किसी नाथ या किसी भन या अस्थ जाहित गो को, जिन्हों भारतीय नायकर नौधनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया शना काहिए का, 1941ने में क्षेत्रका के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मं. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीमः जिल्लासिकत स्थानिकाँ, अर्थात् :-- का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 15 दिन का अपने या नमक्ताति व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त कालक्षा हो में विक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी जन्म काकित वृकास अधोत्रस्ताकारी के वास सिविधा मो किस का राष्ट्रिय

स्मच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

भूमि भ्रीर महात---68, मृतुमःरि स्रम्मत कोइल स्ट्रोट, पाडिचेरी, पांडिच्चेरी लेख मं० 2701/84 ।

> ्म० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2 मद्रास

हिनांक : 10-7-1985

भोहर:

प्रारत्न वाहै. टी. एम. एस.-----

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीवन) अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, धिनां∜ 10 जुलाई 1985

निदेश मं० 210 /नवम्बर 1984/रेंज--2--म्ब्रतः मुझे एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िणसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 41, टी० एस० नं० 724 है, तथा जो प्रकाशन बोडी रोड़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप सेविणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वायिलय हरीड़ लेख सं० 4300/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख नवम्बर 1984

का पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा, लिपाने में सूतिधा के सिए।

(1) श्रं/मती विमला गोपाल कृष्णन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एय० कृष्णवेणी ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पव्हिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान टी० एस० नं० 34, डोर नं० 41, ी० एस० नं० 724, प्रकाशन रोड़, ईरोड़, टाउन-लेख नं० 4300/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक पविसानों, अर्थात् :---

दिनांक 9-7-1985 मोहर : प्रकृष बाहा . टी. एन . इस - मनन्तर

जानकर मौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-घ (1) के मधीन सुबना**

मारव सरकार

कार्याजन, सहारक जायकर जानका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 222/नवस्बर 1984--ग्रतः मुद्दो, र्श्वामर्ताः एम० सामुदेख

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिल्ले इसकों इसकों परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राभिकारों को नह निकास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका जीवत बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० भूमि और मधान है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय सत्यमंगलम में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख नवम्बर 1984

की प्यंक्ति अम्पत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए जंतरित की नई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि विषापकों कत नंपोस्त का उपित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उप्ति का जीतका का उप्ति वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उपति (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्ति हिंबत उद्यक्य से उक्त अन्तरण लिमित में प्रायमिक हुए से क्रिक नहीं किया गया है:—

- (%) ताक्षरक मं बाह्यं किसी आयं की बाबत, उपक्ष प्रीधिमयंत्र के अभीन कर बोने के जलारक के आध्यस्य न कमी कारने या संसमें बचने में मिष्णा ६८ श्लिष्ट; क्रीप्/बा
- ंग। एकी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिल्हा भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्ल अधिनियम, या अवस्था अधिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाग बाहिए था, छिपाने में मुनिभा के निका

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अपश्रद में, में, स्कल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे लाकिन क्षित्र क्

(1) श्रां के० भूरुगैयन श्रीर दूसरे।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्राः एस० बो० मणि।

(ग्रन्सरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर कमरित के मधीन के कमरूथ में कोई भी ग्राह्में :----

- (क) इस त्यना से रावपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वािष वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यना की तानील से 30 दिन की सर्वािष, जो भी सब्बिंग को बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत त्या के राज्या में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-क्या किसी जन्म स्थापत ह्यारा अभोहस्ताक्षरी कें शस निस्ति में किए वा तकनी।

स्वक्रीकरण:--इसमे अगुन्त कर्को जौर वर्षो का, जा उक्त गीपामता, के अध्यात 20-क में परिभाषिक्ष ही, वही जर्ब होगा, जो उस अध्यान में दिया गवा ही।

मनुसूची

भूमि श्रीर मनान-पृद्वन्तनैयनूर गांव-एस नं० 238/2, 237/7 सत्यमंगलम /लेख सं० 2211/84 ।

एम० स मुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-11, महास

विनांक : 10-7-1985

व्यक्ष वार्षं . हो . श्रम् . एक , ननन्त्ररन्तरन्तर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, धिनांक 8 जुलाई 1985

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें वश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्रमाम करने का कारण है कि स्थायर मम्पत्ति, जिसका उलिस अधिर मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 21, जनरल मतैया भृतिल स्ट्रांट सँकाश्पट मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (भौर इससे उप बड़ अनुसूर्या में भौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्राकर्ती अधिकारी के आर्यालय जें० एस० आर०-1, मद्रास उत्तर दस० सं० 3048/84 में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन ताराख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययनान प्रतिफन के निए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्वोंक्त संपत्ति का अचित बाचार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का वल्या प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकात, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्थ ले हुई फिली बाय की बायक, उनक् श्रीधनियम की बचीन कर दोने के बन्तरक को वाधित्व में कनी करने ना उससे बचने में स्विधा के किए; स्की/बा
- (ण) एसी किसी भाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में पित्रपा से जिए;

अक्ष अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के बन्सरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तिस्यों, अर्थात :----

- (1) श्री कान्तीःलाल एन० शाह ग्रीर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्री अजित कुमार कन्करिया भ्रौर भ्रन्य। (श्रन्तरिता)

को यह स्वना नारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्स्थ्यन्थी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सदिथ, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से दिस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पवी का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजिल है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अमुसूची

भूमि श्रौर निर्भाण सं० 21, जनरत मुत्तैयः मुत्ति स्ट्राट, सौग्रारपट , मद्रास-79, जे० एस० श्रार०-I, मद्रास उत्तर दस० सं० 3047/84, 3050/84

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 8-7-1985

मुक्त् बार्ड् टी. **ए**न्, युक्त, ----------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीन क्षना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवेश सं० 2/नवम्बर 1984--म्ब्रतः मुझे के० वेण्गोपा ल राज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वंधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विववास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृत्य 1,ऍ0,000 ∕ - रु. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी मं० डोर मं० 71, तम्पु चेट्टी स्ट्रीट मुत्पालपेट है, तथा जो मद्राम-। में स्थित है (ग्रौर इसरे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस० सं० 3086/84 में भारतीय रजिस्द्रात प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख नवस्वर 1984

क्रो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिंगतयों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🐉 :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत रुक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने वा उससे अवने में स्विधा के लिए; श्रीर्∕ पा
- (तः) एंसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क्षे लिए;

कत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इस्त अधिनियम की धारा 269--व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) तजान्दं/म भिवि :

(अन्तरक)

(2) एस० शाहन श्रीर

(अन्तरिती)

क्यों महस्यना बारी करको पृत्रांकित सध्यत्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

अक्ट शम्पार्थ के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सकता की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्चना के राअपत्र में प्रकाशन की सारीस 🦸 45 बिम के भीतर उपल स्थादर संपन्ति में हिल **बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के** पास चिनित भी किए वा सकता।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गणा है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 61, तम्पू छेट्टी स्ट्री, मुत्पालपेट मद्रास-1।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, मब्रास

दिनोक : 1-7-1985

त्रक्ष बाह्र . टी., एव . एक् . ------

नावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन संस्था

प्रारत सरकार

कार्यात्रथः, तहायक भावकर वाज्यतः (विद्वालक)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1985

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिको इसके इसके बरबात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अपने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसके सं० धार० एस० 2767/11 है तथा जो 26, सैव मुत्तेमा मुदलि स्ट्रोट, मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रेकर्ता श्रिधकारी के ज्ञायलिय, मद्रास नार्थ, दस्ता०सं० 3026/84 में भारतीय रिजस्ट्रेक्ट श्रिकिट्रिक 1908 (1908 रा 16) के श्रिथीन कारीख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाबार मृत्य हे कम के जनवान मितिफल के लिए बन्तरित की गई है और बूर्व मह विश्वास करमें का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का द्वापत बाजार मृत्य उसके दम्यमान प्रतिफल तो, एंडे क्वाबान मितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए बय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि सिखत में बास्तिक रूप से विधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, ६२० वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना काहिए वा क्याने के सुविधा के निए।

जतः जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण जै, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:---

- (1) श्रीत के० भ्रन्कम्माल भीर एलावती । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० एम० राकुल कमीट श्रीर एस० काजा मुद्देदीन ।

(अन्तरिती)

को बहु सुबना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वनाहियां कारता हुं।

उनत र्पारत के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियाँ पर स्थान की तासील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्पनित व्यारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक न 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पक्ति में हित-बद्द किसी बच्च व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकती।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ;ंं। जो उस अध्याय में विसा गया है।

व्यम् स्वरी

भूमि और निर्माण 26, सैंव मुत्तैया मुर्दाल स्ट्रीट, मद्रास-1, भ्रार० एस० सं० 2767/11, जे० एस० श्रार०-I, मद्रास नार्थ । दस० सं० 3026/84।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9-4-1985

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) भूर्जन रेंज-1 मद्रान

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 5/नवम्बर/84---ग्रनः मृत्वे प्रेम मालिनि वासन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राप्य एस० नं० 3527/29 है जो डोर सं० 174 टी ० एच० रोड़ मद्रास-81 में स्थित है (श्रीप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणत है) गिलर्ट्ट्र-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-1 मद्रास नार्थः) दल० सं० 3193/84 में रिजर्स्ट्र करण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 10) के श्रर्धन तारीक नवस्वर 1984

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह ऽतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्रामतो कमला धिएन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एच० मम्भी।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्व}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

प्रोपर्टी सं० 174 टी० एच० रोड़ तन्डयारपेट मद्रास-81; जे०एस० ग्रार०-I, मद्रास नार्थ दस० सं० 3193/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंजं-1, मद्रास

दिनांक: 18-4-1985

मुक्तम् बाह्यः का. एवः एवः

बारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अभीत सुबना

ATEM MEMB

चार्यालय, तहासक आयकर काम्ल (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 श्रप्रेल 1985

निदेश सं० 6/नवम्बर/84--अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काया है। के स्थान सम्मान, जिल्ला उपित काजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव ग्रारव एसव संव 8090/2 है तथा जा, 40, 41,ए, 41वी, 44 ग्रायुडिप्पा निकास स्ट्रीट पेटुनायक नपेन महास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजन है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय महास नार्थ दनव संव 3237/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन तारीख नवस्बर 1984

जो प्योंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान तित्त को पहुँ हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार बुम्ब, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का भेडह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बीच एसे अंतरण के निए सम्भित स्थापा प्रतिकत्त करण स्थापा प्राप्त करा है किए सम्भित स्थापा प्रतिकत्त करण स्थापा प्राप्त करा है किए सम्भित स्थापा प्रतिकत्त करण स्थापा प्रतिकत्त करण से का करण से का स्थापा स्थ

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की धावत, उक्त जीपनियम के अभीन कर वाने के अन्तरफ को करियत् में कवी करने या उच्चे क्यमें वें दृष्टिया को सिए; औद्व/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया असा या वा किया आवा आहिये था, कियाने में हिष्मा के दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थाह् ह (1) श्रीमती ग्रार० वेदवल्ली ग्रीर ग्रन्थ।

(ध्रन्तरक)

(2) ग्रार० यो० एम० सन्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उत्रत संपत्ति के अर्थन के संबंध माँ कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्त मो हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

अमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 44 श्रयुडिप्पा निक्कन स्ट्रीट, पेदूनययकनपेट, मद्रास-1, दस० सं० 3237/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक 9-4-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रोमती कें गौपालन ।

(स्रन्तरक)

(2) श्रोमती ग्रार० कमलम।

(ग्रन्यरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रान

मद्राप्त, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० 13/नवस्वर 84 - - प्रनः नुझे के० वेणुगोताल राज्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिनकी सं० डोर सं० 15, है तथा जो, इन्नट सरकुलर रोड़, कील पार्क गार्डन कालीनो मद्राय-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय पश्यिमट दन**े सं० 3260/34**. में रजिस्ट्रोकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उक्तरित की गई है और मूझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम., 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरुष:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 15, ईन्नट सर्रेकुलर रोड़, कोलपाक गार्डन रोड़, मद्रात-10 एत० श्रार० परियमट। दस सं० 3260/84

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 4~7~1985

भोहर 🕃

. List to library moderate more particles.

प्रक्ष बाहे. टा, एन. एस.....

(1) ई० दमोदरक ग्रीर

(भ्रन्तरक)

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क ब्रह्मन सूचन

(2) हिंज कें ज्ञालि

(श्रन्तरिती)

भारत सहकार

कार्यास**व, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)** श्रजीन रेंज-1, प्रदास

मद्राप, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० 14/नवम्बर/84—प्रकः मुप्ते, के० वेणु गोनाल राजू;

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाव 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० डोर सं० 22 है तथा जो त्यागराज णिल्लै स्ट्रीट, पेंदूनाईकनपेट डी० टी० मद्रान-1 में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपेट दप० सं० 525/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधी न तारीख नवम्बर 1984

कर पर्योक्त सम्पन्ति अ उचित बाजार मृल्य से कम के बस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापलेंक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके राज्यमान प्रतिफार से, मोने उद्यमान प्रतिफान का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिसित उद्देश्य से उ ा अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से अधित नहीं किय गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय को बाबन उक्त बाध-तियम के जभीन कर बाने के शानारक के दाफित्य में कमी कार्य या उससे बच्चे में एडिया के जिए?, बार/बा
- (क) एसी किसी बाब पा किसी बन या करन आसिस्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम . 1922 (192? का 11) प्र उसते अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यानगर्भ अन्यिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया का या किया अपन बाहिए का स्टिमान में स्थिता से सिद्धा के सिद्धा

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ड--

- (क) इस स्वना के उपजपत्र भें प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी स्पवित द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के अस निष्यत में जिए जा करोंगे।

स्पद्धीकरण. स्वाइसमें प्रयापत शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधि-रेशम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उत्त कथाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर तिर्माण सं० 22, त्यागराजा पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1 एस० भ्रार० सौकारपेट । (धःस सं० 525/84)

> के० वेणुगोपाल राजू ^{*}सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, मद्रास

बतः अब उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग को जनसरक मं, पाँ, उपल अधिनियमं को अपन 269-व की उपधारा (१) को अभीन, निम्नलिकित स्वक्तियाँ, अर्थातः '—

दिनांक : 1-7-198**5**

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1985

निदेश ६० 15/नवम्बर/84--श्रतः, मुक्ते, प्रेम मालिनि वासन, आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बोजार मल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. शार. एम. सं. 906 है, सथा जो सं. 9, पालयप्पन स्ट्रीट, पतानायकन पेट, मदास-79 में स्थित है (और इससे उपावदभ अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्होक्सी अधिकारी के कार्यालय, सीकार पेट, इस सं. 520/ 84 और 519/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्बर, 1984 का पूर्वीवत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के खपमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रीतशह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिक्तिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण रो हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तिनों, अर्थात् :--41--206GI/85

1. श्रीमती टी० रेन्जाराव और भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० वि० रमेसु बाबू।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

िर्मा होर नं० 9, पालयप्पन स्ट्रीट, पे बुनायक्रनपेट मिक्रास-79 एस० झार० औ० सीकारपेट दस० सं० 520/84।

> प्रेम मासिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-1, मधास

दिनांक : 18-4-1985

माहर :

प्रकप बाई ्ट्री. एन . एस . ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265 ए (1) क अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मक्षास,

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं 16/नवम्बर/84:—-प्रतः मुझे, के वेणुगोपाल राजु, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' यहां गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या डोर सं० 43, सडयप्प मेस्त्री स्ट्रीट, मश्रास-1 है, (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस० सं० 531/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्द्रीकृत विलेख के जनुसार अन्त-रित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतार्गिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उच्त अंतरण सिसित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया बड़ा है :---

- (क) बंसरण सं हुई किसी आयु की बाबत, बक्क अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के पर्तिश्रदय में अधी कारने या उससे बचने में सुविधा के कार, और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, कियाने में न्यिया के निष्

कतः अब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, को, जिस्त अधिनियम की भारा 269-**ग की उपभारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती प्रब्दुल उम्माल देगम।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री नागुर दनी।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो अस अध्याय में दिया गया है।

वप्सूची

भूमि और निर्माण कोर सं० 43, सब्द्रीयण मेस्त्री स्ट्रीट, मकास-1 एस० म्रार० सीकार पट दस० नं० 531/ 84 ।

> के० वेणुगोपाल राजु, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🥫

प्रकृप आहें . यी . एनं . एश . ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

BISH EXPE

कार्थालयः, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई, 1985

सं० 23/नवम्बर/84:—श्रत मुझे, कें० वेणुगोपाल राजू, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उ क्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-च के सधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं डार सं 15, पेड्डनाईकन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट उस सं 563/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान मितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक कप से कि पित नहीं किया गया है ः—

- (कं अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, अन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रिया में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (257 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया स्विधा के लिए;

कतः अध , उक्त अधिनियम कौ भारा 269-व कौ वनुकरण थें , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिवाँ, अर्थात् ६श्री एस० पी० पक्षीर सेलवम
 (9) एलिकार नारायन और भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० एस० श्रस्तोकन

(ब्रन्तर्रत्त)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाहर;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थलकीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि डोर सं० पेड्डनाईकन स्ट्रीट, मधास-1, एस० श्रार० सौकारपट, दस० सं० 563/84।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मश्रास

तारीख:8 -7-1985

मोहर ह

प्ररूप जाड़ी. टी. एत. एस्.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत संहकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 1, महास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 25/नवस्गर/84—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। के स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- के. से विधिक हैं

और जिसकी संख्या डोर सं० 3, है, जो समुद्र मुवाली स्ट्रीट, मधास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षारी के कार्यालय, सौकार पट दस० सं० 547/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16 के श्रद्धीन, तारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) जैतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविभा के सिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आफ या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय अपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ती अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती चुनाए प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने यें बुनिया के लिए;

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिसुयों, सथित ध—

1. श्रीमती सविता बेन ग्रार० जोसी और श्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री गांतिलाल ग्रार० कोन्डा और

(श्रन्तरिती

का यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ। भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्यीवत द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 3, ममुद्र मुदालि स्ट्रीट, मधास-1 (एस० ग्रार० सीकारपेट दस० सं० 547/84)

> के० वेजुनोंपाल राजू सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मश्रास

तारीख: 4-7-1985

मोद्दर 🛎

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रज्ञ रेज मद्रास

मद्रास, दिनांकः 1 जुलाई 1985

सं० 34/नवम्बर/84:--श्रतः म्हो, वेण्रोपाल राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4/2 है, जो पालयकार स्ट्रीट, श्रयना-वरम, मक्षास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीयक्षी श्रीदकारी के कादालय सेम्पीयम (दस सं० 3961/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीदित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, तारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) क्षेतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् :---

1. श्रीमतो के० एस० लक्ष्मी श्रम्माल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रामीसा बादी और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराख में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण 14/2 पालयकार स्ट्रीट, ग्रवनावरम, मदास-23।

> कै० वेणुगोपाल राज्यू सक्षम प्राधि हारी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निशिक्षण) प्रार्थन रेज-1 मधास

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----1. श्री के० धजपति नाईडु,।

(भन्तरक)

2. अ. ए० नाची महा।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्पन रेंज-11, महास

महास, दिनांक 8 जुलाई, 1985

सं 35/नवम्बर, 84:---म्रातः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजु, आयकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 1,00,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. डोर सं. 50 ही, तथा जो रोतिषडीय तिडवेगंड मृत्तली स्ट्रीट, चूलै, मन्नास-112 में स्थित है (और इससे उपा-बंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटियमेट उस सं. 1106/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को अचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित र से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सच्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकः गया है।

मन्स ची

भीम और निर्माण डोर सं. 50, टोलीवर्ड तिडवेगंड मृत्तलो स्ट्रीट, च्नै, मन्नास-112 ।

एस. बार. पेरियमेंट क्स सं. 1106/84।

के० वेण्गोपाल राज् सकम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीब: 8-7-1985

मोहर

प्रकप बाइं.टी.एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

1. श्री ६म० बी० इराकी।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रार० एन० ग्रहामले।

(म्रन्तरिती)

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्ण)

ग्राजॅन रेंज-1 महास

मक्षास-1, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० 36/नवम्बर, 1984:—-श्रतः मुझे, के**० वेणु** गोपाल राजू।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी डोर सं 13, है, जो ईस्ट स्पन्टांक रोड, छेटपट मधास-31 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय पेरियपेट दस सं 1007184 में भारतीय राजस्ट्री करण ग्राह्मियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के राध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उच्चेष्य से उच्च अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत , जायकर अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में स्विधा के लिए:

अतः अय, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिकायों, मुम्लि ह—- को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्भञ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुसूची

भूमि और निर्माण कोर सं० 13 ईस्ट स्परटांक रोड, छेटपट, महास-31 ।

कें नेगुरीयाल राजू, सक्षम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीकण) भर्जन रेंज 1 महास

तारीख: 1-7-उ985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज 1 मशस

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० 39/न अस्बर/84—श्रत: मुझे, वेणुगोपाल राजू, पायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनयम' कहा गया हो, का धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या होए सं० 460 है, जो कीलपाक गरटन रोड, मजा 1-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विभिन्न है), रिकट्टीकर्का श्राह्मियारी के कार्यालय, पेरीमोट दस सं० 1092/84 में भारतीय रिकट्टीकरण श्राह्म-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्राह्मीन, तारीड नशम्बर, उ984।

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असर्व इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित् में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (्ंक) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा और लिए;
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा बो निए:

भतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, मैं, उक्त आधानयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अमित् :—

2. डाम्डर श्रानन्द राम दास और श्रीमती लीला रामदास।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० नागराजन।

(ब्रन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चनत संपत्ति के अर्जन के सबध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पर्वेकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण 460 कीनपाक गारडन रोड, मशास-

एस० म्रार० ओ० पेरीमोट दस० सं० 1192/84।

के० वेगुरोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मुक्षास

तारीख: 4→7—1985

माहर 🖫

प्रथम बाह् हु टी हु पूर्व हु बुद्ध हुन-एन-जन्म-

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के विभीत स्वाम

भारत बहुबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) धर्जम रेंज 1 महास

मब्रास, दिनोक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० 41/नधम्बर, 1984; — श्रत मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आर० एस० सं० 148/3 है, को 4 बी, आमर्ज रोड, II1 कास स्ट्रीट, कीलपाक, महास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट दस० सं० 1146/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित गाजार मुख्य से कम के क्यमाय प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित गाजार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंदरिती (वंतरितयों) के बीच एसे वंतरण के लिए तब पायन गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विक्त से उक्त वंतरण जिल्हा विश्वत वें वास्तिक रूप से कियत नहीं किया न्या हैं:—

- (क) वृत्यरण से हुई किसी बाय कई वावधा, जनक विधीनवन के वधीन कह दोने की अन्यक्तक की वादित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुनिया ने लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या बन्च कारिसकों को जिन्हों भारतीय वाय-कर वाधिनयवार 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनयवार या धन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरियों दुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वा निर्हा;

जतः अव, उसते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उकते अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) औं अधीन, किल्ित्रस्थित व्यक्तियों है। स्वारि के के 42—206 GI/85 श्रीमती पी० सन्द्रराज्ये।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० सेन्तानरी।

(मन्तरिती)

की यह बुक्ध बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम् से जिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

वक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की जबिंध या तस्सम्बन्धी स्थितिमां ४६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्ववित्यों में से किसी स्ववित्त द्वाराः
- (था) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी सम्य स्थक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिट में किए वा सकोंगे।

स्वयाज्ञाच्याः — इसमें प्रयुक्त कार्या और पदी का, आं उपल्य जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2%)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो इस जध्याय में दिया गया है।

नम्बन

भूमि और निर्माण सं० 4 जी, भामर्स रोड, III कास स्ट्रीट, कीलपाक, मद्रास-10।
एस० भार० पेरियमेट दस० सं० 1/47/84।

के. वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मशस

तारी**व**: **8-7-**1985

माहर 🛚

प्ररूप बार्ड ् टी ् पुन् पुर ् वननननन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायुक्त वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक ८ जुलाई 1985

निर्देश सं० 53/नवम्बर/84—श्रतः मुझे, कि० वेणुगोपाल राजू, आयकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या डोर सं० 13, रामनाथन स्ट्रीट, महास 10 है, (और इससे विज्ञान प्रावद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञान है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्ता० सं० 1174/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान क्रींतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे बृश्यमान प्रतिफल का कृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण किखिल में अस्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :-----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० ६म० ग्राईना और

(ग्रन्तरक)

2. श्री डी० मनोहरन।

(अन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्बन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बंबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्वा है।

यनुसूची

भूमि सं० 13 रामनाथन स्ट्रीट, मद्रास-10 । एस० ब्रार० पेरियमेट दस्ता०सं० 1174/84।

> के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

त्ररूप बाइ^{*}.टी.एन.एव. -----

बार्यकार अधिनियम तः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भाउत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाय्क्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० 57/नवम्बर् 84:—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या डोर सं० 13 है जो राम नाथन स्ट्रीट, मद्रास-10 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट दस० सं० 1179/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख नवम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल का पान्त्र प्रतिकल का पान्त्र प्रतिकल का पान्त्र प्रतिकल के प्रतिकल के अपित हैं बार अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती अध्यस्तिकों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहां विकास नहां हैं हैं

- (क) बन्तद्रम तं हुइ किसी बाव की वायधः, उसक वर्षप्रियम् के मुचीन कद्र देने के बन्दरक के दाहित्य वो कमी कुद्रमें वा क्यूचे ब्यूचने में बुविधा के बिए। वीद्यां वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, चिन्ही भारतीय बावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के सिष्ट;

ब्दाः तव, उत्तर विधित्यम की भारा 269-ग के बनुबरण के, के, उत्तर विधित्यम की भारा 269-म की उन्नभारा रिहे--के वधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्थात् :---- 1. श्री एम० एम० ईना ग्रीर ग्रन्य

(अन्तरक)

2 क्मारी अन्नी वरिष्रसः।

(अन्तरिती)

को यह समाना आही करके प्रयोजन तस्यास्य में सर्वन में विश् कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्मतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोदः---

- (क) इस क्षमा के राजपूत में प्रकार की बार्डीय से 45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध वाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रांवत व्यक्तियों में से विकार व्यक्ति व्यक्ति क्षारा;
- (क) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वंधोइस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये का सकीने।

स्वयक्षीकरणः इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उनत अधिनियम के सभ्याय 20-स को प्रिभाषित हों, वहीं वर्ष होता जो उस अध्याय में दिया गया हो।

नन्स्भी

भूमि सं० 13 रामनाथन स्ट्रीट मद्रास-10। एस० आर० पेरियमेट दस० सं० 1179/84।

> के॰ वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज,-1, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

मोहर् 🖫

नायकर विभिनियन त्रा 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के नभीन सूचना

शारत करकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अप्रश 1985

सं० 61/नवम्बर/84:--अतः मुझे, प्रेमा धालिनी वासन, नायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इत्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह्")ः, की भारा 269-स के अर्थान सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक **ह**ै ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो 56, कोनस हाई रोड अयानावरम मद्रास-23 में ।स्थत **है (ग्रौर इससे** उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अन्नानगर (दस० सं० 3798/84) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्वयमान प्रतिकल 🔻 तिए बन्तरित की गक् बरि विष्वास करने का कारण सम्पत्ति का उच्लि बाजार मूल्य', उसके करममान प्रतिफल सं., एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवात से विभिक्त है और बंत-रक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेषय से जक्त अतरण लिखित में वास्तविक **रूप से कथित नहीं नवा 6** :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के किए; ज़ौर/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हुं भारतीय आयकर प्रभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिमाने में सुविभा के किए;

शत्त अव, उक्त अभिनियम की भाष 269- व के अनुकर्ण कें, मैं, शक्त अभिनियम की भाष 269- व की उपभाष (।) ﴿ अर्थान, निस्नितिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्रे— 1. गौरी बाई भ्रौर जी० सिवप्रकाशन ।

(अन्सरक)

2. श्री के० गजेन्द्रन।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अविकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भाम--- 56, कोनस हाई रोड अयानावरम, महास-23। एस० आर० अन्नानगर दस सं० 3798/84।

> प्रेमा मालिनी वासन्। सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18-5-1985

मोह्द 🖫

भुक्यः वार्दः टीः पृष् पृष्टु हम र छ ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्थीन सुचना

शारत ब्रकार

कार्वालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश सं० 64/नवस्थर, 1984 ——अतः मुझी/के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 799 है, जो आरिगनार अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से विणत है), राजेस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर (दस० सं० 3785/84(में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नितियत उद्योध्य से उक्त जन्तरण लिचित में वास्तिवृक्त क्ष्म से कथित वहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तर्क से हुए फिली नाम की नायस, समझ ग्रीपित्रक की नगीत कार भेते के अन्तर्क की नावित्त में कानी करने मा सतस्य समने में सुविधा की निक्द, की ग्रीप
- अ) एमी किसी अव या किसी पन या अन्य बास्तियां करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उन्ता अधिनियम, या एन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया एन का या किया जाना वाहिए था, किया में दिवस में विकास की किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरम में, पं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिति ६1. श्री कें के मारकेन्द्रेयन

(अन्तरक)

2. श्री एस० वसन्या।

(अन्तरती)

को यह सुवना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के शिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत बम्पीत के क्यान ती तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा को राजपण नो प्रकावन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्त्रज्ञन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान क रायपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन के शीतर उक्त स्थापर संग्याति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थार, व्योहत्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

धनुत्रवी

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 799, अरिगनार अस्ता नगर मद्रास-40। एस० आर० असा नगर (दस० सं० 3755/84)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 5-7-1985

प्रकप बार्ड टी. एन. एस. -----

ा. श्री एन० नैलसपति।

(अन्तरक)

2. श्री के० चन्द्रवन ।

(अन्तरिसी)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

भार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1985

निवेश सं० 64/नबम्बर, 84:—अत मुझे, प्रेमा मालिनी वासन, अगयजर जीधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान्य संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 5126 हैं जो डोर सं० एफ० 137 आरिअर अन्ना नगर मद्रास-102 में स्थित हैं ('ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अन्ना नगर दस० नं० 3736/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख नवम्बर 1984

को पूर्वाक्ष संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्विकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिं उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्नालिं में बास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाव की बाबत, उच्ल अभिनियम के अभीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के निष्।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की ध्रमधारा (1) के अधीन, निम्निलि**शत** क्यिन्सियों, अर्थात् :-- को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में रं किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोगी।

स्वक्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसभी

भूमि भीर निर्माण व्लाट सं० 5126 डोर सं० एफ० 137 आरिअर असा नगर, मद्रास-102।

एस॰ नार॰ अन्ना नगर (दस॰ सं॰ 3736_/84)।

प्रेमा मालिनी बासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**च**: 18-4-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 भद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० ६६/नवम्बर/८४---अतः मुझे, वेणु गोपाल राज् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या एस० सं० 107, 108/1, बी 2, बी1, बी 4/ है जो अलक।पूरम गांव सेलम डिस्ट्रीकट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरमन्कलम दस्तायेज सं० 2322/84 में भारतीय राजस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्त-रितौ (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण को ीलए तय पादा गया प्रतिफल निक्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को मधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री एस० के० राजमाणिकम पिल्लै भौर अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री एस० सेल्लप्पन ग्रीर अन्यों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकों में।

स्पक्किकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्ची

भूमि अलकापुरम गाँव एस० सं० 107 भौर 108/ 1, बी 2, बी 1, बी 4/1 ए सेलम शालक, सेलम डिस्ट्रीकट। दस्तावेज सं० 2322/84

> के. वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

तारीव : 4-7-1985

रक्ष पार्क हो, रच , युक् ,-------

नायकर निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने नवीन क्यान

सिंहर बरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) अर्जीम रोंज-1, महास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1985

देश मं० 67/नवम्बर/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्प्रें इसके परवात् 'उकत निर्मानयम' कहा गया हैं), की भार 269-व में नृथीन सक्तम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थान्द्र कर्जीत, विश्वका उचित्त नावाद मूक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीरजिसकी संख्या सर्वे० सं० 19/4 सी है, जो अलक पुरम पुनूर गांव, सेलम तालुक में स्थित है (श्रीर इस उपावद अनुमूची में श्रीर पूर्णक्ष्म से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरमन्कलम दस सं० 2356/84 में भारतीय रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख मदम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त तत्र्यति औ अधित बाजार बृश्य वे काम के अध्यमान प्रतिकाल के जिल्ल अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का करण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का बेद्ध प्रतिचल से अभिक है बीर अंधरक (अंतक्ता) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच होने अन्तरण के शिए लय पाना गया प्रतिफल निम्नीतियत उद्योग से उक्ता अन्तरण शिथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है——

- (क) अभारण को हुए। किसी बाद की वावस, अवस गणिनियम के बजीम कार वर्ष के सम्बद्धक की सामित्य में क्यी कहने वा स्वयं वेखने के सुविश्वा ले जिए; सुंह/वा
- (क) एंसी किसी बाव या किसी थन वा बन्य आस्तियाँ की चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, किया संस्थित के सुविधा के सिक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास (1) की अधीन, निमासिक्त अधीन, जिमासिक्त अधीन, जिमासिक्त अधीन,

1. श्री एस० पी० मारिमुत्तु, मुदलियार।

(अन्तरक)

श्रीमती जकदीसवरि।

(अन्तरिती)

को सह सुप्ता पाड़ी करके पूर्वोपस स्व्युटित से अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक कुरसा हुई तः

वज्य वज्यक्ति में नर्वत् में वंबंध में कोर्य भी नाक्षेप् :---

- (क) इव बुषमा के शासपत्र में त्रभावन की तारीच वें 45 दिन को बर्धि वा तत्स्वकाभी व्यक्तियों पर बुषमा की ताबील से 30 दिन की बल्धि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (च) इत सूचना के राज्यन में त्रकाशन की सारीब में 45 दिन के भीवर उच्च स्थानर कम्पीत में हिंदा-बद्ध निक्ती नस्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रदेहस्ताक्षरी के नास निविक्त में किए या सकतेंगे।

मनुसूची

भूमि अलकापुरम पुत्तूर गांव, सेलम तालुक, सर्वे सं० 191/4 सी ।

एस० आर० सूरमन्कलम। इस सं० 2356/84।

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आक्पुत (निरीक्षण) अर्जेंगरेंज-1, मद्रास

तारी**ख**: 30-4-1985

प्ररूप बाइं, टी. एन एम .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्राम

मद्राग, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 72/नवम्बर/84:—अत मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे० सं० 106, वार्ड सं० 3 है, जो तम्मापमटी गांव, अन्तूर तालुक तत्रम में स्थित है (श्रीर इसके उनाबद्ध श्रौर पूर्ण रूप संवर्गित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तम्माम्पट्टी दंग सं० 1486/73 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख भवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य में किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मध्यिन्यम के अपीन कर दोने के बंतरक के द्रायक मा कामी कार्ज या उसमें मचर्च में सुविभा + भिया, बार/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धर अधिनियम, या धर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

43 -- 206 G1/85

1. श्रीमती सुन्दरम ग्रांर नलम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री आर० बासकरम।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए
- स्वाहियां करता हो।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) रस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से "स्मी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

भूमि श्रोर निर्माण, तम्मामही गांव, आत्तूर तालुक एस० आर० तम्माम्पट्टी दन मं० 1485/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख: 19-3-1985

मोहर '

प्रस्य आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 969-थ (1) के अधीन सुचनः

भारत इरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1 मद्राप्त मद्राप्त, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं 73/नवम्बर 1984/--अत मुझे प्रेम मालिनि वासन नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस प्रसमे इसको परचात् 'दक्स मधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है न्नौर जिसकी संख्या सर्वे. सं 197/2 3, 4, 5, 8, 15, 16 है, जो अलकापुरम पुत्तूर गांव, सेलम काजुर में स्थित है (और इसने उपाबड अनुपूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हत्ती अधिकारी के कार्यालय, सूरमन्जलम ान मं० 2302/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अविनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीख व्यम्बर, 1984 को पूर्विवस सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के उरुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स संपर्तित का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमी अन्तरण के लिए तय क्या एवा प्रान-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्वित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से तुर्च किसी भाव की बाबत उपत्त अभि--निगम के कंपीन कार दान के असरक के दाबितव मों कमी करने या जबसे यंचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गा कि क्षा अस्ताय रामकार अध्यास्त्रम् । १५७ -(1922 को 11) या उन्नय अधिनियम, या धन या अधिनियम, 1952 (1957 को 27) के प्रयोजनाय अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उन्तः विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरर में, में, उन्तर विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्नसिनिक यक्तिस्यों, अधीर 1. श्री ए० रतनमा

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० उमा महेश्वरि।

(अन्तरिती)

का बह स्थना कारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाक्ष्या करता हैं:

उक्त सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में के के भी बा**स्पेप**?---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि—अलकापुरम पुत्तूर गाँव, सेलम तालुक एस० आए० सूरमन्कलम, दस सं० 2302/84)।

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 19-4-1985

नवम्बर, 1984

प्रकप बाहें. टी. एन्. एस. -----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहावक आवकर बाब्क्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० 75/नवम्बर/84:—अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी संख्या है जो कोमर पालयम गांव, वेलूर (सेलम), में स्थित हैं (प्रार इससे उनाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्री हत्ती अधिकारी के कार्यालय, वेलूर (सेलम) दसतावेज सं— 1668/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

करे प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्भ यह विश्वास का कारण है कि यंजापूर्वीक्त सम्मति का उजित बाजार मूल्य उसके नश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिकत्त से विषक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है 5—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्मित्य में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा से सिस्; बोद्ध/वा
- (ग) इंग्री किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में अधिका के खिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों स्पीत है— 1. श्री के० सुन्मुकम।

(अन्तरक)

2. श्री के सुन्दरराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्कें वीधिवया, के कथाय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा का उस सभ्यस्य की दिया प्याही।

प्रमुखी

भूमि कोमारपालयम गांत्र, नामकल तालुक एस० आर० सिलेम । (वस्ता०सं० 1668/84)।

त्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ**गुक्त** (निरीक्षण) अर्जन-रेंज, 1 मद्रास

सारीख : 19-4-1985

मोहरू 🛭

प्ररूप बार्ड.टी.इन.एस.-----

1. श्री नल्लतम्पी सेट्टीयार ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

2. श्री हनपाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985 सं 77/नवम्बर/84:--अत मझे, प्रेम मलिन वासन,

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याहैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे० नं० 172/3 है, जो कलप्पनमकन पट्टी में स्थित है (ग्रीर इतने उगाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिल्ट्रो हती अबिकारी के कार्यायल, सेन्दमन्कलम दस्तावेज सं० 1659/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त संपंत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अव्युक्त

भमि कलप्पनायकनपट्टी सर्वे० सं० 172/3, एस० आर० सेन्टमन्कलन । (दस्तासेज सं० 1659/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 1, मद्रास

अत: अध, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:---

तारीख: 29-4-1985

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांङ 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 84/नवम्बर्/84—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल

राजू, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिल बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं हो। एस । सं । 16/2 है, तथा जो पल्लपट्टी गांव, सेलम में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोहर्ता स्रीध गर्र के कार्यालय, सेलम दस्तावेज सं । 1183/84 रिजस्ट्रोहरण स्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से कृथित नहीं किया गया हैं:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— 1 श्री बी० बी० रामलिंगम

(ग्रन्तरक)

2. श्री ई० ईश्वर राज ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी' के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ---पल्लपट्टी गांव, सेलम एस० आर० सेलम दस्तावेज सं० 1183/84

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

प्रकम बाह् . टी. एन . एस . ------

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सुचना

नारुत वरकार कार्याचन, सहानक नायकार नान्स्त (पिद्रीकार)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 89/नवम्बर/84--म्प्रतः, मुझे, वेणुगोपाल राजू

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उक्त विभिनियम) रुक्त गया हुँ), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 17/24 है, तथा जो पल्लपट्टी गांव, सलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाब द सम्मुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय; सेलम दस्तावेश सं० 1197/84 श्रीर 1189/84 में रजिस्ट्री- करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गर्द है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कांचर मही किया वा है किया ने साम्तरिक का

- (क) अध्यारण में हुई किसी जाय की वासत, उक्ष जिस्ती नियम को जभीन कर देने की जम्मारक को दायित्व में कमी कर्न या उससे वचने में स्वीवधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के जिए;

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरक तो, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीमिक्त व्यक्तियों, अर्थाक् रू—- श्रं बी० सुत्रम्नियम्

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० समसन सिगामनी)

(अन्त(रत))

का यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्य-वाहियां करता हुं ।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के अप्रयम में प्रकाशन की तारीख वें 45 विन की जनिश मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सनिश नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्थाबलयों में है किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य अपितत इवारा मशोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए वा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पृक्षें का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

नन्त्यी

भूमि ---टो॰ एस॰ मं॰ 17/2-ए, पलपट्टी गांव, सेलम जिला एम॰ श्रार॰ सेलम दस्तावेज सं॰ 1197/84 श्रीर 1189/84।

> के० देगुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रारकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-मद्रास

तारीं**ख** : 4-7-1985

मंहर 🛭

प्रकप बाइ . टी. एन. एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 जुलाट्ट 1985

निर्देश सं० 87/नवम्बर/84— श्रानः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

बायकर बाँधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/3 है, तथा जो पल्लपट्टी गांव, रेलम में स्थित हैं (भ्रौर इक्ते: उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीएती श्रीधारी के कार्यालय सेलम दस्तावेज सं० 1240/84, 1242/84 और 1243/84 में रिजस्ट्रीएरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1984

का पूर्वों कर सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वाल करने का कारण है कि मणापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रवमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उच्त अन्तरण सिखत में वास्तिक रूप से क्रिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी नाय की नानत, उक्त निप्तित्वत्र को अधीन कर दोने के नन्तरण के वायित्य में कनी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के स्निए; आरि/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध कास्तिकों को, बिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में विकास के किए;

नतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्षात् ह—— 1. र्थाः एस० मेलव राज ग्रीर भ्रन्य

(ग्रन्तर ह)

2. श्रां एम० सदाशिवम

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्केंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम स्रची

भूमि—पल्लापट्टी गांव, सेलम एस० भार० सेलम दस्तावेज सं० 1242/84, 1243/84 श्रौर 1240/84

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारः सहायक् स्रायकर श्रायुक्तः (निरक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

ताराखा : 9-7-1985

प्ररूप नार्षं. टी. एन. एवं. = - - ====

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

मारत सहकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्राजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिलांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 88/नवस्वा/84-चन्द्रातः, मुझे, के० वेणुगोपःल पाजू,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौत जिसकी सं ० प्लाट नं ० बा-121 है, तथा जो भुकन्छ।पर्ली । गांत्र, होसुर में स्थित हैं (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूच में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजिस्ट्रा ति श्रीय ार्रे के अर्थालय, होसुर दस्तावेज सं ० 3740/84 में रिजिस्ट्रो प्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयान,

नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) जन्तरण से हुई किसी आव की वावत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के तायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/था
- (च) एसी किसी नाय या किसी थन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय पाय-कर अधिनियम, १५,७० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांक नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृष्यिभा के सिए।

जतः जब उच्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मैं, उक्त जिथिनियम की जारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों जधार — 1. श्रीमती प्रेमा श्याम सुन्दर

(श्रन्तरक)

2. श्री पो० सुरेश इन्बस्टमेंटस

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो बुटि करता हुं।

उनत सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेप :- --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृताया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलंक बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए का सकींगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में ावया ववा ही।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण — बी-121, सिपकोट हाउद्मिण कालोनी, होसुर, धर्मापुरी जिला एस० श्रार० होसुर । (दम्नावेज सं० 3740/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राग्धान री सहायक श्रायकर श्रायुणत (लिरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, महास

तारीखः: 9-7-985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985 निर्देश सं० 92/नवम्बर/84--श्रतः, मुझे, वेणुगोपाल के० राज्,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 47, 47 ए, 47-बी, श्रीर 47-मी है, तथा जो रामी पालम गांव, सेलम० डिस्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधनारी के कार्यालय, मो कृतूर दस्तावेज सं० 1037/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारबीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभेन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :——
44—206G1/85

1. श्री ए० ब्राए० सेन्द्रीलनाथन संत्यार

(भ्रन्तरक)

2. श्रा ए० रामस्वामी स्रीर एमः राजस्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

भन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण--47. 47-ए, 47-बी, श्रौर 47-सी, रासीपालयम गांव, सेलम दस्तावेज मं० 1037/84

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज-1, मद्रास

नारी**ख** : 4-7-19**8**5

प्रमय **वाद**ै, टी. **ए**न्. **एस्**_-ल-र--र-

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-प्र (1) के अधीन स्पना

साउत बुडब्स

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 96/नवम्बर/84-—ग्रतः मुक्षे, प्रेम मालिनीः वासनः

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वतः उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्स, उन्नेस अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; बरि/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों कां जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिष्;

बरः, अव, उक्त किथिनियम की भारा 269-व के अनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जीव नटेश सङ्घोषार श्रीर अन्य

(भ्रन्तरः)

2. श्री के० कुष्पुस्वामी श्रीर टी० बालरामन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बर्बी , को भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकों गै।

स्पच्छीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्सूची

भूमी श्राम्पूर गांव, वाणियम्पाठी तालूक, नास्त भारकाट डिस्ट्रिक्ट एम० भार० श्राम्पूर : (दस्तविज सं० 2528/84)

> प्रेम मालिनी वासन् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजे-1, मद्रास

नार्/ख : 19-4-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० 98/नवम्बर/84--यत, मुझे, के० वेणुगोपाल

र।जू,

नायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 129/2 है, तथाजो पलवनसत्तु गांव में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावज अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय जेव एसव ग्रापना वेस्लूप-दस्तावेज संव 4000/84 में रिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्रित्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निक्कत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में स्विधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरिती द्वाप प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः। अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्रीमतीं सरोजिनीं गजराज

(मन्तरक)

2. डाक्टर वी० माई० मातन मौर श्रीमती मिन्नी एम० मातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बार्श्वप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिंबत में किए जा सकोंचे।

स्वच्चीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भूमि—-पलबनसात्तु गांव---सव मं० 129/2 जे० एस० श्रार०-I वेल्लूर । (दस्सावेज सं० 4000/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1. मद्रास

तारीचा : 8-7-1985

प्रका भाषा, दी, एत, एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाख 269-व (1) के सभीन क्यांग

भारत तरकात

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० 103/नवम्बर/84---यतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासनः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,06,000/- रह. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० सर्वे सं० 77/1 म्रोर 78/6 है, तथा जो कोन्टमनायकनपट्टी गांव में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद म्रनुमूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय एस० भ्रार० सेन्दमन्कलम दस्तावेज सं० 1609/84 में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) ब्रुचरत्र वं हुई किली मान की नामत उपत लिय-नियम के अभीम कर देने के अन्तरक की दायित्य में कर्मी करने या उस्ते वचने में सुविधा के लिये; और/या
- [वा) ऐसी किसी जाव वा किसी अन वन्त्र वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या अनक्तर अधिनियम, या अनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा जै किए;

1. श्री बरतरारिसन श्रीर अन्यों

(प्रन्तरक)

2. श्री पो० सिन्नस्वामी

(भ्रन्तारती)

को यह यूचना चारी करके प्रशेषत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी अविधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात्:—

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नग्त्यी

भूमि—कोन्टमनमकनपट्टी गांव सर्वे सं० 77/1, और 78/6 एस० ग्रार० सेन्यमन्कलम । (दस्तावेज सं० 1609/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, मद्रास

ं जतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) से बभीन किन्निचित व्यक्तियाँ, अर्थात :----

तारीख: 29-4-1985 **नोहर** । प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सचना

भारत सहस्रार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, भद्रास

मब्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनको मं० एव० सं० 8/1 है, तथा जो मेंटुपालयम गांव, श्रादूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पेड्नाइक्कन पालयम दस्तावेज सं० 1537/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके रहपमान प्रतिफल से, एसे रहपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (चन्तरिश्यों) के बीच एसे बन्तरच के जिए तब पाया प्रवा प्रतिफल, निम्निसिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण शिविब वास्तिब रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूविधा के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा घन-कर अधिनियम, वा घन-कर अधिनियम, वा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोखनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए; और/या

बतः नव, उक्त निधीनयम की भारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. एल्लाम्माल भौर भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० सनमुगम

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिमां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र्ध 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मित्रम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नेवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि—मेट्टपालयम गांव, ब्रादूर तालुक, सेलम जिला। एस० ग्रार० पेड्डनाइक्कनपालयम । (दस्तावेज—सं० 1537/84)

> कें० वेणुगोपाल राजू मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्राम

तारीख: 5-**7-198**5

मोहर 🌣

प्ररूप ः, बाद<u>ौ ः</u> दौ ः, एन् <u>ः, ए</u>क् _व - व - व -

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-भ (1) के वभीन त्यूना

मारद बहुकारू

कार्यालय, सहायक जावकर जावुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 घप्रैल 1985

निर्देश सं० 110/नवस्बर/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनी वासन.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अभिनियम कहा गया है), की धाय 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० सर्वे सं ० 47/1 है, तथा जो पान्टमन्कलम गांव वेल्लूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, वेल्लूर (सेलम) दस्तावेज सं ० 1580/84 में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोत्रत तस्पत्ति को उण्यत नाजार क्रूच्य से कन के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्षे यह निश्वास करने का नारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत नाजार क्रूच्य, उसफे दश्यमान प्रतिफल का ग्रन्त प्रतिकार से क्ष्यमान प्रतिफल का ग्रन्त प्रतिकार से जिए तिकार के नार नंतरक (अंतरका) जार जंतिक्ती (जन्ति राज्यों) के बीच एसे जन्तरण के निश् तय पाया गया प्रतिकार निम्मितिकार उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कित में भारतिकार कर से काणात करा कालारण कि कित में भारतिकार कर से काणात नहीं किया गया है।

- (क) बन्दार्थ से हुई किसी बाग की अन्त, उक्त बाधिनियन से बनीन कर दोने के बन्दारक में बाधित्य में कती करने ना उक्स व्याप्त में सुनिया के लिए; क्षेप/ना
- (क) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा अर्थ लिए;

बर्तः बन् उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक जों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कों अधीम, निम्मनिविद व्यक्तियों, वर्णात् क्र— 1. श्री एम० बी० सिन्कारवटिवेल मुदलियार

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सेस्लम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष फिली जन्म क्योंक्त त्वारा अधोहस्ताक्षरी के यात्र हितीयत में किए या क्योंगे।

स्थक्कीकरण :— इसमें मगुक्त शक्कों और पद्यों का, जो उक्त अधिनिवन, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गरसर्वी

भूमि—पान्टमन्कलम गांव, सर्वे सं० 47/1, एस० ग्रार० वेल्लूर (सेलम) ।

दस्तावेज : सं० 1580/84

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 30-4-1985

मोह्य 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 111/नवम्बर/84—-श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 383, 384, 387/1, 388, 389/1 है, तथा जो केलवल्ली गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं(, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, धर्मापुरी दस्तावेज सं० 652/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नवस्बर, 1984

को पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमकी कश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का णेद्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री भ्रार० पलनिस्वामी

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० के० कल्याणसुन्द्रम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में मुकाशच की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को जक्त . अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि के ऊपर निर्माण केलवल्ली गांव धर्मपुरी जिला एस० श्रार० धर्मापुरी ।

(दस्तावेज मं० : 652/84)

के० वेणुगोपाल राजू मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 9-7-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अनयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 111-ए/नवम्बर/84—~श्रतः, मुझे के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 195, 384, 387/1, 388, 389/1, 391 हैं तथा जो केलबल्ली गांव धर्मापुरी जिला में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय धर्मापुरी धस्ताबेज सं० 653/84 में रिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अप्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिहात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचरे में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री ई० एस० मुसुस्वामी घवुन्छर

(ग्रन्तरक)

2. श्री एच० के० कल्यानासुंदरम

(ग्रन्तरिती)

को यह सुष्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकरा संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी व्यक्ति क्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि केलवल्ली गांव हाडर तालूक धर्मपुरी जिला एस० ग्रार० धर्मापुरी । (दस्तावेज सं० : 653/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 9-7-1985

त्रक्ष बाद्दे दी . एव . एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

क्रथांसब, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 112/नवम्बर/84—श्रतः मुझे के० वेणु गोपालराज भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 228/58 है, तथा जो नामकल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नामकल दस्ता० तं० 1391/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर,

1984

क्यो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गड और विद्वास करने कारण है क्य यथापुर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चे रेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६→-

- (क) ब्न्वरण वे हुई किसी नाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में मृविशा कोलिए, और/या
- (ह) एसी किसी बाय वा किसी धन या बस्य आस्तियों को, धिनह भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, ग्रा धन-कर विधिनियम, ग्रा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान के सुन्धिय के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 45—206GI/85 1. श्री एन० विजय 'राधवन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० नल्लम्माल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संवत्ति के अर्धन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकी।

म्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण भ्रार० एस० 228/58, नामकल गांव सेलम डिस्ट्रिक्ट।

> के० वेणु गोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायुक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 4-7-1985

माहर:

प्ररूप , बाइं. टी. एन . एस . - - - -

The state of the s

जामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के संधीन स्चता

पारत तडकार

कार्याजयः, सहायक जायकर जायकः (निरीक्षण)

भजेंन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 113/नवम्बर, /84--- ग्रतः मुझे के०वेण गोपाल राज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा <u> १69∽त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का</u> क्ष्ररण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रह. से विभिन्न ही भ्रौर जिसकी डोर सं० 16ए9 है, तथा जो नामक्कल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नामक्कल के दस्ता । सं । 1401/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक नवम्बर, 1984 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ए'से इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ह⁸ और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन कर अधिनियम, वा धन-प्रयोजन कर्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्र की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री टी॰ एन॰ नटेसन, श्रीर भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीके० प्रप्पाइ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बर्बीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यांचित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य ज्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 16ए9, (एस० सं० 490/ 1ए2), नामकल गांव सेलम डिस्ट्रिक्ट ।

> के० वेणु गोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, मद्रास

दिनांक 4-7-1985 मोहर: प्रसन् नार्<u>, टी. एन. प्र</u>च . --------

मामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत चडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मबास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० 115/नवम्बरः /84—म्बतः मुझे के० वेणुगोपाल राजु राज

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

भीर जिसकी सं० डोर सं० 10 है, तथा जो एमपेडमाल स्ट्रीट, भरकाट में स्थित है (और इससे उपायद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भरकाट वस्ता० सं० 2432/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक नवस्यर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान को लिए अस्तिरत की गद्द हैं मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्ब, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे इक्स्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त भन्तरण लिबित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयन था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा खे सिए;

जरिः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बजुबरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित अमृतिसयों, अर्थात् ः— 1. श्रीयती म्रार० भारति म्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पि० भ्रापय कुमार ।

(मन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कार्य पूर्वोक्त सम्पृतित् के वर्षन के सिह्न कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्तित व्यक्ति होता
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

भूमि और निर्माण डोर सं० 10, एमपेडमाल स्ट्रीट, भारकाट, एन० ए० जिला एस० भारक झारकाट। दस्ता० सं० 2432/84

> के वेणु गोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रास

विनोक 5-7-1985 मोहर: प्रकर , बाइं , ट्री , एन , एस् , - - - - -

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्चना

भारत चरकार

कार्यास्यं, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, मद्राप

महास, दिनांक 30 धप्रैल 1985

निवेश सं० 117/नवम्बर/84——भ्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 152/9 है, तथा जो जारिकोन्टालम्पट्टी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वीरपान्टी वस्ता० सं० 1152/84, ग्रौर 1151/84, में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में शत्तिक क्य से कथिय नहीं किया नथा है .—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वावल, उच्छ विधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसि किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. श्री कौन्टम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रेन्क नायिक

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृंबेक्ति संस्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते कियी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकते।

स्थळकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण जारिकोन्टालम्पट्टी, गांव एस० बीरपान्टी, दस्ता० सं० 1152/84, श्रीर 1151/84।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

जतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण ने. मैं. उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

दिनांक: 30 श्र**प्रैल, 198**5

मोहर 🛚

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० 130/नवम्बर/84—म्ब्रतः मुझे के० वेणुगोपाल राज्

नायकर निधित्तवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उन्त मेथिनियम' कहा नया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं े कृषि भूमि है तथा जो श्रत्तिपुट गांव, एरकाट तालुक सेलम जिला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय एटकट दक्ष सं० 308/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूम्ब से कन के क्रमजाय वितिकस के सिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूम्स, उसके क्रममान प्रतिकस से, एसे क्रममान प्रतिकस का पेक्ट प्रतिकत से विभिक्त है और अप्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तम वामा क्या प्रति-कस निम्मनिष्ठित उपुरोक से उक्त कन्तरण विश्वित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण ते हुई किती नाम की नावस , उनसे विधिनियम के जभीन कर दोने के बंतरक में दासित्व में कनी करने ना उससे नचने में सुनिधा के सिस्; सहि/या
- (व) ऐसी किसी थाव वा किसी धन या बन्च आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविधा के सिद्ध;

1. श्रीमती श्रार० पश्चिनी, श्रौरप्श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० त्यागराजन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी अंदको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यनाहिको करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेष्:--

- (क) इस बुजान के एक्जन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नवींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तानीस है 30 दिन की नवींथ, जो और मनिथ बाद में सवाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वीक्तयों में है जिसी ज्यक्ति स्वायः;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीक से 45 विन के भीतर उसत स्थावत सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्च स्थावत युवारा अधोहस्ताक्षरी के बाह्य सिवित में किस् वा सकीने।

स्यक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शर्भे और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, मद्रास

वतः वदः वदः वस्त वस्तिनयम् कौ भारा 269-त कै अनुसरम् वो, वो, इक्त वस्तिनवम् कौ भारा 269-त की उपभारा (1) वै वसीर्यक्ष निश्वितिषदं व्यक्तिहाँ, वसीर्यक्ष

दिनांक 4-7-1985

मोहर 🗯

प्रस्य नार्"ुटी, एन. एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जमरोंज, मद्रास

मद्रास, भिांक 4 जुलाई, 1985

निदैं शसं० 130ए/नवम्बर/84—अतः मुझेके०वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अलीपुर गांव, एटकाट तालुक, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इपने उपावद्ध अनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधीकारी के कार्यालय एटकाट दस्ता० प० 309/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम विमांक नवम्बर, 1 984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्ताह्रण से हुई किसी अाव की वाबत, उक्त अधि-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविभा के हिनए;

जनत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् ध——

- 1. श्रीमती आर० पद्ममिनी श्रीर अन्य
- (अन्सरक)
- 2. श्री एस० गनेन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांश;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी थं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्यंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि अलीपुर गांव एटकाट तालुक सेलम जिला। एस० आर० एटकाट। दस्ता० सं० 309/84

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहावक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, मद्रास

तारीख: 4-7-1985

प्रकार आर्षः हो . एन . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -I, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० 130 बी/नवम्बर/84—अतः मुझे के० वेणु गोपाल राज,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं कृषि भूमि, है, जो अलीपुर गांव एटकाट तालुक सेल्म जिला में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण क्य वर्णित है) रजिस्ट्री कर्जा अधिकारी के कार्यालय एटकाट दस्ता॰ मं॰ 310/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्रिया
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अला चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीर, निम्निसिकत व्यक्तियों शर्धात :— 1. श्रीमती आर० पश्चिनः, श्रौर अन्य ।

(भन्तरक)

2. श्री आर० रिवचनद्रन, ।

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निक्षित में किए जा सकींग।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

भ्रत्सू भी

कृषि भूमि अलीपुर, गांव एटकाट तालक, सेलम जिला । एस ०आर० एटकाट । दस्ता० मं 310/84

के० वेणु गोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायात श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज I, मद्रास

दिनांक : 4 - 7 - 1985

प्रस्य आर्डा, टी. एन., एस. - - - --

1784. – Late California (k. <u>1888), karateria kantaria kantaria (k. 1888), kantaria kantaria ka</u>

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिमांक 4 जुलाई, 1985

िंनदेश सं० 133/नवस्बर, /84——अत मुझे के० वेणुगोपाल राज

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त किंपिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका अजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसका सं० सर्वे सं० 77/6, 79/1, 79/2ए तथा 77/3 सी, है, तथा जो श्रोटुबन्कुरीची गांव,, सेलम डिस्ट्रक्ट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप मे , वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामिक रपेट दस्ता सं० 893/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्थर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुखे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से अन्तर स्वाप्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितार्यों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्मलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंसरण से हुइं कि:सी भाय की बाबत, उक्त अभिनित्रम के अधीन कार बाने को अंतरक के दायित्वं में कभी कारने था उससे बचने में सुविभा के प्रिट, और का
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ब्ये प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. जा या किया जाना जाहिए जा, जिन्माने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं: अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भी अधीन, निक्तिसिंख व्यक्तियों, वर्षत् ह— 1. श्री आर० एलन, अप्रना

(अन्तरक)

2. श्री एस० सुन्दरम ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उपल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाचन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी कं पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: —-इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, को उबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि श्रौर तिर्माण श्रोटुवन्कुरिची गांव, रासीपुरम, तालुक, सेलम डस्ट्रिकि ।

> के० वेणुगोपाल राजु नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 4-7-1985

मोइर ::

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० 140/नवम्बर/84-अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 47/1 है, तथा जो अन्नतानपट्टी गांव, सेलम तालुक, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय तावकप्पट्टी, वस्ता० सं० 3184/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकल के अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभेन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
46—206GI 85

1. एस० भटेसपिल्लै ।

(अन्तरक)

2. श्री आर० तन्कवेलु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त धव्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्रौर निर्माण सर्वे सं० 47/1, अन्ततानपट्टी गांव सेलम, तालुक, एस० आर० नादकपट्टी, वस्ता ्सं० 3184/ 84।

> म मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक: 30-4-1985

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश मं ० 150/भवस्थर/84 —अतः, मुझे, के 0 वेणुगोपाल राज्,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी डोर सं० 739 ग्रौर 740 है, जो सेलम, कडलूर मैंन रोड, आदुर, में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में जो पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आदूर, दस्ता० सं० 2242/84 ग्रौर 2243/84, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्नें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का निष्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाथत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :— 1. श्री के० यू० वासुदेवमा

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) ए० एमवेलु, चेट्टीपार।
 - (2) आर० मनोहरन।
 - (3) आर० रिवकुमार।

(ग्रन्तरिती)

को बृह् बृज्या जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्जन वे लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत सूचना के ग्राजपत में प्रकाशन की ताड़ीस से 45 रिक्क की नविष या सत्यान्वन्थी व्यक्तियों प्र सूचना की ताड़ीस से 30 दिन की नविष, को भी सविष बाद में बसाम्ब होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्था;
- (क) इस सूचना के क्रायम में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त वृष्टिनुदम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण सं० 739 श्रोर 740, मेलम, कडलूर मैंन रोड, आदूर। एस० आर० आदूर। वस्ता० सं० 2242/84 श्रोर 2243/84

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-म (1) के स्थीत स्थान

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, महास

मधास, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० 151/नवस्थर/84--- प्रतः मुझे के० वेणुगोपाल

राज्

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० तें कं 335/2 है, तथा जो एडमपालयम गांव, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टाडगपट्टी, दस्ता० सं० 3195/84, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपत्न को निष् अन्तरित की गई है जौर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिपत्न से, एसे क्यमान प्रतिपत्न का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसिवत उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं कि बा गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वी दानित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुनिधा खे सिए; आहे/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धून या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, सक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीसिक व्यक्तियों, वर्षात् क्ष--- स्वर्भीय श्री पच्चमुत्तु गबुन्डर और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती कृण्पाई श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिए या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी श्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्मति में दितबद्ध किसी बन्ध स्थावर व्यास् वशोहस्ताक्री के पास जिचित में किए का स्केंगे।

ापष्टीकरणः — इसमें प्रयावत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नग्स्ची

भूमि एडमपालयम गांव एस० नं० 335/2, एस० प्रार० टाडगपट्टी । दस्ता० सं० 3195/84

के० **वेणुगो**पाल रा**जु** ं स**क्षम** प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायु**क्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मक्रास

दिनांक: 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ा 57/नवम्बर/84---ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे सं 47/1, 13,47/2 सी 3 है, तथा जो ग्रन्नतानपट्टी गांव सेलम तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तादकपट्टी दस्ता सं 3233/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एम० नटेसिंगले और ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

2. ग्रार० कनेसन ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

भूमि ग्रन्नतानपट्टी, गांव सेलम तालुक, एस० ग्रार० तादकपट्टी, दस्ता० सं० 3233/85।

> श्रेम मार्लिन वासन सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मंद्रास

दिनांक: 30-4-1985

मोहर :

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० 163/नवम्बर/84---श्रतः मुझे के० वेणगोपाल

राजू,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी प्लाट सं० 2875, है तथा जो ग्रन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय म्रन्ना नगर, दस्ता० सं० 3975/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट्र/बा
- (ब) इसी किसी नाय वा किसी धन वा बन्ध बाहिसाओं को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिबी ब्वारा प्रकट नहीं किया वदा था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विषा के विष्

करः। व्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ह-

1. श्री ए० देविरतन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पदमा ग्रानंदन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्बन के शिवा कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाह्मेप ह-

- (क) इस अपना के सन्पन में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 दिन की बन्दिए या एत्यान्त्रणी न्यूनियाने पड स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिका में वे किसी व्यक्ति प्रवासः
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवस्थ विभारी बान्य न्यनिक हुवारा बधोहरुताक्षरी ने पास विविध में फिए जा सबें हैं।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया परा है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 2875, ग्रन्ना नगर, मद्रास-401 ६स० ग्रार० ग्रन्ना नगर, दस्ता० सं० 3975/84

> के० वेणु गोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 मद्रास

दिनांक 1-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती एस० मोहम्मद गोस और अन्य

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना 2. श्री एच० फसिया ।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, महास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० 171/नवम्बर/84--ग्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल

राज्, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रः. से अधिक है और जिसकी संव डोर संव 24 है, तथा जो मोर स्ट्रीट, महास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अगैर जो पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय मधास उत्तर दस्ता० सं० 3072/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984 को पूर्विक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से को बत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अघ, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 24, मोर स्ट्रीट, मश्रास-1 एस० ग्रार० मश्रास उत्तर। दस्ता० सं० 3072/84

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

िंदनांक:9-7-1985 मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st August 1985

No. F.6[85-SCA(I).—Shri P. C. Karmarkar, Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of August 1, 1985.

H. S. MUNJRAL Jt. Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 25th July 1985

No. A.35014|1|84-Admn.II(ii).—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. P. Mathur, Junior Accounts Officer at present working as Accounts Officer on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission, as Accounts Officer on regular basis w.e.f. the forenoon of 18-7-1985, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 2nd August 1985

No. A-19021|3|79-AD.V.—The services of Shri R. C. Dikshit, IPS (UP-1964) Dy. Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW Delhi Branch are placed at the disposal of Govt. of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 16th July, 1985, on repatriation.

The 5th August 1985

No. 3|28|85-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri G. B. H. Miranda as Public Prosecutor in CBI on deputation with effect from the forenoon of 14-6-85 and until further orders.

Shri Miranda is posted in CBI Hyderabad Branch.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 001, the 5th July 1985

No. 3/8/76-Adm.II.—Shri S. K. K. Murty, Deputy Superintendent of Police of Andhra Pradesh on deputation to the Central Detective Training School, Hyderabad relinquished charge of the post of Dy. S. P. Central Detective Training School, Hyderabad on 31-5-85 (A.N.).

2. On the relinquishment of the charge of the post of Dy. S. P. CDTS, Hyderabad, the services of Shri S. K. K. Murty, are placed at the disposal of the Director General of Police, Andhra Pradesh Hyderabad with effect from the afternoon of 31st May, 1985.

The 8th July 1985

No. 18|7|85-ADMN.II.—Shri Satya Pal, a Research Assistant in Central Hindi Directorate (Ministry of Education) has taken over charge of his duties on the forenoon of 6th June, 1985 as Editor Hindi in the Bureau of Police Research and Development on his appointment on deputation basis for a period of one year in the first instance. His pay will be regulated under the provisions of Ministry of Finance O.M. No. 1|11|5-III(B)75 dated 7-11-1975.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 29th July 1985

No. E-32015|1|78-Pers.I.—Shri Rajiv Ranjan Sahay son of Shri S. R. Sahay (direct entry) is appointed to officiate as Assistant Comdt. in CISF with effect from 9-7-1985 (AN) and is posted to CISF Unit, BHEL Bhopal with effect from same date.

The 1st August 1985

No. E-16013(1)|18|84-Pers-I.—On appointment on tenure deputation basis, Shri S. K. Sharma, IPS (RAJ: 58) assumed charge of the post of Inspector General (HQrs.), CISF, New Delhi in the forenoon of 31st July, 1985.

The 2nd August 1985

No. E-16013(2)|12|85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri I. J. Nagia, IPS (AP. 74) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit, HTPP Harduaganj with effect from the afternoon of 17th July, 1985.

The 6th August 1985

No. E-32015(3)|8|85-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri Bhupinder Singh Rana, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, ONGC (BOP) Bombay with effect from the forenoon of 10th July, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 27-8-85 or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

Sd|- ILLEGIBLE Director General|CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 2nd August 1985

No, Admn.-I/S.Os Promotion/870—Accountant General (A & E) Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undementioned permanent Section Officers as Accounts Officers in an Officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 until further orders with effect from the dates noted against each:—

SI No	Name	Permanen No.	it Date	of promotion
2. Shi	i B.H. Chaudhary ri V. S. Chauhan i R. P. Shrivastava	02/333 02/340 02/420	29-5-85 28-6-85 17-7-85	Fore-noon Afternoon

(Authority: A. G. (A & E) orders dt. 25-5-85, 28-5-85 and 16-7-85)

Sd/- ILLECIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 30th July 11985

No. AN-I/1173/1/Vol.III—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (scale Rs. 2000-125/2-2250) of that Service, with effect from the dates shown against theri names, until further orders:—

SI. No.	Name of the officer	Ι.,
1. 2. 3. 4. 5.		01-04-83 1 6-04-84 01-10-84 01-10-84 01-10-84

No. AN-I/1173/1/Vol. III—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against their names) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000—125/2-2250) of that Service, with effect from the dates shown against their names until furfiter orders, under "Next Below Rule".

Sl. No. Name of the Officer	Date	Remarks.	
1. Shri Ramesh D. Rao	16-04-84 01-02-85	Financial Adviser Directorate General, Naval Projects, Vishakapatnam.	
2. Shri Shyamal Kumar Chowdhurie		Additional Director (Finance) Calcutta Metropolitan Development Authority, Calcutta.	

A. K. GHOSH.

Additional Controller General of Defence Accounts (Admin.)

RASHTRIYA INDIAN MILITARY COLLEGE

Dehra Dun, the 3rd August 1985

No. 12|85.—The President is pleased to appoint Shri Md. Qaeim as a temporary Master in Geography at Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun Cantt. w.e.f. 25 July, 85 (FN).

No. 13|85.—The President is pleased to appoint Dr. Ajay Capoor as a temporary Master in Zoology at Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun Cantt. w.e.f. 29th July, 85 (FN).

O. P. CHAUDHRY
Col
Commandant

MINISTRY OF LABOUR

(DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTES)

Bombay, the 30th July 1985

No. 15|11|85-Estt.—The Deputy Director General, Factory Advice Service and Labour Institute (Head of Department), Bombay is pleased to appoint Shri Harbans Lal Kaila as Assistant Director (Industrial Psychology) in the Central Labour Institute under Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay with effect from 12th July, 1985.

S. B. HEGDE PATIL Dy. Director General

MINISTRY OF COMMERCE

(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS)

New Delhi, the 23rd July 1985

(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL)

(ESTABLISHMENT)

No. 6|1453|84-Admn(G)|3689.—Consequent on his appointment as Member, Central Board of Direct Taxes and ex-officio Additional Secretary, Ministry of Finance, Department of Revenue, Shri S. I. Tripathi, I.R.S., relinquished charge of

the post of Additional Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on the forenoon of the 26th June, 1985.

The 24th July 1985

No. 6|1556|85-ADMN(G)|3758.—The President is pleased to appoint Shri S. Manoharan, IAS, (AM: 75) as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras with effect from the afternoon of the 5th July, 1985, until further orders.

R. L. MISRA Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 31st July 1985

No. 1|2|85-Admn(G)|3867.—The President is pleased to appoint Shri N. D. Tuteja, Under Secretary in the Ministry of Commerce, as Dy. Chief Controller of Imports & Exports, in the Officer of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 7th June, 1985 until further orders.

SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER) (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th July 1985

No. A-12(539)|66-Admn.(G)Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri A. L. Khanija, Dy. Director (Industrial Management & Training) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Director (Gr. II) (General Administration Division) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Ludhiana, with effect from the forenoon of 24-6-1985 until further orders.

The 2nd August 1985

No. A-19018(577)|82-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to permit Shri T. Natesan, Asstt. Director (General Administrative Division) Small Industries Service Institute, Trichur to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-5-1985.

C. C. ROY Dy. Director (ADMN.)

DEPARTMENT OF SUPPLY (DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-110 001, the 29th July 1985

No. A-17011|298|85|A-6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Rajinder Singh, Examiner of Store (Textiles) in the office of the Deputy Director of Inspection, Ludhiana to officiate as Assistant Inspecting officer (Textiles) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 24th June, 1985 until further orders.

R. P. SHAHI
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th July 1985

No. A-1|1(194).—Shri B. R. R. Iyengar, Additional Director General of Supplies & Disposals [Senior Administrative

of Rs. 1100-1600 with effect from 28-6-1985 and until further orders.

V. JAYACHANDRAN Deputy Director of Administration

struck off the Register and therefore the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, J&K. Srinagar

CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS: VADODARA

Vadodara, the 30th July 1985

No. 5|1985.—Shri P. M. Sanghvi Superintendent of Central Excise & Customs, Gr. 'B', Bardoli Range, Division-III, Surat will attain the age of 58 years on 6-7-1985. He shall accordingly retire on superannuation pension in the A.N. of 31-7-1985.

No. 6/1985.—Shri K. K. Chakravarti, Skipper of Customs, Group 'B', Bulsar will attain the age of 58 years on 01-8-85. He shall accordingly retire on superannuation pension in the A.N. of 31-7-1985.

A. M. SINHA Collector Central Excise and Customs, Vadodara

MILL STREET CONTRACTOR STREET A SAME

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st August 1985

No. 33|2|84-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Santosh Kumar a nominec of the U.P.S.C., against temporary post of Assistant Director of Horticulture, in General Central Service (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD, New Delhi, with effect from 9-7-85 (AN) until further orders.

- 2. Shri Santosh Kumar is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Director of Horticulture.
- 3. His initial pay will be fixed at the stage of Rs. 775|- in the above mentioned scale of pay.

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 29th July 1985

No. 85|M(W)|964|57.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have established a new Production Unit for manufacture of wheels & axles under the charge of a General Manager with Headquarters at Yelahanka, Bangalore. The name of this new Production Unit will be 'Wheel and Axle Plant'.

A. N. WANCHOO Secy. Railway Board

THE CHARLEND MEALL STYPERS

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jammu & Kashmir Brothers Corporation Private Limited

Srinagar, the 13th March 1985

No. PC|256|534.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s. Jammu & Kashmir Brothers Corporation Private Limited, Jammu (J&K) Limited has this day been

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dakshina Bharat Manure Industries Private Limited

Hyderabad-1, the 1st August 1985

No. 880|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Dekshina Bharat Manure Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Suphala Finance and Chit Fund Trading Company Private Limited

Hyderabad-1, the 1st August 1985

No. 1293|TA. III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Suphala Finance and Chit Fund Trading Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Om Krishna Tulasi Rom Chit Fund Company Pvt. Ltd.

Hyderabad-1, the 1st August 1985

No. 1642|TA. III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Om Krishna Tulasi Ram Chit Fund Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Vijay Marketing Enterprises Private Limited

Hyderabad-1, the 1st August 1985

No. 2026 TA. III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ms. Vijay Marketing Enterprises Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|. Suresh Chit und Private Limited

Hyderabad-1, the 1st August 1985

No. 2107|TA. III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Suresh Chit Funds Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Indian Clock Manufacturing Co. Ltd.

Calcutta, the 24th July 1985

No. 10465|560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of M/s. Indian Clock Manufacturing Co. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. DAS GUPTA Asstt. Registrar of Companies West Bengal

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 24th July 1985

No. F. 48-Ad(AT) 1985.—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc

basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1st April, 1985 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)|1985, dated 27th March, 1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of 2 months with effect from the 1st July, 1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

FORM ITNS-

(1) Mr. C. C. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nevillieji Kaptar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14621|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 54, 5th floor, Bldg. No. 34, Manish Nagar, Next to Indian Oil Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58, and more fully des-

cribed in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the come-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 54, 5th floor, Bldg. No. 34, Manish Nagar, Next to Indian Oil Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H|37EE|1462i|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1988

Seal

FORM ITNS

(1) Mr. S. L. Di Meilo.

(Transferor) (Transferec)

(2) Miss. Kiran Raichand Shah.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14146|84-85.-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Shop No. 4-A, Nirmal Apartments, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay 1957 (27 of 1927):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4-A, Nirmal Apartments, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14146|84-85, on 3-11-1984.

> LAXMAN DASS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mr. V. S. Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. S. Vakharia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II вомвай

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14715|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 302, Chanakya Co-op. Hsg. Soc., Lalubhai Park,

Road. Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charoter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Chanakya Co-op, Hsg. Soc., Lalubhai Park, Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14715/84-85, on 17-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DASS Comparent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesald property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons namely:-

Date: 4-7-1985

FORM ITNS——— (1) M

- (1) M|s. Aper Constructions.
- (2) Mr. S. P. Kulkarni.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14735|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 1403, Galactica Apts., Hiranandani Estate, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1403, Galactica Apts., Hirmandani Estate, Off J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14735|84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS

Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-7-1985

FORM ITNS---

(1) M|s. Hiranandani Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss. Manjula Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14733|84-85.—Wheeras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. N|603, Neptune Apts., Hiranandani Estate, Off. J. P. Road Versova, Andheri (W), Bombay.

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

48--206GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. N]603, Neptune Apts., Hiranandani Estate, Off. J. P. Road Versova, Adheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Gomentent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14733/84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-7-1985

Scal :

The state of the s

FORM TINS-

(1) M|s. Apex. Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. S. P. Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II]37EE|14732|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 703, 7th floor, Atlas Apts., Hiranandani Estate, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the chedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984 at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Atlas Apts., Hiranandani Estate, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14732|84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Yvetta Mascarchans.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. P. Machado.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14685|84-85.-Whereas, 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 10, 3rd floor, Martha Palace, Amboli, Iai Bhavani Mata Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay o 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Martha Palace, Amboli, Jai Bhavani Mata Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|14685-84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985.

FORM ITNS---

(1) Mr. Arunkumar Rampal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Capt. R. S. Likharl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14547|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority uder Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 503 A, Golden Ghariot, four bungalows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503|A, Golden Charior, four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II[37EE]14547[84-85 on 15-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985.

FORM ITNS----

(1) Mr. Sandeep Kishanial Kanodia.

(Transferor)

(2) Mr. S. V. Rajagopalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF IMPIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14549|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 304, Versova Spreingleaf Co-op. Hsg. Soc. 1.td., Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in vesport of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manager or other season which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigning.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Countie or a period of 30 days from the environ of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Versova Springleaf Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Seven Bungalows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14549|84-85 on 15-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985.

Seal

FORM ITNS-

- (1) Mrs. Vashi Tuljaram Khuchandani,
- (2) Mr. Ramanlal G. Shah.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-11/37EE/14550/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,00,000|- and bearing Flat No. 502-A, 5th floor, 'I.ANDS END', Versova, Lands

Flat No. 502-A, 5th floor, 'I.ANDS END', Versova, Lands End Co-op. Hsg. Soc. Ltd., four bungalows, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502-A, 5th floor, Lands End, Versova, Lands End Co-op. Hsg. Soc. Ltd., four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14550|84-85 on 15-1T-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985.

Seal

FORM ITNS --

(1) Mls. Sharma Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Siraj A. Cementwala & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14613|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable moperty having a fair market value exceeding

No. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, Plot No. 67, Oshiwara, four bungalows, Off.
J. F. Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
-) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property to be issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Plot No. 67, Oshiwara, four bungalows, off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14613|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985.

Scal :

FORM ITNS-

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. J. Rukhana.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR-II]37EE[14501]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 8A, 1st floor, B wing, Twin Towers Bldg., Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (part), Village Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the teduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8A, 1st floor, B wing, Twin Towers Bldg., Plot No. 8A & 8B, Village Oshiwara, S. No. 41 (part), four bun galows, Off. J. P. Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|14501|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:--

Date: 26-6-1985.

FORM ITNS---

- (1) Dholakia & Dayal Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Kuldeep Singh Nanad (Jr.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14438|84-85.—Whereus, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 201, 2nd floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-wax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority | Bombay on 12[11]1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40-206G1|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Pen Ganga, Yamuna Nagur, Oshkweim, Andhesi (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Setial No. AR.III37EE114438|84-85. on 12|11|1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 26-0 1985

FORM ITNS---

(1) Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

(2) Miss Preeti Gangoly.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14439|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Indome-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 401, 4th floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58 (2nd more fully described in the Schedul.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12|11|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for. the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14439[84-85 on 12]11[1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date 26.6 1985

FORM ITNE

(1) Mis. Lokhandwala Estetes & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Anita Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14817|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 501, 5th floor, Magnum Towers Bldg. plot No. 357,
S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W),
Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Magnum Towers, Bldg. plot No. 357, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14817|84-85 on 22|11|1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 26-6-1985

FORM ITNS---

(1) Mr. Dinesh Nanalal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14494|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 53, 5th floor, Om Niketan, Om Marg, 314, Paliram Road, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12[11]1984

for an apparent consideration which is less than the fast market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 at 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Om Niketan, Om Marg, 314, Paliram

Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H|37EL|14494|84-85 on 12|11|1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 26-6-1985

Scal :

FORM ITNS ---

(1) Mls. Ravirai Builders.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|14653|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor, A wing, 'Breez' Plot No. 35, S. No. 41 (part), four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. Abdul Sattar Abu Mulia & Others,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, A wing, plot No. 25, S. No. 41 (part), four Bungalows, Oshiwora, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR II|37EE|14653|84-85, on 17|11|1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-6-1985

FORM ITNS

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Dr. Ratan Tulsidas Gajwani & Others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|14863|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 1304, 13th floor, Magnum Towers Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

Bombay (and more fully described in the schedule annexed has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 1304, 13th floor, Magnum Towers Bldg, plot No. No. 357, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARJU37EE 14863 84-85 on 22 11 11984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 26-6-1985

Scal:

FORM ITNS---

- (1) M|s. Raviraj Builders.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Uma Champanerkar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF JNCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14509|84-85.—Whercas, I, 1.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, B Wing, Breeze, plot No. 25, S. No. 41

(part), four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12|11|1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, B wing, Breeze, plot No. 25, No. 41 (part), four Bungalows, Oshiwara, Versova, S. No. 41 (part), four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-85

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARJIJ37FF/14509/84-85 on 12/11/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 26-6-1985

FORM ITNS--

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd.

(2) Sukhdeo Agarwal.

Printer - The Communication of the Communication of

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14866|84-85,---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1104, 11th floor, Magnum Towers Bldg, plot No. 35, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W).

Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1104, 11th floor, Magnum Towers Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Serial No. AR.II/37EE/14866/84-85 on 22|11|1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 26-6-1985

The Albert ... Samuel The Transmission ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Lokhandwala 1 states & Development, (Transferor)

(2) Mr. Anil Ratan Gajwani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14864|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovation and the property having a fair model to value exceeding. Reable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 1303, '13th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 41 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(*) facinitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter. Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 1303, 13th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37][E]14864[84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regards namely:

50-206GI|85

Date: 26-6-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

Tranfseror)

(2) Master Divesh Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.1]37EE[14455.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, havereason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing Flat No. G-2, ground floor, Residency-A Building, Plot No. 38, S. No. 41 (part), Four bungalows, Versoya, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any ntoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-2, ground floor, Residency-A Building, Plot No. 38, S. No. 41 (part), Four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 84-85 on 22-11-1984. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14455

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 26-6-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. P. Lala & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II]37EE]14837|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority undar section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. -1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Suman Building, CTS No. 1206,

Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compelent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|14837|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date ; 26-6-1985

FORM ITNS-

(1) Ms. Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

(2) Miss Natasha Nanda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14437|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Pen Genga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Offlice of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mainlift of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14437/84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intifate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-6-1985

FORM I.T.N.S. ---

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jaya N. Sangani & Others.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14446|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 602, 6th floor, Building Symphony-A, Plot No. 344, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Building Symphony-A, Plot No. 344, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.II|37EE|14446|84-85 on 22-11-1984.

(b) inclitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14912|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. No. Flat No. 13, 1st floor, Om Niketan, 314, Paliram Rd., Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Telang Nursing Home Pvt. Ltd. (Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Om Niketan, 314, Paliram Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14912|84-85 on 24-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-6-1985.

Scal:

FORM ITNS-

(1) Inderiit Properties Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. G. Jhunjhunwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II[37EP.[14502]84-85,—Whereas, I. I AXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000₁ and bearing No. 1-lat No. 88, 1st floor, Twin Towers, Bldg., Plot 8A & 8B, S, No. 41 (Part), Village Oshiwara, four Bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here have transferred under the Peristration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said." Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :--

THE SCHEDULE

Flat No. 8B, 1st floor, Twin Towers Bldg., plot No. 8A & 8B, Village Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14502/84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 26-6-1985. Seal

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mis. Ravirai Constructions.

(Transferor)

(2) Miss Tijaya G. Kamath & Mrs. Tara G. Kamath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14824|84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, A wing, Benzer, plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, A wing, Benzer, plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14824|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 26-6-1985.

(1) M[s. Raviraj Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Ramchend Bhatia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15024|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00 000 learned heaving No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000-and bearing No. Flat No. 202, B Wing 2nd floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (part), Oshiwara, four bungalows, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

51---206GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, B wing, Breeze, plot No. 25, S. No. 41 (part), Oshiwara, four Bungalows, Andheri (W), Bombny-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|15024|84-85 on 21-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Bombay

Date: 26-6-1985,

(1) Ms. Raviraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanwaljeet Singh Walia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.11|37-EE|15022|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat No. 605-B, 6th floor, 'Benzer' plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of Rev income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605-B, 6th floor, Benzer, plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15022[84-85, on 21-11-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-6-1985.

feal:

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. S. K. Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

· Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|14456|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding

property having a tair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 207, 2nd floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herew), has been transferred and the agreement is registerer under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortysive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor, Montana-A, Bldg., Plot No. 4, S. No. 41 (part). Four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14456[84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1985

(1) Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala Gangoly,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14435|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the 'suid Act') have leason to believe that the immovable property, hav ng a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

at bombay on 12-11-19-04
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Pen Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14435 84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 26-6-1985

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalitadevi Jajodla.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14496|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1A, 1st floor, A wing, Twin Towers Bldg., Plot No. 2A 8, 8 No. 44 (except) with the Oblinear Communication.

8A & 8B, S. No. 41 (part), village Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Roed, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any muneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No 1A, 1st floor, A Wing, Twin Towers Bldg. plot No. 8A & 8B, s. no. 41 (part), village Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14496|84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-6-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indra Saigal & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14862|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market volue exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flet No. 203, 2nd floor, Regency, A Bldg. plot No. B. 3, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957):

Flat No. 203, 2nd floor, Regency. A Bldg., plot No. B.3, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14862 84-85 on 22-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. M. H. Madnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. ARJI|37EE|14611|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 1, 8th floor. Twin Towers Bldg., plot No. 8A & 8B. S. No. 41 (part), Oshiwara, four bungalows, off, J. P. Road, Versova, Antheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been 'ransferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandios
- t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 8th floor, A wing, Twin Towers Bldg., plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (part), Oshiwara, four bungalows, off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Eombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14611|84-85 pn 16-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor, Premium Towers bldg., plot No. 351, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II | 37EE | 14598 | 84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following bersons namely:—

Date: 5-7-1985 Seal:

52-206G1/85

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Mohini R. Ramchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14597 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 605, 6th floor, Prem'um Towers Bldg., plot No. 351, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bomay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907) 29164

[PART III—Sec. 1

FORM I.T.N.S,—

(1) Mrs. Maya Lalchand Bhanubhai.

(Transferor)

(2) B. N. Kachwala & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14607|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor Sunnyside. B Bldg., Plot No. 315, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferoe(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Sunnyside.B, Plot No. 315, four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

agreement has been registered Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14607 84-85 on 16-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. P. R. Ramchandandan'.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14598|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/s property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No.606, 6th floor, Premium Towers Bldg., plot No. 351, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova

Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor, Premium Towers bldg., plot No. 351, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14598|84-85 on 16-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following fersoms namely:—

52-206GI 85

Date: 5-7-1985

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manish Choudhary Benefit Trust,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref .No. AR.II]37EE|14500|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 5B, 1st floor, B wing, Twin Tower Bldg., Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (part), Village Oshiwara, four bungalows, off. J. R. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5B, 1st floor, B wing, Twin Towers Bldg., Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (part), Oshiwata, four bungalows, off, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37F:I2|14500|84-85 pn 9 11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Naresh Lalchard Bhanubhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. N. Kachwala & others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR II 37EE 14608 84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Sunnyside. B Bldg., Plot No. 355, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ganster with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or

(10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatting of Act. 1957 (27 of 1957):

No therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Sunnyside. B Bldg., Plot No. 355, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14608|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Mrs. Maya Lalchand Bhanubhal.

(Transferor)

(2) B. N. Kachwala & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II/37EE/14607/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor Sunnyside. B Bldg., Plot No. 315, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer, and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Sunnyside B, Plot No. 315, four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14607|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-7-1985

(1) Mr. Ramesh R. Malkani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. L. Anand Shahani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14606|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 403, 4th floor, Kenmore Bldg. Plot No. 346, S. No.

41 (part), four bungalows, Versova Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Kenmore Bldg., Plot No. 346, S. No. 41 (part) four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14606|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

Bombay, the Stn July 1983

respective persons, the service of notice on the whichever period expires later;

Ref. No. AR-II|37HE|14605|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 606, 6th floor, Regency A Building, plot No. 3, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:

Flat No. 606, 6th floor, Regency A Building, plot No. 3, S. o. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W). No. 41 (part) Four Bungalows, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14605 84-85 on 16-11-1984.

FORM I.T.N.S.-

(1) Mls. Ravirai Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. 1. Mistry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.U|37EE|14503|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 205. 2nd floor, B wing, Benzer, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-58 has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

to as the 'said Act'), have reason to believe that the (and more fully described in the Schedule annexed hereto). section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument a mansfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, B wing, plot No. 9 & 9A, Benzer.

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907)

[PART III—SEC. 1

29170

FORM TINS-

- 1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Smt. Suraiya Iqbal Ansari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reside arrives later. whichever period expires later;

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. P. Ratilal & Co.

('Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) A. F. Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bornbay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-II|37FE|14605|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 606, 6th floor, Regency A Building, plot No. 3, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Offlice of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984 on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforescaled excreds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 606, 6th floor, Regency A Building, plot No. 3. S. No. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FF]14605[84-85] on 16-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jecome to Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 5-7-1985

(1) Ms. Dyna Estates Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Gentry Estate Agents.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14600|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 1, 6th floor, B wing, Mota Mahal plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Co.op. Hsg. Soc. Ltd., near Form Burneylows Off. L. B. Board, Versons Andheri (W)

Four Bungalows, Off. J P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th floor, B wing, Mota Mahal, plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Co.op. Hsg. Soc. Ltd., near Four Bungalows, Off, J. P. Road, Versova Andheri (W), Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|146000|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

De/ :: 5-7-1985

FORM ITNS—

(1) Mr. S. P. Mathew (Through Constituted Attorney Mr. Abraham George)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. V. M. Sayani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14599|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Nirman Kutir, Yari Road, Versova, Andheri (W), Eombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wanafer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Att. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Miresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--3-206GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Nirman Kutir, Yari Road, Versova, And eri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14599 84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II Bombay

Date 5-7-1985 Seal :

on 22-11-1984,

FORM ITNS-

1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Smt. Suraiya Iqbal Ansari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14860|84-85.—Whereas, I, LAYM \N DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No 401, 4th floor, Bldg. No. B-13, Apna Ghar Unit No. 8 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer:
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla No. 401, 4th floor, Bldg. No. B-13, Apna Ghar Unit No. 8 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swaml Samartha Nagar, off. J.P. Road, Opp. four bungalows, Andheri W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14860|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14067|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Bldg. No. A-25, Flat No. 406, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 4 CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W). Bombay-58

Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property and aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

on 3-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EC|14939A|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsites referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00 0001, and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 406, Bldg No. A-7, Apna Ghar
Unit No. 2 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara,
Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows,
Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984.

on 24-11-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Singh & Shri Kulwant Singh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. A.25, Flat No. 406, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 4 CHSL., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14067|84-85 on 3-11-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-7-1985 Seal:

Seal :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; for

Flat No. 406, Bldg. No. A-7, Apan Ghar Unit No. 2 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A P. Wakdkhalkar.

(Transferor) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Mis. Samartha Development Corporation.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given In that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ret. No. AR.II]37EE|15007|84-85.--Whereas. L. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 405, 4th floor, Bldg. No. B-5, Apna Ghar, Plat No. 403, 4th floor, Bildg. No. B-5, Apna Ghar, Unit No. 6 Co.op. Hsg. Soc., Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off I.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the officeof the Competent Authority at Bombay on 26-1) 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act. 1957 (27 of 1957):

29174

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Bldg. No. B-5. Apna Ghar Unit No. 6 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shroi: Swami Samartha Nagar, Offl. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15007|84-85 on 26-11-1984.

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907)

PART III-SEC. 1

FORM ITNS-

(1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Ramchandran Ganpathy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

FORM ITNS-

(1) Mls. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarojni Chandrakant Sheth.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EL|14939A|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

to as the said Act'l, have reason to believe that the improperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 406, Bldg No. A-7, Apna Ghar Unit No. 2 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 406, Bldg. No. A-7, Apan Ghar Unit No. 2 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14939A|84-85 on 24-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-7-1985

Seel:

(1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Ramchandran Ganpathy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37IIE|14460|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 406, Bldg. No. A-7, Apna Ghar Unit No. 1 Co-6p. Hsg Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. No. A-3, Apna Ghar, Unit No. 1, Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Oshiwara, Shri Swaml Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14460|84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

- (1) M|s. Samartha Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Shri Jagannath Shri Krishna Samant.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37I.E|14276|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

Flat No. 103, I Floor, Bldg, No. A-6, Apna Ghar

Unit No. 1, CHSL, Oshiwara,

Shri Swami Samartha Nagar, Four Bungalows,
Andheri (W), Pombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
urder section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 103, I Floor, Bldg. No. A-6, Apna Ghar Unit No. 1 CHSl. Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14276|84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

(1) Mis. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Bhoja Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE.14275|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 Bldg. No. B-14. Flat No. 408, 4th floor, Apna Ghar, Unit No. 9 CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road,

Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fram the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ten Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Bldg. No. B-14, Flat No. 408, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 9 CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samartha Nager, Off. J.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14275|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 4! the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

(1) M/s, Samartha Development Corporation.
(Transferor)

(2) Shri Sadashiv Ramchandra Kher.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14277|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No. Bldg. No. A-5 (a), Flat No. 005, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 1 CHSL, Oshiwara,

Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road,
Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58
and more fully described in the schedule annexed hereto),

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

on 9-11-19-4.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. A-5,(a), Flat No. 005, Gr. Floor, Apna Ghar Unit No. 1, CHSL. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J.P. Read. Opp. Four Bangalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EE|14277|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

54-206G1 85

Date: 5-7-1985

Şeal;

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. U. P. Vishwanath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14172|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000 and bearing Bldg. No. A-5, Flat No. 404, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 1 CHSL, Oshiwara,

Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road,

Opp. Four Bungalows, Andheri (W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, i respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Bldg. No. A-5, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 1, CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14172|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sumita Sukumar Dasgupta and Mrs. Saroj Sukumar Dasgupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14459|84-85.---Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 407, Building No. A-6, Apna Ghar Unit No. 1, Co-op. Housing Society Ltd. at Oshiwara, Shree Swamis Samartha Nagar, J. P. Road Opp. 4 Bungalows, Andheri

(W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exected the apparent consideration interestore by more than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 19_2 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building No. A-6, Flat No. 407, 4th floor, Apna Ghar Co-op, Housing Society Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off.J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Ancheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14459|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisitio 1 Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 5-7-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Shri G. Venkatraman and Smt. Sudha Venkataraman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR,II[37EE]14173[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 008, Bldg. No. A-4, Apna Ghar Unit No. 1 CHSL., Gr. Floor Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Offi, J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as accordance. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tran feree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the We Ith-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 008, Bldg. No. A-4, Apna Ghar Unit No. 1 CHSL., Gr. Floor Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Offi. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Ancheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14173|84-85 on 3-11-1984,

LAXMAN DAS Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not ce under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;—

Date: 5-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Mis. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. T. V. N. Murthy and Mrs. Renuka Murthy.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II/37EE/14831/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the said Act) have reason to believe that the in-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 407, 4th floor, Bldg. No. A-5, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Off. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

Andheri (W), Bombay-38. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984,

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for many than the consideration for the property as a source of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other porson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Bldg. No. A-5, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 30mbay under Serial No. AR,II]37EE[14831]84-85 on 22-1,-1984.

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac: to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Mrs. B. S. Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14937|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,C0,000]- and bearing Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. A-4(a), Apana Ghar Unit No. 1 Co.op. Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of suc! apparent consideration and that the consideration for suc! transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. A-4(a), Apana Ghar Unit No. 1 Co.op. Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14937[84-

LAXMAN DAS Competen Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

FORM LT.N.S.--

(1) Samarth Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. V. M. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14963|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 403, fourth floor, Bldg. No. B-4, Apna Ghar, Unit No. 6 Co.op. Housing Society Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. four bungalows, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preporty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, fourth floor, Bldg. No. B-4, Apna Ghar, Unit No. 6 Co.op. Housing Society I.td., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14963|84-85 on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons maintely;-

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

- (1) Mis. Lokhandwala Premiscs Pvt. Ltd.
- (2) Mr. C. M. Damani & Others.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

ΒΟΜΒΛΥ Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II/37EE/14322/84-85,--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaliter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 403, 4th floor, ARENA-A Bldg., Plot No. 338, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, mereiore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, ARENA-A, Bldg., Plot No. 338, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|14322|84-85 on 9-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

FORM LT.N.S.—

(1) M|s. Raviraj Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Raju Udhav Makhija.

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14506[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 206, A Wing, 2nd floor,

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 206, A Wing, 2nd floor, 'DENZIL',
Plot No. 31, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara,
Versova, Andheri (W), Bombay-58,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Posmbay, on 12 11-1084

Bombay on 12-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following processors namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 55-206GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, A Wing, 2nd floor, 'DENZIL' Plot No. 31, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14506|84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition lange-II kombay

Date: 5-7-1985

(1) Hitesh Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Bhuvanendra Kidiyoor and Mrs. Heera B. Kidiyosr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14836|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 403, Lakshman Jhoola, Plot No. 107, J. P. Road, Opp. Navrang Cinema, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparath considerable.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Lakshman Jhoola, Plot No. 107, J. P. Road, Opp. Navrang Cinema, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14836|84-85 on 22-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-7-1985

The Mark and the second FORM ITNS-

(1) Mis. Raviraj Developers.

(2) Mrs. Santosh R. Jhunjhunwala.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14505|84-85.-Whereas, I.

AXMAN DAS, peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

tble property having a fair market value exceeding 3s. 1,00,000[- and bearing Flat No. 106, 'A', 1st floor, 'DENZIL', Plot No. 31, S. No. 11 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hiblity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 106, 'A', 1st floor, 'DENZIL', Plot No. 31, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14505|84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Chandru M. Shamdasani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. M. H. Subedar and Mr. I. H. M. H. Subedar.

(Trausferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14879|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 3-A, Varsova Spring Leaf, Co. op. Hosg. Soc., Ltd., J. P. Road, 7 Bungalows, Versova, Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3-A, Varsova Spring Leaf, Co. op. Hosg. Soc. Ltd., J. P. Road, 7 Bungalows, Varsova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14879|84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Respect

Date : 5-7-1985

(1) Mls. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmi B. Gwalani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II[37EE]14651[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 32, 3rd floor, 'A' Wing, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (p.t.), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, 'A' Wing, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (p.t.), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14651|84-85 on 23-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following respons, namely :---

Date: 5-7-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Malti G. Mansukhani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14853|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 64, 6th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Saranga Tower, Off. J. P. Road, S. No. 42 (pt.), Near Apana Nagar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Saranaga Tower, Off. J. P. Road, S. No. 42 (pt.), Near Apana Ghar Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14853|84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Rajesh B. Gwalani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14852|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 53, 5th floor, 'A' Wing, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade. Near Apna Ghar, S. No. 41 (p.t.), Versova,

Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, 'A' Wing, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghar, S. No. 41 (p.t.), Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14852|84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Manish B. Gwalani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomoay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II/37EE/14850/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing

Flat No. 53, 5th floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade S. No. 41 (p.t.), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been treeferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 53, 5th floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (p.t.), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14850|84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 5-7-1985

Scal:

(1) M|s. Lokandwala Premises Pvt. Ltd.,

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Master Rishan Mehra.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14465|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. G-4, ground & 1st floor, Residency 'A', Plot No. 38, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (tability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-56-206GI[95

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-4, ground_& 1st floor, Residency 'A', Plot 38, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[14465]84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 5-7-1985

Seal:

Rs 1.00,000 - and bearing No. Flat No. 604, 6th floor, Residency-A Bidg., plot no. 38, Flat No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri (W), S. No. 41

Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Residency-A Hidg., plot No. 38, No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri-(W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14161 84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

(1) Mls. Lokandwala Premises Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanaklata Kantilal Kamdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14164|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 702, 7th floor, Crossgates-A, Bldg., plot No. 334, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Rombay-58

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the office

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Crossgates-A, Bldg., plot No. 334, S. No. 41(part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14164|84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd., (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Djiraj M. Parwani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

AR.|II|37EE|1416|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000- and

Flat No. 604, 6th floor, Residency-A Bldg., plot no. 38, S. No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an expression are the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Residency-A Bldg., plot No. 38, S. No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri-(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14161 84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985.

(1) Mis. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shekhar S. Dadarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.11/37EE/14284/84-85.—Whereus, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 702, 7th floor, Homeland, Plot No. 341, Versova, Oshiwara Taluka, Andheri(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeseld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Homeland, Plot No. 341, Versova, Oshiwara Taluka, Andheri (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14284 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mls. Lokhandwala Premises Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. P. M. Damani & Others

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMERTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.H|37EE|14323|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

Floa No. 404, 4th floor, Arena-A Bidg., Plot No. 338, S. No. 41(part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on at Bombay, on 9th November, 1984...

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecard property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Arena-A Bldg., plot No. 338, S. No. 41 (Pt). Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14323|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Gopal Prasad Tulsvan-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. II|37EE|14840|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000i- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 704, 7th floor, Prime Rose Bldg., Plot No. 318,
S. No. 41(Pt.), Four Bunglows, Versova, Andheri(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22nd November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Prime Rose Bldg., Plot No. 318, S. No. 41(pt.) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been rergistered byy the Competent Authority, Bombay und er Serial No. AR..LL[37EE[14840] 84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of ncomeltax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said eart, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the emercand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

FORM I'INS-

(1) M/s. Lokandwala Estates & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reshma R. Vasandani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14816[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 1606, 16th floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (pt.), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and

agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1606, 16th floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (pt.), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14816 84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shridhar G. Hegde.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July y1985

Ref. No. AR.II|37EE|14197|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing

Flat No. 702, 7th floor, Areana-A Bldg., plot No. 338, S. No. 41 (Part), four bangalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Areana-A Bldg., Plot No. 338, S. No. 41 (Part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14197|84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985,

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mayank Jajodia Benefit Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14495|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorphism property having a fair market value exceeding

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001 and bearing.

Flat No. 1B 1st floor, Twin Towers Bldg., plot No. 8A & 8B, S. No. 41(pt.), Oshiwara, four bungalows, off. J. P. Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered with the Competent Authority uls 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the rorself of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1B 1st floor, Twin Towers Bldg., plot No. 8A & 8B, S. No. 41(pt.), Oshiwara, four bungalows, off, J. P. Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37BE]14495[84-85, on 10-11-1984]

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income 'ax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

57 -- 206GI 85

Dire: 8-7-198

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. K. Kalera.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14283|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the second of the competence of the second movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 901, 9th floor, Magnum Towers Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 9th floor, Magnum Towers Bldg. plot No. 357, S. No. 41 (pt.). four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H | 37EE | 14283 | 84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Date: 8-7-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pushpa Rathi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR|37EE|14077|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'a movable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 912, 9th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357. S. No. 41 (pt.), four bungslows. Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mothan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

Flat No. 912, 9th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W) Fombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 14077 | Authority, Bombay 84-85, on 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. J. L. Jamani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14464|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 402, 4th floor, MONTANA. C Bldg., plot No. 4, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, MONTANA. C Bldg., plot No. 4, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 14464 | 84-85, on 10-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|144448|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
Flat No. 707, 7th floor, MONTANA. A Bldg., plot No. 4,
S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Au-

Bombay on 10-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely :-

(1) M]s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(2) Mr. Anwar Hussan.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, MONTANA. A Bldg., plot No. S. No. 41 (pt), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14448 Authority, Bombay 84-85, on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Neelam Kumar Luthra & Mrs. L. Luthra.

(Tra**nsfere**e)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR II|37EE|14290|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No. 101. 1st floor, Gitanjah, plot No. 3, S. No. 121, 7 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Gitanjali, plot No. 3, S. No. 121, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14290|84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS -----

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. A. Paniwala & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14325|84-85.--Whereas, I. I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 107, 1st floor, MONTANA. C, plot No. 4, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquiretion of the said property may be made in writing to the uncertainted.

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st moor, MONTANA C Bldg., plot No. 4, S. No. 41 (pt.), Four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14325|84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission or Income-Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dilip Juneja & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14295|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the June me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and beating

Flat No. 114.D, Anjali, plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rounsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)!

(a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114.D, Anjali, plot No. 2, S. No. 121, 7 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 84-85, on 9-11-1984. under Serial No. AR.II[37EE][4205]

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Desmond Rodrigues.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14162|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, HARMONY, B Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Rombay 58

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 263AB of the Income-Tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and Jor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, HARMONY. B, Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14162 84-85, on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforeenid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--58 --206GI[85]

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. L. G. Sajnani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14198|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing

Flat No. 705, 7th floor, HARMONY. A Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th floor, HARMONY A Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14198|84-85, on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Rarge-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. S. R. Bhattacherjee & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14938A|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing

Rs. 1.00,000]- and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Bldg, No. 4.B, Apna Ghar Unit No.
6, Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha
Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been trans'erred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, fourth floor, Bldg. No. B.4, Apna Ghar Unit No. 6 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14938|84-85, on 25-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estate & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Vinceta Sinha.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14557|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 506, 5th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 506, 5th floor Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14557|84-85, on 15-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 8-7-1985

(1) M.s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. FORM J.T.N.S.—

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14555|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sand Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 602, Residency-A, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Various Andheri (W.) Rombay.

Versova, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed bereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authoritv at

Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the linking Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

(Transferce)

(2) Mohan Kundomel Parwani.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor in the building Presidency-A at Plot No. 38 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II;37EE;[4555] 84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:-

Date: 8-7-1985

Settl :

FORM I.T.N.S.-

(1) Mls. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Mrs. S. V. Garg & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. Not AR.II|37EE|14453|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Au'hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 702, 7th floor, RICHMOND, plot No. 13, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax: Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer SDE /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (19 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, [hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, RICHMOND Bldg., plot No. 13, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14453 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Ravirai Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. K. T. Changlani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 8th July 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|14057|84-85.Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, A Wing, Denzil, plot No. 31, S. No. 41 (pt.) four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule appared hearth)

Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 202, 2nd floor, A Wing Denzil. plot No. 31, S. No. 41 (pt). four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14507 84-85 on 12-11-1984.

(b) facilitatig the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Samrtha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Bedi & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14327 84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 405, 4th floor, Bldg. No. A. 19 Apna Ghar Unit No. 5, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Negar. Off, J. P. Road, opp. four bungalows, Andheri (W) Bombay-58

Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of temperature. transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to nav tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flot No. 405, 4th floor, Bldg. No. A. 19, Arna Ghar Unit No. 5, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar. Off. J. P. Road, opp. four bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[14327]84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) M/s, Samrtha Development Corporation.

(Transferee)

(2) Shri M. J. Jagtap.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14287|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

(W), Bombay-58. (w), Bolhoay-36. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration has not been truly stated in the real has present of searties has not been truly stated in the said hastrement of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/em
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--59-206GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Bldg, No. 12, Apna Ghar Unit No. 11, Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, off. J. P. Road, opp. four bungalows Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14287[84-85] on 9-11-1984.

> J AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM LT.N.S.

(1) M|s. Chetan Developments,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Iftekhar & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14301|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 203, 2nd floor, A Wing, Sea Shell Versova, Seven Bungalows, Rd., Andheri Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 el 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, A wing, Sea Shell Versova, Seven Bungalows, Rd. Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14301|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. G. Ghoudhary & Sons.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-11. BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14499|84-85.Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, naving a ran market and bearing No. and bearing No. 5A, 1st floor, B Wing, Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (pt.), Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto), the harm transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comperent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5A, 1st floor, B wing, Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (pt.), Oshiwara, four bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE|14499|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomb≥y

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Sheila Singh & Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh D. Parmar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14897|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 305, 3rd floor, Belmount, plot No. 340 S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of F922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Belmount, plot No. 1, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14897[84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mr. R. K. Changrani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. R. J. Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.11|37EE|14510|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

and bearing
Flat No. 403, 4th 'lloor, plot no. 27, s. no. 41 (pt.), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Citizen, plot no. 27, s. no. 41 (pt.), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14510|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.——

(1) M|s, Raviraj Developers,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. R. Hingorani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14508|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 205, 2nd floor, A wing, Denzil, plot no. 31 s. no. 41 (pt.), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the said instrument of transfer with the object of the consideration in the consideration

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat no. 205, 2nd floor, A wing, Denzil, plot no. 31, 5, no. 41 (pt.), four bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14508|84-85, on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal :

FORM ITNS-- ---

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. C. Thakkar & Others,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14468|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat no. 704, 7th floo. Hamestead bldg., plot no. 337, s. no. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tay Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

60---206G1[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Homestead Bldg., plot no. 337, 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14468[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Lokhandwala Estate & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Manoharlal C. Vasandani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III37EE[14280]84-85...-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No.

Flat No. 1605, 16th floor Premium Towers, at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part), 4 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1605, 16th floor, Premium Towers, Plot No. 351 of S. No. 41 (part), Versova, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14280 84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Seat

PORM TINS----

(1) M[s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P)

Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Jerafshan S. Bhasin & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14043|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'haid Act'), has reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 503, 5th floor Premium Towers, at Plot No. 351 of S. No. 41 (Par), Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trapeforted and the percentage is requested under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marks t value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the conceatment of any income or six moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse in the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14043|84-85 on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date : 8-7-1985 Seal :

ROMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14593|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Unit No. 32 E, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extn. Andheri(W), Bombay-58.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the par-

ties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SELVICE OF HOUSE whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) Ms. R. N. A. Builders

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Ramchandani

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14255|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible of the incompetent and the impossible of the incompetent actions are the incompetent as the incompetent action. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Room No. 12, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping
Arcade, Off. J. P. Road, S. No. 41 (part), Near Apa Ghar
Andheri(W), Bombay-58
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 9-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aroresaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
iffteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 12, 1st fleor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J. P. Road, S. No. 41 (part), Near Apna Ghar Andheri(W), Bombay-58.

has been registered by the Competent under Serial No. AR.II|37EE|14255|84-

LAXMAN DAS Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date : 8-7-1985 Seal :

(1) M|s, Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

(2) Mr. P. G. Dave H.U.F.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF LARGE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref No. AR.H|37EE|14593|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 32|E, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extn. Andheri(W), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbunty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said implovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32 F, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extn., Andheri(W), Bombay-58,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14593 84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Lekhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjana Prakash

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rei. No. AR.II|37EE|14595|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 701, 7th floor, GREENFIELDS A. Bldg., Plot No.
333, S. No. 41(part), Four Bungalows, Versova, Andheri
(W), Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the eaid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, GREENFIEIDS A. Bldg., Plot No. 333, S. No. 41(part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR [II] 37EE 14595 84-85 on 16-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s, R, N, A, Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raghuwanshi Dilip Kumar Tejamal & Mrs. Shanti Tejanmal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14119|84-85,-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 83, 8th Floor, Saranga Tower, Reshanlal Agarwal Complex, Oshiwara, Andheri(W), Versova, S. No. 41(part), Near Apna Ghar, Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under rate-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 83, 8th floor, Saranga Tower, Roshanlal Agarwal Complex, Oshiwara, Andheri(W), Versova, S. No. 41(part), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14119|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) M|s. Raviraj Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Gautam Roy Choudhari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref No AR.II[37EE]14130[84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing

Benzer Flat No. 701, 'A' 7th Floor, Plot No. 9 & 9A of S. No. 41 (part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri

(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (=) facilitating the feduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meame arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacrove or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 il of 1922) or the said Act, or the Wearth haz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Benzer, Flat No. 701 'A' on 7th Floor. Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(part), Four Bungalows, Oshiwara, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serail No. AR.II|37EE|14130|84-85 on 3-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 4-7-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) Harasiddh Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Praful N. Bhatt

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14149|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR.II|3/EE|14149|84-85.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 5, 4th floor, of the Proposed Bldg. 'Es:ate' under Construction of Plot No. 78, Unit 638, Shri Swami Samartha Prasanna CHSL, Off, J. P. Road, Andheri (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subacction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 61-206GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 4th floor of the proposed Bldg, Nestle Under Construction of Plot No. 78, Unit 638 of Shri Swami Samartha Prasanna CHSL, Off. J. P. Road, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14149|84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) M|s, Raviral Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhagwan R. Aswani, Mr. Ishwar R. Aswani & Mr. Ramesh R. Aswani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14129|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Breeze Flat No. 304, A-Wing, III floor, Plot No. 25, S. No. 41(part). Oshiwara, Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less ann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the waid.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Breeze' Flat No. 304, A-Wing, III floor, Plot No. 25. S. No. 41 (part), Oshiwara, Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14129|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985

Scal :

(1) M/s. R. J. Associates

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Atlarwala Abbasl Asgerali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15023 84-85.—Whereas. I.

LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing 'ClfiZEN' Flat No. 403, 4th floor, Plot No. 27, S. No. 41 (part), Oshiwara, Versova, Four Bungalows, Andheri, Bombey-58 situated at Rombey.

simated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-11-1984

Bombay on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Citizen' Flat No. 403 on 4th floor, Plot No. 27, of S. No. 41(part), Oshiwara, Versova, Four Bungalows, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15023|84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-7-1985

(1) Smt. Avantika Gordhanbhai Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Chinnakuttan Nair

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II]37EE|14168|84-85.—Wheersa, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 108, I Floor, 'Mimachal Buildings', Juhu Lane, Andheri (W), S. No. 208, Hissa No. 3, City C. No. 510-511, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108 on the I floor, Himachai Builders', Juhu Lane, Andherl (W), S. No. 208, Hissa No. 3, City S. No. 510-511, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14168|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 4-7-1985

Seal

(1) Mr. Yusuf Hanif

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sangeeta Kapoor & Mr. Ravi Kapoor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14046|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 504, 5th Floor, Bldg. 'Kenmore', Situated at Plot No. 346, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the inchan income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, on the 5th floor in the Bldg. 'Kenmore' situated at Plot No. 346 of S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14046|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Dato: 4-7-1985

Scal:

(1) M/s. Dyna Estates Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Reshma R. Daryanani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14047[84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flut No. 3, 5th floor, A-Wing, 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna CHSL, Near Four Bungalows, Off J. J. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) by of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 5th floor, in A-Wing of 'Mota Mahal' on Plot No. 53 of Shri Swami Samartha Prasanna CHSL., Near Four Bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14047|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1); of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Date: 4-7-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Hahendra G. Jhaveri & Tapan N. Jhaveri. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14116|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Room No. 69, A-wing, 16th Floor, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41
(part), Near Apna Ghar, Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-11-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 69, A-wing, 16th Floor, Roshanlal Agarwal Shopping, Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41 (part), Near Apna Ghar, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14116 84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 4-7-1985

(1) M|s. Resham Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajit M. Keeriyott & Mrs. Medha Ajit Keeriyott

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14121|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R: 1.00,000]- and bearing Flat No. 201 Bldgs. 'Harsha II', Plot Nos. 11, 12, 13 & 14 (part) S. Nos. 91A (part) and 95A (part), Seven Bungalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 'Harsha II' Bldgs., Plot Nos. 11, 12, 13 & 14 (part) S. No. 91A (part) and 95A (part), Seven Bungalows, Vesova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14121 84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dato: 4-7-1985

(1) M.s. Tara Mahendra Vaidya

(Transferor)

(2) Mr. Jugraj Kasmal Mukim.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI. BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|17985|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 205, 'Sajal Apartment', Plot No. M1 & M2, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (u) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable program within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 205, 'Sajal' Apartments, Plot No. M1 & M2, Veera Destal Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|17985|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-62-206GI|85

Date: 4-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Xavier D'Souza & Mrs. Rita D'Souza. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14155|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 703, 7th floor, 'Sterling Tower', Plot No. 36, Off. Jav

Piakash Road, Near Four Bungalows, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule smeeted hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, 'Sterling Tower', Plot No. 36, Off. Jay Prakash Road, Near Four Bungalows, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14155|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Mis. Harasiddh Corporation.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Smt. Lata P. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th July 1985

Rcf. No. AR. [1]37EE|14150|84-85,-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,08,000/and bearing

Flat No. 6 on 4th floor of the Proposed Bldg. Nestle Under construction on Plot No. 78, Unit 638 of Shri Swami Samartha Prassana CHSL, off. J. P. Road, Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Apr. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicasion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 4th floor, of the proposed Bldg. NESTLE under construction of Plot No. 78, Unit 638 of Shri Swami Samarha Prassana CHSL., O.S. J. P. Road, Andheri (W), (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14150|84-85 on 3-11-1984.

(b) facilitating the consesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

Scal :

THE STATE OF THE S

- (1) Ms. Lokhaudwala Estates & Develop Co., Pvt. Ltd., (Transferor)
- (2) Miss. Kamla M. Sukhwani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. LAXMAN DAS, AR, II|37-EE|14794|84-85, -Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 1603, 16th floor, Bldg. Magnum Tower, plot No. 357, S. No. 41(Pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexes hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income has Act, 1911 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have net. been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1603, 16th floor, Bldg. Magnum Tower, plot No. 357, S. No. 41(pt), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14794|84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Kumar Tahilaram Isranl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14704|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, 1st floor, A wing, Rohit Apartment, plot No. 52, Oshiwara, Off. I. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o fSection 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st, floor, A wing, Rohit Apartment, plot No. 52, Oshiwara, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14704|84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-7-1985

(1) Mrs. Lata G. Agicha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Cheryl Pereira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II[37EE]14693[84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Symphony. A. plot No. 344, S. No. 41(21) from broad laws. Versymphony Andheri (W) Rombay-58

41(pt), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Symphony, A, plot No. 344, S. No. 41(pt.) four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14693|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Lokhandwala Fstates & Develop Co. Pvt. Ltd.,
(Transferor)

(2) Mr. 1, K. Vaswani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. $\rm II|37EE|14694|84\text{-}85$ —Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Flat No. 1604, 16th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41(Pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tar Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1604, 16th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EF|14694|84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14723|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 201, Sameer Apts., J.P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the sair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Miss. Priya Tandon & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Wajda Begum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Sameer Apts., J.P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37FF;14723[84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.——

(1) M|s. Lokhandwala Estate & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Trshad Farooqui.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14718|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 1807, 18th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41(pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Perblook Spiritual of Deables, Perblook Spiritual of Perblook Spiritual o

S. No. 41(pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bothbay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1807, 18th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41(pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14718|84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 63-206GI|85

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estate & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. M. M. Gandhi.

(Transferce)

1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EF|14717|84-85,---Whereas, I LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, Premium Towers, plot No. 351, S. No. 41(pt), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd foor, Premium Towers, plot No. 351, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE]14717|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

(1) Mls Priti Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Haveli Ram Chopra.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Bombay, the 5th July 1985

BOMBAY

(b) by any other parson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the subfication of this notice in the Official Country.

Ref. No. AR.II|37EF|14745|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, Bldg. ACCORD. B. Plot No. 17, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent, Authority,

Hombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Frat No. 302, 3rd floor, Bldg. ACCORD. B, plot No. 17, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14745 84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following рогосы, <u>паше</u>ју :—

Date: 5-7-1985

- (1) M/s, Lokhandwala Estate & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Mary Rusi Driver.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14664|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1706, 17th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (Pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1706, 17th floor, Magnum Towers, plot No. 357, No. 41 (pt.), four bungalows Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14664]84-85 on 16-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

Scal:

(1) M/s. Lokhandwala Estate & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Miss. K. T. Chowdhry & Others.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37] 1:[14775]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1601, 16th floor, Magnum Towers, plot No. 357,

S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Art, 1961 in the office of the Competent Authority ng

Bombay on 19-11-1984

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aboresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been tinly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1601, 16th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombtry under Serial No. AR.II]37EE[14775]84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS impetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

FORM ITNS ---

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master M. M. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14789|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 704, 7th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 704, 7th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14789|84-85 on 20-11-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985 Scal:

(1) M|s. Lokhandwala Estretes & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. S. D. Pai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomboy, the 5th July 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|14792|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1009, 10th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax *:: 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 1009, 10th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.) four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14792|84-85 on 20-11-1984.

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. N. M. Jain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14790|84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 703, 7th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (pt.) four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 703, 7th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt) four bungalows. Versova, Andheri (W), Bomhay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bon on 20-11-1984. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14790|84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 5-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Thakur Devichand Chawdhari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.[I]37EF|14774|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing a rail market value exceeding to A,50,505, and bearing Flat No. 1602, 16th floor. Magnum Towers, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-- 64-206GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 1602, 16th floor, Magnum Towers, at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II[37FE]14774]84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. H. H. Merchant & ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14612|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, A wing, Twin Towers, plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (pt.), Oshiwara, four bungalows, off J.P. Road, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, A wing Twin Towers, plot No. 8A & 8B, S. No. 41(pt.), Oshiwara, four bungalows, off. J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been to likelihed by the Competent

Authority, Bombay under Serial No AR.II|37FF|14612|84-85 on 16-11-1984.

I AXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estate & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) K. K. Maria,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14535|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. I lat No. 412, 4th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.) four bungalows, Versova, Andheri (W), Rembey 54

Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property as a f

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, 4th floor, Magrum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Amilieri (W), Bomber 64 bay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lombay under Serial o. AR.34[37]34 [14535]84-85 on 13-11-1984.

I ANMIN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Rombay

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Chetan Developments. --

(Transferor)

(2) Dr. Mahmood Hava, & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombiy the 5th July 1985

Ref. No. AR.III37114752184 85.- - Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing.
No. Flat No. 101, 1st floor, B wing, Sea Shell Versova, Seven Bungalows, Road, Andheri - W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferr to do no agreement is registered under Section 269AB or the bit of hos Act, 1961 in the office of the Competent Alliper All Bombay on 24-11-1984

for an apparent domaktation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfee as agreed to between the parties has not been utuly states in the said instrument of transfer with the object od: -

- (a) facilitating the indicates or evasion of the limbility of the transferor to pay to under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the of negatiment of my income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inc. me-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, B wing, Sca Shell Versova, Seven bungalows, Rd., Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14752|84-85 on 24-11-1984.

IAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the festie of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

FORM ITNS-

(1) M/s Lokhandwala Estates & Develop Co. (P), Ltd. (Transferor)

(2) Rajan N. Tiwari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II ASSISTANT COMMIS-BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14668|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 909,, 9th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the is of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 909, 9th floor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14668 84-85 on 16-11-1584.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3741 Acq. 23[1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No

HP at Kalupur Wd. 2 C. S. No. 1875-A. 1875-B[1875-C,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressid property and I have reason to believe that the tari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than them per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facinating the endocurer is evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfers andler
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

 M[s. Mahalaxmi Corporation Partner, Mishrilal Durgaprasad Seth 15-Bhagirath Socy. Naranpura-A'bad.
 Shri Bapubhai Shambhuprasad Patel, 1208 A.79-Ashabhai-ni-Pole, Jahagirpura-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M[s, Kamal Land Corporation—Partner—Ghanshyamdas J. Bhatiya & Co., 'Ghansheel'—Nr. Panchsheel Socy., Usmanpura Rly. Crossing—Ahmedabad-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at A'bad--Kalupur Wd. 2, C. S. No. 1875A, 1875B, 1875C, R. No. 17032 Dt : 29-11-84.

G. S. PANDYA
Competen Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Subhadraben Chandrakant Parikh, Girdhar Nagai -Sahibag --Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhogilal Japanadas Kansara-276-Manekhag Socy -- Ambawadi, Ahmcdabad-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3742 Acq. 23 I 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Land at Abad—T. P. S. 21, F. P. No. 602, sub Plot No. 151, Adm. 508 sa vd.

Adm. 508 sq.yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 2-11-1984

Abad on 2-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than diffeon percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any reoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 508 sq.yd. at A'bad, TPS. 21, FP No. 602, Sub Plot No. 151, S. No. 193, 175 & 177 paiki R. No. 15733 Dt :

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P. R. No. 3743 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, f, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

HP at A'bad TPS, 5, F. P. No. 143-S, No. 8!23, Adm. 151

sq yd. Three storeved Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Parmatmadevi Amarchand Jankidas, Smt. Savitridevi Narayankumar Amarchand, Gujarat Brahm Kratiya Socy.-Paldi-Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) The Bhagyodaya Co-op. Bank Ltd., Nava Madhvpura-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at A'bad TPS, 5, FP No. 193, S. No. 8|23, Adm. 151 sq. yd. Three storeyed Bldg. R. No. 13341 Dt.: Nov. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 1-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P. R. No. 3744 Acq. 23[I]85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovsble property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Industrial property at Rakhial A'bad T. P. S. 10, F. P. No. 83B
on land adm. 1087.5 sq.mtr. Shed 462.7 sq.mtr.
(and more fully described i, the Schedule annuexed hercto),
has heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
A'bad in Nov., 1984
for an apparent consideration which is less than the

Abad in Nov., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which exist to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakh-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—206GI[85]

- (1) Ideal Trading Company Partner—Nagindas Chunilal Shah,
 7—Manorath Apartment,
 Nr. Navroj Hallo—Sahibag—Ahmedabad,
 (Transferor)
- (2) Shri Jigar Foundary,
 Partner—Shri Bipinchandra Nandlal & Co.,
 Ashesh Aptt.—Old Sharda Mandir—
 Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial property at Rakhial A'bad, TPS, 10, FP No. 83B on land adm. 1087.5 sq mtr. _L Shed.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Date : 1-6-1985

Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE ROLL WAS TO SERVE THE SERVE THE

GOVERNMENT OF INDIA

FFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Rcf. No. P. R. No. 3745 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Mahuva Seem O|S Nagar Palika Jimit S. No. 388|2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahuva Dist. Bhavnayar on 7-11-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) Kishan Co-op, Socy, Ltd., President—Devjibhai Keshavbhai Kapadia, Bhadrod Gate—Opp: Green Lodge—Mahuva—Dist: Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahuva Land O|S Nagar Pulika seem S. No. 388|2, R. No. 2037 Dt: 7-11-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedanad

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P. R. No. 3746 Acq. 23|I|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immavable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Bhavnagar---Ruvapari---Industrial Estate Plot F|20 Godown (and more fully described in the schedule annexed hereto), has heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar in Nov., 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijaykumar Ratilal Mchta & Ors., Adarsh Dairy—Bazar—Gate Street, Fort— Bombay-1.

(Transferor)

(2) Sanghvi Industrial Estate — Partner—Nalinchandra Jagmohandas & Ors. 946—Madhav Bhuvan—Nr. Don Bldg. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown—at Ruvapari Industrial Estate—Plot F-20-Bhavnagar R. No. 2371 Dt: Nov., 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Ahmedabad

Date: 1-6-1985

Smt. Kundanben Navinchandra Sanghvi, (1) 1.

Smt. Nirmalaben Manubhai Sanghvi, Vraj Giriraj Co-op. Socy. Valkeshwar Road—Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Girishkumar Ramniklal Vora, Shri Nalinkumar Ramniklal Vora-Plot No. 631 A-Krishnanagar, Nr. Jain Temple-Bhavnagar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P. R. No. 3747 Acq. 23[1]85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Krishnanagar, Nr. Jain Temple—Plot No. 671 A

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at plot No. 631/A—Krishnanagar R. No. 528 Dt :

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASTIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd June 1985

Ref. No. P. R. No. 3748 Acq. 23/1/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. H. P. at T. P S. 3, F P. No. 187 ctc. Shrimali Socy. B. No. 64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at A'bad on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Shri Kishan Shantilal Shah-Bikini Apartment-Nr. 1 aw Garden, Ellis Bridge--Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Shri Kishorsingh Jilubha Jadeja-10-Anand Park-Dhor Bazar Park-Kankaria-Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Shri Chinubhai Mulchand Shah Shri Narendra Uttamlal Shah, Shri Mahendra Uttamlal Shah— B. No. 64, Shrimali Socy. Navrangpura—Ahmedabad-9.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. P. B. No. 64, Shrimali Socy, Nr. Navrangpura Police Sin., A'bad-9, R. No. 16314 Dt : 16-11-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 3-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 3rd June 1985

Ref. No. P. R. No. 3749 Acq. 23 [1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Land Adm. 400 sq.yd. TPS. No. 26 SP No., 22-26 Ayojan Nagar Sub Plot No. E-46 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad in Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Dahyabhai Chandulal Panchal, F. 1 Su-kruti Flats-Ambawadi-A'bad-15.

(Transferor)

(2) Shri Mukul Gunvantlal Parikh, B. No. 1—Dhayal Socy. Vibhag-l, St. Zavier's School Rd.—Memnagar— Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 400 sq.yd. at TPS. 26, F. P. No. 22-26, Ayojan Nagar Sub Plot No. E-46 R. No. 11841 Dt : Nov. 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985

(1) Shri Bhagwan Durgaprand Agrawal, Law Garden Apartment No 2—Law Garden, Hlisbridge—Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. H. K. Enterprise— 1st Floor 'Gulab, Opp: G. P. O.—Fort—Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 (09)

Ahmedabad-380 009, the 3rd June 1985

Ref. No. P. R. No. 3750 Acq. 23|1|85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.
Office on 3rd Floor Adm. 46.63 sq.mtr. 504 sq.ft National Chambers TPS. 3, FP 187|2, Ashram Rd., A'bad (and more fully described in the schedule annexed heretc), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registration officer at 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 28-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this on any cays from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Office on 3rd Floor—National Chambers—Ashram Rd. TPS 3, FP No. 187/2 Sub Plot No. 7-26A Adm. 46.67 sq. mtr.= 504 sq.ft. R, No. 16980 Dt : 28-11-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mettion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 609, the 4th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3751 Acq.23|1|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Land adm. 422 sq.yd. TPS 21 FP No. 602 Sub Plot No. 79
Manak bag Socy. A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 23-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Chandulal Jagnath Rawal Smt. Savitaben Chandulal Rawal Saraswati Nagar—Ambawadi—Ahmedabad. (Transferor)

(2) Smt. Madhuben Jamnadas Shah-Smt. Swatiben Jamnadas Shah, Shyamkuni Socy.—Opp ; Manekbag Hall.—Ambawadi—Abad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm, 422 sq.yd, TPS, 21 FP No. 602 Sub Plot No. 79—Manekbag Socy, R. No 16876 Dt : 27-11-84

G, K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Rar ge-I, Ahmedabad

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3752 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. H. P. at Paldi Tolaknagar Socy. Land adm. 815.6 sq. yd. +

180 sq.yd.—Abad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad in Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

66—206GI[85] Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Shri Hariprasad L. Vyas,
Shri Bharatkumar Hariprasad Vyas
Shri Kiritkumar Hariprasad Vyas
Shri Anilkumar Hariprasad Vyas
Shri Niranjan Hariprasad Vyas
B. No. 21—Tolak Nagar Socy. Paldi—A'bad-7.

(Transferor)

(2) Shri Farakumar Hajakhchand Kakariya, 269--New Cloth Market-

O|S Raipur Gate-Ahmedabad-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property B. No. 21, Tolak Nagar Socy. Paldi-Abad Land Adm. 815 60 sq. yd. + Bldg. 180 sq. yd. R. No. 5956 Nov. 84

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOP, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3753 Acq.23[I]85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

HP at TPS. 20 FP No. 190 S.P. No. 7A Land Adm. 718.5 sq. yards + Building 126 + 74 sq. yards Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Anjanaben Gopaldas, Near Raj Hans Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Shri Hukamchand Gyasiram & Ors. 88 New Cloth Market, O/S Raipur Gate, Ahmedabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Constite or a period of 30 days from the survice of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Ass. all have the same meaning as given in d Chapter.

THE SCHEDULE

HP at Ahmedabad TPS. 20 F.P. No. 190 Sub Plot No. 7A—Land Adm 718.5 sq. yards 4- Building FF 126 4- 74 sq. yards R. No. 15939 dated 9-11-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1985

Ref. No. P.R. No 3754 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat at Dr. Yagnik Road—Ajay Apartment—Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 37G Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kamdar & Associates, Dr. Yagnik Road, Ajay Apartment, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shiraj Colour Laboratories (P) Ltd., Ajay Apartment, Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Dr. Yagnik Road, Ajay Apartment, Rajkot R. No. 5813/84 37G Nov. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sudhaben Kiritbhai Shah, 603, 'Kalpana' Santa Kruz West, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Jaysukhlal Doshi, Flat No. 93, Race Cource Co-operative Society, 9th Floor, Rajkot.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3755 Acq.23[I]85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Race Course Co-operative Society Plat 93, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedahad on 7-11-1984 Ahmedabad on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Race Course Co-operative Society Flat No. 93 Rajkot R. No. 6689 dated 7-11-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamdar & Associates, Ajay Apartment--Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shiraj Colour Lab. (P) Ltd., Ajay Apartment, Ground Floor, Dr. Yagnik Road,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3756 Acq.23[1]85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop at Ground Floor on Dr. Yagnik Road, 'Ajay Apartment, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajkot on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

THE SCHEDULE

Shop at Dr. Yagnik Road, Rajkot Ajay Apartment, R. No. 5815/84 Nov. 84 37G reced.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3757 Acq.23 [1]85-86.--Whereas, 1, K. PANDYA.

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property at Plot No. 73A—Panchvati Society'—Kalavad Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 37G Nov. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; uni/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Dinesh Vithaldas Gaijar. Moti Tanki (Subhash Road), 'Aashish', Raikot.

(Transferor)

(2) Chandrakanı Dhirailal Rajvaguru. Rekha Chandrakant Rajyaguru, Panchvati Society, Plot No. 73A, Kalad Road, Rajkot.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. -hicheve, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Panchvati Society Plot No. 73A Rajkot R. No. 5193-37G recd, in November, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Ahmedabad

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3758 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Ward No. 6 C.S. No. 737 Malaviya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justiument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sarladevi Vasantlal Malaviya Malaviya Sadan-Opp, Rashtriya Shala, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Rhydham Builders, Lilam Chambers -- Dhaber Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Wd. No. 6—City Survey No. 737 Malaviya Road, Rajkot R. No. 7117 dated 23-11-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-6-1985 Scal:

CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR CONTRACTOR OF THE C

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3759 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 0001- and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land adm. 7386 sq. mtr. at Geratpur sim S. No. 245|2|A Block No. 265 & S. No. 245|2|B Block No. 267—A'bad Dist. Tel. Daskroi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) incitinating the recitation or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Damodurdas J.vabhai Prajapati, at Village Geratpur Tal. City Ahmedabad. (Transferee)
- (2) Jag Janani Geratpur Co-op. Hsg. Socy. Ltd., at Village Geratpur, Distt. Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 7186 4 200=7386 sq. mtr. at village Geratpur Tal. City Ahmedabad S. No. 245|2|A 245|2|B Block No. 265-267 R No. 15771|84 deted 5-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3760 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter Aberred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

HP at Jamalpur Wd. 2 C.S. No. 3395-3396 Adm. 62 eq. yd. Nagji Bhudar Pole, Mandvi Pole, Abmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -- 67—206GI[85]

 Narottamdas Keshavlal Nawab, Nagji Bhudar Pole, Ubho Khancho, Mandvini Pole, Ahmedabad.

(2) Jashwantial Kantilal Shah, 608, Kalupur Tank Shal Pole, Kalupur, Ahmedabad. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Jamalpur Wd. 2 C.S. No. 3395-3396 Adm. 46×16±62 sq. yd. Ubho Khancho, Nagji Bhudar Pole Mandvi Pole, Alimedabad R. No. 10962 November 1384.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SLOTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGEL 2ND FLOOR HANDLOOM FOLDS ASTRAM ROAD, AMMEDABAD-380 009

Ahmedabad-580 00%, the 5th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3761 Acq. 23[1]85-86.—Wehreas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and borring No. HP at IPS. 3 I.P. No. 346 - Land 1105 sq. yd. +Bldg.,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred to be the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Ahmedabed on 12-11-19-11

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not need truly sosted in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys of their esets which have not been or which ought a be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) if (957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the action of the notice under subsection (1) of Section 26 and the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Kiritkant Anandalal Shah,
 - Tarunbhai Anandlal Shah,

 - Bharatbhai Anandlal Shah,
 Vidyagauri Anandlal Ranchhodlal Shah, Chimanial Girdharilal Road, Newrangpura, Ahmadabad-9.

(Transferors)

(2) Ashima Estate Owners' Association. Secretary, Harshad K. Parikh, Co Naman Builders, F.F. 105, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at TPS, 3 FP No. 346 Land adm. 1105 sq. yd. + Bldg, thereon, (varied), Hisa, 5, R. No. 16056, 16055, 16051, 16050 dated 12-11-1984. Four documents for one property having & share of each of them (undivided share).

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Al medabad

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3762 Acq. 23 [1] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2003 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Land adm. 9120 sq. mtr. at village Hathifan sim S. No. 204,

Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Ahmedabad on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shrimatiben Revarea. Waglichhai, Charotar Patel Socy, Nr. Swami Narayan Mandir, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Shrimati Shyam Merce Chem. Hsg. Socy., Chairman: Nondlast or Kanaiyalal, City Mill-ni-chal- O/, Raipur, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the suncealment of any income or any

Land adm. 9120 sq. mtr. at 1 illage Hatjijan S. No.204|2 paiki R. No. 14926 da. 2 November, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranne-1. Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No .P.R. No. 3763 Acq. 23|1|85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No.

Land adm. 947.34 sq. mtr. at TPS. 7 F.P. No. 78 Sub Plot No. 1. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-11-1984 & 23-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Narendra Bhagubhai Solanki, Kalavati do Bhagubhai Ugarchand Solanki Manjulaben Do Bhagubhai Ugarchand Solanki, Jasodaben Do Bhagubhai Ugarchand Solanki, Chanchalben Do Bhagubhai Ugarchand Solanki, All, Ghecwala Ni-Chal, Chamanpura, Ahmedabad. (Transferor)

(2) 1. Prakashkumar Lallubbai Majidara,

Shantilal Devjibhai Majidara,

13. Prabha Park Socy., Gomtipur, Ahmedabad-21.

3. Ketankumar Balmukund Doshi. 8-B Prabha Park Colony, Opp. Muslim, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ahmedabad, T.P.S. 7 F.P. No. 78 Sub Plot No. 1 Adm. 947.34 sq. mtr. + Right on Road land R. No. 3309, 3313, 3308, 3303, dated 17-11-1984 R. No. 3304, 23-11-84, 5 documents having 1|5 undivided share of all 5 transactions.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3764 Acq. 23|1|85-86 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 38, Rajpur, Hirpur sim S. No. 24 TPS. 18 & 2 FP No. 29 paiki 187, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Mis Girishchandra Bhagwatprasad & Bros., Partner: G'rishbhai Bhagwatprasad & Ors., Patel Soct. Shahibag, Ahmedabad-4.

(Transferor)

(2) Champalal Copiram. Shankarlal Gopiram, A-2-Shyamal Aptt., Behind L. D. College Hostel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 38, Rajpur Hirpur TPS. 18 & 2 FP No. 29 paiki Adm 70 sq. yd R. No. 16736 dated 23-11-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 5-6-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3765 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Show Room No. G.13 at Chinubhai Center, Ashram Road,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at A'abad on 37EE 31-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Tulsikunj Estate Owners Association, Through: Mps Hasmukh Shah, 1st Floor, Chinubhai Center, Ashram Road, Ahmedabad. (Traisferor)

(2) Blaze Advertisement Pvt. Ltd., Show Room No. G. 13, Chinubhai Center, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show Room No. G. 13 Chinubhai Center, Ashram Road, 37EE filed on 31-10-1984 R. No. 250 dated 3-11-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3766 Acq. 23|1|85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No 801-8th Floor—'Cresent Bldg. Ward No. 15—

Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 21-11-84 37EE filed

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. J. S. Corporation 48—Indranarayan Road Santa Cruz (West)-Bombay-54.

(Transferor) (2) Shri Ashok Aildas Thandani

'Blue Heaven' Linking Road, Bandra, Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th Floor 'Crescent Bldg, Ward No. 15-

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Lacome-tax Acquisition Range-I, Almedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 7-6-85.

FORM TIN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3767, Acq. 23 [1] 85-86, —Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 639 Deri Road Reishnanagar—Bhavnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhavanagar on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cd 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kantaben Bhagwandas-Power of Attorney- Shri Bhudarsyla Vikrambhai Govindbhai <u>L</u>alubhai— Clo Gop Dairy—Pir Chala Sheri-Dhavnagar. (Transferor)

(2) 1. Arunbhai Prabhudas Shah2. Narendra Prabhudas Shah. 3. Dilipkumar Prabhudas Shah

(1) Shri Nanubhai Popatbhai &

4. Shaileshkumar Prabhudas Shah Plot No. 639—Krishnanagar Dairy Road-Bhavnagar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ward No. 5 Plot No. 639 Krishnanagar Davirz Road, B' nagar R. No. 3755 Dt. 22-11-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont namely --

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahredabad.

Date: 11-6-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3769.Acq.23|I|85-86.—Wheraes, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property at Plot No. 1166A-1, Krishnanagar (South), Bhavnayar

nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

et Bhavnagar on 12-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent namely:—68—206GI|85

- (1) Kalidas Tarachand Dani (decd)
 L.R. 1. Kalavati Kalidas Dani
 2. Jintendra Kalidas Dani
 3. Prakash Kalidas Dani
 Plot No. 1166 A 1 Sir Patoi Road, Bhavnagar.
 (Transferors)
- (2) Popatlal Ramjibhai Mangukiya Plot No. 1166 A-1 Krishnanagar Bhavnagar. (Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 1166-A-1 Krishnanagar R.B. .36556 Dt. 12-11-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taffl
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date :12-6-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1985
Ref. No. P.R. No. 3769.Acq.23|I|85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|-and bearing No.
Flat at Golden Park Socy. Opp. Gujarat Vidyapity, Ashram
Road, Ahmedabad (and more fully
reg stering officer at A'bad undersigned
on 22-10-1984

on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Azadkumar Savarmal Khedia, 6|d, Golden Park Socy., Ashram Road, Opp. Gujarat Vidyapity, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Mayaben N. Bhavani, Golden Park Socy., Opp. Gujarat Vidyapity, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Golden Park Socy., Opp. Vidyapity Ashram Road, Ahmedabad 37EE filed on 22-10-1984 R. No. 289 dated 3-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-6-85,

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3770.Acq23|I|85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000-and bearing No.

Land at Limdi Sim S. No. 364 Adm. 6A 31 G. Dist.

Surendranagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer et Limdi on 6-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Gangaben Motibhai-2. Harjibhai Shankarbhai Patel & Ors. Green Chowk, Opp. Swami Narayan Mandir Limdi-Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Gujarat Briquetes Pvt. Ltd., Clo Cama Motors Pvt. Ltd. Rustam Cama Marg, Lal Darwaja—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6A 31G at Limdi sim S. No. 364 R. No. 1884] 64 dt. 6-11-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref No. P.R. No. 3771|Acq.23|I|85-86,—Whereas. I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs, 1,00,000|- and bearing No.
Land adm. 12749 sq mtr at village Vasana Eyava Tal
Sanand S. No. 247|1, 247|2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred under the Registration Ac. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand on 12-11-84

at Sanand on 12-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the postion has recorded to between the postion has recorded. agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Jikunvarba Wdo Chatubhai Sursungii Shri Digvijaysinh Kaluoha & Ors. at Village: Vasna Eyava— Tal: Sanand.

(Transferor)

(2) Shri Mahakali Mata Specific Family Trust. Trustee: Mahendrakumar Muljinhai Vyas, 7, Vasant Vihar Co-op. Hsg. Vibhag-2, Nr. St. Zavier's College Corner, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 12749 sq. mtr 15247.8 sq. yd S. No. 247|1, 247|2 at village Vasna Eyava Tal. Sanand R. No. 755 dt.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 13-6-85

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-480 009, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3772 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Land adm. 12981.75 sq. mtr. 15526 sq. yd. S. No. 247|1, 247|2 at Village Vasana Eyava Tal. Sanand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jikunvarba Wd|oChatubhal Sursangji, Shri Digvijaysinh Kalubha & Ors. at Village: Vasna Eyaya Tal. Sanand.

(Transferor)
(2) Shri Maha Laxmi Specific Family Trust
Trustee: Matatlal Muljibhai Vyas
60, Jay Bhagwan Co.op. Hsg. Socy
Behind Priya Talkies,
Saijpur Bogha, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 12981.75 sq. mtrs.=15526 sq. yd. S. No. 247|1, 247|2 at Village Vasna Eyava Tal. Sanand R. No. 756 Dt. 12-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-480 009, the 13th June 1985

Ref. No P.R. No. 3773 Acq.23[I]85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land adm. 12567 sq. mtr. S. No. 247|1, 247|2 at Village: Vasna Evaya Tal. Sanand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jikunvarba Chitubhai Sursangji Digvijaysinh Kalubha & Ors. at V.llage: Vasna Eyaya Tal. Sanand.

(Transferor)

(2) Shri Harlsidha Mata Specific Family Trust Trustee: Hariprasad Muljibhai Vyas 30 1087 Krushna Nagar, Saijpur Bogha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 12567 sq. mtr. at Village Vasna Evaya S. No. 247 1, 247 2 Tal. Sanand R. No. 757 Dt. 12-11-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-480 009, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3774 Acq.23 [185-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|-and bearing No.
Land at Village: Vasana Evaya Tal. Sanand
S. No. 247|1, 247|2, Adm. 7501 sq. yd.=6272 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Jikunvarba wd|o Chatubhai Sursangji Digvijaysinh Kulubha & Ors. at Village: Vasna Evaya Tal. Sanand. District Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. M. Square Anemal Partner-Mahendrakumar Muljibhai Vyas -Vasant Vihar Co-op. H. Socy. Vibhag No. 2 Nr. St., Zavier's College Corner-Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6272 sq. mtr.=7501.3 sq. yd. at Village: Vasana—Eyava S. No. 247|1, 247|2 Tal. Sanand Dist. A'bad R. No. 754|12-11-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-480 009, the 13th June 1985

Ref., No. P.R. No. 3775 Acq.23 [1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Land adm. 107600 sq. mtr. at Village Navapur Tal. Sanand Block No. 143

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 7Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Bhaubhai H. Desai Sarkhej, Ahmedabad

 Chandravadan M. Parikh, Prakash College Road, Navrangpura, Ahmedabad.

Navrangpura, Ahmedabad.
3. Balvantbhai Chhaganbhai
Village: Vaghjipura, Tal. Sanand.

(Transferor)

(2) Chairman— Ahmedabad Dist. Co.op. Milk Producer's Union Ltd. Sardar Dairy, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village: Navapur Block No. 143 Adm. 197600 sq. mtr. Tal. Sanand R. No. 1342, 1343, 1344 Dt. 20-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometan
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 13-6-1985

Şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad 480 009, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3776 Acq.23[I]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000| and bearing Land adm 8576 sq. mtr.=10292 sq. yd S. No. 115|t Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 69---206GIJ85

(1) Ranchhodbhai Shambhubhai Mansukhbhai Shambhubhai Natwarbhai Ranchhodbhai Hementbhai Ranchhodbhai at Village: Joshipura Dist: Junagadh.

(Transferor)

(2) Vajshibhai Bhaya Solanki Organisor, Sahjanand Tenament Co.op. H. Socy. No. 2, Kashi Vishwanath Socy. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Naid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 8576.87 sq. ntr. - 10292 sq. yd. Junagadh S. No. 115 I. N.A. R. No. 2485 Dt. 17-11-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dafe: 13-6-1985

(1) Patel Devrajbhai Ramjibhai Changela, Hanuman Gali, Sukhnatn Chowk, Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Haji A. Rahman A. Habib, Nava Ghanchiwada, Junagadh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3777 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land at Junagadh S. No. 30 11A 14G Dhara Gadh Bag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at Junogadh S. No. 30 paiki 11A 14G, Dharagadh Dag R. O 2179, dated 22-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

heal .

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3778 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat at TPS, 3 FP No. 722 Hissa 2 No. B. 5 5th Floor Adm.

155-90 sq. mtr. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Vimla Vishwanath Maheswari. Khushboo Corner, 'Vishwas Colony, Baroda-5.

(Transferor)

() Kusum Mahendrakumar Arya, Anand Bhavan, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5 5th Floor Ami Jyot Aptt. at TPS, 3 FP No. 722 Adm. 155.90 sq. mtr. Ahmedabad R. No. 16512 dated 19-11-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmed th

Date: 6-6-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3779 Acq. 23|1|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Office property at TPS, 3 F.P. No. 207 1 1 3 Sub Plot No. 14

Adm, 518 sq. mtr. Ahmedabad has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on \mathcal{I} -11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jintendrabhai Bhailalbhai Patel, Chaitanya Nagar, Stedium Road, Ahmedabad-14.

(Fransferor)

(2) Indian Oversea Bank, Opp. Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the lady and may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property adm. 518.4 sq. mtr. at TPS. 3 FP No. 207|14.3 Sub Plot No 14 Ahmedabad R. No. 15913 dated 7-11-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1985

(1) Savaliya Dharamshibhai & Ors. at Joshipura-Distt. Janugadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Devrajbhai P. Chikhaliya, A-27-Nil Gagan Flats, 7th Floor-Talay Darwaja-Junagadh (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HOUSE, ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR, HANDLOOM AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3780 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Land adm. 217.4 sq. mtr. = 260 sq. yd. at Nehru Park
Socy. Plot 24-A--Junagadh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 217.4 sq. mtr.=260 sq. yd. Plot No. 24-A Nehru Park Co-op. H. Socy. Ltd. Vanthli Rd. Nr. S.T. Bus Station Junagadh R. No. 2397 dt. 7-11-84.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons namely :--

Dated: 13.6.85.

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND F-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3781 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No.

Land adm. 217.4 sq. mtr.=260 sq. yd. at Jungadh Nehru Park Socy. S.P. No. 24,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mavani Pravinkumar & Ors. Junagadh.
 (Transferor)
- (2) Dr. Davrajbhai P. Chikliya, A-27 Nii Gagan Flats, 7th Floor-Talav Darwaja—Junagadh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Dated: 13.6.85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Topandas Bros.-Raj Mahal Road-Veraval—Distt: Junagadh.

(Transferor)

(2) M|s. Gujarat Heavy Chemicals Ltd. 6th Floor-Mistry Chambers, Khanpur -Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3782 Acq. 23|1|85-86.-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000|- and beering No.

Office No. 201 to 210 2nd floor A-Block—Raj Mahal Rd.

Varaval.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

37FE filed on 5-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

ear facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

15) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offices on 2nd Floor No. 201 to 210 Block 'A' Development Scheme Raj Muhal Rd. Veraval 37EE filed on 5-11-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the isy of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:-

Dated: 13.6.85.

FORM I.T.N.S.—

ووسور ومستنف المستداد الشارات المراج

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMET-AX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th June 1985

Raf. No. P. R. No. 3783 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 21 Lower Plaza in proposed Bldg. Chinubhai Tower—Ashram Rd. Adm. 171 sqq ft. (and more fully described in the schedule annxed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EF filed on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 4.724 114

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Hasmukh Shah Enterprises 1st Floor-Chinubhai Tower Ashram Road, A'blad.

(Transferor)

(2) Chandrakant Murchumal Thandani Godavari Bhavan Sorabji Compound-Old Wadaj-A'bad-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21 adm. 171 sq. ft. Lower Plaza in proposed. Bilg. 'Chinubhai Tower' under construction—Ashram Rd. A'bad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3784 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001, and bearing

movable property, having a fair market value emocding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B 2nd Floor Bldg. No. 1 proposed Bldg. Centre Point TPS, 3 FP No. 637|2 Adm. 2160 sq. ft. A'bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

37EE filed on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—206GI[85]

 Panchvati Estate Owners Association Through: Mps Hasmukh Shah Clo B. M. Shah—82—Shyamal No. 1 Nr. Manekbag Hall—S. M. Rd. A'bad.

(Transferor)

(2) Priyesh G. Shah— Trustee: Sarvodaya Public Charitable Trust 'Firdosh'—Balvant Mehta Road— Shahibag—A'bad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshile property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 2nd Floor Bldg. No. 1 in Proposed Bldg. 'Centre Point' TPS. 3 PP No. 673 2 Adm. 2160 sq. ft. A'bad 37EE filed on 19-11-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-6-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3785 Acq. 23 [1]85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the to as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Land at Vastrapur sim A'bad S. No. 127-136 Adm. 675 sq. yd. sub Plot No. 22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Induben Jayantilal Gariwala 1130-Raja Mehta Polc-Kalupur-A'bad Sunandaben Premodbhai Sheth Kanchan Ganga Flat-A'bad.

(Transferor)

(2) Pravinchandra Chandulal Parikh Jyotsnaben Pravinchandra Parikh 21-Jay Yamuna Socy. Opp: Maniyara Socy. Mani Nagar East.-A'bad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze'te.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hersin ** are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 675 sq. yd. at Vastrapur sim S. No. 127-136 Sub Plot No. 22 R. No. 16138 Dt : 14-11-84 A'bad.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-6-85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 13th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3786 Acq. 23[I]85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 24 Lower Plaza in proposed Bldg. 'Chinubhai Tower' adm. 171 sq. ft. Ashram Rd. A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 28-11-84

37EE filed on 28-11-84 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of(1) M|s. Hasmukh Shah Enterprises 1st Floor—Chinubhai Centre Ashrom Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Parshottam Mirheumal Thadani Godawari Bhavan Sarobji Compound—Old Wadaj Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 24 Lower Plaza in proposed Bldg. 'Chinubhal Tower under construction Rshram Rd., A'bad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-6-85

(1) Smt. Mangooben Wdo Narandas Keshavlal Thakkar -Juha Lati Bazar, Astodia-Ahmedabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. A.B.C. India Ltd. Fancy Bazar-Gauhati-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1985

Ref. No. P. R. No. 3787 Acq. 23|I|85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Ahmedabad TPS. 2 F.P. No. 19 aiki 106.75 sq. mtr. Asto-

dia Lati Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30.11.84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; IO) Dita
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad T.P.S. 2 F.P. No. 19 Pai i 10675 sq. mtr. Juha Lati Bazar Astodia Ahmedabad—R. No. 12927 Dt: 30.11.84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 3.7.85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Navnitbhai Chandulal Choksi 182—Modiu khadki— Doshi wadani Pole—Kalupur—Ahmedabad. (Transferor)

(2) Bharatbhai Chhaganbhai Dhruv Flat No. C-3 first Floor— Jal Darshan Co-op. Hsg. Socy. Opp: Natraj Cinema, Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1985

Ref. No. P. R. No. 3788 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. C-3 F. F. Jal Darshan Co-op. Hsg. Socy. T.P.S. 3 F.P. No. 499 Adm. 138 sq. yd. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the register officer at Ahmedabad in November, 1984

at Annechand in November, 1964
for an apparent consideration which is less than the
"air market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manufer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said proserty may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-3 First Floor Block C Jal Darsha Co-op. H. Socy. TPS.3 FP No. 499 Adm. 138 sq. yd. R. No. 14535 Dt: Nov. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 3.7.85.

Seal

FORM 1.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3583 Acq. 23 II 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Tika No. 4|2 S. No. 93 & 92 Muni House No. 96, 96|1 & 97/1 at Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in. respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ramaben Dhanskhlal Kapadia Vipul Dhansukhlal Kapadia at Karvad-Nr. Laxini Taikies, Ramaben Hospital Navsari.

(2) Mohamad Umar Tar Mohmad Zaveri Nasima Tar Mohmad Zaveri and others-at Lunsi Kui-Navsari.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetto.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 2654 Dt: 17-11-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3584 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G, K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1.C at

Ravi Chhaya Aptt. Athwa Lines-Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabile, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ec which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weal & lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(I) M|s. Ravi Enterprise, 1st Floor, Rajeshwar Aptt., Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Dineshchandra Chhotalal Raskapoor & Ors., 7/2626, Vaidasheri, Saiyadpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective owners, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

FORM ITNS (1) M/s.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3585 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authosity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3C at Ravi Chhaya Aptt. Athwa Lines—Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept 84 [4] For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Ravi Enterprise, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Roshanlal Ramchandra, Clo Mls. Hanuman Trading Co., Jai Hind Bldg. No. 1, Bhuleshwar, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-5-1985

Seal .

(1) M|s. Ravi Enterprise, Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tilak Rajkapoor, Marchon Textile Ind. (P) Ltd. Saheb Bldg. 4th Floor, 195, D. N. Road. Bombay-400 001.

(Trunsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P. R. No. 3586 Acq. 23 [II] 85-86.-

Whereas. I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 5A at
Ravi Chhaya Aptt. Athwa Lines—Surat
Form No. 37FF is submitted in the office of the undersigned
in Sept 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The property is situated at Surat from No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in diste coceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
Ahmedabad

G. K. PANDYA

71-206GI|85

Date: 28-5-1985

(1) M|s. Ravi Enterprise, Athugar Street, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- - - -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahemadabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3587 Acq.23 II 85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 2C at Ravi Chlasya Aptt. Athwa Lines, Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be divided by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Surindranath Swaroopsing Gakhar,

Co Shri Dwarkanata, C. P

may be made in writing to the undersigned :-

Sahara Darvaja Road,

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—1he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I build unitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 28-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Ravi Enterprise, Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahemadabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3588|Acq.23|II|85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 7C at Ravi Chhaya Aptt. Athwa Lines, Smat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Sunilbhai S. Zaveri, 912, Rajeshwar Aptt. Nanpura, Athugar Street, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept., 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahemadabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3589[Acq.23|II]85-86.—
Whereas I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.
Flat No. 1-B Ist Floor, Anjani Towers, Parle Point Athwa Lines, Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be the state of the same and the property are aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or everlon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(1) Jewellers Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Co. 1. Swati Aptt., Timalia Vad, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pragneshkumar Manubhai Patel, 5|548, Bhawani Wad, Haripura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

29318 THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907) PART III—SEC. 1

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3591|Acq.23|11|85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. F. 1030 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the

in the office of the

undersigned in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M|s. K. Mahendra Silk Fabrics, Bogha Wadi, Station Rd., Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Hemtex, 136-A, Gajjar Chambers, Phalsa Wadi, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept., 84.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jewellers Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Clo. I Swati Aptt., Timaliavad, Surat.

(Transferor)

(2) Mahendrabhai Jagmohandas Sanghavi, 50|6, Rati Ahmad Kidvai Road, Matunga, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3590|Acq.23|pII|85-86.—
Whereas I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 7C at Anjani Towers, Nr. Parle Point, Athwa
Lines, Surat. Form No. 37E+ is submitted
in the Office of the
undersigned in September 1984
for an apparent consideration of the is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept., 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3591|Acq.23|II|85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. F. 1030 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M|s. K. Mahendra Silk Fabrics, Bogha Wadi, Station Rd., Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Hemtex, 136-A, Gajjar Chambers, Phalsa Wadi, Surst-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Sept., 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-6-1985

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY. FORM ITNS----

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. Socy. Ltd., Umarwada, Surat

(Transfero →

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bajaranglal Mohanlal & Ors., (HUF) 4 1980. Begumpura, Nawabwada, Surat. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3592|Acq.23|II|85-86.— Whereas I, G. K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bolieve that the immov-Rs. 1,00,000 and bearing No.

Pedhi (Office) No. 302 at Bombay Market, Umarwada,
Surat. Form No. 37EE is submitted

in the office of the

undersigned in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Sept., 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1985

FORM ITNS---

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s Kala Niketan, Dehri-on-Son, Dist. Rothas (Bihar).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3593 Acq. 23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Pedhi No. 701 at Bombay Market—Umarwada—Surat,

Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-6-1985

FORM NO. ITNS----

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Gaurav Textile Clo Mls Ram Swaroop Rajivkumar Elupura-Main Road-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3594 Acq. 23 [II] 85-86.—Whereby, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovas the Said Act), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Pedhi (Office) No. 806 at
Bombay Market—Umarwada—Surat,
Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned in September 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—— 72-206GI 85

Date: 1-6-1985

(1) Bonny Enterprises-402—Keshav Chamber— Lalgate-Surat.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Puspa Narottam Mishro-Shanti 1|31, 19 Peddar Road, Bombay-400 026.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3595 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA. beging the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 601 at River Crest—

Athwa Lines—Surat, Form No. 37FE is submitted

in the office of the

undersigned in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-6-1985

FORM ITNS ---

(1) Mls Shanti Builders-Ring Road—Surat.

(2) Parul Premsukhial Patel-

Surat.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3596 Acg. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Office No. 734 at Ajanta Shopping & Textile Arcade

Ring Road—Surat, Form No. 37EE is submitted

in the office of the

undersigned in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

12-Sardar Nagar Socy. Sumul Dairy Rd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M|s Shanti Builders-Ring Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pannaben, H. Mistry— 18—Shastrinagar Socy. Sardar Bag-Burdoli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3597 Acq. 23 III 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 237 situated at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Road Surat. in the office of the Form No. 37EE is submitted undersigned in September 1984.

undersigned in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s Shanti Builders—Ring Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Surendrakumar Gadia— 11—Udhyog Darshan Socy. Udhana Gaon Udhana—Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3598 Acq. 23[II]85-86,--Whéreas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Office No. 719—situated at

No. Office No. 719—situated at Ajanta Shopping & Textile Areade—Ring Rd. Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taid instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this not
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A THE PARTY OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I LND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3599 Acq. 23|II|85-86,---Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Office No. 223 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M|s Shanti Builders-Ajanta Shopping & Textile Arcade-Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Savitridevi Bajaj, 37, 2nd Floor-Ramwadi Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted to the office of the undersigned in September 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3600 Acq. 23[II]85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. Office No. 718 at Ajanta,

Shopping & Textile Arcade—Ring Road—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in September 1984, for an apparent consideration which is the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Shanti Builders-Ajanta Shopping & Textile Arcade— Ring Roud-Surat.

(Transferor)

(2) Shri Lalitkumar Ramsisaria 306-Rohit Market, Ring Road-Surat

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date t 28-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3601 Acq. 23|11|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/an bdening

No. Office No. 427 at Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring Road—Surat,

fond more fully described in the Schedule annexed hereto)
Form No. 37EE is submitted in the office of the
undersigned in September 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforevalue exceeds the apparent consideration therefor by more
whan fifteen per cent of such apparent consideration and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the copy alment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mls Shanti Builders-Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Mohanlal Patel 1821 B-Kriparam Mehta's Khancho Gopipura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

(1) M/s Shanti Builders-Ring Road-Surat.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendrakumar Jain— Kothi No. 2—Jain Nagar Ambala City, (Haryana).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-382 009, the 28th May 1985

Ref. No. P.R. No. 3602 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office No. 346 at Ajanta,

Shopping & Textile Arcade—Ring Road—Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 28-5-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—206GI[85]

(1) Jagmohan Harikishundas Kansara, Haveli Mohllo-Navsari.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anilkumar Bhikhubhai Patel-Promotor of Niray Co.op. Hsg. Socy. At Patel Nagar Socy.--Navsari,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLCOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P.R. No. 3603 Acq. 23 II | 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Ward No. 6—Tika No. 57 S. No. 2953 at

Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registhration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in September 1984, Navsari on 9-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Navasari. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 2595 Dt. 9-11-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

(1) M|s J.M.C. Moghani Builders— (Surat Project), 223|225—Zaveri Bazar—Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sunil Sasikant Gajjar & Mrs. Urmila S. Gajjar 5—Durga Bhavan Subhash Road— Vile Parle—East—Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Rcf. No. P.R. No. 3604 Acq. 23|11|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Office No. 302 in Dimond House— Station Road—Surat,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. J. M. C. & Meghani Builders (Surat Project), 223|225, Zaveri Bazar, Bombay-400 002. (Transferor)

(2) Manjubai Ghisalal & Aruna Madanraj, Tank Building, 1st Floor, Room No. 12, Bhulesnear Road, Bombay. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3605 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000 and bearing Shop No. 8 in Diamond House, Station Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is ergistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this moince in the Official Gazette or a period of 30 days from the acryles of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3606 Acq 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R.s 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. 6 in Diamond House, Station Road, Surat Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registhration Act 1908 (16 of 1908) in the office in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Builders, 223/225, Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shantaben Manubhai Patel, Manubhai Ambalal Patel, Bhawani Wad, Haripura Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the mid Act to the following persons, namely —

Date: 5-6-1985

Scal:

FORM ITNE-

(1) Shri Parthiv R. Desai, B-4 Shirali Socy., Fategani, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Akberali Hasanali, B-4, Sirali Aptt., Fateganj, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3607 Acg. 23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat at Fategani, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Barods in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by Baroda for an amt, of Rs. 2, 00,000]- in respect of flat No. B.4 Shurali Aptt. Fateganj Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-6-1985

Scol 4

(1) Shri Mukeshphai Gordhanbhai Patel, Khambhaloj Tal. Anend, District Kaira,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Anjaniben Tapswibhai Desai, Shivpura, Tal. Baroda, District Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3608 Acq. 23 II 85-86. Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing No.

Land at Akota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908). In the office of the registering Officer at Baroda on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 1,09,014 in respect of land adm. 406 sq. mtr. of S. No. 296 of Akota-Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this posice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1985

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3609 Acq. 23 II 85-86. Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Land at Sayajiganj, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registhration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at at Baroda on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, increiore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Dr. Vijya Chandrakant Vyas, authorised Shri Bhaskar Parshuram Vin, 46, Parshuram Socy. (Vijay Socy.), Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Khemchand Shah,

1, Gangotri Aptt.,

9, Hari Bhakti Colony, Race Course, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Baroda for an amt, of Rs. 2,41,000 - in respect of lane adm. 509.2 sq. mtr. Sayajiganj, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

The Senior Officer of G.I.D.C., 2nd Floor, Anjali Chambers, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. B. Desai, Director of Terpene Indust. Ltd., 133, Mahatma Gandhi Road, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3610 Acq. 23 II85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shed at Nandesari, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the registering officer at Baroda on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. in agreement by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 1,90,300 in respect of shed at Nandesari, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions reproduces: 74--206GI|85

(1) Shri Jayantilal Motibha: Patel, Atladara, Tal Baroda District Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3611 Acq. 23|U|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Bldg. with open land being S. No. 96-2-3 of Akota, Baroda
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Narendrakumar Birla, son of Balabax Birla, Clo Hindustan Motor's Ltd., R. M. Mukharji Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been executed and regd, with S.R. Baroda for an amt. of Rs. 5,51,000|- in respect of land and bldg, bearing S. Bo. 96-2-3 of Akota Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

at Baroda on 15-11-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3612 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Land at Asoj, Tal. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Shankarbhai Dhulabhai Patel, Sokhda, Tal. Baroda District Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Ramn'kla K. Teni. Nava Yard, Chham Rond, Baroda.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 80,910|- in respect of 15A 32G land at Asoj Tal. Baroda District Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3613 Acq. 23 [II]85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Flat Chikuwadi, Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registhration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at at Baroda on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957): (1) M|s. Anand Organisor, 35 Shri Krishna Kunj Socy., Jetalpur Road, Baroda,

(Transferor)

(2) Smt. Damyantiben Jayantilal Mehta, Clo Mls. Anand Organisor, 35, Shri Krishnakuni Socy., Jetalpur, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 1,44,300 in respect of flat adm. 1113.5 sq. ft. at Chikuwadi, Jetalpur Road, Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

...ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-6-1985

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3614 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat at Chikuwad, Jetalpur Road, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Anand Organisor.
 Shri Krishnakuni Socy., Jetalpu Rroad, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Shashi. M. Vora, Clo Mls. Anand Organisors, 35, Shri Krishnakuni Socy., Jetalpur Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaslette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 1,44,300|- in respect of flat adm. 1113.5 sq. ft. at Chikuwadi Jetalpur Road, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3615 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Rs. 1,00,000 - and bearing

Land at Bapod, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Barola on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devjibhai Nanabhai Tadvi, Bapod outside Panigate, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Chandulai Soni, Chairman of, Santramnagar Co-op. Hsg. Socy., S. No. 1010-z of Bapod's sim, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 1,24,146|- in respect of land adm. 9001 sq. mtr. bearing S. No. 1010|z of village Bapod's sim, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3616 Acq. 23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00 000|- and bearing No. Flat B1 3B at Ravi Chhaya Aptt., Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office

of the registering officer in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Ravi Enterprise, Ist Floor, Rajeshwar Aptt., Nanpura, Athugar Street, Surat

(Transferor)

(2) Shri Rajendra M. Shah, Ronak Textiles, Clo Ronak Oils, Rani Talav Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nence in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in September, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

-- -- · <u>-- -- --</u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P.R. No. 3617 Acq. 23 [II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 115-A Majura, TPS. No. 9 F.P. No. 9 paiki block No. 'A', Surat

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

 M|s Satyam Associates, Tushar. R. Desai,
 2|1094 Chhowalani Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) The Sannivas Flats Co-op. Hsg. Socy., Ghod-dod Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9159, November, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-6-1985

(1) Shri Ashwinkumar Manharlal Vakharia. Navapura Korwa Road-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vinaben Nagindas Chevali, 105—Abhijat Aptt. Timaliavad— Nanpura-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3618 Acq. 23[II]85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No. Umara—S. No. 20-3 & 21-2-B Surat (and more fully described in the Schedule annexed herto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Suret in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 7439 & 7441.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 75-206GI 85

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ret. No. P. R. No. 3619 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Shop No. T. 1 at Bombay Market—Umarwada—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer at Surat on 28-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mehta Nemichand Harakhchand-Varachha Road-Khand-Bazar-Surat.

(Transferor)

Ms. Lapsiwala Nyabus
 Gajjar Compound
 Falsavadi—Begampura—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2891 Nov., 84.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Date: 6-6-1985 persons, namely:-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3620 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. A-4 at Bombay Market—Umarawada—Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Narendra Textiles, Clo Mohanlal Kalidas Modi, Varachhar Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s. Karim Textiles, Haji Karim Mohmad Haji Fair Mohmad 3|2632, Salabatpura, Momanwadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said projerty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 10094 Nov., 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 6-6-1985

(1) Shri Santkumar Chandravadan Sheth, Athwa Lines, Opp: Lal Bunglow, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (45 OF 1961)

(2) Smt. Rajaviben Mukeshchandra Gajjar, Rani Talay, Main Road Surat,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3621 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Athwa Lines—S. No. 88A & 88-B TPS. No. 5 Final Plot No. 265 S. No. 2561

265 S. No. 2561 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Surat on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as pareed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is read. at S.R. Surat vide No. 9691 on 7-11-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-6-1985

FORM ITNS -----

(1) Shri Narsinhbhai Govindbhai Patel & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Parbhubhai Patel, At Arthan Tal. Olpad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3622 Acq. 23[II]85-86.-

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (became that the immovement of the immov exceeding Rs. 1,00,000, and bearing S. No 594-1 2 Land at Village—Palama Tal. Choryashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Surat on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Village Palama Tal. Choryasi, The document in regd. at S. R. Surat vide No. 9819 Dt: 14-11-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Satish Farashram Singapuri Wadi Mohlo, Rustampura, Surat.

(Transferor)

(2) Bhupendrakumar Shankarlal & Ors. Begampura, Danapith, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3623 Acq. 23 [II]85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Ward No. 2, Nondh No. 719, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any neome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westle-tax Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 9906 Dt : 22-11-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-6-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3624 Acq. 23|II|85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Ward No. 1, C. S. No. 2452 Pritam Nagar Co-op. Hsg. Socy. Plot No. 40—Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharuch on 16.11-1984

Bharuch on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Raxaben Hiralal Majmudar & Ors. C-7, Ojas Aptt., S. M. Road—Ambawadi—Abad-5.

(Transferor)

(2) Farsuram Ratilal Bhamwala No. 3—Pritamnagar Socy., Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used l'arein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Bharuch. The document is regd. at S. R. Bharuch vide No. 2836 Dt: 16-11-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Chhaganlal Dayakji Desai 3|4, Trimurti Aptt.— Nr. Saurabh Socy.—God-dod Rd., Surat.

(Transferor)

(2) Dr. Ashok kumar Dineshthendia Shah Bunglow No. 30—Shri Ganesh Krupa Socy. Nr. Umara Jakat Naka— Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3625 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- bearing No. Umara—R. S. No. 63, H. 1 paiki Plot No. 1|A, 1|B, 2A|2B, 3A, 3B, 4A & 4B Bunglow No. 41—Umara—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the attresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of in-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 8477 Dt: 14-11-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I here to add the proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following purposes acquisition:

Date: 11-6-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Manubhai Desaibhai Patel, Borsad—Tal, Borsad Dist : Kaira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. D. Patel Chairman of Krushnagar Co-op Hsg. Socy. Vibhag-2—Borsad—Dist: Kaira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3626 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land adm. 8092 sq.mtr. at Borsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Borsad on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
in respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Borsad for an amt. of Re. 1,60,000|- in respect of land adm. 8092 sq.mtr. bearing S. No. 1|72|1 of Borsad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—206G185

Date: 13-6-1985

 Shri Natwarbhai Mohanbhai Gohel & Ors. Vadvala Falia—Lotia Bhagol— Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ahmedbhai Hasanbhai Partner of M|s. Ahmedbhai Hasanbhai Polson Road—Anand—Tal. Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3627 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing

and bearing

Land adm. 2430 of T.P.S. No. 6, Anand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1968) in the office of the registering officer at

Anand on 30-11-1984

Anand on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sbjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Anand for an amt, of Rs. 70,000|- in respect of land adm. 2430 sq.mtr. bearing S. No. 886 of T.P.S. No. 6 of Anand.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following paragraphs namely:

Date: 13-6-1985

(2) Shei (1

(1) Shri Vinodchandra Ambalal Patel— Moti Khadki—Bavla—Dist : A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Chetankumar Jitendrakumar Partner of Krishna Chemicals Law Garden Aptt.—Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3628 Acq. 23 | II | 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconnectax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Dholka Dist: A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dholka on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 2,32,925]-by S. R. Dholka in respect of land adm. 10117 sq. mtr. of S. No. 261 of Dholka Dist; A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

Seal

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF THE OFFICE OFFICE OF THE OFFICE OF THE OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3629 Acq. 23 [II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,060/and bearing No.

and bearing No.
Land and Bldg, at Modasa Dist: Sabarkantha
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Madras on 2-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) declitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) Incilitating the concealment of any income or any meness or other resets which have not been or which aught to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(2) Shri Musabhai Hajibhai Suthar & Ors.

Dist : Sabarkantha.

(Transferor)

(2) Mariam Mohmed Yusuf Thadha Mariam Ibrahimbhai Gujarati Modasa—Dist: Sabarkantha.

(Transfer**ec**)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Modasa for an amt. of Rs. 1.20,000]- in respect of land & Bidg, at Modasa bearing S. No. 237 of Modasa.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3630|Acq.23|II|85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land at Indrad, Tal. Kadi Dist. Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering Officer at Kadi on 9-11-1984

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any asoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (2) Shri Lallubhai Prabhai Rabari & Ors., Chadasana Tal. Kadi Dist.: Mchsana.

(2) Prabhatbhai Somabhai, Chadasama Tal. Kadi Dist.: Mehsana.

(Transferor)

(1) Shri Jivraj Chunilal Shah,
 133, Bhandari Sheri,
 Nal Bazar, Bombay.
 Clo Lallubhai Prabhatbhai Rabari,
 Chadasana Tal. Kadi Dist.; Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Kadi for an amt, of Rs. 1,79,130.36 in respect of land at Kadi Dist.: Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3631|Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinstter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Kadi-Kasba Dist.: Mchsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Taraben Parikh wd|o Prabhulal Hiralal, Kadi—Tal, Kadi Dist.: Mehs na.

(Transferor)

(2) Shri Hemendrabhai Narandas Patel, Administrator N. K. Textiles Pvt. Ltd., 1610, Kadwa Sheri, Dariapur, Ahmedabad-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Kadi for an amt. of Rs. 149952 in respect of land adm. 9371.94 sq. mtr. bearing S. No. 418 and 433 Kadi Dist.: Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3632|Acq.23|II[85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing Land bearing S. No. 194 of Uujha Dist.: Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Unjha on 5-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Ishwarbhai Shivram, Karta of HUF,

Unjha, Dist.: Mehsana.
2. Shri Narayanbhai Shivram Patel, Karta of HUF, Unjha, Dist.: Mehsana.

(Transferor)

 Shri Manilal Punjiram Patel, Partner of Panchshil Corporation, Ruvali, Tal. Unjha, Dist.: Mehsana.

(Transferee)

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Unjha at No. 946 for an amt. of Rs. 1,15,825|- bearing S. No. 194 Unjha Dist.: Mchsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3633|Acq.23|II|85-86.-Whereas, I,

Ref. No. P. R. 100, 3035 [Acq. 25]11]03-00.—Whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 [10,000] and haveing Plot No. 143-B. at Sector No. 20. Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 143-B at Sector No. 20, Gandhinagar

Form No. 37EE filed Registration in the office of the

Undersigned on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Apar Pvt, Ltd., Maker Chamber III, 1st Floor, Jamnalal Bajaj Road, Nariman Point, Bombuy-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra Prabhashankar Doshi, Smt. Taraben Kishorbhai Doshi, 22, Bhaveshwar Sikhar No. 2, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (East), Bombay-77. (Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agreement was made for an amt. of Rs. 1,50,720 in respect of the flat for an agreement form No. 37EE has been filed.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

`ate: 1-7-1985

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st June 1985

Ref. No. P. R. No. 3634 Acq. 23 II 85-86, Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Land at Gandhinagar Form No.

37EE filed

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77---206GI|85

(1) Apar Private Ltd., Maker Chambers III, 1st Floor, Jamnalal Bajaj Marg, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Sarvadaman Prataprai Sheth, Mr. Utsav Narottamdas Parekh, Karta of HUF, Darbargadh Road, Upleta,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agreement was made for an amount of Rs. 1,68,000|-in respect of plot No. 143 of Sector 20 of Gandhinagar. The Form No. 37EE has been filed to the office of I.A.C. (Aca.).

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedaba**d**

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3635 Acq.23 III 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Bldg, at S. No. 1951 of Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on 28-11-1984 for an annexed.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reds tion or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian In come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naranbhai Ramjibhai, Mahalaxmi Soc. Mehsana, Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Girishkumar Bhailal Brahambhatt, Block No. 6, Mehsana, Karmachari Co.op. H. Socy. Mehsana, Dist.; Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Mehsana for an amt. of R_5 , 80,000|- in respect of bldg. adm, 89 sq. yd. bearing S. No. 1951 of Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 1-7-1985

Şeal ;

FORM ITNS----

(1) Narpatsinh Gugsinh Chavda, Partner of Shiv Corporation, Palanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pankajkumar Mukeshkumar Sheth & Ors., Village, Vadancha, Tal. Palanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3636|Acq.23|II|85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land & Bldg, bearing S. No. 13289

& 13290 of Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palanpur on 14-11-1984

Palanpur on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficency per cent of such apparent consideration and that the fair such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

sale deed has been regd by S.R. Palanpur for amt. of Rs. 1,20,000]- in respect of land bearing S. No. 13289, 13290 Prlangur.

> G. K. PANDYA Competent A thority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Plange-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1985

Ref. No. P R. No. 3637|Acq.23|U|85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. the Plant has been acquired by Indian Dye Stuff Industries Ltd. as a going concern (and more fully described in the Schedule atmexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC (Acq.) Ahmedabad 37FF at No. 199 on 4-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any noome or any moneys or other assets which have not been or which onthe in the decired by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the theoresaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ambalal Sarabhai Enterprises Ltd., Wadi Wadi, Baroda-390 007.

(Transferor)

(2) Shri J. G. Patel, Joint Managing Director, making the statement (Transferee). for Indian Dye Stuff Industries Ltd., Mafatlal Centre, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agreement was made in respect of a going concern plant at Ranoli, Baroda for apparent consideration of Rs. 16,51,00 000]. The statement is regd. by I.A.C. (Acq.) Range-II, Ahrredabad at No. 199. The agreement was made between Ambulal Sarabhai Enterprises Ltd. as a vendor to India Dye Stuff Industries Ltd. as a vendee (Purchaser).

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 1-7-1985

FORM ITNO

(1) Nanabhai Ravjibhai Patel, Laxmi Falia-Devdar, Tal. Gandevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Somnath Co.op. Hsg. Socy., Devsar-Bilimora, Clo Nanabhai Ravjibhai Patel, Laxmi Falia, Devsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June 1985

Ref. No. P. R. No. 3638|Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Devsar, Billimora S. No. 215 Paiki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the parvice of netice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Devsar. The document is regd, at S.R. Gandevi vide No. 782 Dt.: 21-11-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of 1 scome-tax
Acquisition Range-II
A medabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 1-7-1985

(1) Vasant Kutir Development Company, R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Makarand Desai Family Trust, 7th Floor Offtel Towers, R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3639 Acq. |23 | 11 | 85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

7th Floor (West), Offtel Tower

(and more tuily described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 4-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

end /or

(b) racifitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Woalth-tax Act, act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

An agreement was made for an amt, of Rs. 6,00,000|(Rs. 2,16,000 p'us Rs. 3,84,000) in respect of 7t i Floor Offtel Tower Baroda to the effect of an agreement form No. 37EE have been filed to the office of the undersigned.

G. K. PANDYA Competent A ithority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Frange-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I he cby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date: 1-7-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Jagannath Beemarao Kalal R|o Hosayallapur, Shivanand Nagar, Dharwad.

(2) Mr. Vasant Gurappa Gollar, Clo Renuka Oil Mill, Nrutyanjaya Nagar,

Dharwad,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1985

C.R. No. 62|1043|DWR|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair murket value.

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing C.S. No. 65|1|NN, situated at Nrutyanjaya nagar, Dharwad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dharwad under Document No. 1135|84-85 Dt. 24-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :-

(Transferee) Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1135|84-85 dt 24-11-84). C.S. No. 65 I NN, Nrutyanjaya Nagar, Dharwad.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1985.

Scal :

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-78-206GI|85

Date: 5-7-1985.

29370

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bharat Kumar Tanna P.A. Holder Maniben Dwarkadas Tanna (2) Mr. Maheshkumar Tanna, slo Dwarkadas Tanna, Gandhi Bazaar, Shimoga.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

() Mr. G. N. Narasihmamurthy, Mr. D. N. Srinivasamurthy both so Mr. D. K. Nagappa, Old Barline Road, Shimoga.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ?--

ACQUISITION RANGE,

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907)

TART III- -SEC. T

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1985

C.R. No. 62|1063|DWR|84-85|ACQ|B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing 5035|5175 S No. 27|2 situated at Ravindrannagar, Shimoga (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registering Officer Shimoga under Document No. 1982|84-85 dated 15-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid accounts and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to botween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Mr. A. Umakanta Rao. Shimoga under Document No. 1982|84-85 dated 15:11-84 s|o Balaramappa, Ganapathi Temple Street, Ravindranagar, Shimoga. (Transferor)

Vivekananda Educational Association (2) Swamy (Regd.)
5th Cross Road, Ravindranagar, Shimoga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property easy he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1982|84-85 dated 15-11-1984] Building and Land in Khata No. 5035 5175 Survey No. 27 2 in Ravindranagar. 5th Division, Shimoga City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1985.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asmely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1985

C.R. No. 62|1013|DWR|84-85|ACQ|B.---Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 140|30 Kagawad Village situated at Athani Dist. Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Athni u nder Document No. 2325/84-85 on 5-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78---206GI|85

 Shrimant Pratapsinh Sarjerao sitole of Ankali Tq. Dist. Belgaum Chikodi.

(Transferor)

(2) Tatya Saheb Appasaheb Kinnage, Professor, Arts and Commerce College, Kagwad Tq. Athani Dist. Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2325|84-85 dated 5-11-84] 140|30 Lagawad Village. Athani Dist. Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th July 1985

C.R. No. 62|1063|DWR|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing Solution of the Schedule below). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shimoga under Document No. 1982|84-85 dated 15-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :---

(1) Mr. A. Umakanta Rao. Shimoga under Document No. 1982 84-85 dated 15-11-84 slo Balaramappa, Ganapathi Temple Street, Ravindranagar, Shimoga.

(Transferor)

Association (2) Swamy Vivekananda Educational (Regd.) 5th Cross Road, Ravindranagar, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1982|84-85 dated 15-11-1984] Building and Land in Khata No. 5035 5175 Survey No. 27 2 in Ravindranagar, 5th Division, Shimoga City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1985 Ref. No. 206 Nov. 84.--Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

S. No. 17 situated at Perunthayur Kavandanpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kavandanpadi Doc. No. 1110/84 to 1112 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-iax Act 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Jayaraman, 132, Thevan Bhadur Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri K. Marappan and others Koundanpudur Elacherry, Village.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND: -Land at Perunthalaiyur village, S. No. 17. Kavanthampadi|Doc. No. 1110|84.

> MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II. Madras-600 (196

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1985

Ref. No. 154|Nov. 84.--Whereas, 1 MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property begins a true reason to be set to the said Act.) able property having a 100 market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing Perambakkam Village 163 s.tuated at Perambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thituvellore Doc. No. 2884 (c. 2888 & 2905)84 on Nov 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afocuald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as ateresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in income arising from the transfer; respect of any and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. V. Thyagarajan and Others 10, Arasan Road, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) M/s. Bijayashree Resources Ltd., 23, 3rd Street, Walace, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 163 Perambakkam Thiruvellore Doc. No. 2884 to 2889 & 2905.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-7-85.

THE HER STRATE HATE SHOWEN

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1985

Ref. No. 161 No. 84 R.H.—Whereas, I.M.R.S. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Periakadai Vecdhi situated at Coimbatore taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore Doc. No. 4782 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Sri Subramaniam and others, 524, Periakadai Veedhi, Coimbatore.

(Transferor)

() Smt. Palaniammal and others, 432, B. B. St. Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING: T.S. No. 5/124, Periakadaiveethi, Coimba ore.
Coimbatore/Doc. No. 4782.

MRS. M. SAMUFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 11-7-85.

FORM ITNS----

(1) Sri S. Devaraj and others, 183, Dal Road, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Thandapani,s|o S. Sundaram,22, Kothukaraveethi,Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1985

Ref. No. 211 Nov 84.— Whereas, I MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authoray under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land and Bldg. 183, Door No. saturated at throle Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer at Erode Doc. No. 4481|84 on Nov 1984

Frode Doc. No. 4481 84 on Nov 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concralment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income: ax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building No. 183 Erode Town. Erode Doc No. 4481/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madra-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 6690 of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-7-85.

Scal:

(1) Konammal and others Agrahara Veedhi intode

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Durai Samy, Slo Marimuthu Mudahar, 287, Agrahara Veedhi. Erode.

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th July 1985

Ref. No. 212|Nov. 84. -Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.000,000|- and bearing 254 Ward No. 18 Agrahara Veedhi situated at Erode Town

254 Ward No. 18 Agrahara Veedhi situated at Erode Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 4496[84 on November 1984 for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said materials of a lattice of the object of -

in that Chapter.

- (a) facilitating the rectanion or essaion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acting from the transfer; against
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building D. No. 254 Ward No. 18 Agrahara Veedhi Erode Erode Doc. No. 4496184.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-85.

Seal

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, . MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 31 Nov. 84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No. 52. 4th Trust Cross St., situated at Mandavelipakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1984 Mylapore Doc. No. 1474|84 tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent censideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. R. Thangammal, 52, 4th Trust Cross Street, Mandavelipakkam, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri N. Badri, 51, 5th Trust Cross St., Mandavelipakkam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Land and building 52, 4th Trust Cross Street, Mandavalipakkam, Mylapore. Doc. No. 1474|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madrus-600 006

Date: 9-7-85. Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 43 Nov. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No.

7. Balakrishna Road, Mylapore situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 1572/84 on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by morthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruguent of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—79—206GI|85

(1) (1) Sri V. Narasimhan, 7, Balakrishna Road, Mylapore, Madras-4

Madras-4.
(2) Sri R. Valtheswararn and others,
1, Rharathiar Lane, Nanganallur,
Madras-81

(Transferor)

(2) Sri K.A. Velapudham an dothers, 8, North Mada Street, Mylapore Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 7. Balakrishna Road, Mylapore, Madras-4.
(Mylapore Doc. No. 1372|84)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 9-7-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 50 Nov. 84,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Plot No. B. 42 S. No. 92 Part situated at Urur Village Sastri

Nagar

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 1331/84 on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri V. Subramanian and Kamala Subramanian Bawa Street, Madras-14.

(Transferor)

(2) Smt. R. Anandavalli and D. Rajagopalan, 1, Krishnama Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Plot B 42 New No. 26 Ist Main Road, Sastri Nagar, Urur Village.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 9-7-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 52|Nov.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 115. Mount Road, situated at Guindy Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar DOC. No. 3083|84 in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent sonsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Md. Hashim Cassim Sait. Flat No. 1, Ground Floor No. 469, Pantheon Retid, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) M|s. Geethalaya Apartments, 29, 4th Main Road, Raja Annamalai puram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Lund at No. 115, Mount Road, Guindy, Madras T.S. No. 9|1 part Adayar Doc. No. 3083|84,

> MRS. M. SAMUEL -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 65|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Nungambakkam, Kutty St., situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights|Doc No. 533|84 in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. Anundan, 45, Y. Block, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri R. Balasubramaniam, P. Villianur, Villupuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: at Kutty St., Nungambakkam, R.S. No. 490, O.S. No. 361. Thousandlights]Doc. No. 533|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 66[Nov.84]R.II.—Whereas, J. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 34, Malpadi Muthu Naicken St., situated at

Nungambakkam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights|Doc. No. 529|84 in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer market value of transfer market value of transfer market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer market value of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri T. S. Gopalaswamy Slo Late T. Samarapuri Mdr. T. J. Thaigaitean, and others, 34, Melpadi Muthu Naicken St., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Janab S. A. Nasihathullah, So S. A. Abdul Samad alias Mohamed Ibrahim, 5]56, East St., Panaikulam (PO), Ramnad Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 34, Old No. 19, Melpadi Muthu Nackiken St., Nungambakkam village. Thousandl ghts Doc. No. 429 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madi as-600 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 73|Nov. 84|R.II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
No. 6|1600 share in resurvey No. 110|3 situated at and shop No. G. 10, Eldarado Building, 112, Nungambakkam,

High Road, Madras-34,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand ights Occ. No. 500 84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons associated. ing persons, namely :-

(1) Mrs. Fathima Begum, Wo Shaik Ahmed, 404, 'Usha Kiran', 25, Handin Road, Bangalore-56002.

(Transferor)

(2) Mailvaganam Manoharan, Slo Mylvaganam, Y. Sl, Plot No. 4355, 6th Main Road, Anna nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Eldarodo Building, 112, Nungambakkam, High Road, Madras-34. Thousandlights Doc. No. 500 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 74 Nov'84.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Lake Area, Madras-34 situated ut Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto?) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. No. 496/84) in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trausfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Bakharyarmal Mehta, By rower of Attorney Holders S. B. Mihta, 3, Parchasarathy Garden, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjula Vijavakumar By Power of Attorney holder Mr. Vijayakumar No. 5, 1st Cross St., Lake Area, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorpable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 1761 Sq. ft. at Madras-34. (Thousandlights—Doc. No. 496|84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Mad: a3 600 006

Date: 9-7-1985

FORM I'N5-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 143 OF 19613

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE COMETAX,

ACQUISITION RANGE-II NA DRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 77|Nov.84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. T.S. No. 49|I part Block No. 21 situated at
Kodambakkom Puliyur Shortrium,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kodambakkam (Doc. No. 3132|84) in November 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) is cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

 Sivagami Ammmal & 8 others, 162, t loyds Read, Royapettah, Madras.

(Transferor)

 Mrs. M. Susila, 13, Brindavan Street, West Mambalam, Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 49|1 Part Block No. 21 Extent 9 grounds at Kodambakkam Puliyur shootrium. (Kodambakkam--Doc. No. 3132|84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-500 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 78|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Property as specified in schedule to Doc. No. 3133|84. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Kodambakkam|Doc. No. 3133|84 in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—80—206GI|85

 Smt. Sivagami Ammal and 8 others, No. 162, Lloyds Road, Royapettah, Madras.

(Transferor)

(2) Sri V. N. Thangapapn, No. 137, North Nsman Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property vacant site: Paimesh No. 617, T.S. No. 49|1, Part, Block No. 21, Shrotrium Puliyur, Kodambakkam, Kodambakkam|Doc. No. 3133|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Lespecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

Scal:

(1) Smt. Chandrammal and M. Subiamanian 18, Bajanai Koil Street, Choolaimedu Madras-94.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 81|Nov.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 206, P. N. Kothari No. T.S. No. 37 Block No. II D. No. 12|3 New 45 situated at Pookkaran Street, Kodambakkam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 3156|85) in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aroung from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sri A. Peyarajan, 8, Thillai Ganga Nagar 25th Street, Nanganallur, Madras-61.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 37 Division 114 S. No. 4|2 Kodambakkam Village.

Kodamabakkam Village (DOC. No. 3156|84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-198

 Smt. V. R. Pushpavathi Devi, Wo V. Radhakrishna Nayudu,
 Railway Station Road, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Gurubagiam, Wo Sri K. Bakasigamani, Dr. C. P. Ramasamy Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

<u>......</u>

Ref. No. 82|Nov.'84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 29, Railway Station Road, Madras-24 situated at Kodambakkam Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doz. No. 3159|48), in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Kodambakkam village Madras-24. (Kodambakkam—DOC No. 3159|84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-(I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 85 Nov.84.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-No. T.S. No. 19 Block No. 72 situated at Kodambakkam, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam—Doc. No. 2986 84) in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Ramamurthy, 11, Kandasamy Street, Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalitha Sreenevasan, 3, First Link Street, Karpagam Garden, Adayar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kodambakkam village T.S. No. 19 Block No. 72 2 grounds 200 sq. ft. 1|9th undivided share. Kodambakkam—Doc. No. 2986|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H. MacGas-600 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri A. Ekambaram, Hindustan Teleprinters Ltd., Guindy, Madras-32.

(Transferor)

 Sti R. Sivagnanam Pillai and another 19, 2nd Street, North Boag Road, M. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 88 Nov.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the isaid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and hearing No. S. No. 346 & 347 situated at Kodambakkam Village Saidapet T.K. Chingelput District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Kodambakkam Dod. No. 3007,87: a facutable 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 346 & 347 at Kodambakkam Village.
(Kodambakkam—DOC. No. 3007|84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and others. 46, Dewan Rama Road, Madras-84.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref No. 101|Nov.84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 46, Dewan Rama Road, situated at Purasawalkam, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 2002|84, in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M1. T. R. Devaji Rao, 46, Dewan Rama Road, Madras-84.

(1) Mrs. Bhagirathi Sambamurthi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R.S. No. 27/2 Madras-84. (Purasawalkam Doc. No. 2002|84).

MRS. M. SAMUEL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

FORM ITNS-----

 Mr. Venkola Rao, S|o Krishnadas,
 Thulasingam Street, Sawcarpet, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Santhi Subramananian, 23, Thana Street, Puruswalkam, Madras-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IMSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 103|Nov 84—.rWeesha I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 22 Menad's St., situated at Purasaralkam situated at
Purasawalkam (Doc. No. 2006|84) on Nov. 1984
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Purasaralkam (Doc. No. 2006|84) on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesald
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Purasawalkam, Madras-17. (Purasawalkam.-Doc. 2006[84)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Madras-600 006

MRS, M. SAMUEL

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely —

Date: 9-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 114|Nov. 84.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

43, Morai Village Saidapet TK situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc No. 3107/84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the counteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4ct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jagurabi and others 2, Thulasingham Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Mr. B. Erukala Reddy and another 25, Gregory Street, Sevenwells Madras-1.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 43, Moral Village Saidapet T.K. (Madras North Doc. No. 3107/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-85

(1) Sri S. Balakrishnan, 73, DDA Flats Saket, New Delhi-110017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs) Mangala Mahalingam, A1|1|1 2nd Main Road, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 118|Nov. 84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing S. No. 210|2 situated at Thiruvanmiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 3288|8 don November 1984 for an apparate consideration which is least than the fair

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 3288|8 don November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sorvice of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Thiruvanniyur S. No. 210/2.

(a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Madras North-Doc. No. 3288/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons panely:—81-266°GI | 85°

Date · 9-7-85 Seal :

(1) Mr. George Bucker, Sirumugai, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Hope Issac, Block No. 12, Plot No. 6, Indian Airlines Colony, Meenambakkam, Madras-27.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 120|Nov. 84|R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000|- and bearing
Door No. 9. S. No. 1505, situated at European Barracks Lane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Alandur|Doc. No. 3672|84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 9, European Barracks Lane, Property as specified in schedule to Doc. No. 3672[84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 124]Nov.]84.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authrity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs 1.00,000 and bearing Flat No. 1 467 Sq. ft. situated at T. Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1393/84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; upd/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. Seshadri Flat No. 1 ground floor Plot No. 6, Madley Second Street, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri D. Sankaranarayanan, No. 7 IVth Street, Krishna Nagar, Madras-92. Virugambakkam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 1/4th undivided share in 1200 Sq. ft. together with first in ground floor easterwing Flat No. 1 467 Sq. ft. Madias-17. (T. Nagar Doc. No. 1393|84)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras-500 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I brieby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

17013: 9-7-85

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 126|Nov. 84|R.II.--Whereas, 1 MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing Land in No. 28, Coats Koad, T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1111 84 on Nov. 1984

1. Ragaripoc. No. 111194 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26)C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notic: under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri T. R. Ramachandran, Power Agent: S. Javaram. 81, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri A. Boivani, 2, 42nd St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same not ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Vacant land in T. Nagar. Door No. 28, Old No. 9, Coats Road, T. Nagar, Madras-17 T. Nagar Doc. No. 1411 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEJI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 127 Nov.84 R.H. Whereas I, MKS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing No. Door No. 28. Coats Road, T. Nagar situated at 2 grounds of Rs. 40,000; 4th share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1411 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any ncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri T. R. Ramachandran, Power Agent by S. Jayaram, No. 81, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

Sri S. Narayana Pillai, No. 4, Cart Track Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: Door No. 28, Coats Road, T. Nagar—#th share 2 grounds. T. Nagar|Doc. No. 1412|84. in 2 grounds.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

Scal:

- Ref. No. 159[Nov.84]R.H.—.
 Whereas I. MRS M. SAMUFI...
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
- able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000; and bearing No. I and at Telungungupolyam Village, situated at Coimbatore anno or remaganguparyam Vallage, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 4739'84 in November 1984

in November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to helween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : in November 1984

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the of the Indian Income-tax Act, 1922

FORM NO. ITNS-

 Sri P. Ramesh Pejathaya, Slo. Srimvasa Pejathaya, 2, Yogambal Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 259 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Fain Agencies by its sole proprietor Sri G. Paras Singh, S/o. late M. Gokulchand, 6, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAPERI MADRAS-600 006

Madras-500 005, the 9th July 1985

Ref. No. 130, Nov. 84.— Whereas I. MRS. M. SAMUTI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

T. S. No. 5064 (A. b., & No. 117 situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule anaexea hereto), has been transferred times the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Ω givening Officer at T. Nagar, Doc. No. 1345[84]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such amodel is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the abject of Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 159|Nov.84|R.II.-

Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000;—and bearing No.

Land at Telungungupalyam Village, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore. Doc. No. 4739;84

in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Dr. Bellie. Slo. Ramagcunder, and his son (minor) 66, Bashyakaralu St., R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri B. Mohaveer Jain, So. Sri Bansilal, 22, Kannuswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Telungupalayam Village; New T. S. No. 8|43, Coimbatore Taluk, Coimbatore|Doc. No. 4739|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 188 Nov.84.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
R. S. No. 618|3 Keeti Village situated at Cooncor
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registering Officer at
Cooncor Doc. No. 1639|84
in November 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mount Zion Bible College and Carter Boys' Home, by its power of atterney
Sri Leslie Lawrence, So. P. G. Lawrence,
Ketti. The Nilgiris.

(Transferor)

(2) Smt. S. Jayasree, Wlo. Balakrishna Pillayi, Dewason Estate, Kesayadasapuram, Triyandrum Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land and building: D. No. 17|107, 17|107A. 17|108 17|108A and 17|108B Ketti Village and Panchayat.

Coonoor Doc. No. 1639|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Tyabatly Rangwala and 4 Others. 119, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Rao, 253, Waltax Road, Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 228 Nov.84.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

R. S. No. 92[1 No. 25, Millers Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 3007]84)

in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of : of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income wising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Millers Road, Madras-10 R. S. No. 92 1 5 ground and 426 sq. ft.

(Purasawalkam Doc. No. 3007[84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. 82-206GI|85

Date: 9-7-1985

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 5|Nov.84|R.II.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Vacant land at Royapettah, situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central|Doc No 1097|84

in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Subashini Devi, 10, 11th Avenue, 62nd St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Sri Syed Hanimulla, 7, Arumugappa Mudali Lane, Royapettah, Madras.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 11, Govardan Singh Road, Royapettah, Madras.

Madras Central Doc. No. 1097 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the absessaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 34.Nov.84.-

Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

New No. 2 and 3 Nachiappa Chetty St., situated at Mylapore Madras-4

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villianur Doc. No. 1111 84, 1112 84 and 1113 84 Mylapore Doc. No. 1502 84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M, S. Krishnamurthy, and Others,
 No. 2 and 3 Nachiappa Chetty Street, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri D. Chandrasekaran and another 103, Kutchery Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 2 & 3 Nachiappa Chetty St., Mylapore R. S. No. 1964|4.

Mylapore Doc. No. 1502|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-7-1989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 56|Nov.84|R.II.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Agil. land in R. S. No. 283|4, situated at Kottivalkam
village, Madras, Near Thiruvanmiyur. Saidapet Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer at
Adayar|Doc. No. 3124|84
in November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Srl Venkateswara Industries by partners Sri A. V. Subba Rao and another, 103, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mr. N. K. Ahamed, 73, Dr. Natesan Road, Triplicane, Madras-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b.) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agrisultural land: 1 acre in R. S. No. 283/4, Kottivalkam village, (Near Thiruvanmiyur).

Adayar/Doc. No. 3124/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 57.Nov.84.---Government in this behalf under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. R. S. No. 283|4 situated at Kottivakkam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 3125|84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Sri Venkateswara Industries, 103, Habibullah Road, T. Nagar Madras-17, (Transferor)

(2) Mr. T. P. Nizar Ahmed, 15, Crescent Park 2nd St., Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in R. S. No. 283.4 In Kottivakkam, Adayar Doc. No. 3125 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date: 9-7-1985

(1) Ms. Sri Venkateswara Industries, 103, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Enkay Timber Industries (P) Ltd. 15, Crescent Park, Gandhi Nagar, II St., Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 58[Nov.84]R.II.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter relerred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and bearing No. Agrl. land in Kottivakkam village, situated at R. S. No. 283|4, 1 acre

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adayar Doc. No. 3126 84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

Agricultural land in Kottivakkam village, R. S. No. 283|4, Saldapet.

Adayar Doc. No. 3126 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

Date: 10-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 59|Nov.84|R.II.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Agrl. land in R.S. No. 283|4, situated at Kottivakkam village—1 acre and 5 cents (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar. Doc. No. 3127/84

in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis. Sri Venkateswara Industries, 103, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Minor Hanif Ahamed, rep, by mother and guardian, Smt. Nafeesa, 15, Crescent Park, 2nd St., Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in R. S. No. 283|4, in Kottivalkam village, Adayar Doc. No. 3127 84.

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 61|Nov.84|R.II.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
6, Wallace Garden, 1st Street, situated at Madras-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights|Doc. No. 508|84
In November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Oni Nayar, 6, Wallace Garden, 1st St., Madras-6.

(Transferor)

(2) Miss. Mayan Syed, 3, Krish Kumar Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and Building: 6, Wallace Garden, 1st St., Madras-6. Thousandlights|Doc. No. 508|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th July 1985

Ref. No. 67 Nov.84 R.II. Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 69

Rs. 1,00,000 and bearing No. 68, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights|Doc. No. 534|84 on Nov 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subson (1) of Section 269D of the said Act to the following betwons, damely :— '83-206GI|85

(1) Sri B. Abraham Family Trust, 67, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mr. S. Karuppiah and another, A-10, First Main Road, Ramalinganagar, Tiruchirapalli-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have 'the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING: 68, Nungambakkam High Road, Madras-34.

Thousandlights Doc. No. 534 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Chittaranjan Naidu, Pratap Naidu, 32, Archbishop Avenue, Madras.

(Transferor)

(2) Sri K. Jothishika Reddy, and K. Indira, 3, Chowdary Colony, Madras-34.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th July 1985

Ref. No. 76|Nov.84|R.II.—Whereas. 1,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No.
16. Wheat Croft Road,
situated at Nungambakkam, Madras-34.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights|Doc. No. 491|84 on Nov 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of action on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and Building No. 16 Wheat Croft Road, Nungambakkam, Madras-34,

Thousandlights Doc. No. 491 84,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madres.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 10-7-1985

FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS

Madras, the 9th July 1985

Ref. No. 80 Nov. 84.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority 269B under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs .1,00,000|- and

bearing No. T.S. No. 14/2 Block No. 48 situated at Egmore Madras

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 3154|84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg, persons, namely :-

(1) V. V. Gomathi 33, Ranga Raja Puram Road, Kodambakkam Madras-24.

(Transferor)

(2) S. Uma Devi 89, South Boag Road, T. Nagar, Madras-17

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from is sorribes of metion on the respective persons. whichever period empires intent
- (b) by any other person interested in the said immerable presents within 45 days from the date of the pull stion of this notice in the Official Gamette.

SEPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 14/2 Block No. 48 Egmore Nungambakkam Puliyur Village. Kodambakkam Doc. No. 3154/84.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Date: 9-7-1985

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th July 1985

Ref. No. 91 Nov.84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority Autorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believeb that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 65, Lay out No. 85 67, Survey No. 103 situated at Egmore, Nungambakkam Taluk (and more fully described in the Scheduled below), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam, Doc. No. 2856 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any axoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Sri K. P. Viswanathan and another, No. 7, Indira Gandhi St., Kaveri Rangam Nagar, Saligramam, Madras-93.

(Transferor)

(2) Sri Poonghat Srinivas and 2 others, No. 8, Villa Idona, Plot No. 73, TPS. 6, Santacruz West, Bombay-400 954.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 65, Lay out No. 85|67, Survey No. 103, Egmore, Nungambakkam Taluk.

Virugambakkam Doc. No. 2856 84.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-7-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th July 1985

Ref. No. 95|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-thix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00, 000 and

bearing No. 2, Subbiah Naidu St., situated at Purasawalkam, Madras-7. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam|Doc. No. 1952|84 on Nov. 1984

runsawarkamiloto. No. 1922 and the No. 1922 than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransser with the object of :—

- (a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely,:-

- (1) Sri Hammalud Mardia, HUF and others.
 No. 2, Barnaby Road, Kilpauk, Madras-10. (Transferor)
 - (2) Mrs. K. Nahceda Kousic, and others. Darul Hafeez, Nethaji Road, AMBUR, N.A. DIST.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective params. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme-vable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2, Subbiah Naidu St., Purasawalkam, Madras-7. Purasawalkam Doc. No. 1952 84,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th July 1985

Ref. No. 115 Nov.84 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o. 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a few market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. B6, State Bank Officers
Colony, situated at
Oliver Road, Scheme, Ctl, Mylapore, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 2977/84

on Nov. 1984

persons, namely:-

on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following (1) Sri V. Lakshmanan, 34, First Main Road, CIT Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri C. N. Alwar Chetty, 24, First Main Road, CIT Colony, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in 'he Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B6, State Bank Officers Colony, Oliver Road Scheme, CIT Colony, Mylapore, Madras.
Madras North Doc. No. 2977 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 129 Nov.84.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

property having rair market value exceeding Rs. 1,00,0001-and bearing No.

9, Maylai Ranganathan St.,
situated at T. Nagar-17
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the effice of the Registering Officer at
T. Nagar Due, No. 1434184 or Nov. 1984

T. Nagar Doc. No. 1434|84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :--

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income vising from the transfer: sadi/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; --

(1) Dr. R. Vijayaraghavan, 9, Mylai Ranganathan St., T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(2) C. Naroyanamma

2, Mathurai Veeran Koll Street, T. Nagar Madras-17,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Building Flat at No. 9 Maylai Ranganathan Street, T. Nagar Madras-17.

T. Nagar Doc. No. 1434|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-If, Madras.

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri A. Nanjappa Chettiar, No. 20 East Thiruvenkatasamy Read, R.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

 Sri Kanayalal L. Bathija,
 No. 2, Bharathi Park Road, Saibaha Mission P.O. Coimbatore-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 164|Nov.84,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

T.S. No. 12|25 S. No. 9 situated at Sanganoor Village Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 4369 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interest by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration act such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, EXPLANATION: shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHFDULE

Vacant land at Sanganoor Village, Coimbatore. Gandhipuram Doc, No. 4369|84,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269° of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) R. Kandasamy, Sjo. Ramasamy Udyar, Tiruppur Town Komaranthapuram.

(Transferor)

Smt. Ramathal, Wo. Marappa Grounder, Komaranthapuram Tiruppur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 173|Nov.84.--Whereas I,

MRS. M. SAMUEI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Block No. 708 No. 1 situated at Thottipalayam village Tirup-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2334[85 in Novemebr 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--84-206GI|885

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Komara Nagar Avinashi Road, Thottipalayam Triuppur Town.

Thiruppur Doc No. 2334/84,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 176 Nov.84.—Whereas I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing No.

S. No. 322, 323 situated at Thalakkarai Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Pollachi Doc. No. 2317/84
in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (2) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agriculturai land at Thalakkarai Pollachi 8. K. Pollachi Doc. No. 2317/84.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri K. Velusamy Gr.,

Sjo. Kuppusamy Gr. T. Nalligoundampalayam, Thalakkarai,

(Transferor)

(2) Raja (Minor), Slo. K. Mohan (Guardian), 11, Beemasana Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 178|Nov.84.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Samagam Palayam Village Coimbatore T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. Nos. 4231 & 4232|84 on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the than lifteen percent of such apparent consideration at the consideration for such transfer as agreed to be two parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unsier the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

(1) Smt. Susan Mathew, 67|3B Layella Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri Shreegopal Rander 115, Bushyakaralu Road, West R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Somayaurpalayam Village Coimbatore T.K (Coimbatore Doc. No. 4231 & 4232|84).

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Rcf. No. 179|Nov. 84|R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Agricultural land situated at Krishnarayapuram Village, Coimbatore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 4659 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. M. Vijayalakshmi and others, 175|1, Addis St., Coimbatore.
 - Sri P. Sivakumar and others, 34-A, Dr. Nanjappa Road, Combatore-18
 - Coimbatore-18.

 3. Kum. R. Usha and others, Dr. K. Rathinasamy, 175-A, Addis St., Coimbatore-18.
 - Kum. G. Aruna and another, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.

(Tran fair.)

(2) Sri S. M. Syed Mohammed, No. 19/116, Vincent Road, Coimbatore. Sri M. M. Abdul Rahim, T. M. Haniffa, and S. S. Mohideen Abdul Kadar, Samarao St., Kottai, Coimbatore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural I and: at T. S. No. 595 part, 598[1 part, 598] 2 part, Krishnarayapuram village, Coimbatore Town. Coimbatore Doc. No. 4659]84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th July 1985

Ref. No. 180 Nov. 84 - Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
S.F. No. 475, situated at Sowripalayam Coimbatore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. Nos. 4867/84)

on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Govind Kaur and Smt. Bhagwant Kaur 14|3|Mill Road, Coimbatore.

(2) Sri P. T. Jose, and Smt. Prema Jose, Songupta Street, Ram Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Sowripalayam S.F. No. 475, Coimbatore Town. Coimbatore, Doc. 4867/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 181|Nov. 84.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 7|49 New S. No. 8|33. situated at R.S. Puram Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5044|84 on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. N. Rathinasabapathy, 8, Sundaram Veedhi I. Pappanaickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. M. Eagamai Achi, 94, East Arokiyasamy Veedhi, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. Puram S. No. 8|33, Coimbatore. (Coimbatore Doc. No. 5044|84).

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

INOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1985

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

9FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 184|Nov. 84|R. II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Mettupalayam village, situated at Nollithurai village, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Metupalayam|Doc. No. 2114|84

on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri V. C. Natarajan, No. 13, Krishnasamy Naidu Lane, Karamadai Road, Mettupalayam, Sikkdasampalayam village, Mettupalayam Taluk, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Mps. The Krishna Mills Pvt. Ltd. Company 338, Avanashi Road, Coimbatore. (Rep. by Director, R. Krishnasamy.).

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the gublication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S.F. No. 340/2. Nellithurai village, Mettupalayam, Coimbatore. Mettupalayam|Doc. No. 2114|84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. M. A. Hirunnisa Bivi, Eqbal St., Vadakarai, Tharangampadi,

(Transferor)

(2) Smt. Ahamed Nachiar, wo Sri My. Syed Ahmed, Andal Kuru Main Road, Agarasecrangudi, Mailaduthurai Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 185[Nov. 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing T.S. No. 172, 173, 176, Ward No. 3, Block No. 5,

situated at Pattamangalatheru, Mayiladuthurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai Doc. No. 1082 84 on November, 1984

on November, 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the secilestics for such transfer as accorded to be the second to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections(if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the civice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: T.S. No. 172, 173, 176. Ward No. 3 Block No. 5, Pattamangalatheru, Mayiladuthurai. Mayiladuthurai Doc. No. 1082 84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 186|Nov. 84|R.II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No.
T.S. No. 725, Thirumanjanaveedhi, situated at Thirunandal, Mailaduthural

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mailaduthurai Doc No. 1087 (2 Nos.) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said asstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for time purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

85—206 GI|85

(1) Smt. S. Saroja wlo Shanmugam, Kannianandam, Mailaduthurai.

(Transferor)

(2) Sri P. Chellamuthu So. Periasamy Gounder, Eranganur Village, Chalapatti, Karur Taluk, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 725, Thirumanjanaveedhl, Thirunandal, Mailaduthurai Town, Malladuthurai. Mailaduthurai Doc. No. 1087 84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-7-1985

(1) Sri S. V. Balavenkatramachettiar, and his sons, Kottuveerampalayam Kadai Veedhi, Sathyamangalum.

(Transferor)

(2) Sri K. B. Prithvi Kumar & K. B. Prabakaran, slo Sri K. B. Balavenkatraman, Kottuveerampalayam Kadai Veedhi, Sathyamangalam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 197|Nov 84|R.H.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the incomplete the competency of property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

42, Kottuveerampalayam Kadai Veedhi,

situated at Sathiamangalam

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam|Doc, No. 2426|84 on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building: 4|2, Veedhi, Sathyamangalam Taluk. 4|2, Kottuveerampalayam Kadai Sathyamangalam Taluk Doc. No. 2426 84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1985

Ref. No. 204|Nov. 84.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. S. No. 85 D. No. 68, situated at Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pondicherry Doc. No. 2701/84 on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the exoresale property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sri Velayutha Chettiar, 68, Muthumariamman Koil Street, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Smt. Vasantha Kumari 11, Baraby Street, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building D. No. 68, Muthumaraiamman Koil-Street, Pondicherry.

Pondicherry Doc. No. 2701 84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 10-7-1985

Scal

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Vimala Gopalakrishnan, 11, Ganapathipuram Extension, Karungalpalayam.

(Transferor)

Smt. S. Krishnavani,
 Chokkalingampillai Veedhi,
 Erode.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th July 1985

Ref. No. 210/Nov. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Post 100 0001, and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
D. No. 41/T.S. No. 724 situated at Prakasam Veedhi, Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 4300/84 on November 1984

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

.. Land and building T.S. No. 34 D. No. 41/T.S. 724 Parakasam Road, Erode Town. Erode (Doc. No. 4300/84)

MRS. M SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th July 1985

Ref. No. 222/Nov.84.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Land and building, Pudukkalianoor Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Sathyamangalam/Doc. No 2211/84 on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri K. Murugaiyan S/o Sri Karuppagounder, and another, Pudukkothukandu, Pudukkalayanur, Sathyamangalam.

(Transferor)

(2) Sri S. V. Mani S/o Late S. Venkatesalu Naidu, Rangasamudram, Sathyamangalam,

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trainfor; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building: Pudukkalianoor Village S. No. 238/2, 237/7.

Sathyamangalam/Doc. No. 2211/84

(MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, MADRAS-600006

Date: 10-7-1985

Scal:

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th July 1985

Ref. No. 1/Nov/84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to velieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 21, General Muthiah Mudali Street, Sowcarpet, Madras-79

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Madras North (Doc. No. 3048 to 3050/84) on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kantilal N. Sah and others. No. 21, General Muthiah Mudali Street, Madras-79,

(Transferor)

(2) Shri Ajitkumar Kankaria & Others. No. 14, Trevellyan Basin Street, Madras-79.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 21, General Muthiah Mudali Street, Sowcarpet, Madras-79. J.S.R.I. Madras North Doc. No. 3048 to 3050/84

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

and an experience of the contraction of the contrac

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 1st July 1985

Ref. No. 2/November '84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Door No. 71, situated at Thambu Chetty Street, Muthialpet, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 3086/84) on November 1984

Madras North (Doc. No 3086/84) on November 1984 for an appare 1 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the range of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 N.D.S. Thajunnissa Bcevi, No. 5, Annasami Naicker Street, Madras-2.

(Transferor)

(2) S. Shajahan & 2 others, No. AA 53, Anna Nagar, Madras-40,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 71, Thambu Chetty Street, Muthialpet, Madras-1.
S.R.O., Madras North Doc. No. 3086/84

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Date: 1-7-1985

Mrs. K. Angammal,
 Mrs. Kalavathi, and
 S. Rajendran,
 No. 21, Kappier Street, Kandithope,
 Madras-79.

(Transferor)

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th April 1985

Ref. No. 3/Nov/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

and for

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000]- and bearing No. R.S. No. 2767/11 situated at 26, Saiva Muthiah Mudali Street, Madras-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Madras North (Doc. No. 3026|84) in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ant, in respect of any income unising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. A. M. Shahul Hameed,
 2. Khaja Mohideen, and
 3. S. Syed Mohamed,
 No. 12, Netaji Nagar, Tamdiarpet,
 Madras-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 26, Saiva Muthiah Mudali Street, Madras-1, R.S. No. 2767|11.

J.S.R.I., Madras North Doc. No. 3026/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 18th July 1985

Ref. No. 5/Nov./84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. R.S. No. 3537/29 situated at Door No. 174, T.H. Road,

Madras-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 3193/84)

on November 1984

on Rovemoer 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of r-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any reconstructing the concesiment of this income of any memorys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following person anamely:—
86—206 GI[85] (1) Smt. Kamala Dhiran. W/o Manoharial Dhiran, 62, Thirupalli Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri B. H. Mammi, S/o Hydrose, No. 32/2645, Puthiya Road, Vennala, Cochin-25, Now at No. 8, Sembudoss Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at No. 174, T.H. Road, Tondiarpet, Madras-81, I.S.R.I., Madras North Doc. No. 3193/84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I MADRAS-600006

Date: 18-7-1985

Ceal:

رات جی بیان می اصلی کے مطابق استان کا

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th April 1985

Ref. No. 6/Nov/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing R.S. No. 8090/2 situated at No. 40, 41A and 41B, Now No. 44, Audiappa Naicken Street, Peddunaicken (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 3237/84) in September, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. R. Vedavalli and six others, No. 72, Kandar Nagar, Madras-34.

(Transferor)

Shri R. V. N. Sankar,
 Shri R. V. N. Kannan,
 No. 102, North Avanimoola Street,
 Madurai-625001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 44, Audiappa Naicken Street, Peddunaickenpet, Madras-1.

(Doc. No. 3237/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1985

Feal:

 Sri K. Gopalan, S/o Krishnamoorthy, No. 10, Neelakanta Mehta Street, Flat No. 6, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. R. Kamalam, 70, West Coast Rise, Singapore-0512.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th July 1985

Ref. No. 13/November/84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reteired to as the 'Siad Act'), hve reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}- and bearing No. Door No. 15 situated at Inner Circular Road, Kilpauk Garden Colony, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 3260/84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and building at Door No. 15, Inner Circular Road, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

S.|R.O., Periamet Doc. No. 3260/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 1st July 1985

Ref. No. 14/November/84.—Whereas, I,

K. VENUGOPALA RAJU
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 22, situated at Thyagaraya Pillai Street,
Peddunaickenpet, G.T., Madras-1/(and more fully described in the scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

fand more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 525/84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) E. Damodaran and 4 others, 22, Thyagaraja Pillai Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Haji K. Alavi, 33, Seven Wells Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

nd and building at Door No. 22, Thyagaraja Pillai Street, Peddunaickenpet, G.T., Madras-1.
S.R.O. Sowcarpet Doc. No. 525/84

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 18th April 1985

Ref. No. 15/Nov/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Rs. No. 906 situated at No. 9, Palayappan Street, Puddunaickenpet, Madras-79 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 520/84 and 519/84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrl T. Renga Rao and others, 45, T.H. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Ramesu Babu, 43, Nattu Pilliar Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at D. No. 9, Palayappan Street, Peddunaickenpet, Madras-79.

(S.R.O. Sowcarpet Doc. No. 520|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Accusition Range-I
MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Abdul Ummal Bagum. 19, Thattamuthiappan Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nagoor Ghani, No. 3, Tailor Road, Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th July 1985

Ref. No. 16/Nov./84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

43, Sadayappa Mastry Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sowcarpet (Doc. No. 531|84) in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 43, Sadayappa Maistry Street, Madras-1. S.R. Sowcarpet Doc. No. 531/84

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th July 1985

Ref. No. 23/Nov./84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. situated at No. 15, Peddunaicken street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 563/84) on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S.P. Paneer Selvan Alias Narayanan and others, No. 613, B-Block, M.P.T. Colony, Thandiarpet, Madras-1.

(Transferor)

Shri A. S. Asokan,
 Selvi,
 No. 34, Muthukrishnan Street,
 Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, »hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

... The terms and expressions used herein as APPIANATION Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 15, Peddunaicken Street, Madras-1. S.R.O. Sowcarpet S.R.O. Doc. No. 563|84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I MADRAS-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Savita Ben R. Joshi & Others, No. 3, Samudra Mudali Sweet, Madras-3.

(Transferor)

Shantilal R. Khonda & Others,
 Sivarama Sastry Street,
 H Floor, Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 25|November|84.—Whereas, I, K VENUGOPALA RAJU,

1 mg the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing Door No. 3 (Old No. 4) situated at Samudra Mudali Street, Madras-1.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Severapers (Doc. No. 547/84)

of 1908) in the office of the Registering Officer at Seventpert (Doc. No. 547/84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, Samudra Mudali Street,

29442 THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907)

(PART III-SBC. 1

PORM ITNS

 Shri K. Gajapathy Naidu No 12, Ratnamudaly street, Sowcarpet Post. Madras-79.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri A. Nachimuthu, No. 16, R. T. Mudalystreet, Choolai, Madras-112.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
of ve persons

-600 006, the 8th July 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1985

Ref. No. 34|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horoinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

No. 14/2 situated at Palayakara Street, Ayanavaram, Madras-600 023

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam (Doc. No. 3961|84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferel to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

87-206 GI 85

K. S. Kakshmi Actuel,
 Wo Late A. Venkatarama Iyer,
 No. 18, Krishnappa Mri try Ga,
 Purasawalkam, Madran-7 and
 A. V. Shantha, Wo Existrationarthy,
 No. 24 (New No. 15.), Prayakara Street,
 Aynavaram, Madra 23.

(Transferor)

1. Aiysha Bai, Wlo I theef Sait,
 2. Noorjehan, Wlo Zackeiya Sait,
 3. Mr. Eafath Solfana, Wlo Matheen Sait,
 4. Ihtashamul Hud, Slo Latheef Sait,
 No. 6, Singanna Naicken Street,
 First Floor, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the implementationed :---

- (a) by any of the aforestant persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette to provide of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 14/2, Palayakara Street, Ayanavaram Madras-600 023. S.R.O. Sembiam Doc. No. 3961/84

U. VENUGOPALA RAIU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 1-7-1985

(1) Shri K. Gajapathy Naidu No 12, Ratnamudaly street, Sowcarpet Post. Madras-79.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri A. Nachimuthu, No. 16, R. T. Mudalystreet, Choolai, Madras-112.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 35|Nov|84.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having the fair market value exceding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Door No. 50 situated at Rothgidengu Thiruvengada Mudali
Street, Choolai, Madras-112.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registering Officer at
S.R. Periamet (Doc. No. 1106|84) in November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. 50, Rolugidengu Thiruvengada Mudali street, Choolai, Madras-112.
S. R. Periamet.
Doc. No. 1106|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1985

Ref. No. 36 November 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing.

Door No. 13 (Part) (Old No. 11 part) situated at East Sputank Road, Chetpet, Madras-31 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1107 84) in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. B. Irani,
 13, East Spurtank Road,
 Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Dr. R. N. Annamalai, 6, Easwaran Koil Street, Erode, Periyar Dist.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 13 Part, East Sputtenk Road, Chetpu., Madras-31.

S.R.O. Periamet Doct, No. 1107]84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Marhas 600 006.

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Annual of the Contract of the

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAINGE-I MADRAS-600 006

Madros-600 000, the 4th July 1985

Rof. No. 39 Novemb (1/4), -Whereas, 1. K. VENUGOPALA RAJU. being the Competent 2000 under Section 269B of the Income-tax Act, 1904 3 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act') 4 and to believe that the Immovable property, halo a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beautiful actions to be a fair market believe that the Immovable property halo a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beautiful actions to be a fair market value acceeding the said and the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said action to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be a fair market value acceeding the said actions to be actions to be a fair market value acceeding the said actions to be actions to be actions to be a fair market value acceeding the said actions to be actions to Door No. 460 (Old do 2 di nated at Kilpank Garden Rd. Madras-10. (and more fully described by the Schedule annexed hereto), has been the still the schedule annexed hereto), has been the still the stil more than fifteen per consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties for any controlly stated in the said

instrument of transfer with the object of :=

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to par tax under the said Act, in respect of any indicate arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating first the confinent of any income or any moneys or of the rasts which have not been or which ought to be Useliesed by he transferre for the purposes of be Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (25% 1957).

Now, therefore in other side of Section 269C of the said Act, I hereby initiate an actings for the acquisition of the aforesaid property by a listen of this natice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Dr. Amantha Ramdas alias Dr. A. Ramdas

2. Mrs. Leela Ramdas No. 460, Kilpauk Garden Road, Madras-600 010.

(Transferor)

(2) Sri C. Nagarajan, No. 72, Mc Nichols Road, Chotput, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 460, Kilpauk Garden Road, Madras-10. S.R.O., Periamet Doct. No. 1192/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 4-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-F MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 41 Nov 84.—Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

R. S. No. 148|3 situated at No. 4 B Ormes Road, III Cross Street, Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feriamet (Doc. No. 1146/84) in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than files parent of such apparent consideration and that than fficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ox under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act 1957 (27 of 1957):

(1) M.s. P. Sundarraj, 12, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Senthamarai, No. 9. Taylors Road, Kilpauk, Madras-10,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACC. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, B Ormes Road III Cross St., Kilpauk, Madras-10. S. R. Persamet. Doc. No. 1146|84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Rcf. No. 53|Nov|84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

13, Ramanathan Street situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registering Officer at S.R. Pertumet (Doc. No. 1174|84) in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other tassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in bursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. K. M. Aiana and others, 166, Ramakrishna Mutt Road, Madras-78.

(Transferor)

(2) Shri D. Manoharan,I. B. Sunset Terrace,13, Ramanathan Street,Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 13, Ramanathan street, Madras-10, S. R. Peria met, Doc. No. 1174[84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madr 1s-600 006.

Date: 8-7-1935

(1) Mr. M. M. Aiana and others, FORM I'INS----166, Ramakrishna Mutt Road,

Madras-8.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Annie Varghese, 20, East Abiramapuram, 3rd Street, Madras-4.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 57|Nov|84.—Whereas I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and beating

No. 13, situated at Ramanathan Street, Kilpauk, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 1179[84) in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 13, Ramanathan Street, Kilpauk, Madras-10. S. R. Periamet. Doc. No. 1179 84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM ITNS (1) Gowri Bai and (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1985

Rc., No. 61 Nov. 84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and opening No.

56, Konnus High Road, Ayanavaram, Madras-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Anna magar (Doc. No. 3798/84)

5, R. Alit i Navar (Doc. No. 5/98|84

in Novemet/ 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(4) Spoil/Nating the reduction or evasion of the limbility of the Sanaferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(4) Gowri Bai and G. Sivaprakasam, 56, Konnur High Road, Ayanavaram, Madras-23.

(Transferor)

Shri K. Gajendran,
 K. Gopal and K. Dhanasekaran,
 P. K. Chetty Street,
 Wallajabed,
 Chenkalput Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 56, Konnus High Road, Ayanavaram, Madras-23, S. R. Anna Nagar, Doc. No. 3798 84,

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-4-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 63|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Plot No. 799 situated at Arignar Anna Nagar, Madras

Plot No. 799 situated at Arignar Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3755|84)

in Novemebr 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ee
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the material Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

88---206 GI|85

(1) Sri K. K. Markendeyan, Piot No. 799, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

S. Vasantha,
 Ayyavoo Naidu Street,
 Shenoy Nagar,
 Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building nt Plot No. 799, Arignar Anna Nagar, Madras-40.

S. R. O., Anna Nagar Doct, No. 3755|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1985

Ref. No. 64|Nov|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Plet No. 5126 situated at Door No. F. 137, Aringar Anna Nagar, Madras-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 3736|84) on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. Kailasapathy, Slo K. Natesa Chettiar, Plot No. 5126, Door No. F 137, Aringar Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) K. Chandrabhan,
 S|o Krishindas,
 3. General Muthiah Mudali St.,
 Sowcarpet, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 5126, Door No. F 137, Aringar Anna Nagar, Madras-102. S.R. Anna Nagar. Doc. No. 3746|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 18-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Rcf. No. 66|November|84.--Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing S. No. 107 and RS No. 108 | B B B B B | A, situated at Alagapuram Village, Salem Taluk, Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 2322|84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evuation or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. K. Rajamanickam Pillai, and Others, Sivasamypuram Extension Gandhi Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Sri S. Chellappan and Other, Rajaji Nagar, SIPCOT Complex, Hosur Post, Dharmapuri Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Alagapuram Village (S. No. 107 and RS No. 108|1 B2 B1 B4|A), Salem Taluk, Salem Dist. S.R.O., Suramangalam Doct. No. 2322|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 4-7-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. P. Marimuthu Mudaliar, So Patchiyappa Mudaliar, Arunachala Ac hari Street, Salem Town. (2) Smt. Jegadeeswari,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th April 1985

Wlo P. N. Rathakrishnan, Madam Street, Salem Town.

(Transferee)

Ref. No. 67 November 84.—Whereus, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Survey No. 1914C situated at Alagapuram puthur village, Salem Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of S.R. Suramangalam (Doc. No. 2356/84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore here. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Land at Alagapuram puthur village, Salem Taluk. Survey No. 191 AC.
S.R. Suramangalam.
Doc. No. 2356 84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 72 November 84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Survey No. 106, Ward No. 3, situated at Thammampatti village, Authur Taluk, Natham (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at (S.R., Suramangalam, Doc. No. 2302]84). For an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Smt. Sundaram alias Nallammal, D|o Viruthachala Reddiar, Hospital Street, Thammampatti (P.O.), Authur Taluk.
- (2) Shri R. Baskaran, Slo Ramaraj, Hospital Street, Thammampatti (P.O.), Authur Taluk.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thammampatti village, Authur Taluk Doc. No. 1485|84. S.R. Thammampatti.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 19-4-1985 Scal:

facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Komarapalayam village, Namakkal Taluk. S.R. Velur (Salem), Doc. No. 1668/84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri A. Ratnam,
 N. P. Arumugam,
 Aiyanthirumaligai,
 Salem-8.

(Transferor)

(2) Smt. S. Uma Maheswarl, Woo R. Narayanasamy, Door No. 10, Alagapuram Thangavel Nagar, Salem-16.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 73|November|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Survey No. 197|2, 3, 4, 5, 8, 15, 16 situated at Alagapuram Puthur village, Salem Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Suramangalam (Doc. No. 2302/84) on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 24, 1985 (BHADRA 2, 1907) 29 456

[PART III—Suc. 1 _____

FORM TINS

FORM I'NS (1) Shri Nallathambi Chettiar and others, Thuthiyonam P.O.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Danabal, So Chockalingam Chettlar, Thuthiyonam P.O.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1984

Ref. No. 77 November 84.-Whereas, I, PREMA MALÍNI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing S. No. 172 situated at Kalappanaickenpatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registe ing Officer at S.R. No. Sendamangalam. Doc. No. 1659 84 on November

1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: andler

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Land at Kalappanaickenpatti. S. No. 172/3. Doc. No. 1659|84. S.R. Sendamangalam.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Mad. as-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 29-4-1984

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 75|November|84.—Whereas, J, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing situated at Komarapalayam village, Velur (Salem)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Velur (Salem) Doc. No. 1668/84 on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri K. Shunmugham, So Kuppanna Gaunder, Komarapalayam, Palapatti.

(Transferor)

(2) Shri K. Sundararajan,S|o Karunjama Gaunder,Melapalapatti,3Sabalapatti P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land at Komarapalayam village, Namakkal Taluk. S.R. Velur (Salem). Doc. No. 1668 84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madrae-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-4-1985

FORM ITNS----

والمنافق والمنافق المنافق المنافي والمنافق والمنافق والمنافق المنافق والمنافق المنافق والمنافق والمناف

(1) Shri Nallathambi Chettiar and others, Thuthiyonam P.O.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Danabal, Slo Chockalingam Chettiar, Thuthiyonam P.O.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1984

Ref. No. 77 November 84.---Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing S. No. 172,3 situated at Kalappanaickenpatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registe mg Officer at S.R. No. Sendamangalam. Doc. No. 1659 84 on November

1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Land at Kalappanaickenpatti. S. No. 172|3. S.R. Sendamangalam. Doc. No. 1659 84.

> PREMA MALINI YASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Mad. as-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 29-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Rcf. No. 84|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No.

T.S. No. 16/2 situated at Pallapahty Village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Salem (Doc. No. 1183/84) in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri B. T. Ramalingam & Others. 10|567, Bajanai Madam St., Shevapet, Salem-2.

(Transferor)

(2) Sri K. Inbaraj & Others, 24, Mađurai Kuppaier St., Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T.S. No. 16/2, Pallapatti Village Salem Town.

S.R.O., Salem Doc. No. 1183|84,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

Seal:

89-206 GI|85

Sri S. Seivaraj & Other, No. 29, Chairman Rathinaswamy St., Shevapet, Salem.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA Kollapatty, OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 87 November 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovexeceding able property, having a fair market value

Rs. 1,00,000|- and bearing
T.S. No. 1|3 situated at Pallapatty Village, Salem Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registring Officer at
Salem (Doct. No. 1240|84, 1242|84 and 1243|84) in Novem-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the raid intrament transfer with the object of:-

(2) Sri M. Sadasivam, Slo. N. Muthu Gounder.

Thiruchongodu Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeduable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. e arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land at Pallapatty Village, Salem Taluk, Salem Dist. (T.S. No. 1|3). S.R.O., Salem Doct. Nos. 1242 84, 1243 84, & 1240 84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 88|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot Nos. B-121 situated at Mookandapalli Village, Hosur Taluk, Dharmapuri Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hosur (Doct. No. 3740|84) in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Prema Shyam Sundar, Wo C. Shyam Sundar, No. B-121, SIPCOT HOUSING COLONY, Hosur.

(Transferor)

(2) Shri P. Suresh Investments, No. 196, Ananda Nilaya, II Floor, Double Road, Indira Nagar, II Stage, Bangalore-560 038, Karnataka State,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Builling at B-121, SIPCOT Housing Colony, Hosur Taluk, Dharmapuri Dist. S.R.O., Hosur Doct. No. 3740 84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-3
Madras-600 006

Date: 5-7-1985

Seal

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 92|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of 'he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Door No. 47, 47A, 47B and 47C situated at Rasipalayam

Village Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mohanur (Doct. No. 1037/84) in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri A. R. Senthilhathan Chettiar, So Arunachala Chettiar, Devakottai. Pundukettai Dist.

('Transferor)

(2) Sri A. Ramaswamy, Sjo Arunachala Gounder Sri M. Rangaswamy, So Malaiyappa Gounder Komarapalayam Village, Kasba, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Nos. 47, 47A, 47B and 47C, Rasipalayam Village, Salem Dist. S.R.O., Mohanur Doct. No. 1037/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 96[November]84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Survey No. 416 situated at Ambur Village Vaniyambadi Taluk, North Arcot Dist

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 2528 84) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of manafer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and lec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons 1 nmsty:—

(1) Shri G. Natesa Chettiar, Shri G. N. Shunmugam and G. N. Pavanisankar, No. 23. Parnakara Street, Ambur Town, Vaniyambadi Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. Kuppuswamy and T. Balaraman, No. 59, S. K. Road, Ambur Town, Vaniyambadi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ambur village, Vaniyambadi Taluk, N. A. Dist. S.R. Ambur, Doc. No. 2528|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 19-4-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 98|Nov|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

and bearing
Survey No. 129|2 situated at Palavansathu Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registration Officer at
J.S. R.L. Vellore (Doc. No. 4000|84) on November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
farties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sarojini Gajaraj, 19/20. Shenoy Road, Nungambakkam, Madras-35.

(Transfer

(2) Dr. V. I. Mathan and Mrs. Minnie M. Mathan, C.M.C. Hospital, Vellore-4. North Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Pallavansathu village. Survey No. 129/2, JS. R.-I, Vellore, Doc. No. 4000/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 8-7-1985

FORM ITNS -----

(1) Shri Varathararisan and other Perumampalayam, Muthukappatti P.O. Namakkal Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

So Perumal Gounder, Muthukappatty & Post, Namakkal Taluk, Salem District.

(2) Shri P. Chinnaswamy,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 103|November|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Survey No. 77[1 and 78]6 situated at Kondamanaickenpati Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sendamangalam (Doc. No. 1609|84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrubetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kondamanaickenpatty Village, Survey No. 77|1

S.R. Sendamangalam, Doc. No. 1609 84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

rlow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

Date: 29-4-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ellammal and Others, Sankar Nagar, Komarasamypatti, Salem Town.

(Transferor)

(2) Sri V. Shanmugam, S/o Palani Gounder, Konnavayankadu, Thottiyampatti, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 108 November 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 8/1 situated at Mettupalayam Village, Attur Taluk, Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddanaickenpalayam (Doc. No. 1537/84) in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land at Mettupalayam Village, Attur Taluk, Salem Dist.

S.R.O., Peddanaickenpalayam, Doc. No. 1537/84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-90---206 GI|85

Date : 5-7-1985 Seal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th April 1985

Ref. No. 110|November|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S. No. 47|1 situated at Pandamangalam village, Velur. T

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Velur (Salem) (Doc. No. 1580|84) in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shri M. V. Singaravadivel Mudaliar,
 C. Kumaravadivel,
 M. Palaniyappa Mudaliar,
 Pandamangalam.

(Transferor)

 Smt. M. Sellammal, Wo M. R. Manicka Mudaliar, Pandamangalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Pandamangalam village. S. No. 47|1, S. R. Velut (Salem) Doc. No. 1580|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1985

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 111|November|84.-Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 383, 384, 387/1, 388, 389/1 situated at Kelavalli

Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dharamapuri (Doc. No. 652|84)

in November, 1984

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of :-

- (a) familiating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri R. Palaniswamy, Slo. Rangaswamy Gounder, Nottavolampalayam, Anangur Village, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri C. K. Kalyanasundaram. Slo. C. K. Kuppuswamy, Administrative Director, Dharmapuri Paper Mills Private Ltd., Kelavalli Post, Harur Taluk, Dharmapuri Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this aotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with building at Kolavalli Village, Dharmapuri Dist.

S.R.O. Dharmapuri, Doc. No. 652/84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-7-1985

Scal :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 111A November 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 195, 384, 387[1, 388, 389[1, 391 situated at Kelavalli Village, Dhermanni Diet

Village, Dharmapuri Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (26 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dharmapuri (Doc. No. 653|84) in November, 1984 In apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer to such transfer the profits her not hear trails extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising (rom the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sri E. S. Muthuswamy Gounder, So Sadaiya Gounder, Emakanoor, Sankari Durg Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri C. K. Kalyanasundaram, So. Kuppuswamy, Kelavalli, Kottaipannai, Harur Taluk, Dharmapuri Dist.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Kelavalli Village, Harur Taluk, Dharmapuri Dist.

S.R.O., Dharmapuri, Doc. No. 653/84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date : 4-7-1985 Seal :

(1) Sri N. Vijayaraghavan, Slo Nallappa Chettiar, No. 12, Mariamman Koil St.. Gandhipettai, Tirupathur, N.A. Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. P. Nallammal, Wo V. Ponnuswamy, Marurpatty Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 112|November|84.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R.S. 228|58|situated at Namakkal Village, Salem Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
here been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Namakkal (Doct. No. 1391/84) in November 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideation
and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. 228|58, Namakkal Village, Salem Dist. S.R.O. Namakkal Doct. No. 1391/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nerson: namely :-

Date: 4-7-1985

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 113|November|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Door No. 16A9, Namakkal Village, situated at Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doct. No. 1401/84) in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Setic 1 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. N. Natesan & Others, Slo Nadlathambi Udaiyar, Gandhi Nagar Extension, Namakkal Town.

(Transferor)

(2) Sri K. Appavoo, Slo K. Kuppanna Gounder, Gandhi Nagar Extension, Namakkal Town, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 16A9 (S. No. 490|1A2, Namakkal Village, Salem Dist, S.R.O., Namakkal Doct, No. 1401|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 115|November|84.--Whereas, I,

K. VENUGOPALA RAJU. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Door No. 10 situated at Emporumbal Street,

Arcot Town,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arcot (Doct. No. 2432 84) in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. R. Bharathy Ammal, Wlo K. Ramachandra Achac, 10, Emperumal Street, Arcot Town.

(Transferor)

(2) Sri P. Abaya Kumar, Slo G. Parasmall Sowcar, No. 7, Emperumal Street, Arcot Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 10, Emperumal Street, Arcot Town, N.A. Dist. S.R.O., Arcot Doct. No. 2432 84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority *Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th April 1985

Ref. No. 117|November|84.-Whereas, [PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

R₃, 1,00,000|- and bearing S. No. 152|9 situated at Jarikontalmuptati rand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Veerapandy (Doc. No. 1152/84 & 1151/84) on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Smt. Gaundammal, W|o P. Nagarajan, Door No 83, Kallikottai Main Road, Jarikontalampatti, Salem Taluk.

(Transferor)

 (2) Smt. P. Renganayaki,
 W|o P. Palanichamy Chettiar,
 22, Kugai Ambalayanaswamykoil St., Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalbe property., within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jarkontalampatti village S.R. Veerapandy. Doc. No. 1152|84 & 1151|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-4-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 130|November|84.—Whereas, I K. VENU-GOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-lax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Agricultural lands situated at Athiyur Village, Yercaud Taluk,

Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 308/84) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. R. Padmini & Others, No. 176, Piabhu Road, Erode Town, Erode Taluk, Periar Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Thiagarajan,
 Sjo V. K. Subramania Iyer,
 D. No. 26, Sarada College Road,
 Anna Nagar, Salem Town.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Athiyur Village, Yercaud Taluk, Salem Dist S.R.O. Yercaud. Doct. No. 308]84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

91--206 GI|85

Date: 4-7-1985.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. R. Padmini & Others, No. 176, Praphu Road, Erode Town, Erode Taluk, Periar Dist.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Anna Nagar, Salem Town.

(2) Sri S. Ganesan, Slo V. K. Subramaniam Iyer,

No. 26, Sarada College Road,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 130A|November|84,-Whereas, I, K, VENU-GOPALA RAJU.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000- and bearing

Agricultural lands situated at Athiyur Village, Yercaud Taluk,

Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 308/84) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands at Athiyur Village, Yercaud Taluk, Salem Dist. S.R.O., Yercaud. Doct. No. 309|84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-7-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 130B|November|84.--Whereas, 1 K. VENU-GOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agricultural lands situated at Athiyur Village, Yercaud Taluk,

Salem Dist.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doct. No. 210/84) on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the fransferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
92—206 GI | 85 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Smt. R. Padmini & Others, No. 176, Prabhu Road, Erode Town, Frode Taluk, Periar Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Ravichandran, Slo V. K. Subramania Iyer, No. 26, Sarada College Road, Anna Nagar, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Athiyur Village, Yercaud Taluk, Salem Dist. S.R.O., Yercaud. Doct. No. 310/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 4-7-1985. Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. Elaiyappan, So Ramaswamy Gounder, Oduvankurichi Post, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Sundaram, So Songoda Gounder, Oduvankurichi Post, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 133|November|84.-Whereas, I, K. VENU-GOPALA RAJU.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Survey No. 77,6, 79,1. 79,2A & 77,3C situated at Oduvankurichi Village, Salem Dist.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripet (Doct. No. 893,84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reserve to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 77|6, 79|1, 79|2A and 77|3C, Oduvonkurichi Vilaleg, Rasipuram Taluk, Salem Dist. S.R.O., Nomagiripet. Doct. No. 893|84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th April 1985

Rcf. No. 140|November|84.---Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

S. No. 47 1 situated at Annathanapatti village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tadagapatty (Doc. No. 3184/84) on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Natesa Pillai,
 Sho Shunmugham Pillai,
 N. Krishnasamy and others
 Door No. 39, Car Street,
 Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri R. Thangavelu, S|o S. Ramasamy Gaunder, A. Karaiyoor Lakshmana Gaundalur, Sankagiri Taluk, Salem District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Land and building at S. No. 47 1 Annathanapatti village,
Salem Taluk.

S.R. Tadagapatti. Doc. No. 3184|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 30-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. O. Vasudevan, Sjo A. V. Kothandaraman, Bazaar Street, Attur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

(2) 1. A. Rathinavelu Chettia, Slo Appavaoo Chettiar

2. R. Manoharan
3. R. Ravikumar Sons of A. Rathinavel Chettiar, Pudupet, Attur

(Transferee)

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref.No.150 November 84.—Whereas, I.K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Door Nos. 739 and 740 situated at Salem-Cuddalore Main Road, Attur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 0.6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Attur (Doc. Nos. 2242/84 and 2243/84) on November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nole property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Nos. 739 and 740, Salem-Cuddalore Main Road, Attur. S.R.O. Attur Doct. No. 2242 84 and 2243 84.

> K. VFNUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 5-7-85

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Late Patchamuthu Gounderand others Frumapalayam, village, Salem District.

(Transferor)

(2) Smt. Kuppayee Ammal,
 Wlo S. Krishnan
 2. Smt. Goury, Wlo K. Kumar,
 191, Main Road, Pallapatti,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 151/11/84.—Whereas, I.K. VENUGOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and braning No. S. No. 335|2

that teaching No. 3, No. 35 (2) statement of all teaching No. 3, No. 35 (2) to the Spendale number of hereto), has been transferred as to the Projekt on Act, 1303 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tedagapatity (2007 No. 339/34) on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Frumapalayam village. Survey No. 335/2. S. R. Tadagapatty. Doc. No. 3195/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dute: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Natesapillai, So Shunmugampillai, 2. N. Shunmugam and others, 39, Car Street, Salem Town,

(Transferor)

(2) Shri R. Ganesan, So S. Ramasamy Gaunder, A. Thalaiyoor, Lakshmana Gaundaloor, Sankagiri Taluk, Salem Disrict

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 30th April 1985

Ref. No. 157 November 84.—Whereas, I PREMA

MALINI VASAN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. S. No. 47|1 13, 47|2C3 situated at Annathanapatti village, Salem Taiuk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Tadagapatty (Doc. No. 3233/84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Annathanapatti village, Salem Taluk, S. No. 47/113 and 47/2C3. S.R. Tadagapatti. Doc. No. 3233/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1985

Ref. No. 163|November|84.-Whereas, I K. VENUGO-PAI.A RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000[- and bearing No.

Plot No. 2875

situated at Arignar Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 3975 84) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. Devirathan, So Arumugam, Plot No. 1595, Anna Nagar West, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Anandan, Wjo M. Anandan, Plot No. 1389, Anna Nagar West, Madras-600 040.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 2875. Anna Nagar, Madras-40 S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 3975 84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 1-7-85

FORM ITNS----

(1) Shri H. Mohamed Ghouse & Others, No. 24, Moore face, Madras J.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. Fousiya, No. 1, Gnani Street, Schalyen, Dayangudi, Ramnad Dst.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 171|November|84,---Whereas, I, K. VFNUGO-PALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tag Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and b.a.ing No.

Door No. 24 (Old No. 128) situated Moore Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North (Doct. No. 3072|84 on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or ao. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaux property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 24 (Old No. 128), Moore Street Madras-I. S.R.O., Madras North Doct. No. 3072/84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Auquisition Range-I, Madras

Date: 4-7-85 Scal: